V- III

ASTROLOGY BASED ON PALMISTRY

ज्योतिष की

मदद से हस्त रेखा के जरिये दरूस्त

की हुई जन्म कुंडली से जिंदगी के हालात देखने के लिए

लाल किताब

1952

बीमारी का वगैर दवाई भी इलाज है,
मगर मौत का कोई इलाज नहीं ।
दुनियावी हिसाब-किताब है,
कोई दावा-ए-खुदाई नहीं ।

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

विषय

वृ. सू. = 1
वृ. च. = 2
वृ. शु. = 6
वृ. मं. = 8
वृ. बु. = 10
वृ. श. = 13
वृ. रा. = 17 A
वृ. के. = 19
सू. च. = 20
सू. शु. = 22
सू. मं. = 24
सू. बु. = 25
सू. श. = 29
सू. रा. = 32
सू. के. = 34
च. शु. = 35
च. मं. = 37
च. बु. = 39
च. श. = 41
च. रा. = 44
च. के. = 45
शु. मं. = 46
शु. बु. = 48
शु. श. = 51
शु. रा. = 53
शु. के. = 54
मं. बु. = 55
मं. श. = 57
मं. रा. = 61
मं. के. = 62
बु. शु. = 63
बु. रा. = 64
बु. के. = 65
श. रा. = 66
श. के. = 67
रा. के. = 68
वृ. सू. च. = 71
वृ. सू. शु. = 71
वृ. सू. मं. = 71
वृ. सू. बु. = 71
वृ. सू. शु. = 72
वृ. सू. रा. = 72
वृ. सू. के. = 72
वृ. च. शु. = 72
वृ. च. मं. = 72
वृ. च. बु. = 72
वृ. च. श. = 72
वृ. च. रा. = 73
वृ. च. के. = 73
वृ. शु. मं. = 73
वृ. श. बु. = 73
वृ. शु. श. = 73
वृ. मं. बु. = 73
वृ. मं. श. = 73
वृ. मं. के. = 73
वृ. बु. श. = 73
वृ. बु. रा. = 74
वृ. बु. के. = 74
वृ. श. रा. = 74
वृ. श. के. = 74
वृ. रा. के. = 74
सू. च. शु. = 74
सू. च. बु. = 74
सू. च. रा. = 74
सू. च. के. = 75
सू. शु. बु. = 75
सू. शु. श. = 75
सू. शु. रा. = 75
सू. शु. के. = 75
सू. मं. बु. = 75
सू. मं. श. = 76
सू. बु. श. = 76
सू. बु. रा. = 76
सू. बु. के. = 76
च. शु. बु. = 76
च. शु. श. = 77
च. मं. बु. = 77
च. मं. श. = 77
च. मं. रा. = 77
च. मं. के. = 77
च. बु. श. = 77
च. बु. रा. = 77
च. श. रा. = 77
शु. मं. बु. = 78
शु. मं. श. = 78
शु. बु. श. = 78
शु. बु. रा. = 78
शु. बु. के. = 78
शु. श. के. = 78
शु. रा. के. = 78
मं. बु. श. = 78
मं. श. के. = 78
बु. श. रा. = 79
बु. रा. के. = 79
वृ. सू. च. मं. = 79
वृ. सू. शु. मं. = 80
वृ. सू. शु. बु. = 80
वृ. च. बु. श. = 80
वृ. च. बु. रा. = 80
वृ. बु. श. रा. = 80
सू. च. शु. बु. = 80
सू. च. मं. श. = 80
सू. च. बु. के. = 80
सू. शु. बु. श. = 80
सू. मं. बु. श. = 80
च. शु. मं. बु. = 80
च. शु. मं. श. = 80
च. शु. बु. श. = 81
च. मं. बु. रा. = 81
मं. बु. श. रा. = 81
च. शु. बु. श. = 81
शु. मं. बु. रा. = 81
पंचाङ्ग = इकट्ठे पांच ग्रहों का फला देश = 81
तत्वान ग्रह = सभी इकट्ठे ग्रह = 81
विषय के अध्ययन के लिए
चन्द्र [illegible] = 82 to 92
टेवे में राजयोग = 94
खानावार वस्तुएं = 94
दिमाग के खाने = 95, 96
कुंडली का मस्तिष्क का सम्बन्ध 97
इंसानी दिमाग की लहरें
या 42 दिमागी खानों की तफसील = 97, 98, 99, 100
खानावार वस्तुएं = 101, 102, 103, 104
ग्रहों से सम्बन्धित वस्तुएं = 105, 107, 108, 109, 11
सम्बन्धित ग्रहों के सम्बन्धी = 111, 112
हर ग्रह का मुकल्लका = 115
मकान
हर ग्रह का मुकल्लका = 115, 116
इंसान
हर ग्रह की सम्बन्धित रेखा = 117
सूर्य की रेखा = 118
चन्द्र की रेखा = 119
आंख = 119
खुशी गमी = 121
मंगल दद रेखा = 123
बुध की रेखा = 124
शनि की रेखा = 124
शनि की आंखे = 125
हाथों की ताकत = 126
राहू या सीना पुश्त की हाड्डियां = 126
ख्याल का मर्कज = 126
कान केतू
पीठ केतू
पांव पर निशान, पांव की उंगलियां
रफ्तार, हथेली पर खास निशान
फरमान न. 17 योग बन्धन = 128
किस्मत का असर = 129
किस्मत का ग्रह = 129
किस्मत के ग्रह की तलाश = 129
की तरतीब
विवाह शादी योग शादी = 130, 131, 132, 133, 134, 135
खबर दारी = मकान रिहाशी से मुकल्लका = 136
कन्या के वर की खोज के मुकल्लका = 136
औलाद स्त्री परिवार सुख से सम्बन्धित = 137
खैर तमामा = 138
मुकवना = 138
आमदन - खर्च = 138, 139, 140, 141, 142
माली लेन-देन 142, 143
औलाद 144, 145
औलाद का वालदैन को सुख 146, 147
लावल्द, हिजड़ा मर्द, बांझ औरत 147
साहिबे औलाद 148
मैहकमें 149
कलम की स्याही 150
सफर का हुकमनामा 150, 151
मकान = 152, 153, 154, 155
बिमारी = 155, 156, 157
उम्र इंसानी = 158, 159, 160, 161, 162
मौत का आखरी साल व दिन = 162
उम्र के साल = 162, 163, 164, 165
मौत का वक्त = 165, 166

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

बृहस्पत सूत्र

शाही धन

तख्त मिले से साथ 38, आला दौलत धन शाही हो,
विष्णु[1] ब्रह्मा[2], सूरज, बृ सृष्टि, भाग्यादय त्रिलोकी हो,
बाप-बेटे का दोनों दुनिया, लेख नसीबा मिलता हो,
जुदा-जुदा खा लेखा मन्दा, मिलने सूखी दो होता हो,
दोनों देखे जब चन्द्र मूता, सुशक कूप जर गरता हो,
नजर दृष्टि शनि जो करता, सोया उल्टा फल दो का हो,
साथ सभी ख्वाह माता अंधी, पिस्तान भरे दूध होती हो,
वृध मगर जब हो कभी साथी, रवि गुरु दो कैदी हो

1 विष्णु = सूरज
2 ब्रह्मा = बृहस्पत

बृहस्पत के साथ सूरज होने के वक्त किस्मत का ताल्लुक गैरों के साथ से नेक मगर रहानी होगा। दुनियावी कामों कामयाबी जरूर होगी। मगर खुद कोशिश से मुश्तरका मिलावट में अगर सूरज का असर तीन हो तो बृहस्पत का असर सिर्फ दो हो होगा जिसमें पहले बृहस्पत फिर सूरज का असर शुरू होगा दोनों मुश्तरका से चन्द्र हो बन जाता है। मगर किस्मत का असर शेर की रफ्तार, शेर की ताकत और मानिन्द दमकता सोना होगा। बृहस्पत अकेला होने के वक्त अगर उससे मुराद बाबा (बाप का बाप) या जाद् गुरु हो तो सूरज के साथ बैठा होने पर बृहस्पति से मुराद टेवे वाले का बाप और सूरज से उसका लड़का गिना जायेगा या टेवे वाले की किस्मत में उसके बाप और बेटे की किस्मत का असर शामिल होगा। उसकी किस्मत उसके बाप और अपने बेटे की मदद देगी। जुदा-जुदा दोनों ग्रह बेशक ही मन्दे असर के हो मगर मुश्तरका होने के वक्त दोनों का ही असर भला होगा। और निम्नलिखित सालों तक बाप-बेटे दोनों ही के लिए उत्तम और हर दो ग्रह का मिला हुआ असर उम्दा होगा।

मुश्तरका किस घर में बैठे	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
(A) किसके घर बैठे	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49

गोया कि बाप बेटा (जिसके टेवे में सूरज बृहस्पत मुश्तरका हो वह बेटा और उसका बाप या जिसे टेवे वाला जब बाप बन चुका हो तो उसका बेटा) हर दो मुश्तरका हालत में हमेशा ही 70 साला उम्र तक खुशहाल होंगे अगर एक की उम्र के हिसाब से किस्मत का दर्जा कम हो तो दूसरे की तरफ से उम्र की बरकत और नसीबा की मदद का जोर मिलकर हर दो बाप बेटा 70 साल तक अजब (बुलन्दी) के मालिक होंगे।

मुश्तरका (किस्मत)	1	7	14	21	28	35	42	49	56	63	70	120
(A) (उम्र)	70	63	56	49	42	35	28	21	14	7	1	120

Free by Astrostudents

नेक हालत

ऐसा शख्स दिमागी खाना नं: 20 इज्जत वजुर्गी का मालिक अंदर बाहर से नेक, ज्ञानदाता, अक्ल का भण्डारी और किस्मत के मैदान में मानिन्द राजा योगी होगा। जिसमें न सिर्फ ब्रह्मा जी बृहस्पत और विष्णु जी सूरज की मुश्तरका ताकत की दर्दालत विधात की लिखत को भी उल्ट कर देने की हिम्मत होगी बल्कि वह इन्साफ, लम्बी उम्र और जागती हुई किस्मत मनमुई चन्द्र का उत्तम असर या नेक बादशाही खून (नुक्ता, वीर्य) का मालिक होगा-बाल बच्चों की बरकत और हर तरह से वृद्धि होगी राजा के दरबार और धर्म मंदिर हर जगह इज्जत और मान बढ़ता ही होगा। भूक बाद के घरों में हो

सेहत जिस्मानी उम्दा, दुनियावी इज्जत की तरक्की (मुरतकीयल) भविष्य का समय हर तरह से दिन व दिन रोशन (उत्तम) और हर दो ग्रहों की आशिया कारोबार मुतल्लका या रिश्तादार मुतल्लका और हर दो ग्रह सब खुशहाली बदौलत देंगे।
(घर बैठक के लिहाज से जब सूरज का असर उत्तम हो रहा हो)

चन्द्र खुद अपना नेक असर पैदाकर देगा। सुशक कूप खुद बखुद पानी से दोबारा भर जावे। बच्चे की आवाज सुन कर ही माता के पिस्तान दूध से भर जावें- ख्वाह वह अंधी चन्द्र (दुश्मन ग्राहे भरा हुआ) ही हो। राजदरबार से नेक ताल्लुक, तरक्की और बेहतरी होगी मगर किस्मत का अख्तियार किसी दूसरे के साथ से नेक होगा।
(दोनों देखते हो चन्द्र को)

राजदरबार के मुअल्लक जरूरी नकरों के नेक नतीजे होंगे। माली मुफाद (फायदा) और बरकत ही होती होगा।
(दोनों बहम देख रहे हो और चन्द्र कायम हो)

मानिन्द राजा दूसरों से खिराज लेवे मौत अचानक होवे सुनहरी तख्त पर आला हाकिम, उम्र लम्बी और बुलन्दी सुख उम्दा व दुनिया का पूरा आराम होगा। सुख ख्वाह मिट्टी का माधो और लिखा पढ़ा न ही हो दस्ती हुनर से कामयाबी होगी।
(दोनों खाना नं: 1 में)

महल मकान आला और शानदार जिंदगी होगी मानिन्द शेर बहादुर बेधड़क मगर बेरहम होगा। (दोनों नं: 2 में)
माया दौलत की हर दम तरक्की जब तक लालच का पुतला न हो (दोनों नं: 3 में)

दूध पहाड़ से बहता यानि पत्थरों से (शनिच्चर की आशिया कारोबार या रिश्तेदार मुतल्लका शनिच्चर) भी सोना बनता जावे, शाहाना और हाकिमाना आला जिंदगी का मालिक होगा (दोनों खाना नं: 4 में)

पूरा इकबाल मन्द और औलाद नरीना के जन्म दिन से और भी इकबाल मन्द होगा (दोनों खाना नं: 5 और चन्द्र उसी वक्त नं: 4 में)
औलाद दौलतमन्द होगी खुद अपने सिर परवरिश में माया दौलत मिलेगी दुश्मनों का हमेशा नाश होता रहेगा और औलाद का मामूली नाश दुनिया

में इसे हवाई जहाज के पंखों की तरह उम्दा मदद देगा अब बेशक पापी भी इस घर में आ बैठे (दर्शे राहु केतु या शनिच्चर भी बेशक साथ ही साथ नः 5 में आ जावें) फिर भी सूरज और बृहस्पत का अपना फल भी मन्दा न होगा (दोनों नः 5 में)

दोनों ग्रहों का जगह बजगह दिया हुआ अच्छा या बुरा अपना फल मगर दोनों का मुश्तरका असर बुढ़ापे की तरफ या बुढ़ापे पर अमूमन होगा (खाना नः 6,7,10,11)

जागती हुई किस्मत और मौतों से बचाव ही होना होगा (खाना नः 8)

दोनों ग्रहों का असर कुल उन्नति खानदान की वृद्धि बरकत और हर तरह की तरक्की हो ताहाट मेम्बरान और माया दौलत होती होगी (खाना नः 9,12)

मन्दी हालत

सूरज बृहस्पत दोनों ही पर मिट्टी पड़ती होगी न राजदरबार में सुखे रोटी और न ही मजहबी पंचायत में इज्जत कुबन्द होगी हर तरफ फर्जी आंधी की तरह मिट्टी से कपड़े खराब होते नजर आवेंगे (भूक पहले घरों में)

दोनों ही का फल सोया, जन्मा हुआ होगा बल्कि केतु सात साला महा दशा मन्दी हालत में होगा जिसमें केतु की अभिया कारोबार या रिश्तेदार मुन्तकिल केतु सब ही का असर मन्द और धन हानि के मन्दे नतीजे खड़े होंगे राजदरबारी कारोबार में फैसला हक में होने की कोई तसल्ली न होगी शनिच्चर अगर खुद अपने असर के लिहाज से नेक हो तो कदरे उम्दा वरना सख्त खराबी होगी।
(दोनों को शनिच्चर देखता हो या दोनों नः 4 और शनि नः 10 में बैठा हो)

किस्मत की चमक न होगी हर काम में तकलीफ और नाकामी जिंदगी का कोई लुत्फ न होगा बल्कि जिंदगी सिर्फ खानापूरी का ही नाम होगी।
(दोनों ऐसे घर में हों जहां सूरज का असर हकलाया मंदा हो रहा हो)

अगर लालच का पुतला होवे तो लखपति होने पर भी कुल गर्क होगी या कुल गर्क करने वाला ही होगा (दोनों नः 3 में)

उपाय

किसी भी मन्दी हालत (जिस्मानी या माली) में बाप बेटा दोनों इकट्ठे हो जाने पर मन्दी हालत फौरन दुरुसत होगी। मुफ्त का माल (खैरात दान) लेना दोनों के लिए गैर मुबारिक होगा। एक दूसरे से मजबूरन अलहदगी की सूरत में बाप का (USED) बिस्तर या चारपाई रात के वक्त बेटे की पीठ तले मुबारिक होगी। घर की सबसे पुरानी चारपाई भी वही असर देगी। घर में बृहस्पत खालिस सोना या केसर कायम रखना मुबारिक होगा।

बृहस्पत चन्द्र

Free by Astrostudents

(दबा हुआ धन, मुहकमा कानून, बड़ का दरख्त)

अक्ल घटे पर धन बढ़े, सफर भी उमदा हो
विरासत काश्त सब फले, गैबी मदद भी हो
इन्साफ मुहकमा दौलत अपनी, काम मर्द खुद आती हो
उत्तम असर ग्रह दोनों जाती, तीनों काल जिन्दगी हो
दोनों बैठों का दुश्मन देखे, नष्ट वही खुद होता हो
उल्ट हालत हो दोनों मरते, शत्रु जहर न चढ़ता हो
ऋण पितृ या मातृ होते, माता पिता सुख उड़ता हो
आराम औलाद न उसका देखे, शुक्र गृहस्थी मन्दा हो
कन्या कीमत न जब तक लेवे - माता पिता सुख लम्बा हो
धनंदया का पुतला होवे - सोने चांदी की कुटिया हो
करनी जैसी हो वैसी भरनी - मंदी तपस्या होती हो
राजफकीरी मिट्टी उड़ती - राजा शाही दा धोबी हो
खाली चन्द्र घर कायम होते - हवा बारिश की चलती हो
गन्दी हवा घर मन्दा बैठे - नेक बुढ़ापे होती जो
खालिस चांदी का बरतन खाली - मकान कोने में दबाता जो
गुरु चन्द्र से जहर हटेगी - बादल बरसता होता हो

दोनों में मुश्तरका के वक्त बृहस्पत का असर जो अमूमन 16 साला उम्र से शुरू हो 28 साला उम्र के बाद अकेला ही रह गया समझा जाएगा और उस पर दुश्मन ग्रहों का असर हो सकता है।

जब चन्द्र खाना नः दो में उच्च हो रहा हो तो बृहस्पत का असर जोर पर होगा। और जब बृहस्पत खाना नः चार में उच्च हो रहा हो तो चन्द्रका जोर होगा। मुश्तरका हालत में चन्द्र का उत्तम असर, अगर एक हिस्सा हो तो बृहस्पत का दुगना नेक होगा। अमूमन बृहस्पत चन्द्र सोने चांदी के तख्त के मालिक वाले पिता के टेवे में खाना नः एक लग्न में होंगे मगर खाल माया गरीबी से हर तरफ आंसुओं भरे सांस वाले बाप के टेवे में खाना नः 1 में नहीं होंगे।

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

Free by Astrostudents

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

खाना न: 3

बुजुर्गान भाग्यवान, छत्रधारी मन्द दौलत का मालिक खुद नरे और उसका धन भाइयों को बांटे जो छत्रधारी मन्द हो जावे। उसका घर दोबारा रौनक और धन से भरपूर हो जावे।

खाना न: 4

जन्म से ही धन का चश्मा निकल पड़े नेक से नेकी मे मानिन्द छत्रधारी बड़ के तनों की तरह अपना कबीला मददगार बना लेवे मामूली पानी की नाव उसे बड़े भारी हवाई जहाज का काम देवे चन्द्र का फल बृहस्पत के फल से उत्तम होवे दिल की पूरी शान्ति होवे चन्द्र और बृहस्पत की आशिया कारोबार या रिश्तेदार मुतल्लका हर दो गिरोह (बृहस्पत और चन्द्र) हर तरह से मुबारिक फल दायक होंगे।

खाना न: 5

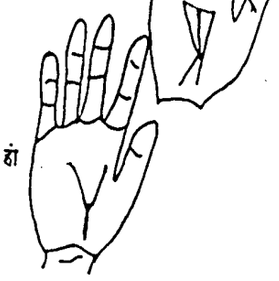

ध्वज दोनों के असररक्खा - नेक बुलन्दी देता जो
अमीर ऐ जर हो माल हाजिर - का अहले कलम खुद होता हो

बृहस्पत और चन्द्र के असरों से मिला हुआ उस सूरज का नेक और उत्तम फल होगा।
हाजिर माले और अहले कलम हो तो दूसरों को भी फायदा होवे

खाना न: 6

जैसा भी बुध और केतु का अब टेवे मे असर हो, वैसा ही अब इन दोनों ग्रहों के असर मे असर मिलेगा। हस्पताल कब्रिस्तान मे कुआं लगाना कोई मन्दा असर न देगा।

खाना न: 7

Free by Astro

मिले दोनों जब इस घर बैठे, तावक्त निकम्मी होती हो
शत्रु ग्रह जब तख्त पे आवे, बाप माता सोई होती हो

दलाली मददगार, तिजारत या व्यापार का ताल्लुक होगा जिससे बहुत ज्यादा फायदा होवे

खाना न: 8

माया दौलत खुद लाख हाजरी, भाई बन्दे मरवाता हो
चौंज मामू से शनि मंगल की मौत जहर भर लाता हो।

उम्र लम्बी होगी - भाई बन्द, धन की उम्मीद रखने वाले होंगे जो हर दो नेक और मन्दी हालत पैदा करने के लिए बराबर बराबर होंगे यानि कोई भाई तो सिफारिस्लकार की तरह मदद देवे और कोई भाई जंगो-जदल का बढ़ाना होगा मगर उसका धन दौलत खुद टेवे वाले के लिए कभी नुकसान देने वाला न होगा।

खाना न: 9

पानी की बजाए दूध से पले हुए दरख्त की तरह नेक किस्मत वाला, जिसे बड़ के दरख्त की तरह वाल्दैन का सुख सागर पूरा और लम्बा अरसा नसीब होगा। जब कभी यह दोनों कर्मफल के अनुसार खाना न: 9 मे आवे टवे या दबाए धन की तरह माया दौलत की लहर दोबारा बुलन्द हो जावे और हर वक्त रौनक ही रौनक बढ़ती जावे। चन्द्र की तमाम मुतल्लका आशिया कारोबार या रिश्तेदार मुतअल्लका चन्द्र नेक फल देवे और दिल की पूरी शांति हो। मातृ हिस्से की मदद, 20 साल तीर्थ यात्रा और उत्तम फल हो।

खाना न: 10

खुद साख्ता मर्द होगा। मगर खुद साख्ता अमीर नहीं होगा यानि अपने मतलब के लिए किसी की भी बात भी न सुनेगा। बल्कि बाप को भी कह देगा कि वह (टेवे वाला) खुद ब खुद ही पैदा हुआ था, गर्जे कि वह घमण्डी, मगर कदरे कम सोचने वाला। और कुछ उखड़े हुए दिल का मालिक (बेवकूफ जिसका बीमारियों से खून घट चुका हो) अपने नसीबे पर धोखा खा रहा होगा। दरिया मे तांबे का पैसा डालते रहना मददगार होगा।

4

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

खाना नः 11

रफाए आम के काम दूसरों को तारे मगर अपनी किस्मत (अपने बेटे के) मालिक खाना नः 3 के ग्रह होंगे अगर खाना नः 3 खाली भी हो तो खाना नः 11 के ग्रह (चन्द्र बृहस्पत) सोए हुए ही गिने जायेंगे
खाना नः 5 का खाना नः 11 पर कोई असर न होगा। सोई हुई हालत में बुध को नेक कर लेना या लड़कियों (कम उम्र) को आशीर्वाद मददगार होगा।

खाना नः 12

लड़की जन्म या वक्त हो शादी - माया दौलत घर मन्दी हो
जाले लगे घर अकसर मकड़ी - थाली भोजन से खाली
अच्छी हालत की आम निशानी- बेटा होने से होती हो
बाप बेटे ग्रह हालात कोई - उमदा कायम अब अच्छी हो

गो मसलन राजा मगर धन दौलत से राजा जनक की तरह पूरा त्यागी होगा।
चांदी का खाली बरतन तह मकान में दबाना मुबारिक होगा।

मन्दी हालत

बुध का जाती असर मन्दा होगा बेशक घर बैठक के लिहाज से बुध दूसरे ग्रहों की आशिया कारोबार या रिश्तेदार मुतअल्लका के ताल्लुक में कैसा ही अच्छा या बुरा असर देने वाला हो।
कसीफ गंदी हवा के सांस और किस्मत की बदनसीबी से चेहरे पर आंसुओं का पानी जम रहा होगा। खुद ख्वाह वह कितना ही हौसला करने वाला और मेहनत से मुकद्दर का मुकाबला करने वाला हो।
दोनों मन्दे घरों में बैठे हों या जब मन्दे हो रहे हो
जब कभी भी शनिच्चर या दुश्मन ग्रह की मुतल्लका चीज (मसलन मकान शनिच्चर की चीज है शादी तक की राग रंग के साजोसामान बुध से मुतअल्लका) का वक्त आवे यानि लाए या खरीदी जावे या पैदा की जावे जो अपनी ही गिनी जावे तो माता पिता पर मौत तक मन्दा असर माना गया है। दृष्टि की रुह से यह बृहस्पत व चन्द्र दोनों ग्रहों से जो ग्रह पहले घरों का होवे उसका मुतल्लका रिश्तेदार बाद में और जो ग्रह बाद के ग्रहों का है उसका मुतल्लका रिश्तेदार पहले मुसीबत में गिरफ्तार या मौत से हार पाएगा। दोनों ग्रहों ही के असर नेक रहने के लिए केतु की आशिया (आसन) जमीन की तह में दबाये या स्थापन करे या केतु की अशिया दो रंगे पत्थर (हीरा पैगरा) उसके गले में या जिस्म पर कायम करे। (एक से दूसरा सातवें घर में हो।) तबाहकुन और फोकी उम्मीदों का मालिक बल्कि नास्तिक होगा जो उस मालिक के खिलाफ भी मन्दे दिमागी ख्वाब आम देखता रहेगा। जब (शनिच्चर मन्दा या निकम्मा हो)

खाना नः 2

बृहस्पत चन्द्र दोनों ही की मन्दी हालत होगी बड़ के दरख्त को तिलीयर (जानवर छोटे-छोटे स्याह रंग) काट देगे चन्द्र का दूध बोतल में बंद होगा। जिसका जायका न होगा। अगर फिर भी होगा तो बिच्छू या भिर्रकी जहर होगा अब साली (औरत की बहिन) का साथ रहना नेक असर न देगा हर तरफ खराबी ही खड़ी होती जाएगी। (राहु या बुध का ताल्लुक)
नजर कमजोर और शनिच्चर का जाती असर मन्दा होगा। बुढ़ापे में मन्दा हाल और उम्र का हिस्सा अमूमन 90 साल मन्दा होगा
(दोनों नः 2 और बुध न 6)

खाना नः 3

बुध (तोते) के ताल्लुक या साथ से चन्द्र बृहस्पत दोनों ही का फल निकम्मा बल्कि बुध न तीन का दिया हुआ हर तरफ मन्दा असर होगा। बुध की अशिया कारोबार या रिश्तेदार मुतल्लका बुध हमेशा खराब ही असर देते होंगे (बुध का ताल्लुक)

खाना नः 6

रफाए आम या खेती की जमीन में कुआ लगाना सब उम्दा असर को बरबाद कर देगा। जिससे खुद देने वाला और उस कुंए से फायदा उठाने वाले तबाह होंगे।
(कुंए का ताल्लुक)

खाना नः 7

बचपन में तकलीफ हो और चन्द्र वक्त (24,12,6 साला उम्र) से माता पिता दुखिया हो धन दौलत शादी शुक्र के दिन और लड़की बुध के जन्म से घटना शुरू हो जावे।

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

खाना नः 8

धन की खातिर या उसका धन भाईयों को मारे या मरवा दे. माता घर से शनिच्चर या मास की मृत्युकारक अभिशा आनन-फानन तबाही का सबब होगा।

खाना नः 9

जब कभी लड़की की कीमत या उसका पैसा-धन दौलत लेकर खावे या संगत और दान पर गुजारा करे चन्द्र और बृहस्पत दोनों का ही असर बरबाद मन्दा बल्कि उजड़ेगा ही होगा।

खाना नः 10

मा बाप के पास सोने चांदी की ईंट होते हुए भी आखरी वक्त (जन्म कुंडली के अनुसार) या आमतौर पर (वर्षफल के अनुसार) कुंडली वाले के लिए वह अधियारे के पत्थर (यमानी) और नेक पानी की जगह पानी के बुलबुलों की सिर्फ झाग होगी। जो कोई समुद्र झाग न होगी। जो किसी दवाई के काम आ सके। घोड़ी की दुम लम्बी तो सवार को सफर जिंदगी कटने में क्या मदद। बाप की दाढ़ी लम्बी तो बेटे के लिए क्या खूबसूरती बाल्टेन की सिर्फ दिखलाने की शान होगी। गर्ज कि बाल्टेन से अपने लेने के बाल्टेन में देने वाला दूसरे के हाथों की तरफ देखने वाला ही साबित होगा। और किस्मत मन्दी का मालिक होगा।

खाना नः 11

चन्द्र बृहस्पत दोनों ही बे बुनियाद बल्कि बरबाद गिने जायेंगे बृहस्पत की उम्र 16 साला और चन्द्र की उम्र 12 साला उम्र में नः तीन के ग्रह के मुकाबले रिश्तेदार की बजाए देने वाले की हालत बरबाद तबाह या दुखदायी होगी। दुश्मन ग्रहों की मुकाबले आशिशा (बुध लड़की बहिन बुआ, फूफी, मासी, शुक्र, गाय, लक्ष्मी, स्त्री, राहु नाना-नानी, साकसार भंगी की पालना कुछ न कुछ खैरात सेरात उनको दे देना) मददगार होगा (बुध शुक्र या राहु नं. 3 में)

खाना नः 12

शादी के दिन (शुक्र का वक्त) और लड़की की पैदाइश (बुध शुक्र) से जायदाद का फल मद्धम और धन दौलत बरबाद होंगे जायदाद के आलीशान मकानों में बेहद अंधेरा और उनमें मकड़ी के जाले (बे-आबादी और बरबादी) आम होंगे। सोने चांदी के बजाए उम्दा गिजा से भरे रहने की बजाए कलई के सफेद टूटे बर्तन गंदे फूलों से भरे होंगे। घर में खालिस चांदी के अम्बारे की जगह कलई (सफेद धातु) और सफेद जले हुए फूस की राख के ढेर बिखरे होंगे।

बृहस्पत शुक्र

Free by Astrostudeals

(बूर के लड्डू, दिखावे का धन)

असर गुरु का पहले गिनते - पीछे शुक्र को होता हो
स्वभाव जाती बुध किस्मत लेते- खत्म जन्म जब पिछला हो
भला शुक्र हो इश्क में उम्दा - रिजक मन्दा नहीं करता जो
कामदेवी जब कीड़ा बनता - असर दोनों का मन्दा हो
तरफ बारह त्रिलोकी होते - गुरु जात में जन्म हुआ
माया हवा जब मिलने लगी तो - पिछला जन्म अब खत्म हुआ।

दोनों मुश्तरका में पहले बृहस्पत और फिर शुक्र का असर (भला या बुरा जैसा भी देवे के मुताबिक हो) शुरु होना गिनने में और 33 साला उम्र तक मुश्तरका लेंगे असर की मुश्तरका मिलावट के अगर बृहस्पत एक हिस्सा हो तो शुक्र का $3\frac{3}{4}$ गुना असर शामिल होगा। असर की रफ्तार में अगर शुक्र दो गुना हो तो बृहस्पति आधी रफ्तार पर चलेगा।

नेक हालत

जो बृहस्पति का असर मद्धम मगर शुक्र का असर उम्दा वह शख्स इश्क में कामयाब होगा। मसनूई शनिच्चर (केतु स्वभाव) यानि उम्दा मददगार का असर या दुःख बीमारी से हमेशा बचाव होगा। औरतों से हमेशा मदद मिलती रहे या मदद करती रहेगी।

खाना नः	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
उम्र में	4	5	6	1	2	3	8	11	10	9	12	7

खाना नः 1

काग रेखा फल तख्त में होता - इज्जत जंगल में पाता हो
बाप औरत से जब कोई मरता - लेख रोशन खुद होता हो

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

खाना नः 2

सोने की जगह बेशक मिट्टी होगी मगर वह मिट्टी ग्राम मिट्टी से कीमती होगी।
जगत में इज्जत होगी और गृहस्थ में औरत और बाप दोनों ने एक ही बाकी रहने पर नेक असर होगा।

खाना नः 3

खुद खुशहाल भाग्यवान और उसका धन भाईयों को तारे उसकी औरत एक मददगार भाई की तरह मददगार मर्द का काम देवे

खाना नः 4

औरत उम्र औलाद की गिनती - टुकड़े मांगे रोटी होती हो
बच्चा औरत जमी हो एक देती - बदल जमाने जाती हो

मर जावे या खाविन्द बदल लेवे।
बृहस्पत नः 4 का नेक फल जब तक औरतों की मंडी (ज्यादा तादाद में इकट्ठे करते जाने की आदत) का मालिक न हो।

खाना नः 5 इल्म से खूब दौलत कमावे बल्कि इल्म और औलाद की मार्फत हरदम बढ़े

खाना नः 6 औरत के सिर के बालों में खालिस सोने का कायम रहना औलाद की बरकत और नसीबा में मदद होगी (Gold Clip)

खाना नः 7 बुध की मुतल्लका अशिया कारोबार या रिश्तेदार मुतल्लका बुध का साथ या नेक ताल्लुक रहे तो धन कम या गुम होने पर भी तंग हाल न होगा। मुतबल्लासुख पावे किस्मत किसी तरह से भी बेशक मन्दी हो जावे फिर भी दोबारा खुशहाल हो जाएगा।

खाना नः 8

धन दौलत के असर न उमदा बाकी असर सब उत्तम है।
उतम हो असर गुरु घर दो का देगा- शुक्र को घर आठ का हो।

शुक्र का असर वही जो नः 8 में दिया है जो सिवाय धन दौलत के बाकी सब नेक मामलों का होगा। धन दौलत के लिए वही असर जो बृहस्पत नः 2 का दिया है।

खाना नः 9

Free by Astrostudents

मिलता असर दो हरदम उमदा - शुक्र शनि से उपर हो
काम हजारों देगी दुनिया - गैस जहरीला बेशक हो।

दोनों का नः 9 का जुदा-जुदा दिया हुआ फल मगर फिर भी उमदा होगा दुनिया का पूरा आराम तीर्थ यात्रा 20 साल उत्तम होगा

खाना नः 10

चाल चलन ख्वाह सेहत मन्दी - मन्दी दौलत न होती हो
इश्क शुक्र माशूक खुदाई - उड़ती मिट्टी कुल घर की हो।
आता है याद मुझको गुजरा हुआ जमाना - क्या शान मिलती हमको क्या ठाठ या शहाना

खुद कमाया धन दौलत खराब न होगा। मगर वाल्दैनी धन दौलत होने से मिट्टी ही होगा। खासकर जब धर्म से मखालफत करने वाला हो। लक्ष्मी हवा की तरह ही आवे और हवा की तरह ही चली जावे।

खाना नः 11

गुरु शुक्र फल अपना-अपना - इश्क नसीहत मिलता हो
सोने गुरु जो दूजा बनता - मिट्टी जर्द अब होता हो

खाना नः 12

तमाम गृहस्थी आराम व रहानी सहूलियत मुहैय्या होगी

मन्दी हालत

कामदेव की ज्यादती या इश्क की बेहद रगबत किस्मत के सोने को मिट्टी के भाव बिकवा देगी गो धनदौलत तो ऐसा खराब न होगा (सोना मिट्टी में गिरने से क्या खराब होगा) मगर गन्दे चाल-चलन से जिस्मानी नुकस होंगे औलाद के तकाजे खराबियां बल्कि लावल्दी तक हो सकती है या जन्म लेते वक्त दुःख और मन्दे नतीजे होंगे।

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

कारण रखा (कोख की खुशक का भागी) के मन्द हाल वाले साधु की तरह निर्धन किस्मत होगी। गृहस्थ बरबाद।

खाना नः 2

मर्द की तरफ से नर औलाद के विघ्न या औलाद की पैदायश में रुकावट या दूसरे झगड़े होंगे सोने के कामों से राख नसीब होगी। खासकर जब इसका घर 2 वाला वचने (मानिन्द कुत्ता) की हैसियत का हो।

खना नः 3

नसीबा की बुलन्दी में आम लोगों की तरफ से उसकी खुशमद शुरु होगी। जिससे उसकी ताकत और नसीबा की हर तरफ हार हानि होने लगेगी।

खाना नः 4

हर औरत एक बच्चा बनीर नमूना देवे और चन बसे हर घर से रोटी के टुकड़े इकट्ठे किए हुओं की तरह औलाद का हाल होवे

खाना नः 5

गैर मगर शादी शुदा औरत के मिलाप से धन चोरी और धन हानि के बहुतघटनाएं देखे।

खाना नः 6

नर औलाद (केतु की अशिया, कारोबार या रिश्तेदार मुतल्लका केतु न हो या न जिन्दा रहे अगर बाकी रहे तो मन्द किस्मत बन दे खुद भी तादाद मेम्बरान के लिए मंद भाग ही होगा। खासकर अब अपनी असली औरत से नफरत करने वाला या उसकी बेकद्री करने वाला हो

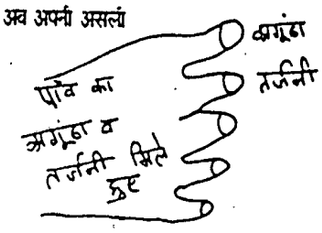

खाना नः 7

गो घर के सब सार्थी ऐश करें और आराम पावे मगर वह खुद बेआराम ही होगा। बृहस्पत नः 7 का दिया हुआ फल आम होगा।
इश्क में शमा का परवाना या जन मुरीदी में दीवाना होने की आदत दुखियां होने की वजह होगी नर औलाद की पैदाइश में औरत की तरफ से शुक्र भी जहरीला ही असर देगा युग में अपनी औलाद की ही कुर्बानी देने वाला होगा। हर काम को सोने की जगह मिट्टी बटा लाएगा या वैसे ही मिट्टी बटकर आ जाएगी।

Scanned by Astrostudents

बृहस्पत मन्दा होगा खस्सी सांड की तरह औलाद से महरूम और मुतबन्ना वगैरा से भी सुख न पावे भाई जोड़ खायेंगे कोई और (जोड़ भाई तू जोड़ता जा खाने वक्त कोई और ही आ) का हिसाब होगा। — बृहस्पत, शुक्र नः 7, मंगल नः 4
स्त्री भाग में काग रेखा

खाना नः 10

13 से 15 साला उम्र में गन्दी बल्कि मामूली औरत भी सोने को मिट्टी कर देवे। चाल-चलन जिस्मानी नुक्स होंगे पराई औरत माशूक वगैरा बरबाद करे औलाद का दुःख माता पिता का दुःख अमूमन होगा मगर माता पर टेवे वाले का कोई दुःख न होगा। भाइयों से रंजीदगी अक्सर होगी। फकीरों में ऐसा शख्स कोई साहबे कमाल न होगा बल्कि हर दम यही कहता होगा आता है याद मुझको गुजरा हुआ जमाना क्या शान थी हमारी घर घाट था ठहाना। हर गुजरे हुए सांस से आने वाले सांस और भी गरीबी लाता होगा। क्योंकि वह दूसरों की मौत खुद ही करने वाला होगा।

खाना नः 11

i किस्मत में सोने की जगह जर्द रंग मिट्टी उड़ती (मन्दी हालत होगा) ii वही असर जो शुक्र नः 11 यानि अगर खाना नः 3 खाली हो तो वीर्यपात, ऐहतलाम या मुश्तजनी का बेहद आदी हो सकता है यह जरूरी नहीं कि ऐसा बदकार जरूर ही हो इम्साक बिल्कुल ही नहीं या किसी और वजह या औरतों के हवाई ख्यालों से बढ़ते-बढ़ते नामर्दी तक नौबत गिनते है (उपाय के लिए शुक्र नः 11 देखे)

खाना नः 12 — — — सट्टा का व्यापार मन्दा असर

मंगल बृहस्पत

(बृहस्पत मंगल श्रेष्ठ गृहस्थी धन)

नेक मंगल हो- किरणें सोने की - जगत भण्डारी होता हो
आग मंगल बद जलता पराई - केतु रद्दी बुध मन्दा हो
घर दूजों या पंच में बैठे - लेखराजा का होता हो
फकीर कामिल घर बाकी गिनते - सुखिया गृहस्थी फलता जो
मुआक्न उम्र का मालिक गिनने - शनि दोनों को देखता जो

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

असर गुरु या मन्दा नक्ष - वापस कब से आना हो

घर बैठक के लिहाज से जब मगल उम्दा हो तो खानदानी मेम्बरान और उनकी हालत और गुजरना हुआ जमाना (वर्तमान) सब उत्तम होवे दोनों एक टेवे वाले की 72 साला उम्र तक छकदृढ़ होंगे दोनों मुश्तरका में अगर बृहस्पत का नेक हिस्सा एक हो तो मगल का नेक हिस्सा दुगुना होगा। फिर : : शनिन्द जुड़वी साला किस्मत का हाल होगा टेवे वाले के अपने ताअल्लुक में दोनों ग्रहों का असर उनके अपने हौसला और अन्दमनी दिली ताकत की मजबूती से मुतअल्लिका होगा।

नेक हालत

मगल नेक हो तो वह सबका मुन्सिफ एक को दूसरे पर ज्यादती करने न देगा। सरदार हुकमरान : : वरना खुदा परस्त परहेजगार, वह हानी हर दम मदद मदद खुदा का उत्तम असर अन्दमनी वे गैबी ताकत की मदद होगी। ज्यादा से ज्यादा हर साल के अंदर-अंदर औलाद होती जावे।

हाथियों (दुश्मन) के सिर पर अंकुश की तरह छाया रहेगा, अब मुखालफत मदों न होगी बल्कि धन दौलत के लिए मुआवन उम्र रेखा का असर यानि कब्र से वापसी तक मुमकिन होगी।

(किस्मत रेखायें मगल नेक को या बुध को रखा हो)

दोनों शनिच्चर को देखे

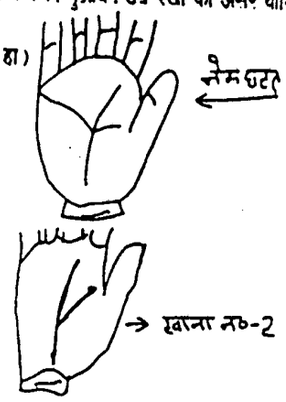

खाना न: 1

(सरदार हुकमरान)

राज हकूमत माया बढ़ता - अमीर अमीरां होता हो
बुध वजीर हो जब कभी बनता - नष्ट दोनों को करता हो

बड़ा ही अमीर होगा। अंकुश कान का दायरा और कुण्डल तीनों ही निशान राहु केतु उम्दा असर होगा।

खाना न: 2

औरत खानदान के गृहस्थियों का ताअल्लुक नेक होगा। गृहस्थी साथी मुतल्लका दुनियादारी उसकी आवाज पर सिर कटा दे और उसके पसीने की जगह खून बहा दें। दिमागी लियाकत से धन दौलत की पूरी जाति (लाभ और आमद) (बुध न: 6)

Free by Astrostudy

खाना न: 3

पाठ पूजा लासानी होता- रक्षा विरासत होती हो
बरबाद पैसा न धेला करता- शर्तमाया न जाती हो

बुजुर्गों के धन की पूरी हिफाजत करने वाला और उसको कायम रखेगा। मगर उसने अपने और धन बढ़ाने की शर्त न होगी मगर पूजा पाठ में लासानी होगी।

खाना न: 4

मदों की तादाद तो कमी न होगी मगर उनके गुजारा के लिए धन दौलत की शर्त न होगी।

खाना न: 5

खैरात लेने को हो जब आदी, कोढ़ सोने को होता हो
मान सरोवर माया उसकी उल्लू सभी पर बोलता हो

औलाद की पैदाइश के साथ धन का शानदार चश्मा गर्म इलाकों की ठड़ा हवा की तरह वह निकलेगा। जो 28 साला उम्र तक बढ़ता जाएगा और दान से हरदम बढ़ता जाएगा और खूब रौनक होगी।

खाना न: 6

खुद ही बड़ा भाई होगा और नेक बाप पर कोई बुरा असर न होगा अब बुध का न: 2 का फल भी नेक होगा। जो बृहस्पत न: 6 पर भी बुरा असर न देगा।

खाना न: 8

असर दोनों का अपनी अपना - ख्वेश कबीले मरता हो
बुध बैठे जब टेवे मन्दा - मंगल गुरु दो मरता हो

दोनों का जुदा-जुदा हर आठ का असर लेगे

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

खाना नः 9

गुरुम्ब परिवार और धन दौलत में हर तरफ से आलीशान और उत्तम अफसर होगा।

खाना नः 10

साधु करेगा दुनिया की चोरी - माल मुफ्त का खाना हो
गुरु चौथे ने 6 वे कोई - लेख नसीबा खोटा हो
गुरु जैसे हो चार छटे के - अफसर वैसा ही होना हो
घर चौथा 6 खाली हो तो खून बीमारी जकड़ा हो

खाना नः 4, 6 के ग्रहों की हालत से किस्मत का फैसला होगा अगर खाना नः 4-6 खाली हो तो सोने की जगह किस्मत में मुलम्मा ही होगा। बरकात दुनिया की चोरी से मालामाल होगा।

खाना नः 11

भाई और पिता बैठे हालत शाहना होगी मंगल बृहस्पत कायम रखना सब तरह से मदद गार होगा।

खाना नः 12

हर तरह से उत्तम और बड़े परिवार होगा। जिसे आशीर्वाद देवे तार देगा। और खुद भी मोटी नींद पाने वाली किस्मत का मालिक होगा।

मन्दी हालत

फाल्ज बद तो ढाल की तरह बद वक्त अपने ही भाई बन्दों की बीमारी 31 साला उम्र तक और नुक्सान पाच साला उम्र तक मुखालफत मर्दों रिश्तेदारों की मौतें और मातम आम होंगे। शनिच्चर के बुरे वक्त में बृहस्पत किस्मत का फैसला करेगा बृहस्पत के बुरे वक्त में शनिच्चर किस्मत का फैसला करेगा।

खाना नः 2

मन्दाफल जब मंगल बद का ताल्लुक होवे

Free by Astrostudents

खाना नः 5 दान लेने से सोने को कोढ़ होने की तरह गुरनि वाले शेर भूख मरे सांस बद हो, जाने की मानिन्द किस्मत की मन्दी हवा जिस्म के खून को कम करने लगेगी।

खाना नः 6 बुध और केतु दोनो ग्रहों की अशिआ कारोबार या रिश्तेदार मुतअल्लका औलाद पर खासकर मन्दा असर लेंगे। खाना नः 7 माकूल आमदन होते हुए भी कर्जाई होगा।
(किस्मत रेखा खाना नः 3 तीन में अलिफ की मानिन्द सीधी खड़ी हो)

खाना नः 8 दोनो ग्रहों का जब कभी मन्दा असर होवे तो वह कुंडली वाले के अपने ही खानदान वालों पर चलता होगा।

खाना नः 11 बृहस्पत और मंगल की अशिआ रिश्तेदार या कारोबार मुतल्लिक हर दो ग्रह के बगैर किस्मत की हर तरफ गंदगी होगी।

बृहस्पत बुध I

गुड़ = सूरज. मक्खी = शनि

बुध कायम हो गुरु ख्वाह उत्तम - भला शनि जब होता हो
नेक चन्द्र रवि होता जिस दम - लेख असर सब उमदा हो
गुड़ रहे, न हो मक्खी - आलसी बुध फकीर

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

2

गुरु घरों या साथी बैठा धर्मी बैठा बुध होता हो
तीन पांच नौ बारह बैठा पहले चन्द्र से अकेला हो
शनि रवि से कोई देवे 5 दृष्टि 9,12 हो
गुरु आया घर रवि शनि के बैठ रिहाई पाता हो
कैद खत्म हो गुरु की दुनिया असर भला हर दो का हो
सोना कलई से कोढ़ी होना उपदेश भला गुरु देता हो

बृहस्पत का असर एक हिस्सा हो तो बुध का दो गुना होगा

I. खाना बुध होगा (कायदा उपाय बुध का ही उपाय होगा)
नः 3 फकीर (बुध)
बृहस्पत बुध छटवें हो तो पिता के लिए बुध का असर निम्नलिखित हालत का होगा।
नः 2 में सोने को राख कर देवे
नः 3 में बतौर अक्ल ज्ञान मगर माली हालत में निर्धन
नः 9 में सोने को काढ़ (सोना बरबाद) होगा
नः 11 में आमदन के ताल्लुक में यह छठ अब उल्लू का पट्ठा मन्दा बरबाद करके वाला होगा।
नः 4 मायूस (शनि)
नः 5 रिज्क (सूरज)

मुश्तरका हालत में दौलत खराब कर आठ साला उम्र से 25 साला उम्र तक
मुश्तरका हालत में बाल्दैन दुखिया 17 साला उम्र से 25 साला उम्र तक
बृहस्पत के साथ या जब बृहस्पत के असर में बुध का असर दृष्टि के हिसाब से आकर मिल रहा हो तो बृहस्पत का ही नाश होगा मगर

जब बृहस्पत कुंडली के पहले घरों शनि 1 से 6 में हो और बुध कुंडली के बाद के घरों यानि 7 से 12 में हो — बृहस्पत का 34 साला उम्र तक अच्छा फल और बुध का 35वें साल से बुरा असर शुरू हो

जब बुध कुंडली पहले घरों में यानि 1 से 6 में हो और बृहस्पत कुंडली के बाद के घरों यानि सात से बारह में हो — बुध का 34 साला उम्र तक अच्छा फल और 35 वें साल से बुध को निकम्मा फल शुरू होगा।

Free by Astrostudio

बृहस्पत का 34 साला तक मन्दा फल और 35 वें साल से बृहस्पत का अच्छा फल शुरू होगा।

बृहस्पत और बुध मुश्तरका होने के वक्त बृहस्पत का असर मन्दा ही होगा। बल्कि बृहस्पत को बुध फौरन अपने दायरा में बांध लेगा। ऐसी हाल में बृहस्पत का बिगड़ा हुआ असर निम्नलिखित हालत पैदा होने पर ठीक होगा।
जब नः 1 बृहस्पत अपनी चाल के हिसाब से (वर्षफल के अनुसार)
शनिच्चर के घरों (खाना नः दस, ग्यारह या सूरज के घर खाना नः 5) में आ निकले या नः दो शनिच्चर में से कोई भी वर्षफल के अनुसार बृहस्पत के घरों (2,5,9,12) में आ निकले या नः 3 शनिच्चर नः 5 में आ जावे और सूरज नः 2,5,9,12 में होवे।
ऊपर कही हुई इन सब हालतों के वक्त अगर सूरज या चन्द्र या शनिच्चर में से कोई भी नेक होवे तो बृहस्पत का असर नेक होगा। धन दौलत के लिए कुछ भरोसा और उम्मीद उमदा होगी। खासकर नः दो चार में बुध अकेला या बृहस्पत बुध मुश्तरका होने के वक्त बुध दुश्मनी की बजाए हमेशा नेक असर देगा। खासकर माली हालत में कभी मन्दा असर न होने देगा।

नेक हालत

दस्ती दिमागी कामों में उमदा असर मगर धन दौलत के लिए कभी शाह कभी तबाह, अचानक अमीर अचानक फकीर (निर्धन होगा) अपनी ही अक्ल से बरौनक हुआ करेगा।

क्यापाः (दायरा के अंदर दूसरा दायरा चक्कर होगा)
चक्कर का असर अगली को पौरी (नाखून वाला हिस्सा) पर पूरा असर देगा दाएं हाथ की हथेली पर मद्धम फल और बाएं हाथ की हथेली पर खराब फल होगा।

खाना नः 1 राजा अमीर या हाकिम होगा (एक चक्कर का असर होगा)

खाना नः 2 ग्रहमस्तानी धन और उपदेश उमदा होगा (तीन चक्कर) का असर होगा

खाना नः 3 लेख शकिर मफतरफा तबीयत शुक मन्दा खुद होता हो

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

माया दौलत और साथ हकूमत दिलेर बहादुर दुनिया हो
मालिक शाकिर और दिलावर बहादुर होगा (शनि चक्कर का असर होगा)

खाना नः 4

राजयोग बुध गुरु से देखा - घर दो मुबारिक होता हो
काम कायर जब पापी करना - खुदकशी कर मरता हो
पितृ रेखा (उम्र रेखा) का उत्तम फल मंगल का असर बुरा न होगा - राजयोग (2 का चक्कर का असर)

खाना नः 5 खुशहाल भाग्यवान बशर्ते कि कोई लड़का वीरवार पैदा हो चुका हो (5 का चक्कर का असर)

खाना नः 6 पूजा पाठी (छ चक्कर का असर होगा)

खाना नः 7 बुध लड़की न उस घर मन्दा - लड़के भला न होता हो
सोना गुरु उस घर से उड़ता - मुतवन्ना सुखी न रहता हो
बहामनी - लड़की के टेवे के वक्त बुध बृहस्पत नः 7 मुबारिक होगा (4 चक्कर का असर होगा)

खाना नः 8 जब नः 2 खाली हो बुध कभी मन्दा न होगा (पाच का चक्कर का असर)

खाना नः 10

नीच कर्म जो गुरु हरदम - बुध शनि खुद बनता हो
मिले मिलाए हर दो उत्तम - माया कंगाला सुखिया हो
खुशहाल भाग्यवान अब बृहस्पत की हवा मंद चक्कर से दूर होगी (दस चक्कर का असर)

खाना नः 11 जब नः 3 मन्दा हो (वर्षफल के अनुसार) दोनों ग्रह नः 1 में आने के दिन यानि 11-23-36 साला उम्र से मालामाल कर देगा। दौलतमन्द हलमों हुनर वाला शर्मसार नेक नाम और सुखिया गृहस्थी होगा (नौ चक्कर का असर)

खाना नः 12 खुद अपने लिए नेक नसीबां लम्बी उम्र खुश गुजरान मगर व्यापार ताल्लुक से मामूली ही व्यापारी होगा।

मन्दी हालत

बृहस्पत (बाप या बाबा औरत का बाप ससुर) का सांस रुकता या बाप बाबे या ससुर का दमा की तकलीफ होगी। खुद टेवे वाले को अपनी पैदाइश कम होने लगे या बोलने में शर्म आने लगे माता पिता का सुख न देख सके या यतीम ही हो जावे अपनी किस्मत की बजाए दूसरों की किस्मत देखने लगे अपनी बेडी-नेक मल्लाह पिता के धन दौलत पर तबाही कर्जा का भारी बोझ उसके, जिम्मे होगा। सोना खत्म होने के इलावा बेइज्जती, तकलीफ और फर्जी उम्मीदों के भी मन्दे नतीजे।
खुद अपनी बेवकूफी से अपना जमाना खराब किया करेगा और खराबी का वक्त अमूमन जवानी के दिन होंगे।

खाना नः 1 गरीबी का मारा हुआ बेवकूफ साधु होवे।

खाना नः 3 शुक्र मन्दा होगा।

खाना नः 4 कायराना (बुजदिल) फकीर आदमी काम बाय से तबाही और खुदकशी होंगे पाप भरी कारवाईयां बाइ से खुदकशी होगी।

खाना नः 6 ऐय्याश

खाना नः 7 लड़के के टेवे के वक्त बुध का असर मन्दा होगा धन दौलत के लिए ऐसा लड़का मनहूस ही होगा औलाद से महरूम दुखिया मुतवन्ना रख और वह भी बेमायनी खुद मुफलिस व निर्धन हो या लाखोंपति बैठा हुआ भी दूसरों की मुसीबत पर मुसीबत देखे। मगर अक्ल की कोई पेश न जावे कभी शाह कभी कभी खुश हाल कभी तंग हाल (रोटी से भी तंग) लड़की के टेवे के वक्त नः 7 के वक्त मुबारिक फल होगा। नंगा

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

खाना नः 8 हमेशा बीमारी चांदी की तार (खाड़ का बर्तन मिट्टी में जबतक न दबाया जावे) नाक में गिरे 96 घंटे हाल्ने से मौतों से बचत होगा । 16 से 19 साला उम्र के किस्मत की हवा में मन्दे बात बघुले, हर काम में उल्टा चक्कर और मुकद्दर का मुकाबिल करेगा।

खाना नः 9

औलाद शादी व गृहस्थ बरबाद मनहूस बल्कि कम उम्र हो

(जब बुध नः 9 मन्दा हो)

(अन्दाजा अकेला बुध में दी हुई शर्तों के मुताबिक)

बृहस्पत के सीधे खत राशि नः नौ में से आकार शादी रेखा का बुध के बुर्ज पर काटे ⟶

बृहस्पत शनिच्चर

(सन्यासी फकीर की माया जिसका भेद न खुल सके)

गुरु बारिश की हवा जो बहता - पहाड़ शनि बन बैठता हो
दोनों इकट्ठे मेह हो बरसता - समुन्द्र सहरा नहीं देखता हो
फकीर झोली धन लेख गिनते - तीन छठे व सातवें जो
माया दौलत दिन शादी बढ़ते - बैठे तख्त पर जिस दिन वो
शुक्र देखे जब दोनों बैठा - पहाड़ माया धन मिट्टी हो
नजर केतु जब दो पर करता - औलाद मासूमी मरती हो

श्री गणेशाय नमः सब के पूजने की जगह होगी किस्मत के ताल्लुक में फकीर की झोली जिसके अन्दर के हाल के मुताअल्लक बुरा या भला शुरु और आखीर जानना मामूली बात न होगी। किस्मत का फैसला खाना नः 11 के ग्रह करेंगे अगर खाना नं० 11 खाली हो तो शनि की जाती हालत का फैसाला बहाल और प्रबल होगा। दोनों मुश्तरका टेवे वाले की 34 साला उम्र तक वालिद की उम्र के वास्ते और 43 साला उम्र तक धन दौलत के लिए इकट्ठे गिने जायेंगे। इस मिलावट में अगर शनिच्चर का असर चार हिस्से हो तो बृहस्पत का पांच गुना शमिल होगा टेवे वाले के अपने ताल्लुक दोनों ग्रहों का असर उसके अपने कुव्वते ख्याल और सोच-विचार की ताकत से मुतल्लका होगा। ऐसा शख्स दूसरों को लोहे के लिए पारस का काम देगा उनको माला माल कर दे। मगर खुद अपने ए ख्वाह कितना हो मन्दा हो जावे

(मुश्तरका बैठा होने के वक्त जब शनिच्चर मन्द घरों में हो और बृहस्पत उमदा)

लोहे की तलवार तमाम दुनिया की मन्दी हवा (मुसीबतों) को काटती हुई चली जावेगी।

(लेकिन जब मुश्तरका बैठा होने के वक्त बृहस्पत मन्दा और शनिच्चर कायम हो)

दोनों मुश्तरका के वक्त जब सूरज नः 1 में आ जावे तो

i जब शनिच्चर बृहस्पत दोनों उमदा हो तो उतम और नेक नतीजे होंगे

ii जब शनिच्चर बृहस्पत नीच और मन्दी घरों के हो तो राजदरबार का कमाया हुआ धन और जिस्म का कोई न कोई हिस्सा दोनों चीजे ही बरबाद होंगी ।

iii शनिच्चर उमदा बृहस्पत मन्दी हालत का हो तो राजदरबार का कमाया हुआ धन बेशक बरबाद हो जावे मगर अंग हीन (जिस्म का हिस्सा जाया) हो जाने की शर्त न होगी।

iv जब बृहस्पत उमदा और शनिच्चर मन्दी हालत का हो तो जिस्म का कोई न कोई हिस्सा अंग जाय होना मान्य हो मगर धन दौलत बरबाद होन की शर्त न होगी।

बृहस्पत शनिच्चर मुश्तरका देखने वाले घर के ग्रह जगाएंगे और किस्मत के शुरु होने का उस ग्रह की उम्र का साथ होगा। जो ग्रह इनको देखता या जगाता होवे यानि सूरज 20-22 चन्द्र 24 मंगल 28 वगैरा वगैरा

नेक हालत

जब टेवे वाला सबके मालिक से सिर्फ अपनी किस्मत का हिस्सा मांगने वाला, साबर और शाकिर (शुक्र करने वाला) तो शनिच्चर की माया दोनों जहानों के मालिक बृहस्पत गुरु के पाओं की गुलाम होगी। ग्रहों से ख्वाह कोई भी नीच घर (यानि दोनों मुश्तरका नः 1 जहां शनिच्चर नीच है या नः 10 जहां पर बृहस्पत नीं है) का हो जावे दोनों ही का फल उमद होगा।

ऐसे शख्स में कुव्वते ख्याल और सोच विचार की ताकत दर्जा कमा होगी । जिंदगी अस्ज बढ़ने की ताकत और खुद्दारी मगर हसद से बरी होगा।

क्याफा सदक (कान) की शक्ल का दूसरी लकीरों से बना हुआ दायरा दोनों की हाथ की उंगलियों की पोरियों को इकट्ठा लेकर तादाद गिनेंगे। उंगली की पोरी (नाखून वाला हिस्सा) पर पूरा असर दाए हाथ की हथेली पर मद्धम असर होवे बाएं हाथ की हथेली पर खराब असर होगा। ऐसे शख्स का धन मानिन्द मिट्टी का पहाड़ होगी। दिखलावा बहुत मगर कीमत कम। ऐसा धन उसके अपने खानदान (बाप, बाबे की तरफ का हिस्सा) और औरत के काम आवे। शादी के दिन ऐसा धन बढ़ेगा।

(दोनों को शुक्र देखता हो)

खाना नः 1 साधु या गुरु मगर मुफलिस

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

खाना नः 2 आलिम और विद्यापति होगा जिसकी बुनियाद और फैसला शनिच्चर की हालत पर होगा। इसमवी कमोबेशी पर नसीबा की चमक या स्याही या उस शख्स की नेकी बदी की कोई शर्त न होगी।
सख्त हरजा पहाड़ की तरह दोनों मुश्तरका से ऊंच चन्द्र उत्तम और उमदा फल होगा। बदनाम इश्क न होगा और न ही गन्दाए इश्क होगा। बल्कि हकीकी मगन होगी।

खाना नः 3

दर्जा औरत की दौलतमन्दी - आराम बुढ़ापे पाता हो
प्रभु शनि गुरु माता पिता की - मिट्टी दौलत जर उड़ता हो

दौलत मन्द मगर औरत दर्जा जिन्दगी बुढ़ापे में आराम पावे।

खाना नः 4 मशहूर जमाना होगा। साप अमूमन लोगों को मारे मगर अब मृत साप मारने की बजाए तार देगा। यानि अगर सांप लड़े तो अंधरंग भी ठीक हो जावे। और नाकरा जिस्म मजबूत और काम का बन जावे।

खाना नः 5 साधारण किस्मत जैसा कि बाकी ग्रहों से जाहिर हो बड़ी इज्जत आबरू पावे मगर सूरज के नेक असर में खराबी ही होवे अमूमन कर्म धर्म (बृहस्पत के कारोबार) बाई से तनजा होगे या सरकारी ताल्लुकात (सूरज के कारोबार) झगड़े की बुनियाद होगे बहरहाल अदालती मुकदमात दीवानी या अपने से बड़े अफसरों या हाकिम वख्त से बेशक अदावत व नुकसान होवे। मगर फैसला हक में होगा। जब तक ऐसा शख्स शनिच्चर की तबियत (घालाकी मक्कारी शनिच्चर की खुराक अराय कयाय जिनाहकारी) का आदी व दिलदाद न होवे।

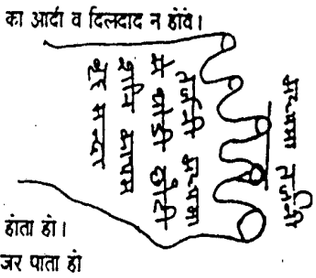

खाना नः 6 औरत का सुख पूरा होवे
(शनिच्चर कायम मगर बृहस्पत चुप यानि नः 2 में राहु या केतु)

खाना नः 7

चन्द्र शुक्र या मंगल उमदा - उत्तम रेखा मच्छ होता हो।
गरीब पावे धन दौलत - दुनिया अमीर तख्त जर पाता हो
नष्ट मन्दा शनि तीन दोजाही - उल्टी रेखा मच्छ होती हो
बुध राजा ख्वाह तीन से कोई - नष्टी शुक्र आ होती हो

Free by Astrostudents

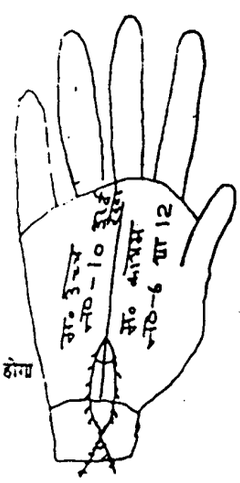

(शनिच्चर के बाकात(कारोबार या रिश्तेदार मुतल्लका शनिच्चर) या अशिया मसलन नया मकान जायदाद वगैरा सब नेक फल देंगे जिनके सबसे पर धन और बढ़ेगा। और बरकत देगा ख्वाह ऐसा शख्स नेक खसलत नेक खून भला लोग भले काम करने वाला होगा

बरकत बढ़ने वाली मगरमच्छ रेखा का असर होगा। मच्छ रेखा या मगरमच्छ रेखा गरीब को धन और अमीर को वालिए तख्त बनाये। शनिच्चर की चीज मछली की तरह औलाद (यानि जिस तरह जल्दी-जल्दी बहुत ज्यादा तादाद में मछली अंडे देती है बृहस्पत की चीज मेढ़क का सांस और शनिच्चर की चीज आंख जो पानी और खुश्की में देखती रहे का मालिक सब तरफ से बन्द की हुई मिट्टी में भी सांस लेता रहे यं

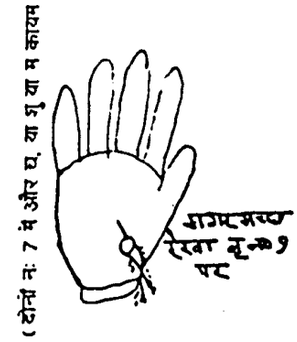

(दोनों नः 7 में और घ, या शु या म कायम)

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

गुरुज मगर चन्द्र तीन दुश्मन का ताल्लुक

बड़े परिवार लोह लगार गवाया - ऐसा शख्स बड़े ही कर्यीले वाला होगा। अफसर तो वह नौ भाई (नौ ग्रह) और दो बहिनें (जन्म और चन्द्र कुंडली) या सात भाई और तीन बहिनें होगी उसकी शादी अमूमन सोलह और पच्चीस के दरम्यान होगी। और जल्दी-जल्दी औलाद पैदा होगी अनाज पैदा करने वाले और अनाज खाने वाली कीड़ों की तरह बढ़ते जायेंगे आदमियों की इतनी बरकत होगी कि अगर अपने घर साथी मौजूद नहीं तो रोटी खाने वाले महमान ही हाजिर हो जायेंगे। और शनिच्चर का उतना असर होगा। शुक्र कायम से औरत जाप के ताल्लुक से बड़े और [illegible] चन्द्र कायम से माता की तरफ से बड़े अपने भाई बंद सब मददगार होंगे। और चन्द्र का पूरा उत्तम फल होगा। मगर 25 साला उम्र लम्बी होगी। और मगल कायम (खासकर मगल जब खाना नः 6 से 12 में कायम और ऊच बैठा हो) के कारत चन्द्र या शुक्र का बुरा असर न होगा। दौलतमन्द होगा। मगर जबरदस्ती लोगों का माल इकट्ठा करने कराने भाग्यवान होगा। जो दृष्टि भाग्यवान भी कहलाया जा सकता है। संक्षिप्त दुरुस्त शनिच्चर दुसरका नः 9 में दिया हुआ फल साथ होगा।

चन्द्र के गुरु पर चन्द्र
कमाल

खाना नः 8 दरम्याना धन मगर लम्बी उम्र अब खाना नः 8 मामस्थान (मौत का घर न होगा) यानि ऐसे शख्स के होते हुए घर में कोई ज्यादा या सख्त डाका या तबाह करने वाली मौतें न होंगी। बल्कि तादाद मेम्बरान खानदान बढ़ती ही होगी।

खाना नः 9 निहायत भारी और मुबारिक कर्यीला खुद बड़े दूसरों को तारे। जायदादों और धन के लिए लम्बे पैमाने का होगा। जो अब खुद अपनी कमाई का हिस्सा कम होगा मगर अमीरों में अमीर होगा। अब धन जो खुद अपने हाथों खरचे और बरते और जिस धन से दूसरों का बुरा न होगा और न दूसरों का नफा देगा।

Free by Astrostudents

ऐसे शख्स में शनिच्चर की आंख की होशियारी की पूरी ताकत होगी। लोग तो उसे दुष्ट कहेंगे मगर अपने लिए वह निहायत ही भाग्यवान् दौलतमन्द होगा। अपने बाप का मर्तबा और न ही दूसरों से हमदर्दी (न धर्म का पाबन्द न दीन का लिहाज) मुहब्बत अगर होगी तो सिर्फ धन से ही होगी ख्वाह वह ठगी से ख्वाह फरेब से इकट्ठा हो सके जो उससे हुआ वही मुआ [illegible] मछलियों को खाकर बड़ा मगरमच्छ होगा और लम्बी उम्र होगी।

खाना नः 10

मान सरोवर दुनिया बनता - गणेश दाता सिद्ध होता हो
माया नयी सिरी जो गुरु देता - शनि सफा चट करता हो

अपने लिए निहायत उत्तम श्री गणेश जी की इज्जत का मालिक होगा।

खाना नः 11

शनि बृहस्पत 11 राशि - दोनों बुध से चलते है
बुध दबाया हो या मन्दा - दोनों निष्फल जाते है

किस्मत का फैसला खाना नः 3 के ग्रहों से होगा और खाना नः 5 का कोई असर न होगा अगर खाना नः 3 खाली हो तो शनिच्चर नः 11 का दिया हुआ फल होगा।

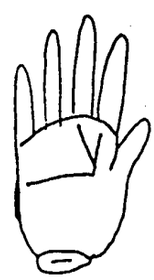

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

खाना नः 12

यदुंत कर्याला नाल मगन के - चिराग कुन्दी होता हो
शत्रु 6वें का तख्त (नः1) आते - हानि घोरी धन जाता हो

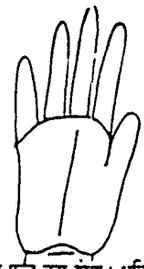

नेक भाग्यवान अब न राहु का मन्दा असर और न ही केतु का फल बुरा होगा। शनिव्यर और बृहस्पत का नः 12 में जुदा-जुदा दिया हुआ हाल होगा। उसका धन शादी के दिन से और भी बढ़ेगा। चन्द्र शुक्र माल के नेक या मन्दे होने पर किस्मत का बड़ा अच्छा या बुरा असर होगा। जो बृहस्पत शनिव्यर नः 7 मच्छ रेखा में दिया है। अब मच्छ रेखा तो होगी मगर आरजी होगी। कभी तो बेफिक्र सोने का दान करता है और तो कभी रात को च्यूंटियों भरी चारपाई से दुखी हो रहा है चन्द्र की पूजा मदद देगी।

मन्दी हालत

शराब खोरी से शनिव्यर का नेकअसर बरबाद खैरात का माल लेकर खाने वाला या दूसरों के मुफ्त माल पर नजर रखने वाला बुढ़ापे में तकलीफ होवे जिस्मानी हालत में बीमारियों, कुदरती कमजोरी और मन्दी ख्वाहिशत होगी। औलाद पर बड़ी हवा के हमले (जिन्न भूत की मार) खासकर जब उसके मकान में शारे-आम से सीधी आने वाली हवा का ताल्लुक हो रहा हो

तर्जनी मध्यमा कुदरती तौर पर जुड़ी हुई या दोनों के दरम्यान सुराख ज्यादा

खाना नः 1

जब शनिव्यर मन्दा हो काग रेखा वाला (मन्दा) हाल ही होगा।

खाना नः 2

बीमारी बृहस्पत शनिव्यर नः 2 (जन्म कुंडली के अनुसार) जब वापिस नः 2 (वर्षफल के अनुसार) 9, 21, 33, 45, 57, 65, 74, 96, 105, 117 साला उम्र में आवे तो हो सकता है कि बृहस्पत की मुतल्लका अशिया अपनी सेहत और वालिद की उम्र तक मन्दा असर हो जिसकी पहली निशानी शनिव्यर की अशिआ की मारफत होगी। शनिव्यर का उपाय मददगार होगा

खाना नः 3

शनिव्यर खुद निर्धन होता है, शनिव्यर की (36-15-9 साला) उम्र में पिता (धन दौलत) के ताल्लुक में मन्द होगा।

खाना नः 6

औरत का सुख हलका (शनिव्यर कायम मगर बृहस्पत नष्ट क्रूर दृष्टि नः दो)

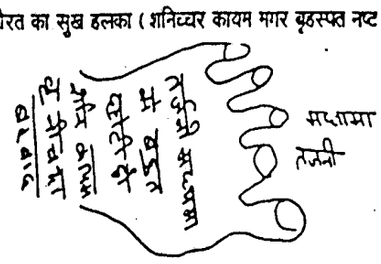

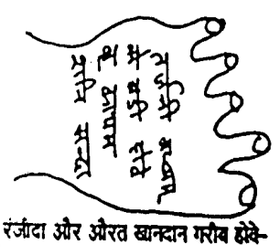

औरत से रंजीदा और औरत खानदान गरीब होवे-
(बृहस्पत कायम मगर शनिव्यर दृष्टि नः 2 रद्दी या मंदा)

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

खाना नः7

लड़की की पैदाइश (बुध के मुतल्लका रिश्तेदार या कारोबार ताल्लुक बुध) से धन दौलत बृहस्पत का युग फल बल्कि बरबाद मगर शनिच्चर पर बुध का कोई बुरा असर न होगा। बचपन में बेशक तकलीफ रहे।

जब भी नष्ट या नीच ग्रहों (चन्द्र या शुक या मंगल) से कोई भी नः 1 में ऊंचे बरकत घटने वाली मारमच्छ रेखा होगी। या चन्द्र (माता) शुक (स्त्री) मंगल (बड़ा भाई बाप का बड़ा भाई तथा माता का बड़ा भाई मामू) के सम्बन्ध होंगे, लड़ाई झगड़े से अकसरदा या अदालत पर होते ही बरबादी खड़ी होगी। हो सकता है कि ऐसा शख्स जानी (घटखारो) या ऐब्याश हो जिसे जुवान का चस्का बरबाद करे या शादी होते ही शुक माता चन्द्र बंगे और पिता बुध के आसरा (34 साला उम्र) में अपना साया उठा ले। (दोनों नः 7 या 12 और च या शु या मंगल नष्ट या नीच हो) (सूरज नः 1)

शनिच्चर की उम्र (36-18-19) साला के घर की माली व दूसरी हालत हर तरह निहायत ही मन्दी होगी मिट्टी के तने माने है।

खाना नः 10

जब शनिच्चर अपने घर में साथ बैठे हुए बृहस्पत और सामने आए हुए सूरज नः चार दोनों ही को जला देगा। सूरज खुद तो बेशक जल जाएगा मगर वह (सूरज) खाना नः 4 में बैठा होने की वजह से चन्द्र की मदद के कारण उन तमाम पत्थरों को जो शनि ने जला कर स्याह कर दिए है चमकते हुए कीमती लाल बना देगा। मगर शनिच्चर की उस जहर से बृहस्पत न बच सकेगा। यानि उसका धन नया सिरी माया होगी। जो दूसरों को तबाह करके छोड़ेगा। शहवत परस्ती (बुध का ताल्लुक दृष्टि कोण) से शनिच्चर का मन्दा फल पैदा होगा। और तंग हाल होगा। ठगी और बदियानती की कमाई का धन (शनिच्चर की माया बेशक 12 साल तक साथ देगा।) मगर बृहस्पत की दौलत साथ न देगी। मन्दी हालत के वक्त बृहस्पत का ताल्लुक (बृहस्पत की आशिया रिश्तेदार या कारोबार मुतअल्लका बृहस्पत) दौलत बढ़ाता जाएगा। ख्वाह शनिच्चर बरबाद ही करता जावे। (सूरज नः 4)

खाना नः 11

अगर टेवे में बुध निकम्मा हो तो किस्मत का कोई भरोसा न होगा। अपने लिए दौलत धन दौलत का तरसना ही पड़ेगा लेकिन अगर बुध भला हो तो लोहे का गुब्बारा हवा में उड़ता रखने की किस्मत का मालिक होगा।

बृहस्पत राहु

बृहस्पत गिना पवन तो - राहु धुंआ हो
दोनों के चलने फिरने का - आकाश (बुध) बन गया
बृहस्पत का प्रण है यह - टेढ़ा कभी नही होगा
है गुजने कसम पाई - सीध न व चलेगा
घर से चले थे एक से - अब 12 हो गया
तकिया फकीर साधु का - धुआं धार हो गया
चलते बहुत से दोनों थे - तब शर्म हो गया
गुरु लगा समाधि में - सुन सान हो गया
धुआं हटे न साधु जगे - दोनों अपनी लय में है।
दुनिया के सब साथी - बन्दे - इन दोनों की शरण में है
झगड़ा बड़ा लीव तो - सूरज भी आ गया
चन्द्र बना है घोड़े तो - बुध पहिया हो गया
शुक बना जो मिट्टी था - अब लक्ष्मी हुआ
लेटा पड़ा जो सांप था - अब भैरो हो गया
मंगल ने शेरी छोड़ी थी - अब घीता हो गया
केतु के आते - आते ही सब ख्वाह हो गया
हाथी ने सर टटोला तो - टुकड़े है पाए दो
केतु जो गुरु के नीचे थे - उसके भी रंग दो
बृहस्पत ने आंख खोली तो - देखे जहन दो
राजा फकीर होवे जो - किस्मत दो रंगी हो
गुरु राहु जब हो दो इकट्ठे - शेर सोया गुरु होता हो
झगड़े फसाद बेइज्जत करते - पीतल सोने का बनता हो

(ब) फकरी की कुटिया पर हाथी बुर्जगों को दमा की बीमारी।

(1) राहु की 19 साला महादशा (2) केतु के आते आते ही केतु की (48-24-12) साला उम्र नर औलाद की पैदाइश पर बशर्ते कि वह ससुराल घर का कुत्ता न बने पोते के जन्म पर बृहस्पत का सोना बहाल होगा।

शेर और हाथी की लड़ाई या किस्मत के मैदान में जमाना के सांस और धुएं की लहरें

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

ऐसे प्राणी के पैदा होते ही जमाना के गुरु और बृहस्पत के गृहस्थी शेर के मारग की हवा में नीले आसमानी गुबंद के मालिक गरुड़ के हाथी की चिंघाड़ों का घड़ाल धुआं भरा तो किस्मत की फौजें कजाक का रंग बिरंगा नजारा अकल को चक्कर में डालता हुआ खाली आकाश में मुहीत (छा) में अपनी लहरों से इधर - उधर दौड़ने लगा।

बृहस्पत का शेर आसमानी कद्दावर हाथी की दौड़ धूप की उलझन की हवा से अपने रास्ता पर चलता हुआ मर जाए/मिट जाए तो बेशक पर कवाई मारा के चलने दम तक अपने जाती कौल से हटना और मुकाबली की शिद्दत की वजह से कभी झुकता न होगा। उसके मुकाबला पर बढ़ती हुई बिजली की ताकत की मदहोशी से भरपूर अपने जिस्म को चोट दर चोट से नीला करता हुआ झट जोर हाथी समान दुनिया के मुकर्रर किए हुए रास्ता पर कभी सीधा न चलेगा। गो जर्द हवाई शेर दुनिया के कानूनी रास्ता पर सीधा चलने में न रुकेगा और आसमानी नीला हाथी हर एक सीधे रास्ता को अपनी टेढ़ी चालों पर नापने से बाज न रह सकेगा। एक सीधा चले दूसरा हमेशा ही टेढ़ा जावे तो ऐसे दो साथी मुसाफिरों का मुश्तरका रास्ता कब बराबर होगा।

किस्मत का जाफरानी (जर्द के सभी रंग) झलक कभी निर्धनी के धूएं की स्याह नीली शुआओं (किरणों) से टकराती हुई सोने की अपनी दौड़ती हुई लहरों से पीतल बना रही है और कभी वह कोढ़ से गले हुए दम से उखड़े हुए नीले जंग से मारे हुए मन्दे पीतल के भाव बिकने वाले प्राणियों को बिजली की चमक की तरह दम के दम में लगभग झगमग करने वाले दमकते हुए कुंदन की तरह चमक दे रही है। संक्षिप्त जमाना की दो रंगी की उच नीच और सभी थोड़ी दुनिया के किसी पैमाने में नहीं बंद थे।

जन्म लिए हुए एक से बारह साल हो गए दोनों ग्रहों ने बारह ही खानों में चक्कर लगाया या शेर और हाथी सीधे और टेढ़े चलते चलते दुनिया की 12 ही तरफों में घूम आए तो ऐसे प्राणी का जद्दी घर घाट एक किस्मत की हार में फंसे हुए फकीर साधु के उजड़े हुए तकिया की तरह धुआंधार जमाना की मन्दी हवा से भर गया। और मुसाफिरी का दिन या वह बारह साला चक्कर जिसमें वह सुबह से ही खाना हुए थे शाम पर आ पहुंचा। जमाना का गुरु और गृहस्थी साधु ने अपनी समाधि लगा दी या किस्मत का शेर निर्धनी की ऐसी जोर भरी नींद से सो गया कि हर तरफ सुनसान (निहायत ही मंदा जमाना) हो गया शेर की नींद मशहूर है और साधु की समाधि भी किसी से भूली हुई नहीं न ही धुआं हटता है और न ही साधु और शेर जागते है हर तरफ गरीबी और निर्धनी का अम्बार दर अम्बार भरता चला जा रहा है मगर वह दोनों शेर और हाथी और धुआं और साधु अपनी अपनी मस्ती में मशगूल है और दुनिया के सब साथी बन्दे उन दो सोये हुए ग्रह चालों शेर और हाथी के पांव में दबे चले आ रहे है। जब झगड़ा बहुत बढ़ गया और मन्दी हालत की रात अन्धेरे की कोई कमी बाकी न रही, तो किस्मत से खाली हो चुके, आकाश में सूरज का प्रकाश होने लगा या यूं कहो कि उच का बीसवां बाईसवां साल आ पहुंचा और जाती किस्मत के सूरज निकलने का वक्त हो गया। हाथ पांव कुछ कमाने लगे, राज दरबार से सहायता होने लगी मगर जमाना के सूरज की रथ गाड़ी के दो हिस्से हुए पहले बुध का जमाना या उच का 17 साला अरसा और गाड़ी का बाकी हिस्सा असल मतलब की चीज सूरज का उरूज या उच का 22, 23 साला वक्त इस 20-22 साला उच में सूरज के रथ लिए अगर

बुध का 17 साला अरसा पहिए का काम देने लगा तो चन्द्र का जमाना या 24 साला वक्त उच का वक्त उस रथ गाड़ी के लिए घोड़ा का साथ भरने लगा या 17 साला उच में नेक तरफ और ऐसे काम करने की अक्ल आने लगी जो उत्तम नतीजे देवे। राज दरबारी रथ गाड़ी में माया दौलत के घोड़ों का साथ होगा या इतने में शुक्र जो मिट्टी ही के हालत में हो चुका या शादी की औरत के बहाना औ जमान की लक्ष्मी की लहरों में तबदील होने लगा। भाईबन्द जो अपनी शेरी भूले बैठे थे जिनका खून सो गया था। 28 साला उच में मंगल का शेर गुरनि लगा। या वह सब-साथी बन्दे मदद पर हो गए माया दौलत की हिफाजत करने वाला इच्छाधारी सांप या शनिच्चर के सजायी का बक्सा जो धन से खाली और मुर्दा रूह पर लेटा हुआ था। अब 36 साला उच में भैरों बली की तरह बुलन्द हुआ। मकान बने आखों की चिनाई बढ़ती और हर एक को भव आने लगा। गृहस्थ परिवार माया दौलत में सुख की नींद से तरह-तरह के उत्तम ख्वाब आने लगे अल-औलाद बढ़ने लगी और केतु की 48 साला उच का दौरा जोर पर हो गया। जमाना के गुरु ने सुख सागर की हवा का सांस माना और गृहस्थी शेर की नींद खुली तो राहु की फलाई हुई निर्धनी का मन्दा हुई निर्धनी का मन्दा धुआं और घण्डाल हाथी अपने ही सिर को टटोलने लगा। तो मालूम हुआ कि उसके दो टुकड़े हो चुके थे और केतु गुरु गद्दी अल-औलाद लड़का जो गुरु के नीचे था उसके भी स्याह व सफेद दो रंग पाए गए। और खुद बृहस्पत ने भी अपनी हस्ती और खुदी से बेदार होकर दो जहानों का दौरा किया या बृहस्पत का दूसरा दौरा उच का 49 वां साल जारी हुआ।

(ब) गर्जे कि ऐसा प्राणी राजा के यहां जन्म ले कर फकीर और फकीर के घर पैदा होकर राजा या जमाना के उसकी दो रंगी जरूर होगी और उसका तमाम मन्दा जमाना सिर्फ एक ख्वाब की तरह होगा जो लड़के के आते-आते ही (पैदा होते ही) सब दूर होगा।

दोनों मुश्तरका से मुराद, मसनूई बुध का ग्रह होगा गैबी ताकत या इबादत का मालिक न होगा। खासकर जब वह दोनों ग्रह मुश्तरका कुंडली में खाना नः 7 से 12 में बैठे हो (दोनों खाना नः 7 से 12 में)

बृहस्पत दोनों जहान का मालिक होगा या टेवे वाले का दुनियावी व गैबी मदद दोनों ही मिलती होगी (दोनों नः 1 से 6 में)

नेक हालत

ऐसा भव्य आराम या हराम की रोजी का आदी होगा यानि अव्वल तो ऐसे शख्स को कोई भी सख्त मेहनत और मुशक्कत का काम करना ही न पड़ेगा। लेकि नअगर किस्मत के घेरे घिराए कहीं सख्त काम करने का वक्त गले पड़ ही जाए तो ऐसा प्राणी कुछ करे कराएगा ही नहीं। मुफ्त में अपने पेट की रोटी पा लेगा यानि उसे अपना पेट भरने के लिए मुफ्त में रोजी मिल जाएगी। ख्वाह वह आराम की कहां ख्वाह हराम की गिनो।

खाना नः 1

फ्याज सखी हो तख्त पर बैठा, फकीरा राजा सा कोई हो
रिज्क रोजी न हरगिज मन्दा - फसल कटी या बोई हो

ख्वाह धनाढ्य हो ख्वाह निर्धनी मगर फ्याज व सखी जरूर होगी उसकी अपनी फसल ख्वाह बोई हुई होवे ख्वाह कट चुकी हो उसको रिज्क रोजी की कमी न होगी। जन्म ख्वाह चांडाल के घर का हो मगर उस पेट भरने के लिए अनाज देने के लिए राजा खुद उसके दरवाजे पर हाजिर खड़ा होगा।

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

खाना नः 2

चुप गुरु जो टेवे गिनते - सामोश राहु अब होता है
उपदेश पाएगा गुरु का अपने - सवारी हाथी गुरु मरा है

नेकी के काम यकीन कर गरीबों का मददगार होगा। अब राहु टेवे वाले के बृहस्पत (अभिया कारोबार या मुश्तरका बृहस्पत बाप बाबा वगैरा) पर कोई बुरा असर न होगा। बल्कि राहु का हाथी अब बृहस्पत के साधु के हुक्म के जोर साया होगा। यानि अगर किसी वजह से टेवे वाला गरीब भी हो जाए तो भी हाथियों वाला गद्दी नशीन साधु होगा।

खाना नः 3

अपने की होशियारी जो दुश्मन से बचाती रहे ज्यादा होगी। खुद भी बहादुर होगा। राहु की पूरी उम्र (42-21-10-5 साल) के बाद बृहस्पत राहु दोनों का खाना नः 3 का दिया हुआ फल जाहिर होगा। मन्दी हालत में केतु का उपाय पहले जो कि बृहस्पत राहु में लिखा हो मददगार होगा।

खाना नः 4

उत्तम चन्द्र के असर का पूरा फायदा होगा। मगर बृहस्पत अपने असर के लिए चुप ही होगा। यानि जाहिरा तौर पर बृहस्पत के उम्दा असर का कोई खास जोर न होगा। मगर यह मतलब नहीं कि बृहस्पत का अपना फल मन्दा होगा।

खाना नः 5

हाकिम या सरदार होवे

खाना नः 7

ससुराल पिता से एक ही जिन्दा - वह भी दया से दुखिया हो
बुध मन्दे से लेख हो जलता - तराजू शुक्र बुध उल्टा हो

जवानी में खूब आराम पावे

खाना नः 12

लेख दौलत न कोई मन्दे - नहीं आकबत गन्दी हो
कर्म धर्म पर असर राहु से - गंदी नाली वह निकलती हो
दस्तकार या पेशा हुनर से - नफा से हरगिज न मिलता हो
सुख मर्दों का हलका गिनते - शनि असर भी मन्दा हो।

अब दोनों मुश्तरका से खाली बुध या खुले आकाश की तरह किस्मत का हाल होगा। राहु और बृहस्पत का कोई झगड़ा न होगा हुनरमन्द अक्लमन्द मगर हुनर और पेशा दस्तकारी से कोई ऐसा नफा न होगा यह मतलब नहीं कि नुक्सान ही होगा।
नोट: बाकी घरों (6, 9, 10, 11) दोनों का अपनी अपनी दिया हुआ फल होगा।

मन्दी हालत

सिवाय खाना नः 2, 12 बाकी घरों में आठ से बारह साला उम्र में सोने की पीतल और पीतल भी नीला रंग किस्मत के मैदान में जाहिरा साधु भी चोर का बर्ताव करेगा। कड़वा धुआं और मंदे वाक्यात बल्कि 16 से 21 साला उम्र पिता का सांस बन्द या उल्टा जिस्म नाकारा हो जाये। 42 साला उम्र में सोने की चोरी या राहु या बृहस्पत के मुतअल्लक कारोबार या रिश्तेदार या अभिया का मन्दा असर होगा।
बृहस्पत राहु मुश्तरका दोनों बुध का (मन्दी हालत में) काम देंगे पिता की उम्र और धन दौलत के ताल्लुक में वही मन्दा असर जो राहु नः 11 में बृहस्पत (पिता) के लिए लिखा है खुद जाती आमदन कि नाली के दो टुकड़े और वह भी बेकनी राहु (हाथी) बृहस्पत (फकीर) या फकीर की कुटिया में हाथी घुस जाने की तरह किस्मत का मन्दा हाल होगा। और वह भी ऐसे गद्दी नशीन साधु का जिसकी सवारी के लिए हर वक्त हाथी मौजूद रहा करते थे। जन्म ख्वाह राजा का हो या फकीर का जन्म पर ख्वाह राजा ही क्यों न हो ख्वाह फकीर होवे किस्मत से जरूर दो रंग दिखलाएगी। राजा हो फकीर और फकीर से हो राजा भी होगा। अमीरी के वक्त सवारी के हाथी (राहु) सर झुका कर सलाम करते होंगे मगर गरीबी के धुएं में फकीर हाथियों की लीद उठाते -उठाते सुख का सांस, रात की नींद ख्वाब में भी न ले सकेगा।

असर	उपाय

मंदी हालत के वक्त केतु के उपाय से राहु का मन्दा दूर होगा। जिस्म पर सोना मदद देगा। अगर केतु भी मन्दा (लड़का नालायक) हो तो चन्द्र की उपासना या माता की मरफत चन्द्र का उपाय मदद देगा। केतु के स्याह व सफेद रंग के नगीना को अंगूठी को हर रोज गाय (शुक्र) के जूठे पानी से धोने के बाद मंगल की चीजों का दान करना जरूर होगा। या जौ, अनाज, को दूध से धोकर चंद दाने अपने पास रखकर हर रोज 43 दिन तक दरिया में बहाते जाना मदद देगा।

खाना नः 2

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

अगर खाना नः 8 में बृहस्पत राहु के दुश्मन ग्रहों या वैसे ही मन्दे ग्रह हों तो नर औलाद के विघ्न होंगे।

खाना नः 3

बुध और केतु दोनों ही का फल 34 साला उम्र तक मन्दा ही होगा।

खाना नः 5 औलाद के ताल्लुक में राहु नः पाच का ही असर होगा।

खाना नः 7 पिता और ससुराल (ससुर) में से अमूमन एक ही जिन्दा होगा। और दोनों ही जिन्दा होने की हालत में हो सकता है कि एक दमा मास की तकलीफ होवे।

खाना नः 8 जिन्दगी खाना पूरी का नाम होगा। हर तरफ वे उम्मीदी का मन्दा धुंआ जोर से सांस को बंद करने की कोशिश पर तुला हुआ होता रहेगा।

बृहस्पत नः 8 के दिया हुआ उपाय मददगार होगा।

बृहस्पत केतु
(जर्द निम्बू, गुरु गद्दी)

सात केतु से सेवा उमदा - चन्द्र बिना गुरु होता हो
पहले केतु गुरु पीछे बैठा - मन्दा असर गुरु देता हो
बुध मदद जब उनको देता - लेख विद्याता खुलता हो
धन आयु औलाद इकट्ठा - शनि औरत सुख पूरा हो
बाप गुरु तो केतु बेटा - पाठ पूजा शुभ होता हो
वक्त मन्दे जब दोनों इकट्ठा - दुखिया कोई न रहता हो

(ब) दोनों के मिलाप में हर दो का असर उमदा होगा। केतु अब गुरु गद्दी का मालिक या ऐसे पाव का मालिक जो जहां चरण छूए परिवार व दौलत आ पहुंचे।

बृहस्पत (दरगाही कुदरती) और केतु (दुनियावी बनावटी) दोनों ही दरवेश माने गये है। अगर बृहस्पत गुरु तो केतु उसका चेला या शागिर्द होगा। बृहस्पति अगर पूजा पाठ हो तो केतु गुरु के लिए पूजा पाठ करने [illegible] बैठने के लिए उसका आसन या गद्दी होगा। बृहस्पति की हवा बेकैद और खुली हवा हुआ करती है। मगर केतु जो सांप (शनिच्चर [illegible] सांस) की हवा है दुनियावी धंधों से बन्धी हुई किसी [illegible] या उधर को (जब केतु मन्दा हो) साथ लेकर चलती है बृहस्पति किसी बुराई भलाई का ख्वाहिश मंद होगा मगर केतु किसी के भले व बुरे के लिए अपना हलचल दिखला देगा।

नेक हालत

अब खुद केतु (औलाद) ऊंच फल का होगा। मामू मरे तो बेशक हम साए मारे जावें तो दुस्त मगर बृहस्पति का खुद जाती फल बुरा न होगा। नाक की तरफ से दोनों कानों को दरम्यानी फासला ज्यादा होवे।

खाना नः 1

सिंह सिंहासन योगी कुटिया - धर्मी राजा वह होता हो
कदम मुबारिक जिस घर रखता - सुखिया वहां सभी होते हो

हमेशा आराम पावे
(क्याफाः हाथ पर एक शंख का निशान हो)

खाना नः 2

गुरु मंदिर नः 2 दरवेश फकीरी - आठ दृष्टि खाली जो
लेख नसीबा खुलती पेशानी - बुलन्द मर्तबा आली हो
आठ वैरी या दुश्मन साथी - कुत्ता फांसी आ मरता हो
लेख लिखत सब हो कुछ मन्दी - आयु अल्प तक होता हो

उम्दा आसन (केतु) नेक आकबत लम्बा चेहरा चौड़ी पेशानी होगा, जो हमदर्द और बुलन्द मर्तबा होगा। बशर्ते कि नः आठ से हुक्मरान आसूदा होगा (नः आठ में दोस्त ग्रह)

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

खाना नः 4

ऊंच गुरु ख्वाह केतु मदा - औलाद मन्दा नहीं होता हो
जो दौलत घर यार हो उम्दा - भक्त पिता और माता हो
पितृ रेखा का असर हो बढ़ता - धन्न अकल सुख मिलता हो
बहर हवाई वारिश उम्दा - पांव लक्ष्मी देता हो

तालीम वाला होगा।

खाना नः 6 अगर खाना नः 2 की दृष्टि खाली हो या नः 2 खाली ही हो तो किस्मत का हाल भला, शुभ गुजरान होगा। जिसे मरने से पहले अपनी मौत का पता चल जाएगा। चेहरा लम्बा और वह नेक स्वभाव होगा।

खाना नः 7, 8, 12

गरीबी तपस्वी पेट से भूखा - साथ दलिद्र मरता हो
रात आराम अमीरी आत्मा - बाकी असर साथ उम्दा हो

खाना नः सात तपस्वी मगर पेट खाना नः 8 दलिद्र से भरपूर खाना नः बारह बड़ा ही अमीर और आसूदा हाल होगा। नोट बाकी घर अपना अपना फल

मन्दी हालत

दुश्मन 40 साला उम्र तक तंग करेंगे (केतु की जड़ खाना नः छः में चन्द्र मंगल) (बृहस्पत की जड़ खाना नः 9,12 में शुक्र बुध या राहु) जर्द निम्बू धर्म स्थान में देता मददगार होगा।
(दोनों की जड़ों में उनके दुश्मन बैठे)
कुंडली वाले के लिए दोनों का फल उत्तम और मुबारिक होगा मगर केतु और बृहस्पत की जानदार आभिआ का फल मन्दा ही होगा नाक कि तरफ से मर्द के दोनों कानों का दरम्यानी फासला अगर ज्यादा होवे तो थोड़ा चेहरा होगा जो खुदगर्ज होगा।
(दोनों में से किसी एक का फल ख्वाह किसी तरह मन्दा हो जावे)

खाना नः 2 तंग पेशानी और चौड़ा चेहरा खुदगर्ज मन्द भाग्य होगा। (नः 8 में दुश्मन ग्रह)

खाना नः 4 नर औलाद की देरी बल्कि किल्लत ही होगी। क्याफाः हाथ पर यार सिप का निशान।

खाना नः 6 पहले लड़के या लड़की का सुख न होगा

(खाना नः दो की दृष्टि की रूह के मुताबिक दूसरों का गुलाम रहेगा (केतु कायम मगर बृहस्पत मन्दा)
अगर 1 केतु नीच या मन्दागार बृहस्पत कायम,

खाना नः 7 तपस्वी मगर मुफलिस ही होगा। (बृहस्पत नः सात का फल प्रबल होगा)

खाना नः 8 दलिद्री निर्धन मुद्रा रूह का मालिक होगा।

सूरज चन्द्र

A

बड़ के दरख्त का खालीस दूध अलीची (फल) घोड़ा तांगा

रवि मालिक जो उच्च बुढ़ापा - माया चन्द्र खुद देता हो
घर से 6 चन्द्र बढ़ता - बाद जाहिर न होता हो
साथ ग्रह कुल ही गो मन्दा - बुध गुरु पर उम्दा हो
असर सूरज से चन्द्र बढ़ते - राज्य कभी न मन्दा हो
मर्द बढ़ेंगे जिस घर बैठे - ख्वाह हो औरत न उम्दा हो

दोनों ग्रह 40 साला उम्र तक मुश्तरका होंगे। मिलावट में अगर चन्द्र का असर तीन हिस्से हो तो सूरज चार गुना होगा। मगर प्रबल और जाहिरा तो सूरज ही का असर होगा।

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

नेक हालत

बुढ़ापा लागकर उम्दा होगा।
जायदाद जद्दी का उम्दा फल व गृहस्थी आराम शान्ति से होगा।

दिल रेखा पर सूरज रेखा

सूरज देखे चन्द्र की खुश्क कुसे खुद व खुद पानी देने लग जावे।

(A) मुनाजमत - आला सरकार का धन, डाक्टरी अमूमन (Civil) सिविल

खाना नः 1 मिसल राजा हो जो दूसरों से खिराज लेवे।

खाना नः2

गुरु मन्दिर फल उम्दा गिनते - राज तरक्की होती हो
औरत बहाना झगड़े होते - हार हानि जो देती हो

दोनों का उम्दा फल राज दरबार में तरक्की इज्जत मान जब तक मुकाबिला पर औरतें न हो।

खाना नः 3 अपने लिए उम्दा किस्मत मगर दूसरों के ताल्लुक में मतलब परस्त।

खाना नः 4 राजा महाराजा सांप में मोती या मोती दान करने की हैसियत का मालिक, दुनिया का पूरा आराम रथ गाड़ी व दीगर सवारी का सुख बशर्ते कि नः 10

खाना नः 5 जिंदगी भर आराम रहे किस्मत का नेक असर ऐसे प्राणी की औलाद के माता के पेट में आने के वक्त से ही शुरू हो जाएगा।

खाना नः 6

असर दोनों के अपनों अपने -साथ पापी न मिलता हो
खाली पड़ा जो दूजा देवे - माता पिता दो मन्दा हो,
अब उपाय मंगल होगा- ऊंच रवि को करता जो
मन्द रवि की जहर हटाता - उस बड़ा कुल देता हो

दोनों का नः 6 का दिया हुआ जुदा - जुदा असर होगा।

खाना नः 9 मातृ हिस्सा (माता की तरफ व माता की मदद व ताल्लुक)
निहायत मुबारिक तीर्थ यात्रा 20 साल और उतम फल।

खाना नः 12

गर्म पानी से जख्म न जलते - राज समाधि बढ़ता हो
शत्रु मगर जब घर दो बैठे - आग पानी से जलता हो
दोनों का जुदा - जुदा मगर सूरज का प्रबल होगा

मन्दी हालत

औरतों से मुखालफत हरदम दुखिया दिर रात मुसीबत पर मुसीबत बरते बेशक लाखों पति फिर भी न रात आराम न दिन चैन कामयाब जिंदगी या आम सुख व कामयाबी की कोई तस्सली नहीं, फिजूल खर्च व सफर दरपेश रहे दोनों की जड़ो खाना नः 4,5 में दोनों के दुश्मन (शुक्र व पापी)

सूरज नः 1 के बुर्ज से चन्द्र के बुर्ज नः 4 में रेखा

खाना नः 1 मौत अचानक हो।
खाना नः 2 औरतों से अमूमन नफरत झगड़ा हार या हानि होगी।

खाना नः 4 मौत अचानक होवे

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

मंत्र के दिन के वक्त और दरिया नदी नाला या जमीन के नीचे से पानी या चश्मे पानी से होवे (नः 10 में शनिव्यर हो)

खाना नः 6 लम्बी उम्र की कोई तसल्ली न होगी, मगर यह मतलब नहीं कि उम्र छोटी ही होगी।
नः 2 में पाप (राहु या केतु)

खाना नः 11

अमर ग्रह हर दो का मन्दा - उम्र साला नौ वेदी हो
खुराक शनी का गोश्त छोड़ा - आयु सदी तक लम्बी हो

अमूमन उम्र सिर्फ 9 साल अगर गोश्त खाना छोड़ देवे तो उम्र सौ साला लम्बी होगी

सूरज शुक्र

औलाद पैदाइश देरी करता - लाभ सोने नहीं होता हो
एक वक्त ग्रह एक ही फलता - दीगर जा नष्ट ही होता हो
सूरज शुक्र की उम्र के सालों - योग शादी न उमदा हो
सेहत माया न उमदा जानो - मन्दा औरत का होता हो
गर्मी सूरज से शुक्र जलता - सिफ्त औरत न मन्दी हो
लफ्ज जवानी औरत निकला - लकीर पत्थर पर होती हो
उम्र पिता या राज हो शक्ति -दुर्गा पूजन खुद करता हो
औलाद पैदा में हो जब देरी - केतु पालन शुभ होता हो

दुश्मन ग्रहों शुक्र पापी के साथ बैठा हुआ सूरज (ख्वाह किसी भी घर में हो) उसके साथ बैठे हुए दुश्मन ग्रह की उस खाना की मुतल्लका अशिआ पर बुरा असर देगा। ऐसी हालत में 22 से 35 साला उम्र के दरम्यान दुश्मन ग्रह अपनी अपनी मियाद पर बुरा असर देंगे। दुश्मन ग्रह को बज़रिए बुध पालना (नेक) कर लेना मुबारिक होगा। दुश्मन ग्रहों के साथ ही सूरज के दोस्त (चन्द्र, मंगल, बृहस्पत) भी साथ हो तो दोस्तों की मुतल्लका अशिआ पर मन्दा असर होगा। दुश्मन बचा रहेगा। ऐसे टेवे में राहु अक्सर नीच फल देगा।
दोनों मुश्तरका ग्रह 41 साला उम्र तक मुश्तरका असर के होंगे इस मिलावट में अगर शुक्र तीन हो तो सूरज का जुज्व चार होगा। खुद शुक्र के फूल में बेहद गर्मी या मन्दे फल की जमीन का असर होगा। बल्कि शुक्र उम्र नीच ही होगा। और दोनों ग्रहों (सूरज शुक्र) के मिलाप से दूध पैदा होगा। यानि फूल तो होंगे मगर फल न होगा। किस्सा कोताहा।
एक वक्त में दोनों में से सिर्फ एक ही का असर उत्तम होगा। यानि अगर राजदरबार की बरकत हो तो स्त्री की हालत और स्त्री का फल (औलाद नरीना या औलाद नरीना की नेक हालत नहीं होगी)
22 और 25 साला उम्र की शादी से औरत का नाश होगा।
और अगर स्त्री नेक भाग्यवान सुखिया, दौलतमन्द हो तो राजदरबार हलका या मन्दा होगा।
दोनों ग्रहों का बृहस्पत की ठोस अशिआं (सोना वगैरा) से कोई ताल्लुक न होगा। बल्कि दोनों मुश्तरका के वक्त बृहस्पत (पिता, बाबा, रिश्तेदार मुतल्लका बृहस्पत) का कोई खास नेक मतलब नहीं हुआ करता ।

नेक हालत

खुद अपनी कोई जिस्मानी खराबी न होगी। सूरज और शुक्र दोनों में एक का फल तो हमेशा ही अच्छा होगा उसकी रूह जबर्दस्त मगर जिस्म (बुत) हल्का ही होगा।

खाना नः 1

ग्रह मंडल ख्वाह - तख्त हजारी असर रवि का मन्दा हो
शुक्र औरत हो किस्मत भारी - आग गृहस्थी जलता हो
लगन पराई व औरत मन्दी - ऊंच खाना तक पाता हो
अपने लिए खुद अपना जिस्म और राजदरबार भले ही होंगे।

खाना नः 7 खुद अपने लिए सूरज नः 9 का दिया हुआ हाल, तीर्थयात्रा उत्तम और 20 साल उत्तम फल देवे।

खाना नः 9 कभी अमीरी का समुन्द्र ठाठे मारे, तीर्थ यात्रा उत्तम और 20 साल उत्तम फल देवे।

खाना नः 10

राज ताल्लुक का सहगादाई - मदद ग्रह घर चौथा हो
साली होते घर चन्द्र भाई - चन्द्र मदद खुद करता हो
मदद ग्रह नर सायसे उम्दा - चमक रवि खुद देता हो

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

राहु धुआं जब देवे हटता - लेख शुक्र सब बदला हो

नोट : वार्षिक घर अपना अपना फल होगा।

मन्दी हालत

पिता अमूमन लम्बी उम्र का मालिक न होगा। और उसका ताल्लुक और साया आतफल बवजह अलहदगी या छोटी उम्र वगैरा अक्सर बचपन में ही उठ गया होगा। (पिता से फरहदगी)

नर औलाद अमूमन शनिच्चर की पूरी हकमूत का जमाना यानि 36 से 39 साला उम्र या दोनों ग्रहों की मश्तरका हालत की मियाद यानि 47 साला उम्र के बाद ही कायम होगी वरना शुक्र (शुक्र की अभिज्ञा कारोबार या रिश्तेदार मुतल्लका शुक्र स्त्री और स्त्री भाग्य) मन्दा बल्कि बरबाद होगा। औरत की सेहत शायद ही कभी उमदा होगी। उसे लम्बी - लम्बी बीमारियां (तपेदिक) हो सकती है।

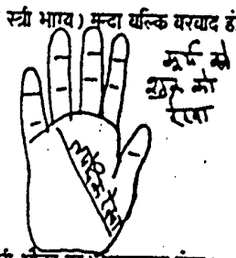

दुनियावी जिंदगी (गृहस्थापन) हर दो मर्द औरत का हाल मन्द ही होगा। औरत के रुखसारा पर भद्दे निशान मन्दी हालत का पहला सबूत होगा। कानों का कच्चा होगा (किसी की सुनी सुनाई बात पर यकीन न कर के किसी दूसरे का नुकसान कर देना) तमाम तरफ मन्दी हालत का सबब होगा। (कानों का कच्चा न हो)

जनमुरीदी बद ईख्लाकी, बेहद गुस्सा, रहानी नुक्स होंगे।

हुक्क फाहशा के हमेशा नतीजे बरबादी होंगे। जिनसे तपैदिक और जिस्म जलते रहना (खुद अपना या अपनी औलाद का) आमदस्तूर होगा।

अगर शादी उम्र के 22 वें (सूरज) या 25 वें (शुक्र) साल हो जावे तो राजदरबार अपने जिस्म (सूरज) और औरत जात (दुनियावी गृहस्थ शुक्र दोनों ही बरबाद होंगे)।

उपाय

खाना नः 1 औरत के बाजू पर सोने का कड़ा (चूड़ी या अनन्त) कायम करने से औलाद में मदद होगी।

Free by Astrostudents

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

नः 2 औरत की सेहत मन्दी होने या मन्दी रहने की हालत में औरत के वजन के बराबर चरी। (ज्वार, अनाज) का दान या धर्मस्थान में देना मदद देगा।।

नः 3 शादी या सगाई के दिन ही से मर्द औरत एक गुड़ खाना छोड़ देवे (दोनों में से कोई एक)

खाना नः 1

औरत की दिमागी खराबियां, पागलपन या मालेरनीलिया वगैरा और वह वक्त हद तक मरीज काग रेखा कि किस्मत (रोटी तक की कल्पना) मूरज (राजदरबार) की भी मिट्टी खराब करे। पराई आग, और औरत की मुहब्बत से जेलखाना वगैरा और अपने साथी हमराहियों की सूरत तालाब में ही डूबो देने की तरह मन्दी हालत

खाना नः 7

शुक्र चीजों का बढ़ता झगड़ा, - रंत खाली बुध होता हो
देता रवि ख्वाह असर नौवें का - हाल बर्जुगां मंदा हो

दोनों ग्रहों की बजाए अब खाली बुध नः 7 का दिया हुआ फल होगा। औरत से झगड़ा औरत की सेहत मन्दी बल्कि औरत की उम्र तक शक्की। बर्जुगों पर काग रेखा (मन्दी किस्मत रोटी तक से दुखिया) मकान (बर्जुगी जद्दी) का सुर्ख (मूरज या मंगल) रंग होना दोनों ग्रहों की दुश्मनी का बुरा असर देगा।

खाना नः 9

स्त्री भाग में काग रेखा (मन्दा हाल) कभी गरीबी में रंत की जरा की भी चमक होवे।

खाना नः 10

राजदरबार में हमेशा नाकामी और शनि हमेशा बुरा फल देवे राजा होते हुए भी राजगद्दी से दूर या दूसरे राजदरबार में गदाई (फकीरी) का प्याला लिए फिरता होगा। प्याला ख्वाह मिट्टी (शुक्र) पत्थर (शनि) ख्वाह सोने (नीच बृहस्पत नः 10) का ही होवे। किस्सा कोताह अपना राज भाग (बरबाद) और दूसरे राज का निगरान होगा।

1. त्रिपदिक या अंगहीन खासकर जब खाना नः 5,7,9 में किसी जगह भी ग्रह बैठे हो.

उपाय

Free by Astrostudent

सांप को दूध पिलाना मुबारिक होगा। औलाद की पैदाइश और औलाद की लम्बी उम्र के लिए खाना नः 4 के ग्रह मददगार होंगे। अगर नः 4 खाली ही हो तो चन्द्र का उपाय मददगार होगा। बल्कि चन्द्र खुद बखुद ही मदद देता चला जाएगा।

चाल चलन का ढीलापन (पराई मिट्टी की खूबसूरती की तारीफ में दिल की बेमौका लगन और बिना वजह कोशिश) अमूमन हो ही जाया करती है मगर पक्का नहीं कि ऐसा नुक्स अवश्य हो, जिन्द की बीमारियों की तकलीफ, खून की खराबियां या गृहस्थी दूध में मिट्टी या राजा होते हुए आखरी अवस्था दुखिया ही होगा। गौदान ख्वाह एक गाय ख्वाह ज्यादा मगर गौ हाजिर का दान कल्याण या औलाद नरीना देगा। गाय की जगह सिर्फ नकद रुपये का दान कोई दान न होगा।

नोट : बाकी घर अपनी अपना फल होगा।

सूरज मंगल

जागीरदारी का धन

असर बुरा न हर दो कोई - चन्द्र भला न होता हो
खोट धर्म न धेला पाई - खून कर्बाना तारता हो
बुध राहु जब केतु मन्दे - सब्ज कदम ही होता हो
मौत फलेगी चूहा गिन्ते - मन्दा सूरज होता हो

दोनों ग्रह 48 साला उम्र तक मुश्तरका होंगे। सूरज के असर का अगर एक जुज्ब हो तो मंगल दुगुना होगा

सूरज का उत्तम और प्रबल असर होगा जब मंगल नेक हो तो दोनों मुश्तरका किसी भी घर में हो सूरज हमेशा ऊंच फल का होगा। ऐसे टेवे में चन्द्र (माता) माता भाग खजाना वगैरा चन्द्र की अशिया मन्दा या हल्का ही होगा मगर चन्द्र कुष्टि न होगा।

नेक हालत

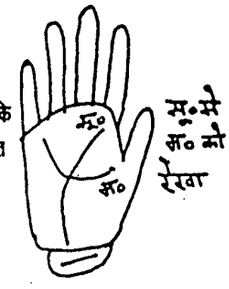

मंगल की अशिआ कारोबार या रिश्तेदार मुतल्लका मंगल बचपन की उम्र व अपनी औलाद और अपने खून के हकीकी रिश्तेदार और दुनियावी ताल्लुक इंतजमिया महकमा की मुल्जमत या ऐसे कारोबार या मुल्जमत जहां कि आम पब्लिक (साथी) दुनियादारों से बराबर रास्त ताल्लुक पड़ता हो सबका उत्तम फल होगा।

घरारयोभा मकान उत्तम असर देगा ऐसा शख्स और उसका भाई (टेवे वाले से बड़ा) दोनों दौलतमन्द और

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

जायदाद वाले होंगे। जन्म दिन ही से उमदा किस्मत दुश्मन पर हमेशा गालिब उम्र पूरी लम्बी बल्कि 100 साला होगी। दिली साफ ताकत, धर्म में धंधे का खोट न होगा।
जिस कदर उम्र बढ़े राजदरबार में मर्तबा बढ़ता होगा।
खाना नः 1,2 पक्की उम्र में दोनों ही ग्रहों का बढ़त सूरज की लाली की तरह उत्तम फल होगा। ऐसा शख्स साफदिली में भी उत्तम होगा। उम्र पूरी बल्कि 100 साल तक हो सकती है। मानिन्द तलवार दुश्मन पर गालिब होगा।
खाना नः 9,10 आला मर्तबा नीचे होता - उड़ती दौलत 10 मन्दिर हो
दोनों बैठे 10 दौलत बढ़ता - 11 शनि 6 चन्द्र जो
खाना नः 9 आला मर्तबा होगा शनिच्चर नः 11
खाना नः 10 भाग्यवान होवे चन्द्र नः 6
नोट चाकी घर अपना अपनी फल होगा।

मन्दी हालत

जब मंगल बद होवे 3,13 गोशा मकान
मंगल बद की पूरी मंदी हालत दिखलायेगा
दुनिया से सख्त मुखालफत रोजगार
में धोका बाजी और हर काम में दुनियावी धक्का बाजी (मन्दी हालत) गो टेवे वाले की अपनी मौत तो न होगी मगर अपने करीबी खून के रिश्तेदारों की मौतें तो जरुर देखेगा और अपनी आंखों और नजर पर भी अगर कोई खराब या बुरा असर हो जावे तो हो सकता है।

मंगल बद से रेखा जो सेहत रेखा को जा काटे

खाना नः 1-2

अगर मंगल बद हो तो मैदाने जंग या लड़ाई झगड़े में ही मारा जाए।

खाना नः 9,10

जब मंगल बद हो खाना नः 10 अजीजों से जरो माल का झगड़ा होवे।
नोट-चाकी घर अपना अपना फल होगा.

Free by Astrostudent

सूरज बुध

(मुलाजमत मुतल्लका कलम, सरकार का धन, सरसब्ज पहाड़, लाल फिटकरी, शीशा सफेद)

वक्त मासूमी हल्का होता- अमीर बना खुद साख्ता हो
सेहत दौलत और केतु उमदा - शुक्र मशादश करता हो
राजतालुक नौकर शाही - शर्त जरुरी होती हो
उल्ट मगर जब हो कोई जिद्दी - रोटी मुफ्त जेल मिलती हो
व्यापार 40 हद अक्सर मन्दा - ईमानदारी धन फलता हो
असर मन्दे बुध केतु मरता - बढ़ता रवि बुध उमदा जो
सात पहले दो दस घर बैठे - असर दोनों का उमदा हो
कीमत 13 जो दो की गिनते - पूरी सूरज दिन करता हो

दोनों ग्रह 39 साला उम्र तक मुश्तरका होंगे इस मिलावट में अगर सूरज का असर दो हिस्से हो तो बुध का असर एक हिस्सा होगा। गो दोनों का और उत्तमफल होगा। मगर सूरज का उत्तम प्रबल होगा। दोनों मुश्तरका में सूरज कभी नीच फल का न होगा। बुध बेशक मारा जावे और मन्दा असर देवे बानि जिन घरों में सूरज नीच या मन्दा होगा। वहां बुध का असर मन्द होगा। और जहां बुध खुद मंदा है वहां सूरज को बेशक धब्बा लगे मगर बुध की अशिआ सूरज को मदद देगी।
सूरज अगर रूहे इंसानी हो तो बुध विधाता की कलम होगी या सूरज अगर दुनियावी बन्दर हो तो बुध लंगूर की दुमकी तरह मददगार होगा। बुध की आधी (34 का आधा 17 साला) उम्र तक बुध का जुदा फल जाहिर न होगा।
दोनों मुश्तरका से मुराद मसनूई मंगल नेक होगी। खुद काम करने की ताकत व आदत ज्यादा दूसरों की कमाई की तरफ उम्मीदें रखने की बजाए अपनी कमाई पर शुक्र व सब्र करने वाला होगा।

क्याफा →

सिर रेखा व सेहत रेखा के मिलने का जाविया (अंश) धोका मुकम्मल हो तो उमदा सेहत
1 सूरज बुध मुश्तरका को जब शनिच्चर देखता हो तो शनिच्चर के मुतल्लका कारोबार से शनिच्चर की उम्र (27-33 से 36-39) तक नफा होगा। लेकिन अब सरकारी ठेके -

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

दारी या मुलाजमत वगैरा के माली नतीजे मंद ही होंगे। सूरज के साथ बुध मानिन्द पारा होगा। 2. यानें कि शनिव्यर न देखता हो न: 3 महावारी आमदन के असूल पर सूरज की दस और बुध की तीन कुल तेरह महावार (मुकम्मल महावार आमदन में देखो)

नेक हालत

(I) राजतालुक और सरकारी मुलाजमत वगैरा जरूर होगी और फायदे मन्द उम्र लम्बी मगर मौत अचानक। तालीम और कलम हमेशा मददगार। लैम्प (रात की रोशनी में कारगुजार) और तहरीर (लेखन) दस्ती लिखना उत्तम फल देंगे।

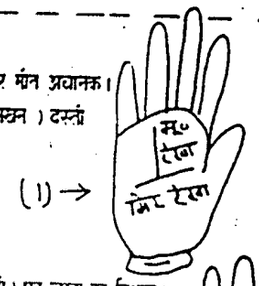

(ii) जवानी में चिन्ता जगेगी। स्त्री की दिमागी ताकत उत्तम होगी। या रुकावटें (घुटने की हड्डी) पर जख्म का निशान।

सूरज से बुर्ज से बुध न: 7 के
बुर्ज को रेखा

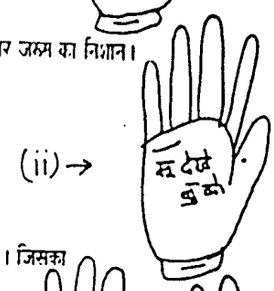

(iii) दूसरों की बजाए खुद अपनी और अपने हाथों की पैदा करदा कमाई पर भरोसा करने वाला होगा। जिसका नतीजा नेक होगा। या वह खुद साख्ता (अपने आप बना हुआ मर्द होगा) सेहत उम्दा होगी।

अनामिका और मध्यमा के दरम्यान छोटी सी लकीर
दरम्यान छोटी सी लकीर

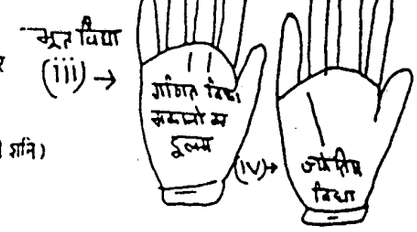

(IV) नेक नतीजे अब सूरज और शनिव्यर दोनों का कोई झगड़ा न होगा। (3,4,5 में शनि)
अनामिका और कनिष्ठका के दरम्यान छोटी सी लकीर

Free by Astrostudents

खाना न: 1

चलती घूमती फिरती चक्की - अक्ल वजीरी पाता हो
शेर जंगल या सब्ज पहाड़ी - माहिर रियाजी होता हो
सात छठे जब दोस्त बैठा - ऊंच बुलन्दी होता हो
शत्रु मगर जब 7,6 होता - दुखिया मुसीबत पाता हो

मानिन्द वजीर साहिब तदबीर सर सब्ज पहाड़ की किस्मत में शान हल्म रियाजी (गणित विद्या) योगाभ्यास का नेक फल दौलतमन्द राजदरबार से नेक ताल्लुक। आम राजदरबारी झगड़ो का फैसला हक में होगा जब तक शनिव्यर का मन्दा असर शामिल न होवे

खाना न: 2

जिस्मानी व दिमागी उम्दा असर होगा। खाना न: एक का असर जैसा भी होवे शामिल ही होगा।

खाना न: 3

कुंडली असर न राहु मन्दा - नहीं बुरा दो होता हो
भला शुक्र न जिस दम होता - बुरा राहु बुध मन्दा हो

राहु का अब कुंडली पर बुरा असर न होगा। पक्का आशिक और निहायत उत्तम असर होगा।

खाना न: 4

राज व्यापारी रेशम होते - घीजे घिसाती बजाजी जो
माया दौलत नर इतने बढ़ते - खाली नाली भर जाती हो

राजयोग दोनों का अपना - अपना उत्तम फल

1 अब मंगल का असर कम होगा। मगर शनिव्यर का 1/4 हिस्सा मन्दा असर शामिल होगा।

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

खाना नः 5

बुध का अब गारी उम्र (बुध की 34, 17) की जुदा असर जाहिर न होगा औलाद और बजुर्गों पर कोई बुरा असर न होगा। उम्र कम से कम 90 साल होगी ..... जब शनि भी खाना न. 9

खाना नः 6

गज सभा खुद कस्म से अपनी - ऊंचा मुयारिक होता हो
कायम दोनों जब घर दो खाली - खुशियां औलाद से होता हो

मुरज कायम और बुध दृष्टि में नः 2 से मन्दा नेक असर और नेक नसीब होवे

क्यापा :

पांव की कनिष्टका छोटी हो अनामिका से या पांव की कनिष्टका कदरे बड़ी हो अनामिका से

क्यापा:

पांव की कनिष्टका और अनामिका बराबर
औलाद का सुख होवे दोनों कायम यानि नः 2 खाली

खाना नः 7

घर ससुराल शुक्र गो मन्दा - बरबाद केतु ख्वाह होता हो
फौव्वारा दौलत का इतना उठता - सैराब जंगल को करता जो
रहट माया का योग से चलता - भला लाखों का करता हो
स्नान जगत गो सारा करता - प्यासा मगर खुद रहता हो

औरत की किस्मत का अच्छा बुरा असर शुक्र की अच्छी या बुरी हालत (जैसा कि टेवे के मुताबिक हो) पर होगा।
उसकी औरत अमीर खान दान से सूरज की तरह मुकम्मल और उत्तम होगी। रंग और स्वभाव साफ और नेक होगे।
खुद टेवे वाले की हालत में ख्वाह शुक्र अच्छा हो या बुरा किस्मत के मैदान में चलते हुए रहट की तरह हर दम आमदन जारी और फव्वारे के उछलते हुए और ताजा पानी की तरह हर वक्त उत्तम असर का मालिक होगा और ऐसे मर्द की आमदन हजारों जंगल और पहाड़ो के मैदानों को सैराब करेगी। अपनी जान के लिए खुद आप वह मद्र इतना नफा न पा सके और राजदरबार से उसे ऐसा नफा न हो मगर फिर भी वह सूरज की तरह उत्तम और मुकम्मल होगा। और वक्त मुसीबत बन्दर की तरह (यानि बहुत ही आसानी से) कामयाब होगा। जवानी का हिस्सा ऐसा शानदार न निकले तो मुमकिन मगर उसका बचपन और बुढ़ापा तो जरुर ही उमदा और नेक होगे। अभ्यास और इल्म ज्योतिष मुयारिक होगे। केतु व बुध का फल 34 साला उम्र के बाद नेक होगा। यानि बुध की मियाद तक बेशक दौलत ज्यादा होगी या ज्यादा लेवे मगर बुध की मुतल्लका अशिआ, कारोबार या रिश्तेदार मुतल्लका बुध का असर दिया हुआ ही होगा। (अगर शुक्र कायम हो और नेक हो)

खाना नः 8

बुध असर दे हरदम उम्दा - खाली पड़ा जब दूजा हो
असर ग्रह घर दो गो मन्दा - आयु मगर खुद लम्बा हो

उपाय

शीशे के बर्तन को गुड़ से भरकर श्मशान में दबाना मददगार होगा। जिस पर दोनों ग्रहो का अपना - अपना नः 8 का दिया हुआ फल शुरु होगा।

खाना नः 9

वास्ते राजदरबार और तालीमी ताल्लुक दोनों ग्रहो का 24 साला उम्र से नेक असर और मुयारिक फल होगा जो 34 साला उम्र से और भी तरक्की पर होगा। ऐसे टेवे वाले की लड़की 6 साला उम्र तक (सिवाय पहले और तीसरे साल) निहायत मुयारिक साबित होगी। उसकी हर नम्बर की लड़की (बमूजब पैदायश एक के बाद दूसरी पैदा होवे तो पहले पैदा मुतका नः 1 की कहेंगे) और आगे ऐसी लड़की की उम्र का हर नम्बर का साल वही फल देगा। जो बुध हर खाना में देता है।

खाना नः 10

दौलत मन्द ज्यादा होगा शनिच्चर सूरज और बुध का अपना - अपना और उत्तम फल साथ होगा।
टेवे के खाना नः 1 दो के ग्रहो की दोस्ती और दुश्मनी के मुश्तरका असर का फल किस्मत में शामिल होगा।
अगर खाना नः 1,2 खाली ही हो तो सूरज और बुध का उत्तम फल होगा मगर शनिच्चर का फिर भी अच्छा या बुरा फल जैसा कि शनि टेवे के मुताबिक हो जरुर साथ शामिल होगा।

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

खाना नः 11

पाप जद्दी घर ख्वाह कोई करता - जहर टेवे आ मरती हो
बुध रवि कोई चाल न चलता - बुनियाद पहले घर होती हो

अगर उसके बजुर्गी मकान में धर्म पूजन नेक और स्वभाव मद पुरुष रहते हो तो नसीबा हर दम बढ़े।
दोनों ग्रहों का नेक और बुरा असर शुरु व खत्म होने की निशानी फौरन उसके खानदान के नम्बरों पर जाहिर कर देगा और जद्दी मकानों या जाती मकान की जमीन से मुतल्लका होगा।

खाना नः 12

दोनों ग्रहों का अपना-अपना फल मगर अब बुध का सूरज (राजदरबार और टेवे वाले का अपना जिस्म) पर कोई बुरा असर न होगा। बशर्ते कि उसके जिस्म पर मोना कायम रहे बुध नः 11 का दिया हुआ उपाय मददगार होगा।

मन्दी हालत

शुक्र का असर 25 साल रद्दी बल्कि मन्दा ही होगा बचपन में तकलीफ और राजदरबार में झगड़ा
(मार फैसला हक में) जब सूरज नीच घरों या दुश्मन ग्रहों का साथी हो जावे

बुध का जाती असर मन्दा यानि व्यापार वगैरा बेमानी होगा।
जब चन्द्र नष्ट हो दिमागी सदमात होंगे।

क्याफा :

दिल रेखा और सिर रेखा मिलकर एक ही रेखा हो गईहो और उस पर सूरज से और बुध से रेखा आ मिले।
झगड़ों का फैसला हक में न होगा मन्दे नतीजे
दोनों शनिच्चर को देखे दोनों शनिच्चर को देखे दोनों के बिल्मुकाबिल यानि नः 3 6 बुध की जड़ नः 5 सूरज की जड़ में
(चन्द्र या बृहस्पत)

खाना नः एक

राजदरबार में झगड़ा जब कभी हो जावे अपनों से बड़ों के साथ होगा अगर उस वक्त (झगड़े के साल क्यफल के अनुसार) शनिच्चर का टकराव (दृष्टि के अनुसार) आ जावे तो फैसला हक में होने की कोई शर्त न होगी

क्याफा : दृष्टि का दर्जा फैसला हक में होने का दर्जा होगा यानि अगर सौ फीसदी दृष्टि हो तो सौ फीसदी फैसला हक में होगा इसी तरह 50 फीसदी और 25 फीसदी का हिसाब होगा।

खाना नः 2

किस्मत के ताल्लुक में माली असर हल्का ही होगा।

खाना नः 3

अगर मन्दा अशिक होवे तो राहु और शुक्र दोनों ही का पूरा बुरा असर होगा। बदनाम और मतलब परस्त बुध का अरसा और बुध की मन्दगी की वजह से 34-17 साल लगातार नुक्सान ही नुक्सान होगा।

खाना नः 5

मौत अचानक होगी।

खाना नः 6

बुध कायम और सूरज दृष्टि से नः 2 मन्दा दोनों ही का नेक असर कम होता जाएगा
पांव कनिष्ठका बहुत बड़ी हो अनामिका से
मनहूस जलील और मन्द भाग होगा पांव की कनिष्ठका बहुत ही बड़ी हो अनामिका से
अपनी उम्र लम्बी होने की कोई तसल्ली न होगी।

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

खाना नः 7

औरत का फल (औलाद केतु) मन्दा औरत खुद हमेशा सुख न पावे गमगुसार बरबाद या औलाद की उम्र के कक्षाजे हो
शुक्र मन्दा खराब या बरबाद हो
बुध की 34 साला उम्र या नः 9 के ग्रह की उम्र तक सूरज को बुध न ही कोई कोई मदद देगा और नहीं उसके असर को चमकने देगा। बल्कि लोगों में बेइतबारी और हकीकतारी पैदा करता जाएगा और सूरज (राजदरबार) पर भारी पड़ता होगा । लेकिन ग्रहण नहीं लगाएगा। मगर फर्जी रंग तो जरूर होगी और राजदरबार में नीच सूरज का नजारा दरपेश होगा।
(खाना नः 9 में ऐसे ग्रह ख्वाह बुध उनका दुश्मन ख्वाह वह बुध के दुश्मन ही चन्द्र मंगल बृहस्पत होंगे

खाना नः 8

खाना नः 2 के ग्रह अगर कोई भी हो बरबाद होंगे और बुध की अशिआ कारोबार या रिश्तेदार मुतल्लका बुध बहिन व फूफी मासी वगैरा की हालत मन्दी होगी। मगर, बेरहम, बेकलन होगा और मुमकिन है जंगो जदल या लड़ाई झगड़े में ही मारा जावे (मंगल बद हो)

खाना नः 9

जब बुध मन्दा हो तो 17 तो 27 साला उम्र मन्दा असर होगा। यानि अगर एक लानत हटी तो कोई न कोई दूसरी खड़ी होगी।
नर औलाद अमूमन 34 साला उम्र से पहले शायद ही कायम होगी।
औरत के टेवे में नर औलाद 22 साला उम्र से पहले शायद ही होगी।
मन्दी हालत के वक्त सूरज या मंगल के नेक करलेने का उपाय मददगार होगा। इतवार या मंगलवार के दिन पैदा शुदा लड़की के वक्त किसी उपाय की जरूरत न होगी। सब कुछ स्वयं ही उमदा फल पैदा हो जाएगा।

खाना नः 10

शनिच्चर का बुरा फल अब शामिल होगा। बदनामी में मशहूर होगा। और अपने काम स्वयं ही बिगड़ता फिरेगा।

खाना नः 11

जब उसके जद्दी मकान में जहर या मन्दे काम पैदा करने वाले लोग अमल हों तो वह जहर फौरन टेवे वाले पर मन्दा असर देगी।

खाना नः 12

गृहस्थी हालत में बुध की अशिआ (जानदर और बेजान दोनों) और कारोबार या रिश्तेदार मुतल्लका बुध फालतू बोझ (नाहक खर्चा व जहमत) का बढ़ाना होगा। जिस्मानी नुक्स, नाड़ी की खराबियां गशी, गोसा मिरगी तक हो सकता है । बुध अब खाना नः 6 के ग्रहों को बरबाद कर देगा।

सूरज शनिच्चर

रवि शनि दो इकट्ठे बैठे - झगड़ा कोई नहीं करता हो
वजह किसी हो जब कभी लड़ते - बुध जहर आ मरता हो
नतीजा वही जो रवि हो टेवे - शनि शक्ति ही होता हो
झगड़ा दोनों का लम्बा बढ़ते - नीचे राहु बद मंगल हो
आग बकूर कीमत कौड़ी - चौंजे शनि सब मन्दी हो
शनि जलावे ताकत बढ़ती - रवि सेहत जिस्मानी को
काम उत्तम जर चांदी होगा - हालत तालीमी फलता हो
बुध साथी से दोनों उमदा - असर उत्तम सब करता जो

दुश्मन ग्रहों (शुक्र पापी) के साथ बैठा हुआ सूरज (ख्वाह किसी भी घर में हो) उस साथ बैठे हुए दुश्मन ग्रह नः 2 की उस खाना की मुतल्लका अशिआ पर बुरा असर देगा। ऐसी हालत में 22 से 45 साला उम्र के दरम्यान दुश्मन ग्रह अपनी -अपनी नियाद पर बुत असर देंगे। दुश्मन ग्रह को दूर बजरिए बुध की पालना नेक कर लेना मुदारिक होगा। अगर सूरज के दोस्त (मंगल व चन्द्र) भी साथ ही हो तो दोस्तों की मुतल्लका अशिआ पर मन्दा असर होगा। दुश्मन बया रहेगा। बन्दर और बिया की दास्तान ।
बारिश जोर की हो रही थी और बया अपने घोंसले में बैठ रहा था बन्दर तकल्लीफ में उसी दरख्त पर चिड़-चिड़, चीं-चीं कर रहा था। बया ने वक्त से पहले घोंसला बनाने की बन्दर को नसीहत की तो उस आला दिमाग ने बयये का घोंसला ही बरबाद कर दिया।
(1. सूरज शनिच्चर मुश्तरका में जब जहां और कहीं भी दोनों से किसी का फल खराब होवे में टेवे में 22 या 36 साला उम्र तक राहु भी मन्दा और मंगल बद का असर देगा। इसको मुहब्बत या मिट्टी की पूजना बताना होगी। बददयानती से शुक्र बरबाद होगा 2. अशिआ मुतल्लका सूरज शनिच्चर सफा नः 815 पर दर्ज है।)
हूबहू ऐसे प्राणी की किस्मत जब वह अपनी मदद के लिए किसी तरफ हाथ बढ़ाए तो सांप अपने जहरीले दांत से सब कुछ बरबाद कर देगा। खाली बुध का बेमानी असर होगा। जो बुध की ताकत आम इल्म तालीम मुराद होगी और जिसमें शनिच्चर का मन्दा फल भी शामिल होगा (

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

ख्यालात की आजादी, मौका के मुताबिक फौरन लट्टू की तरह बदल जाने वाला होगा।)
अमर का वक्त बुढ़ापे में मुतल्लका होगा। सूरज चन्द्र और बृ. उत्तम फल देंगे। दोनों ग्रह वाले धन दौलत 46 साला उम्र तक मुश्तरका होंगे और शनिव्यर इस मिलावट में 2/3 हिस्सा होगा। दोनों ग्रह वाले वालिद की उम्र 40 साला उम्र तक मुश्तरका होंगे और शनिव्यर इस मिलावट में 1/2 हिस्से होगा।
दोनों ग्रह वाले दुनियावी सुख 24 साला उम्र तक मुश्तरका होंगे और शनिव्यर इस मिलावट में 1/3 हिस्सा होगा। मुश्तरका हालत में सूरज बंदर और शनिव्यर साप की बाहमी लड़ाई के हाल की तरह किस्मत में जमा (सूरज) नकलंक (शनिव्यर) बराबर होंगी। दोनों की बाहमी दुश्मनी के शुक्र (स्त्री और स्त्री भाग) मन्दा बल्कि बरबाद होगा। मगर औलाद पर पूरा असर न होगा। बल्कि ऐसी मुश्तरका हालत में शनिव्यर का सारा हामला औरत के सामने आया हुआ अंधा हो जाएगा और उस पर कभी हमला न करेगा और न ही इकलौते बेटे पर कभी डंग मारेगा। यानि सूरज शनिव्यर मुश्तरका टेवे वाले की औरत पर जब कि वह हामला हो या ऐसे टेवे वाले के इकलौते बेटे पर सांप कभी हमला न करेगा। बल्कि शनिव्यर किसी तरह से भी खुद शनिव्यर की अशिआ, कारोबार या रिश्तेदार मुतल्लका शनिव्यर के ताल्लुक में उसकी हामला औरत और इकलौते बेटे पर पूरा असर न देगा। दोनों मुश्तरका में किस्मत का फैसला सूरज रेखा से होगा।

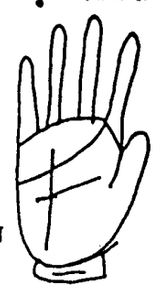

क्यापा : सूरज रेखा में अगर शनिव्यर की उर्ध्व रेखा का ताल्लुक हो जावे तो आग के वाकात होंगे अगर किसी वजह से ऐसी जबरदस्त रेखा किसी माफली हाथ में बाका होवे तो भी शनिव्यर व सूरज का मुश्तरका पूरा असर होगा लेकिन अगर सोने चांदी या आग के कारोबार वाला होवे तो मुबारिक होगा। बहरहाल जबरदस्त सूरज आग पैदा कर देगा जिसमें शनिव्यर का सामान तो स्याही का असर देगा। मगर सूरज चन्द्र और बृहस्पत उत्तम फल देंगे वगैर सूरज रेखा बाजारी कीमत इंसानी जिन्दगी की न होगी और जन मुरीद होगा और साथ ही अगर सूरज का बुर्ज भी कायम न हो तो इसको मुहब्बत के सिवा उसे दुनिया में कुछ और नजर ही न आएगा। सूरज बन्दर शनिव्यर सांप दोनों की लड़ाई का हाल उनकी बाहमी दुश्मनी का सबूत जहननशीन करवाएगा।

फरिस्त अशियआ मुतल्लका :—

खाना नः	सूरज शनिव्यर
1.	हलक का कौव्वा आग से जलना
2	माशा सालम
3.	पुरानी किस्म की लम्बी बेरी कीकर
4.	मकानों में काले कीड़े
5.	सुरमा स्याह बुद्धु लड़का
6.	कौव्वा, पूरा काला कुत्ता
7.	दरिन्दे, सुरमा सफेद, बिनौई, स्याह अनाज
8.	पुड़पड़ी, बिच्छू
9.	आक (मदार) टाली, फलाई
10.	मगर मच्छ, जानी घर का मकान
11.	लोहा
12.	गृहस्थी परिवार मछली, तख्त पोश सिर पर टटरी

Free by Astrosaints

नेक हालत

दोनों ही का नेक व उत्तम फल होगा सोने चांदी या आग के कारोबार मुबारिक होंगे।
दोनों मंगल के घर (खाना नः 1) या मंगल किसी तरह से दृष्टि से देख रहा हो

खाना नः 1 ब्रह्म ज्ञानी होगा

खाना नः 5 मजबूत तथा

खाना नः 6 तकिया मुसाफिर अगर बुध व चन्द्र दोनों कायम तो सूरज का फल कदरे उम्दा औरत सुख पूरा उत्तम (सूरज कायम शनिव्यर मन्दा)

क्यापा : पांव की मध्यमा छोटी हो अनामिका से,

खाना नः 9 दौलत मंद मगर मतलब परस्त

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

खाना नः 12 शनि रवि न झगड़ा करते - नहीं शुक्र खुद मंदा हो
असर वक्त पर उमदा देते - मर्द औरत सब सुखिया हो
अब दोनों ही ग्रहों का उत्तम व उमदा फल होगा। बल्कि शुक्र भी मन्दा न होगा।
नोट : बाकी घर का अपना - अपना फल

मन्दी हालत

खुद अपना घर फूंक तमाश देखने वाला होगा। शनिच्चर का नामान स्याही का (मन्दा असर होगा) दो मुंह का सांप मसनूई मंगल बद और नीच राहु की शरारत का असर मौजूद होगा। मन्दी उर्ध्व रेखा होगी। कीकर का दरख्त मन्दे असर की निशानी होगी। जवानी में तकरीबन सेहत का सर्गाविया और राजदरबारी की कमाई बरबाद होगी। लट्टू की मूई की तरह घूम जाने वाले गैर तसल्ली बख्श दोस्त होगा।
सूरज की उम्र 22 साला या शनिच्चर की उम्र 36 ता 39 साला तक राहु नीच या मंगल बद होगा। ख्वाह टेवे में राहु किसी भी अच्छे घर बैठा हो और मंगल कैसा ही ऊंच जगह पर हो
किसी ऐसे घरों में जहां कि दोनों में से एक का असर मन्दा हो।
घर बैठक के लिहाज से अगर सूरज प्रबल हो और शनिच्चर कमजोर हो तो जिस्मानी ताकत उमदा होगी मगर जिस्मानी ढांचा कमजोर होगा यह दो जुदा - जुदा बातें है
मिसाल के तौर पर बिजली की लहर को अगर इंसान की ताकत माने तो बिजली की लहर को काबू में रखकर चलाने वाली नीच या ढांचा इंसान का जिस्म गैस इस तरह पर अगर लहर कस्क ताकत है तो बरतन एक वजूद होगा। यानि यह दो जुदी - जुदी बातें होगी जो ताकत और ढांचा से तसव्वुर होगी।

उपाय :

दुनिया में सूरज ग्रहण के वक्त शनिच्चर की चीजें बादाम नारियल वगैरा चलते पानी में बहाना मुबारिक होगा। टेवे में सूरज ग्रहण से (सूरज राहु मुश्तरका) मुराद नहीं दोनों मुश्तरका ग्रहों की मुश्तरका हालत में औरत की जिंदगी बरबाद हुआ करती है खासकर उस वक्त जब दिन के वक्त बच्चे बनाने की कोशिश की जावे।
मन्दे असर के बचाव केलिए ख्याल रखा जाये कि ऐसा मर्द या औरत शनि के ग्रह का मर्द या औरत न हो यह दूसरी जगह विस्तार से लिखा है कि शनिच्चर का मर्द या औरत कैसा या किस किस्म का हुआ करता है अगर ऐसे मर्द या औरत की शादी हो ही चुकी हो तो औरत के सिर के बालों पर सिवाय नर ग्रह की मुतल्लका चीजें किसी भी शक्ल में सिवाय ठिकाने (मसलन तांबा सुर्ख (सूरज)) के टुकड़े में बृहस्पत सोना और लाल (मंगल सुर्ख पत्थर) बनाकर कायम करें।

Free by Astrostudents

खाना नः 1

मच्छ रेखा और काग रेखा मुश्तरका मसनूई मन्दा बुध होगा। राहु केतु दोनों ही मन्दे होंगे सूरज (बाप) कमाये शनिच्चर (बेटा) उड़ाने या सूरज के मुतल्लका कारोबार या रिश्तेदार या अशिया मुतल्लका सूरज का फल अगर उत्तम हो तो शनिच्चर की अशिआ कारोबार या रिश्तेदार मुतल्लका बरबाद या बरबादी का सबब न होंगे। नहूसत उनके घर में दर्जा अव्वल होगी दोनों ग्रहों के झगड़े में शुक्र (औरत स्त्री भाग) मन्दा बरबाद होगा। खोटे कर्मों का भण्डारी या उसके हर काम में खोटापन कुदरती तौर पर खड़ा होगा। सरकारी मुलाजमत में हर तरह से खराबियां जब कभी सूरज शनिच्चर मुश्तरका किसी ऐसे घर में बमूजब वर्षफल आ जावे जजहां कि सूरज का असर मन्दा हो तो पागल खाना 1 जेल खाना नसीब होगा।
मसलन 31 वें साल बमूजब

जन्म कुंडली	वर्षफल	
सूरज शनिच्चर नः 1	सूरज शनि नः 7	जेल खाना वरना
बृहस्पत चन्द्र शुक्र नः 12	बृहस्पत चन्द्र शुक्र नः 2	पागल खाना मिलेगा
बुध नः 2	बुध नः 5	

खाना नः 5

अगर शनिच्चर अपने यानी स्वभाव के हिसाब से मन्दा हो तो खाना नः 5 में आने के दिन से 9 साल मन्दे होंगे और हर तरह का खोफो खदश होगा।

खाना नः 6

हालत मंदी बुध हरदम मन्दा - भला चन्द्र न रहता हो
चन्दे सीधे शनि रास्त भूला - असर शक्की सब देता हो
बुध चन्द्र जब होंगे उमदा - केतु मन्दा आ होता हो
कुत्ता मुबारिक कत्ला पूरा - वरना सोना उड़ जाता हो

शनिच्चर का असर वास्ते केतु (औलाद केतु की अशिआ या कारोबार मुतल्लका केतु) मन्दा होगा सोने की जगह मिट्टी के तवे। निहायत मन्दा

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

और गर्गरी का जमाना, पुरा कान्ना कुत्ता मददगार होगा घर में अगर कोई लड़का सेहत और आखों से रद्दी हो जावे तो उस लड़के की 18 साला उम्र के बाद गया हुआ सोना बहाल होगा।
प्रमुमन 6 वाकी यचने वाले मकान की तरह ताकिया मुखालिफ मन्दा हाल ही होगा। जिसके लिए ऐसे मकान में बुध की मुतल्लका अशिया मसलन लहलहाते हुए पौधों और खिलखिलाते हुए फूलों के गमले या चहचहाते और बोलते हुए सुरीली आवाज वाले परिन्दे या रागरंग वगैरा का सामान कायम या जारी रहना मुवारिक होगा।
औरत का मुख हल्का होगा सूरज मन्दा शनिव्यर कायम

क्याफा: पांव की अनामिका छोटी हो मध्यमा से

उपाय:

आबादी से बाहर जहां कोई वहम न करे चौरस्ता में वक्त पक्की शाम बुध की अशिया मसलन फूल या नीले रंग के कांच के मोती दबाना मददगार होगा।

खाना न 7:

राजा की कैद में जावे बुध न 5 चन्द्र पहले घरों में

खाना न: 8

शनिव्यर की मियाद (36 साला) पर शनिव्यर जहरीला सांप होगा ऐसे वक्त में खासकर मकान की दीवारों में शनिव्यर की मूर्ति और (शनिव्यर के ग्रह का बुत) टेवे वाले के वजन के बराबर बन्द हो। जब शनिव्यर वर्षफल के अनुसार मन्दा हो जावे और कारोबार भी शनिव्यर के किर जावे तो जहर खालिस की घटनाएं होंगी। उदाहरणतया तथा 37 साला उम्र जब शनिव्यर न: 5 में आवे और मकान खरीदे जावे और शनि की अशिया (सरसों) का व्यापार किया जावे तो औलाद गर्क और व्यापार तबाह हो जावे
सूरज शनिव्यर न: 8 राहु न: 11 बृहस्पत न: 12

उपाय :

मूर्ति को हवा फुवाने के लिए दीवार में सुराख कर देने से औलाद का सांस बन्द न होगा। या औलाद बरबाद होने से बच रहेगी।

Free by Astrostudents

खाना न: 9

खाना न: 3 और न: 9 दोनों ही केग्रह और दोनों घर बरबाद होंगे और मन्दा असर देंगे। बुध न: 3 का ताल्लुक या मंगल बद हो।

खाना न: 10

दुनिया तोहमत से नाहक मरता, दुगनी ताकत दो घलता हो
बुध जमी घर आठवे बैठा, कैदी राजा का होता हो

दूसरों की तोहमत बदनामी से नाहक आप मरे या मारा जावे
ख्वाह सू. शनि. न: 10 ख्वाह इन दोनों के मसनूई जुज्ब यानि शुक्र.बुध मसनूई सूरज बृहस्पत शुक्र मसनूई शनिव्यर बुध न: 10 में हो

खाना न: 11

वही असर जो उपर खाना न: 9 में दिया हुआ है मगर मन्दा हिस्सा
नोट बाकी घर अपना -अपना फल

[1] सूरज राहु [3]

ग्रहण रवि की किस्मत होती - वरना उम्र छोटी मरता है
उम्र राहु औलाद हो शक्ली - राजकमाई जलता हो

दुश्मन ग्रहों (शुक्र प्राणी) के साथ बैठा सूरज (ख्वाह किसी भी घर में हो) उस साथ बैठे हुए दुश्मन ग्रह की उस खाना की मुतल्लका [2] अशिया पर बुरा असर देगा।
[1] किस्मत की चमक और बृहस्पत का असर राजा की बजाए चोर का होगा बद्दयानती का पेशा सेना होगी। और अपने ख्यालात की परागन्दगी से सूरज ग्रहण होगा। सूरज राहु शरारती हिलता हुआ हाथी दोनों मुश्तरका के वक्त बृहस्पत की हवा वर्फानी, मायूस कुन होगी [3] 45 साल उम्र तक [2] मुफसल सूची अगले सफा पर दर्ज है।

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

ऐसी हालत में 22 से 45 साला उम्र के दरम्यान दुश्मन ग्रह अपनी अपनी मियाद पर बुरा असर देंगे। दुश्मन ग्रह को बजरिए बुध की पालना नेक कर लेना मुबारिक होगा।

अगर सूरज के दोस्त (चन्द्र मंगल बृहस्पत) भी साथ ही हों तो दोस्तों के मुताबिक्का आशिआ पर मन्दा असर होगा। दुश्मन बचा रहेगा।

सूरज के लिए राहु का साथ i) चलती रहने वाली दीवार की तरह सूरज ग्रहण का जमाना होगी। यानि सूरज की रोशनी तो होगी मगर उस धूप में गरमी न होगी। दिन होते हुए वह धूप रात के चांद की चांदनी की तरह मालूम होगी। राजदरबार में हर बात उलझी हुई नजर आती मालूम होगी। मगर ग्रहण के दूर होते ही जिस तरह सूरज की रोशनी में गरमी बहाल हो जाती है हू बहू वही हाल किस्मत के मैदान में होगा। यानि राहु का बुरा असर खत्म होते ही सब कुछ फिर उसी तरह हो उमदा और उत्तम हालत पर हो जाएगा। जैसा कि ग्रहण शुरू होने से पहले था। ऐसे टेवे में मंगल खुद राहु को दबाता होगा।

सूरज ग्रहण (सूरज राहु मुश्तरका) के मन्दा जमाना में अगर शुक्र बुध इकट्ठे हों या वह दृष्टि की रूह से जिसमें बुध की नाली की दृष्टि भी शामिल है परस्पर मिल रहे हों तो सूरज ग्रहण का बुरा असर न होगा। राजदरबार में किसी नकिसी तरह मदद जरूर ही मिलती और धन दौलत की आमदन होतीरहेगी। सूरज 39 साल में और 39 साल तक चमक देगा। यानि 39 साला उम्र से 78 साला उम्र तक सूरज का असर उत्तम ही होगा। ग्रहण का आम अरसा दो साल और कुल अरसा 22 साल हो सकता है।

नीचे लिखी सूचि सूरज राहु शुक्र होने वाले पृष्ठ के हाशिया की नः 2 से मुतल्लक है।

खाना नः 1	सूरज राहु
1.	ठाडी नाना, नानी
2.	हाथी के पांव की मिट्टी ससुराल सरसों कच्चा धुआं घर का भेदी चोर
3.	हाथी दांत गैर मुबारिक जवान का तेंदवा जौ (अनाज)
4.	स्वप्न या स्वप्न काल धनिया (मसाला) सोया हुआ दिमाग
5.	हत्, औलाद का सुख व उम्र
6.	पूरा काला कुत्ता
7.	सट्टा का व्यापार
8.	फूला (मर्ज) मालखैलिया
9.	दहलीज, नीले रंग, धुण्डी (हलक से उपर की बीमारियां)
10.	गर्की मन्दी नाली
11.	नीलम
12.	कोयले हाथी खोपड़ी

Free by Kalki Students

नेक हालत

खाना नः 5

राहु की उम्र तक सदारत का मालिक होगा। मगर मामूली मुन्शी या क्लर्क न होगा

मन्दी हालत

ग्रहण का मन्दा जमाना अमूमन इस वक्त अपने पूरे जोर पर होगा। जबकि सूरज राहु दोनों मुश्तरका कुंडली के खाना नः 9 या 12 में हो (1) राहु भूचाल तो सूरज आग होगा। जिस घर में बैठे हो न सिर्फ वहां मन्दा असर होगा मगर साथ लगता हुआ घर भी जलता ही होगा। मसलन दोनों नः 6 में हो तो राहु की दृष्टि की रूह से नः सिर्फ खाना नः 12 पर असर होगा। बल्कि अब खाना नः 7 भी जो कि नः 6 के साथ लगता मदा हो रहा होगा।

ii) औलाद मन्दी 21 साल (राहु की पूरी उम्र वरना राहु की निस्फ उम्र तक) अगर मंगल किसी तरह से भी राहु को दबाता न होवे या खुद ही मंगल मदा हो या राहु सूरज ऐसे घरों में हो जहां से कि राहु (हाथी) खुद की मंगल (महावत) पर कीचड़ फेंक सकता हो तो ऐसे टेवे वाले की उम्दा सेहत और लम्बी उम्र दोनों ही बातें शक्की ही होंगी। किस्मत के मैदान में सूरज ग्रहण की हालत का नजारा होगा।

राजदरबार से खराबी (सिवाय खाना नः 5) खुद अपने दिमाग की फैदा करदा खराबियां बाय से नुक्सान या फिजूल खर्ची होगी। जिस्म की जिल्द पर स्याह सफेद धब्बे मगर फलनहरी न होगी।

उपाय -

i) चोरी या गुमनाम नुक्सान हो जाने से बचाव के लिए जौ (अनाज) को बोझ तले अंधेरी जगह रखना मददगार होगा। बक्वत बुखार बर्फ जौ और गुड़ का दान मदद करेगा। या जौ को दूध में धोकर गौमूत्र में धोकर दरिया में बहा देवे।

ii) सूरज की चमक को बहाल करने के लिए शुक्र बुध मुश्तरका या शुक्र और बुध अकेले अकेले में से किसी एक की चीजों के दान से कल्याण माना है।

iii) बक्वत सूरज ग्रहण राहु की चीजों को (सूरज के दुश्मन ग्रहों की खासकर) दरिया (चलते पानी) में बहाना मुबारिक होगा। राहु और सूरज

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

के परस्पर छगड़े के वक्त यानि जब राहु और सूरज दोनों ही का असर वृश तंग कर रहा हो तो तांबे का पैसा रात भर आग में जलाकर प्रातःकाल यानि कम से कम 12 घन्टा आग में रखने के बाद सूरज चमकते पानी दरिया नदी नाला या जंगल में बहाना मुबारिक होगा। जला हुआ पैसा ले जाते वक्त ख्याल रहे कि अपना ही बाल बच्चा कोई सामने न आवे वरना उस पर मन्दा असर गिना है।
जन्म ही से अन्धा होना माना है (शनिच्चर या मंगल या दोनों ही नः 5,9 में)

खाना नः 3

34 साला उम्र तक बुध और केतु दोनों ही ग्रहों का फलमन्दा ही होगा।

खाना नः 5

औलाद बेशक 21 साला उम्र तक बेमानी मगर राजदरबार में कोई खराबी न होगी
ससुराल और मामू घर दोनों ही राहु की उम्र (42-21-10 साला उम्र) तक, मन्द निर्धन मामूली आई बलाई होती रहे चन्द्र बरबाद ही लेंगे
दोनों नः 5 चन्द्र नः 4

खाना नः 9, 10, 11, 12

घर 9,12 ग्रहण रवि का वहम उम्र नहीं होता तो दोनों बैठे घर 10 या 11 उम्र शक्की का होता हो उम्र मन्दी खुद करने वाला, आठवें साथी ग्रह होता जो

शनि बैठा हो मन्दे टेवा - नष्टी हवा या मन्द हो
दोनों तभी घर दसवें बैठे- शनि दूजे ग्रह मन्दा हो
मदद मंगल न गुरु खुद पाते- उम्र 22 का होता हो

उम्र सिर्फ 22 साल बशर्ते कि वह ग्रह साथी साथ या मददगार न हो वरना लम्बी उम्र होगी (दोनों नं० 10 . या नं० 11

खाना नः 9,12 में दोनों मुश्तरका से सूरज ग्रहण का जमाना होगा।

क्यापा :

i) शनिच्चर मन्दा स्त्री ग्रह बैठे हो खाना नः दो में
ii) शनिच्चर खुद नष्ट मन्दा या उम्र को रद्दी कर रहा हो।

Free by Astrostudents

सूरज केतु

3 1 2

गर्मी सूरज जब साथ हो मिलती - केतु होता खुद रद्दी हो
औरत पिसर बरबाद गृहस्थी - बेटा पिता पर भारी हो
राजकमाई मालिक टेवे - बरबाद बेटे से होती हो
कुत्ता रो दे मुंह सूरज करके - निशानी भली न कोई हो
पोता उम्र तक केतु तरसे - आयु मगर खुद लम्बी हो
नुक्सान सफर में अक्सर होते - सूरज चमकता गर्मी जो
राज खराबी या जर मन्दे - शुक्र केतु न उमदा जो
पेशब गऊ का धरती छिड़के - केतु शुक्र बुध उमदा हो

दुश्मन ग्रहों (शुक्र पापी) के साथ बैठा हुआ सूरज (खा किसी भी घर में हो) उस साथ बैठे हुए दुश्मन ग्रह की उस खाना की मुतल्लका अशिआ पर बुरा असर देगा। ऐसी हालत में 22 से 45 साला उम्र के दरम्यान दुश्मन ग्रह अपनी अपनी मियाद पर बुरा असर देंगे। दुश्मन ग्रह को बजरिए बुध पालना (नेक) करे लेना मुबारिक होगा। अगर सूरज के दोस्त (चन्द्र मंगल बृहस्पत) भी साथ ही हों तो दोस्तों की मुतल्लका अशिआ पर मन्दा असर होगा दुश्मन बचा रहेगा।

खाना नः	सूरज केतु
1.	नानका घर
2.	इमली तिल
3.	रीढ़ की हड्डी फोड़े फुन्सी
4.	सुनना
5.	पेशावगाह
6.	पूजा स्थान
7.	दूसरा लड़का, सुअर गधा
8.	कान, छलावा

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

9.	दो रंगा कुत्ता
10.	चूहा
11.	दो रंगा कीमती पत्थर
12.	छिपकली, मृतयन्त्र

1 औलाद मामू केतु की अशिआ या कारोबार 2 फिजूल बेमानी पांव चक्र मन्दी निशानी श्रेणी 3 सूरज का असर मद्धम कानों का कच्चा पन बरबादी देगा।

नेक हालत

किस्मत के मैदान में गो सूरज ऐसा उत्तम असर न देगा। मगर फिर भी सिर्फ बादल का साया होगा। सूरज ग्रहण न होगा । पर मद्धम जरूर होगा।

मन्दी हालत

सूरज का फल मद्धम होगा। सफर में नुकसान, दूसरों का सलाह मशविरा बाय से खराबी, खुद अपने पांव से पैदा करदा बुराईयां बाये से जवाल (पतन का कारण) या बरबादी। टेवे वाले के लड़के की औरत बेशक मोटी ताजी मगर बद जुबान और खुद टेवे वाले का लड़का टेवे वाले के गजदरबर की कमाई में मन्दा धक्का लगाने वाल और बरबाद करने वाला साबित होगा। कुत्ता उपर को मुंह करके रोता हुआ मन्दे वक्त की पहली निशानी देगा। औलाद का सुख मन्दा और टेवे वाले को अपने पोते पड़पोते मुश्किल बल्कि शायद ही देखने नसीब होंगे मगर टेवे वाले की अपनी उम्र पर कोई मन्दा असर न होगा

उपाय :

सूरज ग्रहण के वक्त सूरज के दुश्मन ग्रहों की चीजें केतु की चीजें चलते पानी (दरिया, नदी, नाला) में बहाना मुबारिक होगा।

खाना नः 2

मन्दा तूफान खुद केतु बरबाद, मामू मन्दे औलाद बरबाद, पेशाब की नाली से टेवे वाला हर दम दुखिया।

चन्द्र शुक्र

हाल घरों का हर दो मन्दा - ससुर मामू का होता हो
माता औरत जब साथ इकट्ठा - एक आंखों से दुखिया हो

Free by As

दोनों ग्रह 37 साला उम्र तक मुश्तरका गिने जाएंगे। मुश्तरका मिलावट में शुक्र पूरा चन्द्र निस्फ होगा। यानि शुक्र औरत (बहू) और उसका (औरत के वालैन टेवे वाले के ससुराल) चन्द्र (सास) औरर उसका घर (माता खानदान मामू) दोनों ही घरों का हाल मन्दा होगा।
बारीक उड़ने वाली जर्रा - जर्रा हुई मिट्टी को शुक्र और जमकर तमाम एक ही तह बनी हुई मिट्टी को चन्द्र की धरती माता कहते है
जेरे काश्त जमीन को शुक्र और जेरे मकान (तह मकान) को चन्द्र कहते है अगर शुक्र वही तो चन्द्र दूध होगा रंग में दोनों सफेद है। मगर उस सफेदी में फर्क यह है कि शुक्र के सफेद रंग में वही के रंग की सफेदी होगी। सूती सफेद कपड़े शुक्र से मुतअल्लका होंगे। मगर दूध के रंग की सफेदी और सफेद रेशमी कपड़े चन्द्र से मुतअल्लका होंगे।
नोट : खेती हुई जमीन को शुक्र और खाली खेत व मकान की जमीन को चन्द्र मानते है।

नेक हालत

दोनों ही ग्रहों का अन्दरूनी (गैबी, बातनी) फल उत्तम और प्रबल होगा। खुसरा (गाय न बैल) न अमीर न गरीब न जिन्दा न मुर्दा मामूली जिंदगी बसर करने वाला होगा।
चन्द्र को अगर दुनियावी धन दौलत माया जर माने तो शुक्र जगत लक्ष्मी बोली हुई मिट्टी की मोहिनी तस्वीर होगी फर्क यह होगा कि चन्द्र चांदी ठोस धातु अगर दिल की शान्ति के लिए दुनियावी शक्ल में रुपया पैसा होवे (शुक्र का घर 2,7 और चन्द्र का घर 4)
तो शुक्र की जानदार अशिआ स्त्री गाय बैल गृहस्थी हालत की जगत लक्ष्मी रात का आराम देंगे (खाना नः 12 रात का आराम जहां कि शुक्र उंच माना है) संक्षिप्त रूप से चन्द्र माया दौलत न बेजान हालत में दौलत है तो शुक्र जानदार हालत में लक्ष्मी का असली सुख माना है।

खाना नः 2

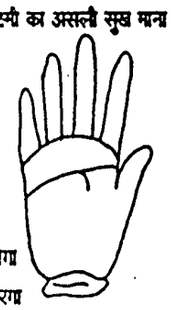

काम दवाईयां दौलत देवे - हकीम बेशक न होता हो
यकीनी शफा हो बच्चे पावे - पहलवान मर्दन करता हो
शुक्र निकम्मा होगा उसका - ईश्क बुढ़ापे - बढ़ता जो
असर मन्दा दो शादी होगा - कुआ नया जब लगता हो

दवाईयों के काम से फायदा हो खुद हकीम होने की शर्त न होगी। इश्क में दर्जा कमाल (कामयाब) होगा दिल रेखा का बृहस्पत के बुर्ज नः 2 में दिल रेखा का हिस्सा, मोहब्बत रेखा के नाम से जाना जाएगा

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

खाना न : 4

दसवें शनि जब देवे बैठा - उत्तम माता शुभ होती हो
पिता अमालक गिनने उसका - दसवें रवि जब साथी हो
रवि बैठा घर 5 में उसका - माता पिता सुख लम्बा हो
शुक्र असर न होगा मन्दा - दूध दही घर करता हो

कामदेव दुनियावी मुहब्बत और इश्क फाहशा से दूर फकीर साहिब कमाल होगा
शरीफ उन्नफस (शराफत भरी हुई) मां बाप दोनों की तरफ से खालिस और भला लोगा होगा खासकर जब दृष्टि खाली हो।
मां का नेक असर शामिल होगा। शनि न: 10
बाप का नेक असर शामिल होगा। सूरज न: 3
लड़कियों की तरह शर्मीला, मगर युद्ध न होगा। सूरज न: 5

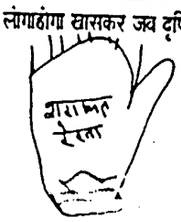

खाना न: 5

काम दौलत से पूरा लेवे माया दौलत सब बढ़ता हो
वरना गाय हो खुसरा कहते - घोड़ा एवी 5 होता हो

आबिद (पूजा पाठी) सखी (दान करने वाला) परहेज गार होगा अगर धन का पूरा और नेक फायदा लेवे तो उमदा असर वरना वही धन पांचों ही इन्द्रियों के ऐब करवा कर बरबाद करे देवे बाकी 7 बचने वाले मकान की किस्मत (फीलखाना, भवेशी खाना उमदा हालत) का मालिक होगा। बाप को नेक असर शामिल होगा (सूरज न: 1)

खाना न: 8

सेहत और धन दौलत के लिए बूढ़ी माता और शुक्र गउ सेवा या दान मुबारिक होंगे।
नोट : बाकी घर अपना - अपना फल होगा।

Free by Astrostudents

मन्दी हालत

शादी के दिन से दोनो ही ग्रहो का दुनियावी फल खराब माता न होगी। अगर होगी अन्धी होगी या औरत और माता दोनों में से एक वक्त में एक ही देखती भालती चलती फिरती या सही सलामत होगी। नू सास का झगड़ा होगा जब चन्द्र किसी वजह से शुक्र को बरबाद कर रहा हो तो बुध की मदद देवे। दही से पानी निकालना हो तो दही (शुक्र) पर कपड़ा (चन्द्र) डालकर राख (बुध) डाल दे। अब बुध (राख) पानी पी लेगा। (शुक्र का घर 2,7 और चन्द्र का घर 4) और शुक्र (दही) को खराब न करेगा। अगर चन्द्र खुद ही शुक्र से बरबाद हो रहा हो तो चन्द्र को मंगल की मदद देवे।

खाना न: 1

औरत की सेहत मंदी बल्कि दीवनगी, पागलपन, कम यादाश्त (स्मरण शक्ति) होगी

खाना न: 2

दूध में खांड की जगह मिट्टी मिली हुई किस्मत का हाल होगा। बृहस्पत का असर किसी नेक फल न होगा। इश्क दुनियावी का आम गल्बा बाइ-से तबाही होगा। (औरत की बदफेली इश्कबाजी वगैरा बाहे से तबाही होगी)

खाना न: 4

अगर उल्ट हुआ तो दुनिया से मदहोश तमाम ही नशों से गर्म रहने वाला होगा (भंगी, चरसी, पोस्ती, शराबी और अफीमी)

खाना न: 7

माता की आंखों पर झगड़ा मगर नजर कम या गुम होवे, शादी के दिन से धन का बढ़ना बन्द होगा।

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

खाना नः 8

जिजड़ा युद्ध यदधन्नी यढ़ती - उजाड़ उन्नू कर देता हो
मेवा गउ और माता यूड़ी - मेहनत दौलत सब पाता हो
मकान दौलत मुख दुनिया पूरे - असार शराफत रेखा हो
सेहत औरत जर जब कभी मन्दे- रेखा बन धन शुभ होता हो

नामर्द बरना बुजदिल होवे। अपने ही मन्दे कारनामों की वजह से चन्द्र का धन और शुक्र का गृहस्थी सुख बरबाद होगा। बदचलनी की मर्ज की तान्नूक भी हो सकती है। जिसकी वजह से खुद मासता बेवकूफियां बाई से तबाही होगी।
नोटः बाकी घर अपना अपना फल होगा।

चन्द्र मंगल (श्रेष्ठ धन)

दूध शहद की - माल यादी धन माया से
तम और शति पूरी - दान देने से बढ़ता हो
असर उतम ग्रह मंडल सारी - शर्त माया न होती हो
ऊंच नजर बुध अक्ल व्यापारी - शुक्र भला कुल पापी हो
ऋण पितृ जब टंबे बैठा - आकाश पाताल उग कांपता हो
विपदा कर्याले खुद हार लेता - जान जोखों कर जाता हो।

जब दोनों ग्रह ऐसे घरों में हो जहां कि चन्द्र उमदा और नेक हो तो 52 साला उम्र तक मुश्तरका होंगे
जब दोनों ग्रह ऐसे घरों में हो जहां कि मंगल उमदा और नेक हो 38 साला उम्र तक मुश्तरका होंगे।
जब दोनों ग्रह ऐसे घरों में हो जहां कि मंगल बद हो तो 33 साला उम्र तक मुश्तरका होंगे।
मुश्तरका मिलावट में दोनों का बराबर का और नेक हिस्सा शामिल होगा जब चन्द्र उमदा हो तो मंगल आधा हिस्सा होगा। लेकिन जब मंगल उमदा हो तो चन्द्र का दुगुना होगा जब मंगल बद हो तो 1/3 हिस्सा बुरा मिला हुआ करेगा। दोनों 3,4,8 में होने पर मंगल बद कभी न होगा

क्याफा :

जब धन श्रेष्ठ रेखा चन्द्र के बुर्ज से शुरु होकर सिर रेखा से जा मिले और उसका झुकाव हो जावे की ओर बृहस्पत
सब से श्रेष्ठ या उतम लक्ष्मी माया दोलत होवे या दोस्तो की पूरी मदद होगी।
दोनो के देखे बृहस्पत या वह देखे बृहस्पत को = बृहस्पत
साहिबे हकूमत राजयोग सूरज का उतम फल दोनो को देखे सूरज या वे देखे सूरज का
औलाद की फिक्र, अपना धन बिन बरते चाल जावे या धन का सुख न पावे दोनों को देखे शुक्र या वे देखे शुक्र को
व्यापारी, आलिम अक्लमन्द दर्जा एकमात्र अक्ल का धनी मगर धन की शर्त नहीं मुतल्लका दुनिया से मदद होवे दोनो को देख बुध या वे देखे बुध को।
शनिच्चर का पूरा नीच फल जानवरों जहरीले या दरिन्दे से दुख खतरा बल्कि मौत होवे जिद्दी अहमक दुनियावी हर तरह से मन्द भाग्य गर्ज कि जहर खाकर मरे या हथियार से मौत होवे (जब शनिच्चर खाना नः 10,11 का न हो यानि सिवाय 10,11 के किसी भी घर)
करीबी रिश्तेदार लड़के भतीजे सरकारी मुलाजमत मे जाने की निशानी है मगर वह पैसा धेला कमाकर या बचाकर न देंगे। दोनों को देखे केतु या वह देखे केतु को।

नेक हालत

दोनों का और नेक फल होगा मध्यपान (दूध चन्द्र) से शहद (मंगल) धन श्रेष्ठ रेखा होगी दूध मे खाड मिली हुई की तरह उमदा जिंदगी होगी। दुनियावी गृहस्थ जंगी जदल में नेक फल होगा,

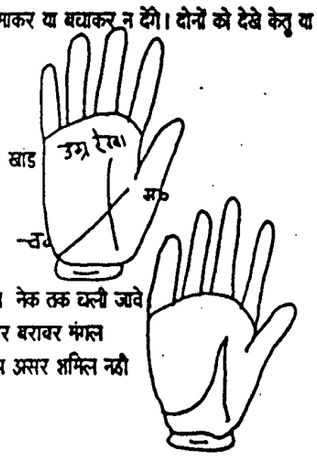

क्याफा :

चन्द्र के बुर्ज से निकलकर रेखा शुक्र के बुर्ज के रास्ते उम्र रेखा के बराबर बराबर चलती हुई मंगल नेक तक चली जावे
नः वही उपर की रेखा शुक्र के बुर्ज के रास्ते की बजाए चन्द्र से निकलकर उम्र रेखा के बराबर बराबर मंगल
के [illegible] न खत्म हो जावे तो धन श्रेष्ठ रेखा होगी। जिसमें शनिच्चर की चालाकी या बद दियानती का असर शमिल नही हुआ होगा।

खाना नः 3

अक्लमन्द साहिबे तदबीर, इज्जत तरक्की और मरातब का मालिक साहिबे इकबाल और आराम पावे। ऐसा शख्स बड़ा ही दौलतमंद और अमीर कबीर होगा। मगर उर्ध्व रेखा के धन की तरह दुष्ट भाग्यवान कहलाएगा। जिसे किसी की परवाह न होगी।

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

खाना नः 4

धन दौलत और परिवार का मालिक, खून उमदा दौलत जब तक बुध और शनिच्चर का साथ खाना नः 4, 10 में न हो जावे।

खाना नः 7

धन दौलत और परिवार का धनाढ्य यानि बहुत बड़ा अमीर और कर्यालें वाला होगा।

खाना नः 9

खुः दुष्ट भाग्यवान मगर औलाद उत्तम धनाढ्या

खाना नः 10

शर्त माया न मगल गिन्ते - शनि फैसला खुद करता हो
बुध मंगल बद नेक आ होंते - राज खजाने भरता हो
दृष्टि शर्त न घर दो गिन्ते - पांच जहर न देता हो
घर चौथे जब शत्रु बैठे हो - नाश दोनों ग्रह होता हो

खाना नः 11

धन का फैसला शनिच्चर की जाती हालत पर होगा अगर शनिच्चर उत्तम उमदा तो धन भी ज्यादा और हर तरह से उन्नति देगा। दिल रेखा के आखीर पर अगर चौका रहो तो सरकार के घर से रुपये की पूरी प्राप्ति होगी।

खाना नः 12

दूध में शहद की जिंदगी या रात को हर तरह का आराम और दिल की शान्ति होगी।

मन्दी हालत

खाना नः 7

लालची, पैसे का पुत मौत सदमा या हादसा से होगी।
लाल रंग का सांप खजाना के उपर घर में बैठा होने की तरह बजुंगो की माया का कोई फैदा न होगा (शनि नः 1)

Study4Prostudents

खाना नः9

मौत सदमा से होगी

खाना नः 10

बुरी मौत और हादसा से होगी धन की ज्यादती की कोई शर्त नहीं

खाना नः 11

बहमी, लालची

अगर मंगल बद हो तो नाकामयाब अक्सर औरतों के ताल्लुक में बेमानी होगी

नोटः बाकी घरों में अपना अपना फल होगा।

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

चन्द्र बुध

मां बेटी, दरिया के पानी में रेत, मैना तोता हंस परिन्दा, कुत्ता भग गीदड़ियां
अपने घरों खुद हर दो मन्दे - साथ दृष्टि खाली जो
नेक असर दे बाहर घरों से - पाई जगह ब्याह मंदी हो
नष्ट चन्द्र खुद हो शानि मंदा - औलाद केतु न उमदा हो
शत्रु पापी से हर दो गंदा - माता बेटी न फलता हो

दोनों छह 29 या 58 साला उम्र तक मुश्तरका होंगे चन्द्र नेक होने की हालत में बुध का 1/2 हिस्सा मन्दा हो सकता है। बुध का नेक फल व्यापार वगैरा और चन्द्र का फायदा समन्दरी सफर वगैरा 34 साला उम्र के बाद ही होगा।

नेक हालत

1. दोनों ऐसे घरों में हो जहां कि बुध नेक हो रहा हो तो चन्द्र धर्मात्मा और नेक फल देगा।
2. दोनों ऐसे घरों में हो जहां कि दोनों में से किसी एक का फल (बैठे हुए घर में से सिर्फ एक को अलग-अलग गिनकर) खराब हो रहा हो तो जब दोनों ही का फल उमदा होगा।
3. जब दोनों अपने - अपने घरों (यानि खाना नः 4 चन्द्र का घर और खाना नः 7 बुध का घर) से बाहर हो और दृष्टि की रुह पर हर तरफ से खाली हो तो इकबाल मन्द और धन दौलत उमदा होगा। मगर दिल का फिर भी हरपंक ही होगा।
4. जब दोनों मुश्तरका को बृहस्पति, सूरज या शनिच्चर देखे तो नेक असर होंगे।

खाना नः 2

पिता की उम्र अब कभी शक्की न होगी। और न ही धन दौलत और उसका तो शहद (पिता का बचाया हुआ माल्ो दौलत)
i. बुध का अपना घर 3,6,7 दूध में और खाना नः 4 चन्द्र का घर (दिल के दरिया में ही खुदकशी तक नौबत लेंगे। ii. बुध अब चन्द्र की बेटी होगी बरबाद होगा। बल्कि बुध अब मदद होगा।

खाना नः 4

अमोलक हीरा, धन दौलत का गहरा दरिया जो हर तरह की शान्ति देवे, गैबी हाल अच्छा नेक होगा।

खाना नः 6

नजर शक्की खुद खूनी होता - माया दौलत ब्याह लखपति हो
मंगल चौथे घर आठवें बैठा - माता मासूमी मरती हो

माता पिता का सुख सागर लम्बा अरसा और नेक होगा। बजाजी के कामों से मसल राजा होगा। अक्ल कायम हमदर्द मातृ हिस्सा का असर नेक होगा मगर यक तरफा तर्बीयत का मालिक होगा।

खाना नः 10

समन्दर और सफर दोनों मोती देंगे। इ बृहस्पत न। 3 का उत्तम फल साथ होगा। शर दहाना मकान की हैसियत होगी जमीं या तिजारती काम व मर्दों की बरकत होगी।

खाना नः 11

मोती समन्दर पैदा करती - रोज बारिश न होती हो
वक्त शादी या अपनी लड़की - बारिश मोती की होती हो

समंदर की सीप में मोती बनाने वाली बारिश हर रोज नहीं होती लेकिन जब होगी मोती बनाकर ही जाएगी। लड़की की शादी के दिन से मुबारिक पर मुबारि[illegible] पैदा होंगे।
नोट : बाकी घर अपना अपना फल होगा।

मंदी हालत

नः 1 दोनों ऐसे घरों में हो जहां कि बुध का फल किसी तरह से निकम्मा हो रहा हो तो चन्द्र का दुनियावी फल भी निकम्मा और खराब ही होगा। जलवा ए इश्क से तबाह होगा। बल्कि शनिच्चर भी भला न होगा।
ऐसी हालत में चन्द्र का रूहानी फल उत्तम बल्कि प्रबल ही होगा
2. अगर पापी राहू का ताल्लुक हो जावे तो दोनों ही छठो का दुनियावी और गैबी फल मन्दा होगा।
जब दोनों को मंगल बद देखे केतु का फल निकम्मा और केतु के मुतल्लका रिश्तेदार मामू तरफ खराबियां

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

ही होगी मगर खुद अपनी उम्र लंबी होगी।
गहरी गंदा दिल की बीमारियां होगी
उपाय बुध के मन्दे असर के वक्त राहु या मंगल बद की मदद मुबारिक होगी

खाना नः 3

शनिव्वार और राहु बरबाद और शुक्र का फल मंदा होगा। खासकर जब खाना नः 6 में बुध का दोस्त यानि सूरज या शुक्र या राहु न हो

खाना नः 4

दुनियावी हाल मन्दा ही होगा। दांतों मुश्तरका मन्दे शनिव्वार का फल देंगे। चांदी की जगह कलई होगी और चन्द्र का उधर बुध की रेत को और भी जलाता ही होगा पराई मुसीबत को अपने उपर लेकर ख्यामखाह बरबाद होगा या फर्जी वहम में अपने सिर की कमजोरी दिखलाएगा और खुदकशी तक नौबत हो सकती है जिसकी वजह से गरीबी या मुसाफिरी न होगी। बल्कि दिल न होने का सबब या गम्या ए इश्क सबब होगा।

खाना नः 6

ऐसा आदमी खूनी होगा। ऐसा आदमी लाखोंपति होता हुआ भी मुसीबत पर मुसीबत देखता चला जाएगा।
मगर
अक्ल की कोई पेश न जाएगी 6 वाकी बचने वाले मकान की तरह किस्मत (तकिया मुसाफिर होगी)

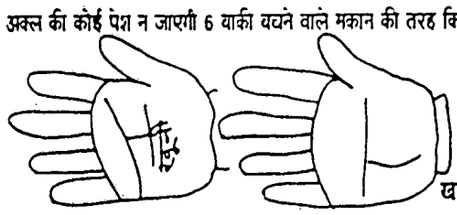

खाना नः 7

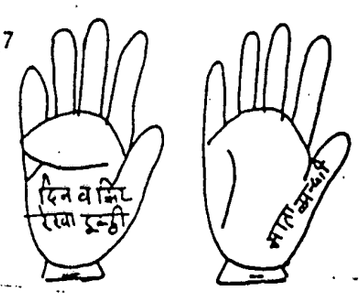

दूध से रेत मगर ऊपरी दूध तो देगी मगर मेगने डालकर
यानि हर दो ग्रह का फल खराब और बदमजा या
बेजायका ही होगा। लाखों पति फिर भी दुखिया ही होगा।
माता न होगी । अगर होगी तो शयद अंधी ही होगी दिमागी
सदमात भी हो सकते है दस्ती पेशा बरबाद ही होगा।

Free by Astrostudents

खाना नः 8

वहीं मंदा फल जो उपर खाना नः 4 में दिया है

खाना नः 10

औरतों और बच्चों के ताल्लुक में कोई ऐसा मुबारिक काम न होगा अगर खाना नः 8 मन्दा हो तो निहायत बुरी मौत का खतरा होगा मनहूस जिंदगी का मालिक होगा।

खाना नः 12

शनिव्वार का फल जब जहरीला होगा। ख्वाह वह (शानिव्वार) अब टेवे में कैसा ही उमदा बैठा होवे।

क्याफा :

जिसके सहारे दिमाग ने सोचा वह पहले ही रोता हुआ और आगे भागता हुआ जाता नजर आया।

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

चन्द्र शनिच्चर

पहाड़ शनि मैदान चन्द्र का - कोई हिसार समन्दर बनातहा
एक भला तो दूसरा मंदा - मौत बहाने घड़ता हो
ससुराल औरत के उसकी माया - काम अमूमन आती हो
बदनाम हुआ मुंह दुनिया काला - जहर शक्कर में भरती हो
शत्रु चन्द्र जब तख्त (नः1) में बैठे - चोरदी हानि धन जाता हो
उच्च शनि का साथी मिलते - पैदा दौलत खुद करता हो
रवि हुआ जब टेवे मन्दा - जहर शनि की बढ़ती हो
जान शनि जो चीज दो रंगी - हमले औलाद पे करती हो
घगड़ का बटुवा बकरा लोहे के - माया कभी जब होती हो
जान चीजों पर बिजली कड़के - जहर दौलत सब धरती हो
सांप शनि दूध चन्द्र पीता - जहर माता खुद देती हो
दृष्टि मगर ग्रह जब कोई बैठा - जान शाफा जहर बनती हो

दोनों मुश्तरका में अंधा घोड़ा या दरिया में बहता हुआ मकान (मंदे अर्थों में) होगा। एक भला तो दूसरा मंदा होगा। इस तरह दोनों का फल खराब होगा दोनों 44 साला उम्र तक मुश्तरका होंगे और मसनूई नीच केतु का असर होगा। जहां शनिच्चर का असर उमदा होगा उसमें 1/3 हिस्सा चन्द्र का मंदा फल होगा। जहां चन्द्र उमदा होगा वहां शनिच्चर का बुरा असर साथ होगा। दोनों गृहों में प्रबल कौन है का फैसला टेवे वाले की आंख की हालत (यानि वह बमूजब क्याफा किस असर की है) से होगा।

सांप को दूध पिलाना मुबारिक होगा

काली स्याही, पानी की बाल्टी (मानिन्द कुंआ) उल्टा हथियार जो अपने माथे ही लगता रहे। कछुआ (पानी का जानवर) हथियार बिगड़ा हुआ दूध लोहे की ऐसी मशीन जिस पर सवारी करके इंसान घोड़े की तरह चला सके मसलन मोटर लारी या लोहे की सफर की चीज, खूनी कुआ, दूध में जहर माली हालत के लिए खाना नः 10 का ही दिया हुआ फल लेंगे ख्वाह यह दोनों ग्रह खेमें किसी भी घर इकट्ठे बैठे हो

नेक हालत

किसी दूसरे के साथ से जो हन उम्र हो या उम्र के हिसाब से दूसरी उम्र का साथी हो (रिश्तेदारी में उपर या नीचे के दर्जे का मगर उम्र में बराबर) धन पैदा होगा और शनिच्चर मदद देगा।

Made by AstroStudents

खाना नः 1

वही नेक और उमदा असर जो सूरज शनिच्चर मुश्तरका खाना नः 10 में दिया है

खाना नः 2, 3

नः 2 घोड़ा काला या कुंआ लगाते - कारे रफा सब उमदा हो
नः 3 खाली बक्स धन दौलत होने - दोनो पायाघर तीजा हो
नः 2 उमदा असर होवे स्याह घोड़ा कुंआ लगाता मुबारिक होगा। रफाए आम के काम भी कामयाब होगा।
खाना नः 3 जायदाद ज्यादा बल्कि बेशुमार

खाना नः 4

उतरे मोतिया आंखों उसकी - बुध चौथे जब बैठा हो
शत्रु बैठक 10 चन्द्र होती - मौत बाहर जा पाता हो

चन्द्र अब कुंडली वाले के लिए मानसरोवर होगा। अगर सूरज की मदद मिलती हो तो पितृ रेखा (बाल्टैन का साया) का मुबारिक फल होगा। शनिच्चर मददगार साप और खुद साया करने वाला होगा। खुद उसके लिए यानि किसी वक्त उकस जिस्म नकारा हो जावे तो सांप डसकर मार देने की बजाए उसे मजबूत और आसूदा कर देगा। मगर दूसरों के लिए वह खूनी सांप होगा।

खाना नः 6

शनि चन्द्र की मिट्टी बोले - चीजे चन्द्र सब मंदा हो
तीनों कुंते घर उराके मन्दे - मकान कमाई उमदा हो

खुद अपनी आमदन और खुद अपने बनाए हुए मकान आबाद और मुबारिक होंगे।

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

खाना नः 9

माया दौलत जो हर दम बढ़ता - प्रसर चन्द्र खूद मदा हो
आवे हयात जो उनको मिलता - जिस्म पर छाले करता हो

धन दौलत उत्तम और निहायत मददगार

खाना नः 12

माया पर पेशाब की धार मारने वाले बेगर्ज हमान होगा।

मन्दी हालत

हयाती दिल (चन्द्र) प्रीतम की भयानकी आंख की लहर या इशारा और गेमू (जुल्फ) (शनिव्यर के कामों) से ही मौत बूकता फिरता है। इश्क बाय से तबाही होगा।
उसका धन स्त्री और स्त्री खानदान (ससुराल) या दूसरे यार दोस्त और गैर हकीकी भाई बन्दो (फर्जी दोस्त) के बहुत काम आवे।
जब कभी चन्द्र के दुश्मन ग्रह तख्त (खाना नः 1) पर आवे चोरी या धनहानि होगी। शनिव्यर के काम रिश्तेदार या अशिआ मुतल्लका शनिव्यर दुख का सबब होंगे। स्याह मुंह, बदनाम करने वाली माया होगी। यानि उसका खालिस चांदी का रुपया हर तरह से खोटा और स्याह बदनामी का कारण होगा। उसके ठंडे मीठे पानी के कुंए में काली स्याह जहर मिली हुई होगी। शनिव्यर के मकान आराम देने की बजाए दुख का बहाना होंगे। शनिव्यर की उदासी और वैराग्या दिल को शान्ति देने की बजाए उल्टा उसे जलाते ही होंगे अगर चन्द्र उमदा धन तो शनिव्यर ऐसा मन्दा सजांयी होगा। जो जरूरत के वक्त मालिक को रुपया निकलने न देगा। या ऐसे टेवे वाले की अपनी कमाई अपने काम न आएगी। स्याह मुंह बदनाम करने वाली माया व मालिक होगा।
शनिव्यर या चन्द्र की दो रंगी अशिआ (घोड़ा भैंस स्याह मगर उसका माथा सफेद चारों और माया सफेद बाकी स्याह) चारो पांव और माथा सफेद बाकी भूरी लाल रंग बृहस्पत और केतु की जान दार और बेजान चीजों का फल मंदा करेगी। हादसा हो या नजर पर हमला होवे।
एक आंख सीधी दूसरी आंख टेढ़ी या आंख का कानापन या दिल पर जहरीली बीमारियां या सांप की तरह हर किसी पर जहरीला हमला करे देने वाला खुदगर्ज हो सकता है।

उपाय :

मंदे वक्त दो रंगे जानवरों का माथा स्याह कर दे। नजर मंदी होने के वक्त 43 दिन लगातार खालिस पानी न पीवे यानि पानी में कोई न कोई और चीज मिलावे मसलन खांड, दूध, नींबू चाय जो भी दिल चाहे या मौसम के मुताबिक बेहतर हो मिला लिया करे और नशे वाली (शनिव्यर की अशिआ) का इस्तेमाल भी मदद ही देगा।

उपाय :

सांप को दूध पिलाना चन्द्र को प्रबल करेगा और उसका नेक फल होगा। चन्द्र ग्रहण के वक्त शनिव्यर की अशिआ बादाम या नारियल कोरा चलते पानी में बहाना मददगार होगा।
दोनों ग्रहो बाहमी मन्दी हालत से बचाव के लिए सूरज का उपाय मददगार होगा।
ऐसे टेवे वाले के लिए आगे से हथियार का आ मिलना मन्दी निशानी होगी उसके लिए ऐसे वक्त नेक काम करना गैर मुबारिक होगा। घर में लोहे का सेफ बड़ा बक्स होने के वक्त इसमें चांदी की थाली में पानी रखे रहने मुबारिक जब कि दोनों ग्रह खाना नः 5 में न हो वरना
जब खाना नः 5 में हो तो मंगल शनिव्यर मुश्तरका की अशिआ उस सेफ में रखनी मुबारिक होगी।

खाना नः 1

वही मंदा और बुरा असर जो सूरज शनिव्यर मुश्तरका खाना नः 10 में दिया है।

खाना नः 2

मौत हथियार से होवे। हादसा भी हो सकता है।

खाना नः 3

चोरी का घर है। संदूकची होगी मगर धन से खाली। नकद माल नदारद या बहुत कम धन के लिए शनिव्यर का उपाय मददगार होगा। केतु का उपाय मददगार होगा। अगर केतु भी मन्दा होवे तो लाल फटकरी जमीन में दबाना मददगार होगा।

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

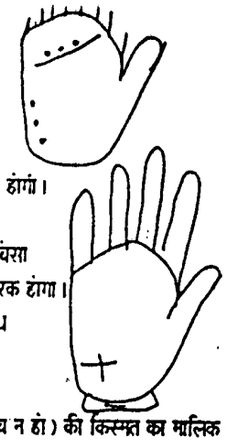

खाना नः 4

चन्द्र अब खूनी कुत्ता होगा दूसरों के लिए मौत पानी से रात को होगी खासकर जब नः 1,7,10 में मुरज न हो। लेकिन अगर मुरज 1,7,10 में बैठा हो तो बेमौत दरिया नदी नाला के पानी से दिन को होगी। उस का धन पानी से दबा हुआ धन होगा।
जो उसके लावल्द होने या मौत पा जाने के बाद दूसरों के काम आवेगा। औरत के जिक्र खर्च (वैसा बतौर फर्ज दुनियावी) या माशूका बतौर कबूतरी बाजी बाय से तबाही होगी साथ को दूध पिलाना मुबारिक होगा। अगर चालचलन मंद हो तो अपनी बेवकूफी मौतिया वगैरा वे नजर बरबाद करावे। खासकर जब बुध नः 4 में हो। घोड़े से नजर खराब न होगी अमूमन मौत परदेस में या अपने घर घाट छोड़ा वगैरा से बाहर होगी। जब खाना नः 10 में चन्द्र के दुश्मन ग्रहों बाकी घर बचने वाले मकान (निर्धन मनहूस मानिन्द गधा काम काज मजदूरी की कोई हद न हो मगर खुराक के लिए कोई मौका तक नसीब न हो) की किस्मत का मालिक होगा। चन्द्र नः 4 और शनिच्चर नः 4 की मन्दी हालतों में दिया हुआ उपाय मददगार होगा। पिता की मौत गोली वगैरा से अचानक और चन्द्र शनिच्चर की मियादों में हो सकती है।

खाना नः 5

धनी दौलत औलाद हो मन्दा - दुखिया मुसीबत मरता हो
आतिशखेजी धुआ जमाना - गर्क समन्दर करता हो

यहां असर जो मुरज शनिच्चर मुश्तरका नः 1 में दिया है धन दौलत के लिए औलाद पर खराबी होगी। मुसीबत में दुःख का बम आतिश खेप शनिच्चर के पहाड़ का धुआधार जमाना खड़ा कर देगा। जो चन्द्र के समुद्र के पानी में गर्क होकर गोता देने का बाय से होगा।
माता की या खुद अपनी नजर मंदी होगी जब शनिच्चर के साथ मारे या मरवाता हो शनिच्चर का बड़ा बक्स वगैरा धन हानि और मकानों के बिक जाने (मन्दी हालत) का बहाना होगा। ऐसे सफ में चन्द्र की चीज मुबारिक न होगी। बल्कि मंगल शनिच्चर मुश्तरका वगैरा की चीजें हुहारे वगैरा रखना मुबारिक होगी।

खाना नः 6

दुनिया के तीन कुत्ते बाय से खराबी होवे चन्द्र शनिच्चर दोनों ही ग्रहों की अशिआ जानदार और बेजान रिश्तेदार और कारोबार मुतल्लका हर दो ग्रह मदाफल देंगे। और बरबाद होंगे या बरबाद करेंगे।

Free by AstroStudents

खाना नः 7

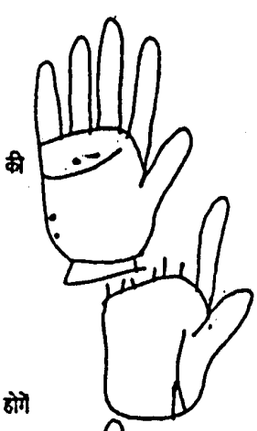

आंखे की बीमारियां और अंधापन तक नौबत हो सकती है। स्त्री झगड़ो (शुक्र की मुतल्लका अशिआ) कारोबार या रिश्तेदार मुतल्लका शुक्र) से जिंदगी तबाह होगी।
दूध में काली मिर्च का इस्तेमाल (खासकर बक्त रात) फेफड़े में पानी या दिल की दूसरी बीमारियां देगा जो धन हानि और कमजोरी नजर का बहाना होगी। 42 साला उम्र में माता पिता से सिर्फ शनिच्चर की उम्र में (36, 18,9 साल उम्र) एक ही जिंद बाकी होगा। मौत अपने गृहस्थ और मातृभूमि में ही होगी धन दौलत स्याह मुंह बन्दर की तरह बदनामी का बहाना होगी और शनिच्चर मौत का सबब होगा

खाना नः 8

शनिच्चर की उम्र (36, 18,9 साला) में शनिच्चर की अशिआ हथियार जनवर सांप वगैरा के मन्दे वाकात होंगे बुढ़ापे में नजर कम या गुम होने की निशानी है मगर अन्धा न होगा

क्याफा :

उम्र रेखा जब शुक्र के बर्जु की गोलाई पर किस्मत रेखा से शुरु होने के हिस्सा से मगर दो शाखी बनावे और उस दो शाखी का अंगूठे की तरफ का खत बड़ा और लम्बा हो तो चन्द्र शनिच्चर नः 7 में निकलेगी।

खाना नः 9

हर सुख और आराम में दूध में जहर की तरह चन्द्र का मंदा असर मिला हुआ होगा। अगर आवेहया तभी मिले तो जिस्म पर छाले (जिल्द पर जख्म) करेगा

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

खाना नः 10

खन्म कूप ख्वाह पानी माया - टट्टू मारे का होता हो
उम्र खन्म तक याकी कर्जा - दुखिया जगत से जाता हो

पानी की जगह अगर माद्दा हो के कूप हो तो वह भी खर्च करके खुश्क कर देगा। या खुश्क हो जावे। मन्द नसीब के घर घाट और बजुर्गी शान में जरूर बढ़ती ही होगी। इश्क बाय से मतलब होगा।

खाना नः 12

औरत का नाम [illegible]।

चन्द्र राहु (व)

निस्फ उम्र तक हर दो मन्दा - बुध भन्ना न मन्दिर हो
ससुराल घराना लाख हो ऊंचा - पाप उम्र तक खछर हो
इकट्ठे दोनों से धर्मी टेवा - उम्र लम्बी खुद पाता हो
असर राहु जब होता मन्दा - केतु भला न रहता हो
नेक रोशन तब दोनों होते - हार्वी माद्दा में नहाता हो
घर पहले ता 6 वें बैठे- माता साली उन मरती हो
तका बच्चे के पैदा होते - प्लेग, गोली जल बसती हो

दोनों मुश्तरका किसी भी घर खासकर जब दोनों नः 2 में बैठे हो तो ऐसा टेवा धर्मी होगा। जिसने पापी ग्रहों का मन्दा असर न होगा। बल्कि बाकी तमाम उम्र भी धर्मी होंगे। राहु का भूचाल चन्द्र से रुक जाता है और चन्द्र बैठा होने वाले घर से आगे नहीं जा सकता।
दोनों मुश्तरका कुंडली के जिस खाना में बैठे हो उस घर की चीजे पर राहु व चन्द्र दोनों ही का बुरा असर होगा। मुतल्लका उम्र उन शख्सों पर जो [illegible] के लिए मुकर्रर नहीं लेकिन अगर दोनों मुश्तरका (1) कुंडली के पहले घरों खाना नः 1 ता 6 में बैठे हो तो जिस घर नः [illegible] तक माता पर उसकी (माता की) उम्र तक भारी होगा। मगर खुद अपनी उम्र का लिहाज न होगा। चन्द्र की जानदार चीजों पर गोली वगैरा लगकर मौत होना वगैरा बुरा असर होगा। 2. बाद के घरों यानि खाना नः 7 ता 12 में बैठे हो तो माता पर कोई बुरा असर न होगा। अगर कभी होगा तो माता और बच्चा (कुंडली वाला) दोनों पर इकट्ठा ही होगा।
(1). मनहूस घोड़ा - दोनों अपना अपना फल देंगे मगर चन्द्र का किसी कदर मद्दम यानि अगर मली निर्धन हुआ तो जलीलों ख्वार दरबदर और फरार भी होगा। मगर कैद न होगा। खासकर जब दोनों नः 2 में हो। अव्वल गया दो रंगा लाल दछड़ा मौत का बहाना होंगे। व भूचाल 45 साला उम्र में रुकेगा। या 45 के भाग में यानि 45 दिन महीने सात चन्द्र व राहु दोनों ही का फल बरबाद चन्द्र राहु के लिए बधा हुआ खतरनाक हार्वी जो दरिया के रास्ता को भी रोक ले और खुद भी बरबाद हो जावे। और वह भी चन्द्र की मियाद 24 दिन माह साल तक होगा। वरना फिर ऐसा बुरा असर न होगा।

नेक हालत

टेवे में जब शनिच्चर उम्दा हो तो राहु का सब असर उम्दा होगा।

खाना नः 7

चन्द्र राहु घर सातवें बैठे - ऊंच शुक्र रवि ग्यारह हो
मौत मारे घर ससुर का उजड़े - लाख पुत्र ख्वाह पोता हो

स्त्री व राजदरबार मन्दा न होगा।

खाना नः 9

निस्फ चन्द्र ख्वाह नौवे गिनते - ग्रहण मद्दम ख्वाह होता हो
खुश्क कुएं घर जद्दी उबके - पानी दोबारा आता हो

जद्दी घर बार में रौनक होगी। खुश्क हो चुके कुओं में पानी खुद व खुद दोबारा आ जाना माना है

खाना नः 11

सोने को आग में जलाकर दूध में बुझाकर उस दूध को इस्तेमाल करने से औलाद पैदायश में बरकत होगी (बुध नः 3 बृहस्पत नः 2 दोनों नः 11)

मन्दी हालत

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

पानी से नुकसान का खौफ, निस्फ उम्र या राहु के ग्रह की कुल उम्र 42 साल जिस्म की जिन्द खराब या जिस्मत पर स्याह और सफेद दाग और मोर के (मोरन के छोटे छोटे टुकड़े उभरे हुए) वगैरा होंगे। संसुराल भी बरबाद होगे। दरिया का पानी भी दो टुकड़ों में होकर चलेगा यानि चन्द्र का असर ही होगा। दिल के फर्जी वहम से दीवानगी अपना ही दिल खराबी का बहाना होवे।

उपाय

औलाद के ताल्लुक में वही उपाय जो चन्द्र में जिक्र है मददगार होगा। राहु का भी वही उपाय जो राहु नः 11 में दर्ज है। इस के इलावा चन्द्र ग्रहण के वक्त राहु की चीजों या चन्द्र के दुश्मन ग्रहों की चीजें चलते पानी (दरिया नाला नदी) में बहाना मुबारिक होगा। राहु का भूचाल चन्द्र से रुक जाता है और राहु का मन्दा असर केतु ही हटा सकता है मगर या बृहस्पत या चन्द्र का उपाय करें। अगर वह भी मन्दा हो तो बुध कायम करें।

खाना नः3

34 साला उम्र तक बुध और केतु का फल मन्दा ही होगा।

खाना नः 7

ससुराल घर बेगाना ही होगा।

खाना नः 9

चन्द्र का जाती फल मद्धम बल्कि ग्रहण में आए हुए चन्द्र की तरह हलका ही होगा।

खाना नः 12

न सिर्फ चन्द्र की जानदार और बेजान चीजों का मन्दा हाल होगा। बल्कि टेवे में शुक्र का फल भी कोई भला न होगा।

चन्द्र केतु (चन्द्र ग्रहण) ब

कायम ग्रह नर टेवे बैठे - उमदा असर दो देता हो
वरना गृहस्थी दुखिया ऐसे - टांग जली दिल फटकता हो
चन्द्र दादी और केतु पोते - मेल दोनो न होता हो
लेख विधाता हो वो इकट्ठे - एक दोनों से दुखिया हो
असर कभी जब दोनों मन्दा - माल जानों पर पड़ता हो
चन्द्र राहु फल बाकी अपना - हर दो हालत हर घर का जो
मंगल साथी ख्वाह साथ दृष्टि - बैठे घरों या मंगल हो
ग्रहण हटे जब माता बैठी- वक्त 28 मंगल हो

दृष्टि वगैरा की रुठ से जब चन्द्र खुद नीच हो रहा हो या बुध की मार से मर रहा हो या दोनों खाना नः 6 में मुश्तरका हो तो चन्द्र के लिए केतु का साथ उसके आगे चलती हुई दीवार की तरह चांद ग्रहण का जमाना होगा। यानि माता चन्द्र एक धर्मात्मा होती हुई भी बदनाम औरत नजर आएगी जायदादी ताल्लुक हर तरफ उलझता नजर आएगा।

1) शादी के वक्त खुशी के राग जंगल में मंगल ब किस्मत की मदद और बृहस्पत की हवा अब मायूसकुन। माता भाग्य रद्दी बल्कि बर्फानी असर देगा। सफर खुश्की या समन्दरी मन्दा। चन्द्र केतु नः 2 कुत्ते का पर्सानाग हर दो मन्दे 45 साला उम्र तक सूरज का फल मन्दा होगा। चन्द्र केतु मिलाप में केतु मन्दा बल्कि दोनो खराब मगर चन्द्र ग्रहण होगा। सिर्फ उन बातों पर जो कि चन्द्र राहु मुश्तरका में लिखी है दोनों का मन्दा असर अमूमन माल और जानों पर होगा। बाकी सब बातों में वही मन्दा असर होगा जो चन्द्र राहु में लिखा है सिर्फ फर्क यह है कि जहां लफ्ज केतु है वहां राहु लिखो यानि चन्द्र केतु का भी हर घर में वही असर होगा जो चन्द्र ग्रहण के वक्त अगर बुध उत्तम हो तो चन्द्र ग्रहण का मन्दा जमाना न होगा। और 34 साल में 24 साल तक अपना नेक असर देगा। यानि 34 साला उम्र से 58 साला उम्र तक मुबारिक असर होगा।

ग्रहण का मन्दा जमाना अमूमन एक साल और कुल 24 साल रह सकता है।

नेक हालत

अगर टेवे में नर ग्रह (बृहस्पत सूरज मंगल) उमदा हो तो दोनो का फल उत्तम होगा। 25 साला उम्र तक राय तरफ जंगल में मंगल (खुशी के राजा) होगा। जब मंगल की दृष्टि या मदद हो

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

मन्दी हालत

दूध में कूंने का पेशाव, अदा घोड़ा लगाड़ी माता की तरह मन्दा हाल या माता की मेहनत या औलाद नरंगा की उम्र दोनों ही का तकाजा या झगड़ा होगा या दाढ़ी पोंने का फेल न होगा । टेवे वाले की नई औलाद (नर बच्चा) और उसकी (टेवे वाले की) माता का बच्चे के जन्म से 40/43 दिन पहले और 40/43 दिन बाद इकट्ठे रहना मुबारिक न होगा। बल्कि मन्दा ही असर होगा। जानों तक भारी गिना है।
रात के वक्त दूध का इस्तेमाल गैर मुबारिक चन्द्र केतु मुशतरका वाले का किसी की पेशाव पर पेशाव करना गैर मुबारिक बल्कि बाय से जहमनी करना होगा। पेशाव के उपर पेशाव करना बाय से तकलीफ होगा। टेवे वाले की तालीम निकम्मी बरबाद। जिस्म में दर्द जोड़ या पेशाव की बीमारियां

उपाय

केतु की दो रंगी मगर लाल रंग अशिआ का साथ मददगार होगा। बुध की अशिआ का दान कल्याण मना है। तालीम अधूरी निकम्मी या बरबाद होने सबबाने केलिए धर्म स्थान में केतु की अशिआ (केले और तादाद में भी तीन केले हर रोज (48) दिन तक देने जाना मददगार होगा।

खाना नः 1- 8

दोनों ही ग्रह हर तरफ मन्दे नाश शुदा और नाश करने वाले होंगे।

खाना नः 2

नमूनिया, गठिया, कर्रीवल, मरगा (मौत के नजदीक) चन्द्र ग्रहण, नये बच्चे (नर औलाद) और बछड़े (गाय के नरीना औलाद) के पांव में चांदी का छल्ला मुबारिक होगा।

खाना नः 4

अब पापी ग्रहों का मन्दा असर न होगा। बल्कि तमाम ग्रह ही (कुलदेवा) धर्मी होगा।

खाना नः 6

चांद ग्रहण का मन्दा जमाना होगा। चन्द्रकी तमाम अशिआ खह जानदार या बेजानदार का नेक असर किसी दीवार के साए की तरह छुप गया हुआ मालूम होगा। मां बेटा दोनों के लिए मन्दा असर मौत तक भारी हो सकता है।

Free by Astrostudents

खाना नः 9

गो अलहदा अलहदा इस घर में दोनों ही उतम है मगर अब दोनों ही का मन्दा और नीच फल होगा।

खाना नः 12

कमाई हुई लाखों की थैलियां आएं, रुपये की बहुत आवाज हुई मगर गिनने पर सिफर ही पाया गया
नोट : बाकी घर अपना अपना फल होगा।

शुक्र मंगल

(मिट्टी का तंदूर मीठा अनार गेरू (लाल मिट्टी) स्त्री धन)
मिलते दोनों से चन्द्र बनता, बुध केतु न दुश्मन जो
शुक्र मिट्टी से मंगल दुनिया - जगत बना कुल ब्रहमांड हो
ससुराल औरत की किस्मत चलता - दहेज औरत से बढ़ता हो
मंगलीक मंगल बद साथ जो मिलता - आग भट्टी सब जलता हो
धन बढ़े परिवार बढ़ता - तीर्थ दुनिया उमदा हो।
उतम दौलत साथ गुरु का - पापी हरदम मन्दा हो
दोनों देखे जब शनि को - धन मुआवन रेखा हो
उल्ट हालत जबहो टेवा - असर तीनो मन्दा हो

अमूमन धन दौलत और मर्द औरत दोनों ही चीजें इकट्ठी कम ही हुआ करती है। मगर अब दोनों ही इकट्ठे होंगे। यानि अब ऐसा धन दौलत होगा जिसके साथ परिवार भी हो दोनों ग्रह 36 साला उम्र तक मुशतरका होंगे। अगर मंगल का एक हिस्सा होवे तो शुक्र का 1/3 हिस्सा शामिल होगा।
मंगल बद के वक्त अगर शुक्र का असर तीन हिस्से नेक होवे तो मंगल बाद का असर 4 हिस्से शामिल होगा।
दरअसल अब दोनों मुशतरका की जगह एक चन्द्र ही होगा। जिससे या जिसमें बुध और केतु का बुरा और दुश्मनाना असर शामिल न होगा। जाहिरा बेशक दो और दोनों ही ग्रह होंगे।

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

जब शुक्र और बुध जुड़ा - जुड़ा हो और बुध जन्म कुंडली में शुक्र के फलने घरों में हो और उसके साथ मंगल भी बैठा हो यानि मंगल बुध मुश्तरका कुंडली [1] जब खाना नः 8 के ग्रह भी नेक फल देंगे के फलने घरों में हो और उसके साथ मंगल भी बैठा हो यानि मंगल बुध मुश्तरका कुंडली के फलने घरों में हो तो शुक्र बाद के घरों में होता बुध अपनी नानी की दृष्टि के अमृत पर मंगल को शुक्र से मदद देगा। जिससे देवे वाला कभी लाचार न होगा। ख्वाह उसके औलाद योग लाख मंदे ही क्यों नहीं और बेशक मंगल बुध नः 3 (बुध नः 3 में फर्की जरूर हुआ करता है) और शुक्र नः 9 (खाना नः 9 का शुक्र प्रमुमन मंगल बद ही होता है) ही हो।

नेक हालत

धन भी होवे परिवार भी होगा दोनों मुश्तरका को आगे देखे (नः 2 बृहस्पत (2) बुध
तीर्थ यात्रा और दुनियावी सुख कलाई रेखा
दोनों का और उत्तम फल होगा।
निहायत उत्तम लड़की होगी।
ऐसा धन जो हर तरह से नेक फल देवे धन भी हो और परिवार भी हो नेक और उमदा मायनों में

खाना नः 2

ससुराल कुत्ता बड़ उमदा होगा - नेक मंगल जब होता हो
सब कुछ उनका आग में जलता - पापी मंगल बद मिलता जो
औरत खानदान से जायदाद औ दौलत आवे
ससुराल खानदान में रहने वाला होवे दोनों

हालत में (ख्वाह अपने घर ख्वाह ससुराल के घर रहने वाला) ससुराल अमीर होगे और लावल्द कभी न होगी और उसे ससुराल खानदान से मीठी खांड की तरह का उमदा असर और दौलत का फायदा हो

खाना नः 3

ऐसा धन भाई बहिनों को तारे

खाना नः 7

Free by AstroSidhant

अनाज दौलत न हो कभी घटता - बुध चीजें न मंदा हो
सुख सागर हो भारी कर्याला - औलाद पोता सब फलता हो

औलाद पर औलाद या साहिबे औलाद, पोते पड़पोते सब के सब जिन्दा हर दम बढ़े परिवार उसका धन अपने ही खून से पैदाशुदा (मारफत अपनी औरत भाई बंद के मगर अपनी बहिन छुआ नहीं) को तारने वाला। दौलत का भंडार और दौलत का बाकी सब सुख होवे।

खाना नः 8

ऐसे जन्मे चन्द्र मान - चूल्हे आग न मंजेथान
आप मुबारिक उतनमान - निन्दया जगत कुल करता जान

हमला रोकने की हिम्मत का मालिक, आसूदा हाल (हर तरह से)

खाना नः 10

मिट्टी हली पर निर्धन झगड़े - भाई औरत जर पाता हो
रंग सफा जब औरत चमके - ठाठ रानी दो राजा हो
औरत के भाई बन्द (साले बहनोई) खूब अमीर मानिन्द राजा होगे
खाना नः 2 के ग्रहों का अब खास ताल्लुक होगा

अगर ससुराल खानदान के आदमी स्याह रंग हो मगर खुद उसकी औरत साफ रंग तो ऐसे देवे वाला खूब दौलतमंद, राजा की ठाठ और शानोशौकत का मालिक होगा। और ससुराल खानदान के अमीर होने की शर्त न होगी।
नोट : बाकी घर अपना अपनी फल होगा।

मन्दी हालत

रात दिन मुसीबत पर मुसीबत मन्दा ही असर होवे दोनों मुश्तरका कोआगर पापी ग्रह शनिव्यर राहु केतु देखे
गो शुक्र को किसी ग्रह ने नीच नहीं किया मगर मंगल बद ने शुक्र स्त्री को भी नहीं छोड़ा बल्कि हर तरह से उसकी मौत तक का भी बुरा असर दिया है। ऐसी हालत में आग का डर, बीमारी जहमत का दुख बल्कि मंदी मौत तक मानी है। (मंगल बद का साथ)

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

उपाय :

मंगल बद में टेवो।

खाना नः 3

खुद टेवे वाला जवाहकार और ऐय्याश होगा।

खाना नः 4

औरत भाईयों को जड़ से मारे - लंबा भला न होता हो
दौलत माया हो सब ही उड़ते - परिवार कबीला दुखिया हो

माता के भाई बन्द (नर आदमी मामू वगैरा) खुद तबाह और टेवे वाले को तबाह करें बल्कि जाहिरा ही उनकी पानी में मौतें हो या वह दुनयावी हालत में हुक्ते ही (तबाह होते) जावे।
मंगल बद का हर तरफ से उन पर मंदा असर होवे मंगल बद और शुक्र दुगुना बदपंल, दोनों के झगड़े में बुध (साली) बरबाद हो।

खाना नः 8

हर एक का निन्दक और बदखूनी करने वाला हो और जिस दरख्त के सार जा बैठा वह जड़से उखड़ गया मगर वह सही सलामत ही बचता गया।

खाना नः 9

सेहत औरत की मन्दी होती - भाई बड़ा खुद होता हो
रंग मंगल का चूड़ी चांदी - बाजू औरत पर उमदा हो

औरत की सेहत मंदी जिसके लिए उसके (औरत के) बड़े भाई की मदद भाई के हाथों बजरिए खाने पीने की चीजें देना या दवा दारु भिजवा देना मुबारिक होगी।

खाना नः 10

निर्धन झगड़ालू, उसकी औरत भी शनिच्चर और शनिच्चर स्वभाव होगी। ऐसा आदमी मामूली सी बात बल्कि मिट्टी की कंकर के बदले लम्बा चौड़ा झगड़ा खड़ा कर देगा। औरत के लिए भाईयों तक को मरवा देगा।
नोट : बाकीघर अपना अपना फल होगा।

Free by Astrostudents

शुक्र बुध

(निस्फ सरकारी मुलाजमत मसनूई सूरज तराजू तेल मिट्टी आटा पीसने की चक्की जिसके दो पत्थर हो)

राज ताअल्लुक शर्त न करता - रिजक दौलत घर बढ़ता हो
खाली दृष्टि हो शनि उमदा - तराजू माया जर चलता हो
8, छटे, दो, 9, 3, बारह - मसनूई सूरज दो होता हो
उतम बराबर असर दोनों का - दृष्टि रवि न करता जो
बुध शुक्र जब हो दो इकट्ठे - शनि उमदा होता है।
अन्न दौलत की कमी न कोई - धी मिट्टी से निकलता है।

दोनों ग्रह बराबर की ताकत और बराबर की मियाद के होंगे और सूरज की तरह असर देंगे। 44 साल उम्र तक मुश्तरका होंगे। तब सेहत और रिजक से मुतल्लका होंगे राजदरबार और हकूमत की शर्त न होगी शुक्र बुध के मुकाबले पर अगर मंगल हो या मंगल बुध तो मंगल की जहर देवे वाले की मदद पर असर करेगी।

नेक हालत

जब तक बुध शुक्र से सूरज का
ताअल्लुक न होवे नतीजा उमदा
रहेगा। औरत का सुख 37 साल धन दौलत कभी हार न देगा।
मसनूई सूरज आधा सरकारी काम रियासती ताअल्लुका दारी नौकरियां
मगर दोनों इकट्ठे तो जानी पूरा ऐय्याश बुध अब शुक्र को बहन का काम देगा।

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

सूरज का ताअल्लुक - सूरज में रेखा बुध की - औरत अमीर खानदान से होगी।

नेक हालत

खाना नः 1

किस्मत में नेक मसनूई सूरज (आधा राजदरबार का असर होगा)

खाना नः 2

अगर चालचलन उमदा हो तो हर दो ग्रह का अपना अपना और उत्तम फल होगा। व्यापारी और आढ़ती उमदा होवे।

खाना नः 3

सिर की श्रेष्ठ रेखा का उत्तम फल होगा। जो चन्द्र के बुरे असर से बचाएगा। यानि जब चन्द्र मन्दा हो. सौतेली माता के इलावा चन्द्र की बाकी सब चीजों का फल उत्तम होगा। ख्वाह चन्द्र ग्रहण ही हो।

खाना नः 4

शुद्ध बुध (व्यापार) राजयोग बुध और शुक्र दोनों ग्रहों के इलावा किसी भी और ग्रहों के मुतल्लक व्यापार राजयोग का असर देगी लड़की बाला मामू मुयारिक और मददगार होगा।

खाना नः 5

औलाद पर कोई बुरा असर न होगा।

खाना नः 6

खुद अपने लिए राजयोग होगा। रेत से सीमेन्ट लोहे की तरह मजबूत हो जाता है मगर अब बुध की रेत से शुक्र की मिट्टी ही सीमेन्ट का उमदा काम देवे। यानि अगर लड़के (औलाद नरीना) न भी होवे फिर भी लड़कियां ही मसनूई सूरज का उत्तम फल देगी। औरतों की मदद होगी। और गृहस्थी का आराम होगा।
किताबों का काम छापाखाना तिजारती पैमाने पर दिमागी और तहरीरी काम, राजदरबार और अहले कलम से बहुत नफा होगा।
जायदाद बढ़ती जावे हर दो हालत (ख्वाह सूरज नः 2 ख्वाह शनिच्चर नः2) के वक्त ईमानदारी का धन साथ देगा।
(सूरज नः 2)

खाना नः 7

उत्तम फल फूल दोनों की शानदार गुलजार की तरह घरबार और गृहस्थी सुख होवे उमदा व्यापारी और उत्तम आढ़ती होगा। तराजू के काम से हर दम नफा हो।

खाना नः 9

3-1, 6-7, 9-11 में अगर चन्द्र - केतु या गुरु बैठा हो तो बुध कभी मन्दा फल न देगा। जिस पर शुक्र का फल भी भला ही रहेगा।

खाना नः 10

उमदा सेहत का मालि और साहिबे अक्ल होगा जब तक खाना नः 2 भला हो या खाना नः2 निकम्मा न हो। खाली बेशक होवे।

खाना नः 12

खुद अपनी उम्र लम्बी बल्कि पुरी सदी के लगभग (बराबर बराबर) होगी। उमदा सेहत होगी।

मन्दी हालत

क्वाफा मंगल नेक से शाखा सिर रेखा के नीचे नीचे आखिर सिर रेखा तक ही रह जावे या सिर रेखा में मिल जावे।

जानी और एय्याश होगा

खाना नः 1 आल्पायु, मवेशियों के सुख से महरुम होगा।
खाना नः 2 जाती दोनों अपना अपना फल देगे
खाना नः 3 जब चन्द्र मन्दा हो सौतेली माता का कोई फायदा या मदद नहीं होगी

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

व्याख्या : मान्न नक से शाखा गिर रेखा के नीचे नीचे आखिर गिर रेखा तक ही रह जावे या सिर रेखा में मिल जावे
औरत खानदान के आदमी कारोबार में साथी होंगे जिनका कोई फायदा न होगा। यो गिरे खापोकर घसते जाएंगे। बुध नः 3 अमूमन साथ बैठे हुए ग्रह यानि नः 3 और नः 9-11-4-5 सब ही घरों को बरबाद किया करता है । इसलिए ऐसे प्राणी की पहली शादी नष्ट होने पर अगर उसी खानदान में दूसरी बहिन या भाई की शादी दोबारा होवे तो भी बुध पहले की तरह शादी नष्ट करेगा गर्जे कि ऐसी शादियों से जब तीन लड़कियां कायम हो तो बुध खामोश हो जाएगा। बकरी का दान मुबारिक होगा। (मगन का साथ बजरिया दृष्टि बगैरा)
बुध की उम्र (34-17-8) साला उम्र या शुक्र के अठद (25-12/5-6/5 साला उम्र) में अगर होवे पहली शादी हो तो जिस्म और राजदरबार पर मन्दा असर होगा।
दूसरी शादी हो तो वाल्दैन या ससुराल पर मन्दा असर होगा।
तीसरी शादी हो तो मर्द औरत हर दो की सेहत लगातार मन्दी होगी।

खाना नः 4

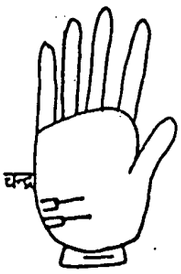

ससुराल मामू पर असर मन्दा - भला मन्द न होता हो
उल्टी चक्की बुध शुक्र चलता - मन्दा असर वो देता हो

बुध (बरतन, ढोल, रागरंग का सामान बाजे वगैरा) और शुक्र (खेती बाड़ी गाय बैल) के मुतल्लक कारोबार निकम्मे होंगे। मामू खानदान और ससुराल का मन्दा हाल होगा। खुद भी चालचलन का शक्की ही होगा लेकिन अगर चन्द्र कायम हो या कायम कर दिया जावे तो कोई बुरा असर न होगा
माता के भाई बन्द और माता की बहिन वगैरस कारोबार में खराबी का सबब होंगे।

खाना नः 5

इश्क जवानी हमराहियों को बरबाद करावे। शुक्र के पतंग का मन्दा हाल होगा। घर में जमीन दोज आग कायम रखने केलिए गोल गहरा गढ़ा मन्दे असर की पूरी निशानी होगी।

खाना नः 6

अगर सूरज का ताअल्लुक हो जावे तो औरतों से मुखालफत होवे। औलाद के विघ्न व दांगर ठकाजे होंगे।

Free by Astrostudents

खाना नः 7

अगर राहु या केतु से चन्द्र मन्दा हो रहा हो तो शुक्र बुध की चक्की का असर भी मन्दा ही होगा। शादी और औलाद के विघ्न और मन्दे फल होंगे कांसी का बरतन (कटोरा) मददगार होगा।

खाना नः 8

रब्ब बनाई ऐसी जोड़ी - इक अंधा तो दूसरा कोढ़ी
राख भरी वो मिलकर बोरी - जितनी उड़े हो उतनी थोड़ी

दोनों ही ग्रहों या मर्द औरत (खुद देवे वाला और उसकी औरत) की एक ऐसी जोड़ी होगी जैसा कि एक तो दनुयावी अंधा हो और दूसरा कोढ़ी (बीमार) शादी और औलाद में खराबियां शुक्र अब्बल के खिलाफ कारवाईयां करने वाला और बुध निकम्मा होने से मामू व बहिन बरबाद पूरा मारग स्थान, निकम्मी और लानत की हालत ही होगी।

खाना नः 9

लड़की जन्म या उम्र 17 दोनों मंगल बद बनता हो
उम्मीद बर्जुगां पानी फेरा - मन्दा असर 2,9 का हो।

अगर बुध निकम्मा साबित होवे तो 17 साला उम्र या पहली लड़की की पैदाइशपर अपने बर्जुगों की सब उम्मीदों पर पानी फेर देगा। और मंगलबद की जलती हुई आग का तूफान शुरु होगा।
शुक्र अन्धा तो बुध थूकने वाला कोढ़ी होगा। बुध का व्यापार जानदार अशिआ बहिन बुआ लड़की वगैरा निहायती मन्दी हालत (34 साला उम्र तक) और शुक्र की बेजान अशिआ खेती बाड़ी गाय बैल बेमानी होंगे।

खाना नः 10

अगर खाना नः 8 निकम्मा हो रहा हो तो बुध शुक्र दोनों ही के फल में जहरीला असर होगा।

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

खाना नः 11

अजीजों से जुदाई मुलाजमत में पहले हाकिम के ताअल्लुक में यह ग्रह उल्लू का पट्टा और बेमुरव्वत साबित हुआ करेगा। मन्दी हालत में बुध (लड़की बकरी वगैरा) और शुक्र (स्त्री गाय की खुराक) की अशिआ का मुतल्लका मददगार होगा।
गांने के पीले मक्कई की माला अमूमन मौजूद होगी जिसे दूध या दरिया के पानी में धोने पर बुध और बृहस्पत की जहर दूर होगी। या चन्द्र का उपाय मददगार होगा। बारते राजदरबार और गृहस्थी हालत। (शुक्र बुध नः 11 बृहस्पत सूरज नः 10)
मगन और शनिच्चर की उम्र की मियादों पर अपने मकान में आग के वाकयात जिनमें गाय भी जलती होगी और भाई भी किल्लतें होंगे। शुक्र व बुध नः 11 मंगल शनिच्चर नः 8

खाना नः 12

हड़काया कुत्ता या पागल बकरी - पेट गाय आ फाड़ती हो
खांड गृहस्थी रेत हो मरती - शीशा मिट्टी धोका देती हो
शयु शुक्र बुध दूजे बैठा - दांत जहर शनि मरता हो
दूजे मगर जब मिग आया - आवाजवानी बुध कर्पा हो।

दोनों ग्रह अब संहत के मालिक होंगे अगर बुध उल्टा हो निकला (यानि अगर शनिच्चर या बृहस्पत नः 2,12,3 में न हो तो) दोनों ही ग्रहों का फल निकम्मा होगा।
मामूली सी बकरी (बुध) या गाय (औरत) शुक्र हड़काए कुत्ते की तरह पेट फाड़ देने का असर देवें। लड़की की पैदायश के दिन से गृहस्थ रद्दी - बरबाद या मन्द ही होगा बल्कि खांड रेत मिली हुई की तरह किस्मत का हाल होगा या शीश (बुध) पिसकर धोका देगा कि खांड पड़ी हुई है मगर जब उठा कर मुंह में डाला तो मुंह दुखिया होगा।

शुक्र शनि

शुक्र शनि फर्जी ऐय्याश, काली मिर्च व घी, स्याह काला मनव्वर (पत्थर) मिट्टी का खुश्क पहाड़

बुध मुबारिक टेवे होगा- पाप बुरा नहीं करता हो
केतु मंगल हो मिलते उम्दा - नेक बुढ़ापा बनता हो
दृष्टि रवि पर हो जब करते - मौत भरे दुःख होती हो
मकान बनाए रिश्तादारों का - माया खत्म हो जाती हो
सलाख लोहे की छत पर गड़ते - बिजली असर न करती हो
मनूर काले बुनियाद में भरते - माया दौलत घर बढ़ती हो
शुक्र मालिक है आंख शनि का - तरफ चारों ही देखता जो

घोट शनि हो जब कहीं खाता, अंधा शुक्र खुद होता हो
टेवे शनि हो जब 9 बैठे, असर शुक्र दो देता हो
पाया शुक्र ही घर जब दूजा - असर शनि 9 होता हो
नजर शुक्र में जब शनि आता - माया दीगर खा जाता हो
दृष्टि शुक्र पे जब शनि करता - मदद ग्रह सब करता हो

शुक्र औरत तो शनिच्चर उसकी आंख की बिनाई बना रहेगा मसनूई केतु (ऐश का मालिक) ऊंच हालत देगा।
दोनों ग्रह 52 साल तक मुश्तरका होंगे। दोनों के मुश्तरका असर में अगर शुक्र 4 हिस्से हो तो शनिच्चर तीन हिस्से होगा। नेकी करने के लिए अगर मन्दा असर हो तो शनिच्चर सिर्फ 1/3 हिस्सा होगा। यानि शनिच्चर अपने साथी का बुरा नहीं कर सकता। बल्कि 52 तक मदद ही देगा। शुक्र शनि मुश्तरका में शनिच्चर से मुराद उसका (टेवे वाले का) बाप होगा। (जिस घर शनि हो शुक्र में वही असर और दृष्टि भी उस घर की तरफ होगी। अगर दृष्टि की चाल पिछली तरफ खुद शुक्र की अपनी तरफ होगी)
ऐसे टेवे में मंगल केतु भी अमूमन इकट्ठे ही होंगे जो जरूरी ही नहीं कि इकट्ठे ही ताकत हों। घर में ठाकुर पूजा पाठ का इष्ट मौजूद। दोनों मुश्तरका के वक्त कुछ नहीं बोलेगा। और नहीं मन्दा होगा। और न ही बुरा असर देगा। बल्कि बुध का नेक असर खुद ब खुद शामिल हो जाएगा। राहु केतु भी अब मदद ही होंगे

नेक हालत

दोनों का और बहुत उत्तम फल होगा। ऐसे टेवे वाले का बाप उसके (टेवे वाले के) लिए हमेशा ही नेक और उत्तम साबित होगा। जिस तरह मिट्टी खुद फट कर सांप को मुसीबत के वक्त बचा देती है उसी तरह ही शनिच्चर खुफिया शुक्र को मदद देता जाएगा। दूसरा कोई साथी होगा जिसके साथ मिलने से किस्मत जागेगी।

दोनों देखे मुं० को

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

खाना नः 1

साथ राहु या केतु बैठा - मालो रवि भी बैठा हो
दुःख जहमत का फुल्ला होगा - आग जैसा दुःख भोगता हो
मालो मच्छ रेखा का वही उसका असर जो शनि नः 1 में लिखा है।

खाना नः 3

कमाई उम्र तक दूसरे खाने - भला शुक्र न होता हो
काम शनिच्चर लम्बे बढ़ने - नफा न बेशक कितना हो

मर्द व औरत दोनों ही खूब आराम परसद और दोनों ही को दूसरे मर्द या औरत आराम करने या कराने के लिए किसी तकलीफ मुहय्या हो जाया करेंगे।

खाना नः 4

शनि शुक्र मिल हो जब बैठा - रवि भी साथी बनता हो
मौत सख्त परवरी पाता - कत्ल मुरज दिन होता हो

दोनों का अपना - अपना नेक और बुरा फल होगा कपड़े की थैली भाग्य के लिए गुमनाम चोर साबित होगी लेकिन दो कपड़ो की और दो जुदा जुदा रंगों की इस नुक्स से बची होगी।
आमदन के चश्मा के लिए खाना नः 10 के ग्रह का टैक्स अदा करते जाना मददगार होगा। फर्ज किया नः 10 में हो तो हर रोज तांबे का पैसा किसी चलते पानी में डालने से आमदन का चश्मा बढ़ता होगा।

खाना नः 9

पांच छटे गुरु दसवें बैठा - अन्तर भला कुल होता हो
जायदाद जागीरों बढ़ता - औरत औरत सब फलता हो

एक कंजरी (बद फेल बद नस्ल) की लड़की होते हुए भी उमदा गृहस्थी औरत हो जाने की तरह शुक्र अब हर तरह से उत्तम फल देगा। स्त्री व लक्ष्मी का सुख होगा।
दोनों नः 9, 12 में बृहस्पतः 5,6, 10 में ⟶ जायदाद की जायदादों वाला उत्तम स्त्री सूरज का मालिक होगा।

Free by Astrosuccess

खाना नः 10

हादसा हमलों हर दम बचता - कबीला रेखा मच्छ होता हो
शनि मकान खुद बनता उसका - जवाई दौलत जर खाता हो
रवि बेशक हो साथी बैठा - असर बुरा न देता हो
जायदाद में हरदम बढ़ता - नकद शर्त न करता हो

शुक्र नः 10 में शनिच्चर की ही हालत व ताकत का होता है। शुक्र औरत तो शनिच्चर शराब का मालिक। जवानी में ऐश व इश्क की खूब मददगार लहर होगी। बुढ़ापे में दोनों ग्रह और भी आराम व मददगार जमाना देंगे।
दुनियावी हादसा, सदमा और नागहानी बलाएं वगैरा से हर दम बचाव होता रहे। शनिच्चर के काले कीड़े (मौन) गिरोह की तरह गृहस्थी साथी और उसके अपने बेशुमार लड़के लड़कियां और आगे उनके (बच्चों के रिश्तेदार कमाई से आराम पाते होंगे।) धन व दौलत सब के लिए बहुत होगा। और बढ़ता रहेगा। मजानात बहुत बनेंगे या बना देगा। उम्र लम्बी होगी जायदाद बनेगी और मौत भी कोई दुःखिया हालत में न होगी। नकद रुपया बेशक इतना ज्यादा न होवे। (सूरज नः 4)

खाना नः 12

असर बही 9 घर जो होगा - मिलता 12वें में होता हो
बाकी असर दो बार उमदा - बही मिला हर दो का जो

अपने खानदान के मेम्बरान की तादाद ज्यादा होगी। खेती बाड़ी शुक्र (जरायत के कारोबार) रिश्तादार या अशिआ मुतल्लका शुक्र (गाय बैल) से पूरा नफा और फायदा और उत्तम गृहस्थी फल होगा।
जानी होगा मगर कामयाब गृहस्थी और बाइज्जत जिंदगी का मालिक (बुध नः 6)
जायदाद की जायदादों वाला स्त्री सुख पूरा होगा जो दूसरों को खा पी जाएगा। बृहस्पत नः 5,6,10 दोनों नः 9, 12

नोट : बाकी घर अपना अपना फल होगा।

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

मन्दी हालत

उसकी कमाई नजदीकी रिश्तेदार या मकान खा जाएंगे। जुबान का चस्का बरबाद करे। (दोनों को बुध देखे)
शनिच्चर का बुरा असर जोर से होगा मौत पुर दर्द होगी (दोनों को सूरज देखे)

उपाय :

मकान के ऊपर बिजली वगैरा के बुरे असर से बचाने के लिए लोहे की सलाख मददगार होगी।

खाना नः 1

काग रेखा का मन्दा असर जैसा कि शनि नः 1 में जिक्र है खुद जानी ऐब्याश होगा।
दरिद्री आलसी निर्धन दुखिया (दोनों नः 1 मंगल नः 4 सूरज नः 2 चन्द्र नः 12)
जिस्म में जलती आग की तरह दुःख बीमारी कायम रहे सेहत खराब तेपदिक तक
नौबत। किस्मत के ताअल्लुक में भी दुःखों का फुकरा हर तरह से मन्दा हाल और मिट्टी खराब
(दोनों नः सू य या सू के नः 7)

खाना नः 3

अपनी जिंदगी और कमाई दूसरों के लिए हुई जिसका फायदा और आराम दूसरे ही उठावें।
घचा (शनिच्चर) आवारा औरतों का आम मिलापी होगा। या उसकी औरत आवारा ही होगी।

खाना नः 4

घचा गैर औरतों का मिलापी होगा। निहायत सख्त और पुरदर्द मौत होगी (सूरज नः 10)

खाना नः 7

निहायत करीबी रिश्तेदार और उसके कारोबार में शामिल होकर उसका धन दौलत खा पी जाएंगे।
नामर्द वरना बुजदिल होगा और हर तरह से बिगड़ा बिगड़ाया हुआ (खराब किया हुआ) मर्द किसी भी काम का साबित न होगा।
दोनों नः 7 चन्द्रमा नः 1 और सूरज नः 4

शुक्र राहू

Free by Astrostudents

(मिट्टी भरी काली आंधी)

केतु गिना फल शुक्र उमदा - औलाद भली न लक्ष्मी हो
फूल लगा बुध बेशक हंडी - फोकी इज्जत माया होती हो
सोहबत औरत में चोर गृहस्थी - औलाद उम्र तक शक्की हो
चन्द्र रवि जब मदद हो मिलती - जलती मिट्टी घी देती हो

शुक्र राहू मुश्तरका होने पर सिर्फ शुक्र को दो भागों (बुध और केतु) में सिर्फ बुध एक ही टुकड़ा बाकी होगा यानि फूल तो होंगे मगर शुक्र का फल केतु न होगा। दोनों का मंदा असर इंसान की ग्रवा (टट्टी का सुराख) के गर्द गिर्द जाहिर होगा। जिस घर में मुश्तरका बैठे हो उस घर से मुतल्लका शुक्र का फल मन्दा होगा

नेक हालत

बुध की फोकी इज्जत और शोहरत जरूर बरकरार रहेगी।

खाना नः 12

असर मन्दा जो घर पहले का - रिजक औरत का होता हो
शाम दवाती फूल जो नीला - लेख चमकता होता हो
शुक्र का फल औरत जात की किस्मत तो जरूर ऊंच उमदा होगा
नोट : बाकी घर अपना अपना फल होगा।

मन्दी हालत

जब दक्षिणी दरवाजे (बड़ा दरवाजा) वाले मकान का साथ हो, शुक्र का फल हर तरह से मन्दा होगा। औरत पर औरत बरबाद बल्कि खत्म होगे। न सिर्फ औरत की सेहत मन्दी बल्कि औरत की उम्र तक मन्दी बरबाद या खतरा में ही लेगे। लक्ष्मी भी मन्दा ही फल देगी।
राहु शुक्र मुश्तरका के वक्त राहु की पहली मन्दी निशानी नाखूनों से शुरु होगी। यानि ऐसा मर्द औरत अपने नाखूनों को कटवाने की बजाए बढ़ाकर लम्बे - लम्बे और उन पर रंग वगैरा करने का शौकीन होगा। या राहु शनि की एजेंसी में रहने की कोशिश करेगा। मतलब यह कि चमकीले शानदार सुरमें, आखों की मश्क से बातों का फैसला कर देना आम होगा। (1. चन्द्र का उपाय धोए चावल या खालिस चान्दी घर में कायम और

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

गुमनाम गर्त्त में सूरज की अग्निश्रा (पैसा) या मंगल की मट्ट कारगमंद होगी।

2. दोनों मुश्तरका का किसी भी घर में हो शुक्र की अग्निश्रा (स्त्री गृहस्थी हालत लक्ष्मी वगैरा) हमेशा जली ही होगी ब्याह दानों नः 2 में ही हो जो कि धर्म स्थान है। जब केतु दोनों से पहले घरों में हो तो हमसाया मकान में लड़की की शादी न हो सकेगी) जिसका नतीजा राहु की राजधानी या ऐसे प्राणी की 43 साला उम्र तक उसके लिए जमाने में हर तरफ कड़वे धुंए के बादल खड़े कर देगा। जिनकी वजह से रात की नींद अमूमन हराम ही होगी।

उपाय :

चन्द्र और शुक्र दोनों का मुश्तरका उपाय, यानि दूध (चन्द्र) में मक्खन (शुक्र) या नारियल का दान मुयारिक होगा। औरत के जिस्म के दाएं हिस्से पर चांदी का छल्ला मुयारिक होगा।

खाना नः 1

औरत की दिमागी खराबियां या खुद देव वाले की अपनी सेहत (दिमागी हिस्सा, बुखार वगैरा) मन्दी होगी

खाना नः 3

34 साला उम्र तक बुध और केतु दोनों ही का फल मन्दा होगा।

खाना नः 7

धुआं मिट्टी घर औरत मरती - असर बुरा ही होता हो
उम्र औरत न होगी लम्बी - केतु चन्द्र न उम्दा हो
गंदा आशिक खुदगर्ज होगा।

अब शुक्र और बुध दोनों ही बरबाद होंगे। केतु भी माता और माता घर (मामू खानदान) को बरबाद कर रहा होगा। और चन्द्र नष्ट हो रहा होगा। जिसकी वजह से 24 साला उम्र भी बरबादी में खत्म होगी।

खाना नः 12

औरत की सेहत और इंसान की खुद अपनी लक्ष्मी दौलत जरूर ही राहु के धुएं से स्याह (खराब) होती रहेगी किस्मत कीहार के वक्त औरत के हाथों या खुद नीला फूल बक्त शाम मिट्टी में दबाये जाने से मदद होती रहेगी।

नोट : बाकी घर अपना अपना फल होगा।

शुक्र केतु 2

माता बेटा दो हकीकी जोड़ा - रक्षा बाहम जो करता हो
औलाद औरत सुख होता पूरा - इज्जत गृहस्थी पाता हो
मंदा कोई दो जिस दम होता - जिस्म औरत केतु मन्दा हो
औलाद रहु हद पाप जो होता - उपाय गुरु का उम्द हो

दोनों में से किसी एक के लिहाज से अगर नेक फल हो तो दोनों ही का नेक फल होगा। इसी तरह ही अगर किसी एक का किसी घर में मन्दा फल हो जावे तो दोनों ही का ऐसी हालत में मन्दा फल होगा। अमूमन 40 साला उम्र तक दुश्मन आम होंगे

नेक हालत

खाना नः 9

हालांकि शुक्र इस घर में निहायत मन्दा ग्रह है मगर अब दोनों ग्रहों का मुश्तरका इस घरमें निहायत उत्तम फल होगा।

खाना नः 12

औरत बहादुर सिफ्त सुअर की - औलाद बारह न करती हो
सिफ्त दौलत में हर दम बढ़ती - उम्र लम्बी सुख रात्री हो

औरत सुअर की तरह बहादुरी में उत्तम होगी । नर औलाद बारह तक और वह सब लड़के सुअर की तरह बहादुर, उम्दा सेहत है दौलतमंद और सुखिया होंगे।

नोट बाकी घर अपना अपना फल होगा।

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

मन्दी हालत

खाना नः 1

विघ्न औलाद लावल्दी गिनते, इश्क मन्दा ही होता हो
चौथे बैठा जब मंगल टेवे - लावल्द मंगल बद बनता हो

औलाद के विघ्न, लावल्दी तक माना है। औलाद और दूसरे साथियों की मौतों से मंगल नः 4 से दुखियों और तंग होगा।

खाना नः 6

बुध मदद नहीं शुक्र करता - केतु धोखा ही देता हो
अकेला असर दो बेशक उमदा - इकट्ठे जहर दो होता हो
रवि ग्रह जब टेवे मन्दा - बांझ औरत फल होता हो
गाय होती की शुक्र बेशक उमदा - केतु (कुत्ता) हजम नहीं करता हो

[1] (कामदेव की नाली (मिट्टी का हजू) जो शुक्र (औरत की जान) जब राहु टेवे में दोनों से पहले हो तो हम साया मकान में लड़के की शादी न होने पाएगी) दोनों ग्रह का मन्दा फल औरत बांझ और कुत्ते को घी हजम नहीं होता कि तरह किस्मत की मंदी हालत यानि अगर गरीबों को कभी मालिक रिजक दे भी देवे तो उनको खाना ही न आएगा। या वह खा ही न सकेंगे।
नोटः बाकी घर अपना अपना फल होगा

मंगल बुध [1]

नेक मंगल बुध यकसां होता - बदी मंदा बुध दुगुना हो
नेक हालत चुप हो बुध रहता - बद में बदी मर जाता हो
खांड जहर बुध मंगल मिलता - मन्दे घरों दो उमदा हो
नेक मंगल फल नेक गो देता - बुध जहर कर देता हो

दोनों ग्रह 45 साला उम्र तक मुश्तरका गिने जाएंगे।
अगर मंगल नेक हो तो दोनों ग्रहों का बराबर और उमदा फल लेकिन अगर मंगल बद हो तो बुध का दोगुना मंदा असर शामिल होगा। मंगल बद और बुध मुश्तरका मसनूई शनिच्चर (राहु स्वभाव मंदा असर) मीठे में रेत होगी। आतशी शीशा लड़की के लाल चमकीले कपड़े, अनार का फूल जैसा बृहस्पत टेवे में होगा। वैसा ही दोनों का फल होगा।
जब मंगल बद हो तो बुध अपनी निस्फ उम्र (17 साल तक) अपना असर जुदा जाहिर न कर सकेगा। अगर मंगल नेक हो तो मुश्तरका बैठा हुआ बुध चुप होगा। और अगर दुश्मनी ही करनी हो तो खुफिया ही करेगा।
जब दोनों मुश्तरका जन्म कुंडली शुक्र से पहले घरों में बैठे हो तो शुक्र का हाल बुरे घरों का भी नेक हो जाएगा। क्योंकि बुध अपनी नाली की दृष्टि के असूल पर मंगल को उठाकर शुक्र के साथ मिला देगा जिससे शुक्र मंगल का मुश्तरका फल मानिन्द चन्द्र हो जाएगा। जिसमें बुध और केतु का मंदा असर और बुध व केतु की [1] मौत बहाना, बुध अब शेर के दांत होंगे। स्याह लाल कपड़ा जो लड़की को उसकी शादी के वक्त पहनाते हैं लाल खूनी रंग जो चमकीला न हो कंबी वाला राए तोता) चन्द्र से दुश्मनी की जहर भी बुझ गई होगी।

नेक हालत

लड़के 24 साल और उमदा फल दायक होंगे। शुक्र का फल स्त्री की दिमागी ताकत उमदा होगी। जिसने सर सब्ज पहाड़ (शनिच्चर) का उत्तम फल शामिल होगा। और उसकी जबान का लफ्ज पत्थर पर लकीर (अटल होगा) या वह बृहस्पत (ब्रह्मार्जी) को सुनकर बोलती मालूम होगी। ऐसा शख्स लावल्द कभी न होगा। औलाद के योग ख्वाह लाख मंदे हो जब दोनों ग्रह मुश्तरका जन्म कुंडली में शुक्र से पहले घरों में बैठे हो।

खाना नः 1

मजबूत जिस्म वह औरत के खानदान को तार देगा और मालोदौलत उनके ही अर्पण करत होगा।

खाना नः 2

घर आठवां जब होता खाली - नेक असर दो देता हो
आप धनी ससुराल अमीरी - लावल्द कभी न होता हो
खुद दौलत मंद हो ससुराल
अमीर हो और दौलत टेवे

खाना नः 3

अगर बड़ा भाई साथ हो और मदद पर तो सुख गुजरान माता पिता का सुख सागर लम्बा उमदा और कुदरती मदद मिले वह लावल्द कभी न होगा बुध अपनी नाली के असूल पर शुक्र और मंगल दोनों को मिला देगा अब बुध नः 3 और शुक्र 9 का कोई मन्दा असर न होगा। (मंगल बुध नः 3

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

और शुक्र नं: 9)

खाना नं: 4

जान जाती पर युग होता - कहर गंग पर दाता हो
बुध अकेला बेशक उमदा - गम जमाना निकला हो
अपनी जान खुद अपने बजूद पर कभी युग असर न होगा।

खाना नं: 6

दोनों ग्रहों का अपना अपना मगर उत्तम और उमदा फल वहीं जो दोनों का अलहदा अलहदा हर एक केलिए नं: 3,6 में लिखा है।

खाना नं: 8

जुदा जुदा हो बेशक मंदा - कतु भला न होता हो
मिला असर या हर दो उमदा - शानि दूजे न बैठा हो
कतु कदाचित ऐसा उजड़ा - फकीर जंगल जा बसता हो जिन्दा कोई न रहता हो हुआ जिंदा जो बदतर मुरदा
मंगल बुध के बहमी साथ में जहां दो (मंगल या बुध) से किसी एक का भी फल खराब हो तो इकट्ठे होने की वजह से दोनों ही का फल उमदा और उत्तम होगा।
दूसरे शब्दों में अब मंगल बद न होगा बल्कि दोनों का मिला मिलाया असर निहायत उत्तम और उमदा होगा।

मन्दी हालत

[illegible] के मन्दी काम से नुकसान का हर ओर इज्जत सिर्फ फोकी इज्जत ही होगी। वाल्दि का ताअल्लुक मंदा [illegible] होगा। जो भीत बीमारी और हर लानत से दुखिया करें। नाहक बदनामी फिक्र और तकलीफ से अमूमन [illegible] उपाय : वही उपाय जो मंगल बद में लिखा है।

खाना नं: 1

[illegible] (शौहरात की किल्लत या जिंदगी की दुनियावी बे लुत्फी) के वक्त शहद की सुराही मंगल की अभिआ (खाड या शहद या [illegible] रख कर खाना बीमारी में दवाना मददगार होगा सुराही के इर्द गिर्द ढाक के पत्ते भी रख देना और भी उत्तम फल पैदा करेगा।

Free by Astrostudents

खाना नं: 3

[illegible] (मौसी कीना) देखेगा माया हर काम में मंदा असर दिखलावे। दिल हमेशा बुरे कामों की [illegible] खयालात पर बुरा होवे।

खाना नं: 4

[illegible] और वे को किसी का बुरा करने की कोशिश करेगा। मगर फिर भी दूसरों के लिए मन्दा ही असर देगा।

खाना नं: 7

गृहस्थ मंदे में जहर बकूर - जबान मंदी जब होता हो
बुरा शानि से कोई मिलावे - जहर मंगल बद भरता हो
मंगल साथी सब कुछ उमदा - धन दौलत परिवार ही सब
सब का सब ही मन्दा होगा -- बुधा मिले मंगल से जब

[illegible] के लिए जिस्म की नाड़े खराब। हर दो ग्रह का असर बरबाद मंगल का शेर बुध के जहरीले दांत हो नेकि वजह से [illegible] है) पर भी हमला कर देगा। गृहस्थ बरबाद जहर के बराबर हो। किसी नेक असर की उम्मीद नहीं। [illegible] खराब मंदी जुबान (बुध) की मेहरबानी और खुद अपनी बद ख्यालियों के नतीजे होंगे।

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

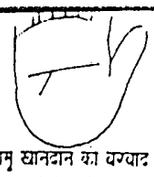

खाना नः 8

मामू खानदान को बरबाद ही करना होगा। बल्कि उनकी आइन्दा नसल का कायम रहना तक शक्की होगा। जिस दिन मे ऐसा शख्स होश संभाले मामू उसी दिन से दरबदर घर से दुखिया होकर निकल भागे।

मामू होकर मदद करना होगा। गैरा मामू अपने सिर पर राख डालकर बच सकता है। वह भी अपने घर घाट से बाहर रहकर अगर अपने घर ही रहे तो मुर्दों मे भी नाम कमाकर मे सख्त धक्के मुनाजमत मे मौकूमरी जो कभी सच्च होगा।

खाना नः 11

शराब खोरी खुद आंखे टेढी - शनि गुरु फल मन्दा हो
मकान तबेले दौलत जलती - हार हानि सब देता हो
गुरु चन्द्र की चीजे उमदा - पानी उतम जल गंगा हो
सुबह सवेरे दान जो धोता - जहर मारन बद उड़ता हो

शराब का हस्तामल आंख का टेढापन पैदाकर देगा। या शनि (मकान) और बृहस्पत (गुरु पिता - सोना) साथ मन्दे हाल पैदा करेंगे जिसका उपाय सुबह सवेरे गंगा जल का हस्तामाल मदद देगा। या चन्द्र या बृहस्पत का उपाय या चंद्र या बृहस्पत की चीजों का साथ मुयारिक होगा। नोट बाकी घर अपना अपना फल होगा।

मंगल शनिच्चर

छुपते सूरज की लाली पाता - शान बुढ़ापे बढ़ती हो
मंदी हालत मे राहु मन्दा - काग रेखा फल देती हो
साथ गुरु से तीनों मंदे - चोर साधु मरवाता हो
बाप दादा का सब कुछ छोड़े - मुआवन उम्र धन रेखा हो
गुरु घरों फल हर दो उमदा - सुखिया गृहस्थी होता हो
धन दौलत घर इतना बढ़ता - हाका वहां आ पड़ता हो
लेन देन ऐतबारी मंदा - नुक्सान लम्बे वह पाता जो
लाल हीरा न पहनते उमदा - कर्जा बीमारी देता जो
(डाक्टर, डाकू, फौजी, नारियल, बादाम, हुक्हारा)

Free by AstroSutra.com

मंगल शनि मुश्तरका के वक्त राहु अमूमन ऊंच असर का होगा ख्वाह कहीं और कैसा बैठा हो।

खाना नः 2,5,9,12

खाना नः	किस ग्रह का असर देंगे	निशानी वक्त
1.	मंगल	राजदरबार का ताअल्लुका
2.	शुक्र	ससुराल या अपनी शादी
3.	बुध	शादी लड़की ऋतुवान
4.	चन्द्र	जमीन खेती घोड़ी बच्चा देवे
5.	सूरज	पैदाइश औलाद
6.	केतु	कुतिया बच्चा देवे छिपकली जिस्म पर चढ़े
7.	शुक्र	स्त्री भोग
8.	मंगल बद	मौत फन्दे
9.	बृहस्पत	यज्ञ पितृ
10.	शनिच्चर	मकान मे दिन का सांप आवे
11.	बृहस्पत	बाप दादा का माल छोड़े
12.	बृहस्पत	खानदानी यज्ञ होवे

दोनों ग्रह 40 साल तक मुश्तरका होंगे।

मुश्तरका मिलावट मे मंगल 3 तो शनिच्चर 4 भाग होगा।

मुश्तरका मिलावट मे जब मंगलबद हो तो मंगल का 1/3 हिस्सा शामिल होगा

मुश्तरका मिलावट मे जब मंगल नेक हो तो शनिच्चर की बुराई और मन्दा असर सिर्फ 1/3 हिस्सा शामिल होगा। दोनों ग्रहों की अच्छी या बुरी बुनियाद राहु पर होगी। यानि राहु उमदा हो दोनों फल उमदा। अगर राहु मंदा तो दोनों के असर की जड़ मे कड़वा धुआं होगा।

मंगल नेक और शनिच्चर मुश्तरका दयाल शिवजी और विष्णु जी होंगे। ऊंच राहु का असर होगा। जो झगड़े फसाद मे फतह का मालिक होगा।

मंगल बद और शनिच्चर मुश्तरका काग रेखा जो राहु की बुरी नीयत का असर देगी मंगल खुद तो बुध की तरह सिफर होगा। मगर शनिच्चर को अपनी तमाम ताकत देकर (शनिच्चर की) ताकत को दुगुना कर देगा।

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

नेक हालत

दो हाकु एक ही अगूल के इकट्ठे मिले हुओं की तरह बृहांप में छुपने वाले सूरज की तरह किस्मत की उमदा शान होगी। (हाथ पर कमान का निशान) दिलावर, बहादुर उमदा सेहत जिस्मानी ताकत उत्तम का मालिक होगा। दूसरे भाइयों पर खौफनाक मौत की तरह छाया रहने वाला होगा। दूसरे भाइयों (अपने बड़े मंगल के मुताअल्लका रिश्तेदार) की किस्मत का हिस्सा भी उसे ही मिल जाएगा या वो बेचारे मंगल के दूसरे दौरा में सिकर ही हो जावें तो मुमकिन। सांप (शनिच्चर) और गेर (मंगल) की मुन्तरका तबीयत का मालिक। आजिज को मुआफ और जालिम को कत्ल करके ही छोड़ेगा।

धन दौलत की ज्यादती की वजह से उसका घर हाका हाल्ले के काबिल होगा। या वहां डाके के वाकयात होंगे।

खाना नः 1

औरत कबूतर बाजी मन्दी - खून मन्दा खुः होता हो

माया दौलत ससुराल की बढ़ती - सफर ताअल्लुक उमदा हो

जिस दिन ऐसा शख्स राजदरबार का काम शुरु करे। दोनों ग्रहों का नेक फल जारी होगा। (बजरिया मंगल) ससुराल खानदान हर हालत में मालामाल ही होता होगा। और खुद देवे वाले की उम्र कभी हार न देगी। लश्कर के कारोबार से ताअल्लुक रखना हर तरह से बचाव देता रहेगा।

खाना नः 2

जिस दिन शादी हो या ससुराल ताअल्लुक पैदा हो जावे बृहस्पत भी उत्तम फल देगा। खुद अपनी भी बहुत दौलत बढ़ेगी। ससुराल के धन की लहर मुबारिक होगी। (बजरिया शुक्र) वो अमीर होंगे। और उनसे जायदाद और धन मिले वो (ससुराल) लाकल्द कभी न होंगे।

खाना नः 3

जायदाद ज्यादा होवे कमान का मालिक हनुवान

खुद बहादुर दिलावर होगा। बजरिया बुध लड़की की शादी या लड़की के (अयांग महावारी शुरु) होने के दिन से दोनों ही ग्रहों का उत्तम फल होगा।

खाना नः 4

दोनों ग्रहों का बजरिया चन्द्र यानि जिस दिन चन्द्र की आशिआ खेती की जमीन आवे या घोड़ी मादा बच्चा देवे नेक फल जारी होगा। वरना दोनों का वही फल जो चन्द्र मंगल नः 10 में लिखा है।

Prepared by Astrostudents

खाना नः 5, 6, 8, 9

पांच उछर शनि मद्रम होती - याद नेकी नः छः की हो

मंगल बदी घर कब्रिस्तानी - काग रेखा बुध 9 की हो

के हां औलाद नरीना पैदा हो तो किस्मत बजरिआ सूरज जागेगी।

खाना नः 6

कुतिया घर में या घर के सामने के मैदान में) बच्चे देवे या छिपकली पांव की तरफ से जिस्म पर चढ़ जावे) किस्मत जागेगी।

खाना नः 7

...सी से, सभी ताअल्लुक या भाई बहिन) किस्मत जागेगी। दौलत मंद औलाद, ...की का सुख होगा रिश्तेदारों और अपने कबीला को तारने वाला होगा।

खाना नः 9

(जब बहनों से मुतल्लका कोई लम्बा चौड़ा चन्द्र आडम्बर मानिन्द मेला वगैर हो) किस्मत जागेगी। ...और शादी परवरिश का साथ होगा।

उमदा रहे और आगे बढ़ता जावे। जब तक बुध का ताअल्लुका न हो।

खाना नः 10

पोते मरोते हर दम बढ़ते - पाप देवे जब उमदा हो

...चन्द्र का शत्रु बैठे - दूध बगीचे भरता हो

...जरिआ शनिच्चर (दिन के वक्त रात को नहीं) घर में सांप निकल आवे मगर मारा न जावे क्योंकि ऐसा सांप सिर्फ किस्मत के जाग उठने की खबर देने को आया करता है। (डंक नहीं मारा करता) किस्मत जागेगी। ऐसा शख्स मालदार बालबच्चे वाला बल्कि पोते ... वाला होगा। अगर

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

राहु केतु अच्छे घर में हो और नियमम बरबाद न हो रहे हो लेकिन अगर राहु केतु मन्दे या बरबाद हो तो मंगल और बुध का नेक असर राहु की तमाम उम्र (42 साला उम्र) के बाद पैदा होगा। नेक हालत में हुकमरान जायदाद वाला मालिंद राजा होगा। जब तक कोई और ग्रह खाना नः 3,4 में न हो और न ही खाना नः 1,8 में मंगल का दुश्मन ग्रह (बुध केतु) हो। अगर 3,4 या 1,8 में मंगल शनि का दुश्मन ग्रह हो तो ऐसा दुश्मन ग्रह खुद ही मारा जाएगा। और बरबाद होगा। मंगल शनि की ताकत कम न होगी। बल्कि और भी खुश्बाश होगी।

इसकी औरत नेक किस्मत वाली होगी जो शादी होते ही किस्मत को जगा देगी। या और कोई ताअल्लुकदार होगा। जिसके साथ मिलते ही किस्मत जाग पड़ेगी। किस्सा को तब शनिव्यर का कभी बुरा असर न होगा। बल्कि शनिव्यर नेक असर ही देगा। अर्थात शनिव्यर की पैदा करदा बीमारियां मौते या दौलत उदासी और तबाही कभी खानदान में न होगी क्योंकि वाले खुद ही काफ़ी राहा ख़ाहा करें तो तुम किन मगर कुदरत की तरफ से कोई खास मुसीबत न होगी। दूसरे आदमियों पर मौत की तरह छाया रहेगा। और चींटी की तरह पीछे-पीछे चलता होगा। लेकिन अगर कभी मकाबला हो पड़े और सताया जाए तो बेशक स्मला कर देगा।

चार कोना मकानहिफाजत उत्तम फल देगा।

पानी की बजाए दूध से पले हुए दरख्त की तरह उत्तम किस्मत का मालिक होगा। अफसर सरकार से खास नफा पावे। सरकारी मुलाजमत जरूर पाते और मंगल का नेक धन बढ़ता चले।- - दोनों नः 10 चन्द्र नः 4

खाना नः 12

असर दोनों दे अपनी अपना - नेक भला और उमदा जो
राहु बुरा न देवे होगा- नहीं केतु बुध मंदा हो

दोनों ही ग्रहों का उमदा और उत्तम असर होगा। और अब बुध और राहु केतु भी भले ही अन्तर के होंगे।

मन्दी हालत

धन दौलत और परिवार दोनों उजड़े। जहमत बीमारी आम होवे। बीमारी जब कभी होगी सख्त होगी। और ऐसा मालूम होगा कि अब मरा अब मरा लेकिन उम्र लम्बी होगी जो कम से कम 90 साल से कम न होगी। यह भी हो सकता है कि हाका जाहिरा के हलया (शनि की पोशीदा ताकत का नतीजा) सिर्फ ऐतबारी ढंग पर साहूकारा या मुताअल्लका दुनिया में लेन देन करने से ऐसा शख्स रुपया पैसे के मोटे - मोटे नुक्सान देवे।

उपायः लेन देने के ताअल्लुक में किसी को भी रकम देवे उससे तहरीर पर्चा जरूर करा लेवे रकम वापिस वसूली पर बेशक जो चाहे छोड़ देवे मन्दी सेहत के ताअल्लुक में मंगल बद और मन्दे शनिव्यर के हालों में दिया हुआ उपाय कारामद होगा।

घोड़ी जब बच्चा देवे तो उसका पहली ही दफा का दूध जो उसके (घोड़ी के) बच्चे ने अभी पीना शुरु न किया हो निकाल कर शीशे के बर्तन में कायम रखे तो धन दौलत की बरकत भी होगी और हाका के वाकयात या गैरी धोखा बाजी से बचाव भी होता रहेगा। मगर फिर भी बचकर ही चलना अक्लमन्दी होगी।

खाना नः 1 जब देवे में बुध मन्दा हो काग रेखा का मन्दा फल होगा जो शनिव्यर की मियाद (36 या 39) तक रिश्तेदारों और खुद देवे वाले का अपना सब कुछ (धन दौलत मर्द औरत) उड़ा दे या उजाड़ देवे। शनिव्यर का बुरा असर ही होता रहे। खून की मुताअल्लका बीमारियां तंग करें। औरत की इश्कबाजी खराबी का बहाना होगी। या स्याह आंख वाली शनिव्यर की गोल गहरी या सांप की आंखों से मिलती हुई आंखों की मालिक औरत की मार्फत सब माया दौलत बरबाद होती रहे। या वो किसी न किसी तरह ख्वाह खुफिया ख्वाह जाहिरा बरबाद करती रहे।

भूरी आंख वाली औरत मददगार होगी औरत जात ख्वाह अपनी ख्वाह पराई माशूक या बेवा अपनी खूबसूरती या निर्धनी और अकलापन की वजह से ऐसे बड़े वाले की साथिन (ताल्लुकदार) तो जरूर करती है मगर नतीजा मन्दा ही हुआ करता है। इस लिए चन्द्र का उपाय, माता का हुक्म या दुनियावी (ख्वाह, माता ख्वाह दुनिया के दूसरे लोगों का सलाह मशविरा मददगार होगा।)

खाना नः 2

रात या पक्की शाम के वक्त धर्मस्थान में माता या ससुर के साथ जाना अचानक हादसा या बेहद नुक्सान का बहाना खड़ा कर देना। मगर दिन के वक्त कोई वहम नहीं होगा। - - - चन्द्र राहु नः 12

खाना नः 3 अपने ही भाई बन्द मुखालफत करे औरत के भाई बन्दों से जहर के वाकयात हो गृहस्थ बरबाद धन गुम चचा (शनिव्यर) या छोटा भाई (मंगल के साथ शनिव्यर) बालबच्चों अलऔलाद से दुखिया या त्यक्त भी हो सकता है।

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

खाना नः 4 मन्दी हालत में होनों ही ग्रहों का जुदा जुदा फल होगा मौत तक पूरी हालत और हाजरात में गिनते है।

खाना नः 5 बृहस्पति गुरु औलाद या केतु का उपचार 42 खाना ग्रह के साथ नजदीक होगा। (मंगल शनिच्चर न 5 केतु नः 1)

खाना नः 6 नेकी फरामोश, खुदगर्ज इन्सान होगा पेट में तकलीफ जिनके लिए धर्म स्थान में मंगल की अशिआ (चीनी या मीठे भोजन या खाने पीने की मीठी चीजें) देने से मदद होगी।

खाना नः 7 बुढ़ापे में नजर बिनाई हलकी सी मन्दी होने की निशानी है मगर अंधा नहीं होगा। चरायता के इस्तेमाल से दिमागी खराबियों में मदद मिलेगी।

खाना नः 8 दोनों ग्रह मारक स्थान, मुर्दाघाट मन्दा चूल्हा या मन्दी आग जलाने के मालिक होंगे। तीन कोना या बाकी बचने वाले मकान की किस्मत का मन्दा हाल होगा। मौतें मातम तमाम बदियां तकलीफें दरपेश होंगी। शमशान के अंदर के कुंए का पानी अपने घर में लाकर कायम रखना मददगार होगा।

खाना नः 9 जब बुध का साथ या ताल्लुक हो जावे सबसे मन्दी काग रेखा होगी। (मन्दा जमाना)

खाना नः 11

चोरी ठगी हो गुरु का पेशा - असर मन्दे सब देता जो
माकूल कमाई कर्जा होगा- वरना पिता खुद जलता हो

खाना नः 11 दरअसल बृहस्पति का है जिसमें शनिच्चर भी हिस्सेदार है और खुद मंगल का शेर भी गुरु बृहस्पत की जंजीर में जकड़ा हुआ होता है। माकूल आमदन होते हुए भी कर्जाई होगा। बाप की चीजों के एवज में तमाम खुद पैदा करदा चीजें कायम होने पर बजरिए बृहस्पत किस्मत जागेगी। चोरों का फंसाने वाले धर्मात्मा साधु की तरह बृहस्पत अब दोनों ही ग्रहों (मंगल शनिच्चर) का फल बरबाद करता जाएगा।

मंगल राहु

Free by

हाथी घोड़ा न शरारत करता - लेख जाती को उभारता हो
बैठे घरों कोई जिस दम मन्दा - खेशों अकारब मारता हो
ऊंच उतम जब कोई दो बैठा - राजा सवारी होता हो
शान राजा और दौलत उमदा - साथ हकूमत पाता हो

मंगल रोटी पानी तो राहु चूलहा या मंगल महावत तो राहु हाथी होगा दरअसल मंगल के साथ राहु हो तो राहु का फल जुदा हुआ ही नहीं करता। या राहु बदास्त (न ही हो या सिफर) होगा। या हाथी का महावत पूरी और मुकम्मल हाथी की सवारी होगी अब राहु शरारत नहीं कर सकता।

नेक हालत

दोनों ऐसे घरों में हो जहां कि राहु ऊंच हो (खाना नः 3,6) या राहु का असर दूसरे आम साधारण असूलों दृष्टि वगैरा के ढ़ग पर (जिस जगह चूल्हा वगैरा खाना पकाएं वहीं खाए राहु शरारत न करेगा। व चुपचाप नेक हाथी जो केतु या असर देवे, शाही सवारी का हाथी उमदा राजा की गिनती का आदमी)
दूसरे ग्रहों की मदद वगैरा हो जाने की वजह से उतम हो रहा हो तो राजा के हाथी की सवारी या वह शख्स खुद मानिन्द राजा होगा।

मन्दी हालत

दोनों ऐसे घरों में बैठे हो जहां कि दोनों में किसी एक का फल आम साधारण हालत के हिसाब हो मन्दा बुरा या बरबाद हो तो जिस पर लहसुन का निशान, राजा के बगैर महावत बिगड़ा हुआ या मन्दा हाथी होगा। जो अपनी ही फौज को मारता होगा।

उपायः अगर रोटी पकाने और रोटी खाने की जगह एक ही हो यानि जहां रोटी पकाई जाती हो उसी जगह में ही रोटी खाई जाया करे तो राहु का मंदा असर गुम ही रहा करेगा।

खाना नः 10 पेशाब, औलाद या केतु की मन्दी हालत होगी। जिसके वक्त मिट्टी का बर्तन राहु की अशिआ (जौ, अनाज या सरसों) से भरकर चलते पानी में बहाने से मदद होगी। जब मंगल राहु - 10 केतु -4, सूर्य -6 में हो
नोट बाकी घर अपना अपना फल देंगे

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

मंगल केतु
(शेर की नस्ल का कुत्ता)

मंगल नेकी में दो गुना उमदा - शनि शुक्र जब मिलता हो
वरना मंगल बद किस्मत बनता - शेर कुत्ता हो लड़ता हो

औरत के टेवे में मंगल केतु मुश्तरका के वक्त औरत का महावारी उस दिन अमूमतन (बालिगपन) 14 साला उम्र से शुरू होगा। और 45 साला उम्र तक जारी रहेगा। जो पैदाइश औलाद में मदद होगा।

जब टेवे में शनिच्यर और शुक्र बहम मिलते हो तो मंगल केतु मुश्तरका से मुराद होगी कि मंगल दोगुना नेक है। वरना मंगल केतु (जब मंगल बद या मंगलीक मन्दा मंगल हो) बहैसियत पितृऋण में केतु (कुत्ता, मुसाफिर, लड़का)

मंगल बद (कब्रिस्तान) होगा और गोली या जहर से मारा हुआ आगवा शुदा वजह होगी। इलाज केतु का चन्द्र से होगा सात किस्म के फल सात किस्म के जानवरों के दूध से ढंकर जद्दी मरघट (श्मशान) या कब्रिस्तान या वीरान में ब्याहे। वरना 25 साल उम्र से 48 साल उम्र तक खरजा (हाथ पांव खुद बरबाद हिलते रहना थूला बीमारी) तपेदिक कोढ़ के वाकयात से नर या मर्दों की मौतें होंगी। दूध के प्रकार चन्द्र (घोड़ी; बृहस्पत (धर्मस्थान का पानी या शेरनी का दूध) मुरज (बन्दर या पहाड़ी गाय या पूरी काफिला गाय) वह गाय जिसके जिस्म का रंग और पिता का रंग दोनों ही पूरे स्याह हो या ऐसी औरत जिसकी लड़कियां ही लड़कियां पैदा हुई हो, मंगल बद (ऊंटनी) शनिच्यर (भैंस) बुध (बकरी भेड़) शुक्र आम गाय या आम औरत राहु (बिल्ली, हाथिनी) या मंगल जव्वा केतु (कुतिया सुअरनी गधी)

खासकर जब चन्द्र शनिच्यर मुश्तराक से नीच केतु हो

जब दो केतु मुश्तरका हो (एक तो असल केतु दूसरा मसनूई केतु ऊंच हालत यानि शुक्र शनि मुश्तरका एक असल केतु दूसरा मसनूई केतु नीच हालत यानि चन्द्र शनि मुश्तरका हो)

तो मंगल दो गुना नेक होगा। लेकिन अगर मंगल बद भी हो तो भी उस मंगल बद की दुगुना मंदा करने की ताकत को भी बरबाद करने उसे नेक भी कर देंगे।

टेवे में जब मंगल केतु इकट्ठे हो शुक्र शनिच्यर भी गालबन मुश्तरका होंगे। ऐसी हालत में मंगल जरूर ही दोगुना नेक होगा।

नेक हालत

लड़के 24 साल पैदा होते रहे।

खाना नः 2 हुक्मरान आसूदा हाल दोनों ग्रहों का जुदा जुदा और उत्तम फल होगा।

खाना नः 9

साल अठ्ठाईस हालत बदले - नेक तरफ ब्याह मंदा हो
पाप हटे हो कुनबा जिसके - उच्च उत्तम छह इसका हो

केतु का फल अब उत्तम होगा। बशर्ते की मकान की बुनियाद वाला उपाया हो चुका हो यानि कि जद्दी मकान की बुनियाद के नीचे बारिश का पानी या शहद खालिस चांदी के बर्तन में डालकर दबाना मददगार होगा। केतु का उपाय भी उत्तम होगा।

खाना नः 10

मन्दी हालत

मंगल शेर केतु-कुत्ते शेर कुत्ते की लड़ाई या मंगल केतु के बाहम झगड़े में यानि जब केतु खुद मंगल के असर को जाहिरा बुरा या पोशीदा खराब कर रहा हो या जब मंगल बद का असर हो रहा हो दो कुत्तों की पालना या दो कुत्ते स्याह व सफेद नर व मादा इकट्ठे रखना मुबारिक फल पैदा करेगा।

खाना नः 4-6

मकान पे अपने शेर हो कुत्ता - शेर गारों में छुपता हो
मिलता मिलाया असर। दोनों - मन्दा बुरा ही होता हो

दोनों ही का बुरा असर होवे या दोनों ही छह हर तरह से मन्दे और नाश होंगे। और नाश करेंगे।

खाना नः 8 वही मन्दा असर जो मंगल बद खाना नः 4 केतु नः 8 और मंगल केतु मुश्तरका नः 4 में दिया है।

खाना नः 10

28 दोनों 45 मन्दे - केतु भला न रहता हो
गुरु बैठा हो जैसे टेवे - फैसला ग्यारह होता हो

28 साला उम्र के बाद हालात बुरे होंगे मंगल बद होगा जो 45 साला उम्र तक बरबाद करेगा। औलाद (केतु) नदारद या तबाह होगी।

चन्द्र की अशिआ (गंगा जल कौरा) का उपाय भी मददगार होगा।

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

केतु घर दसवें का शर्की - कुत्ता लड़के मन्दे
मंगल भी स्वाह दसवें बैठा - फिर भी दोनों मन्दे
अब उपाय केतु होगा - या चन्द्र का पानी
मकान मकाना नीचे देवे - दूध शहद वह प्राणी

खाना नः 11 दोनों का वही फल होगा जो मंगल अकेले का खाना नः 10 में दिया हुआ है। बशर्ते कि मंगल बद न रहा हो
नोट : बाकी घर अपना अपना फल होगा।

बुध शनिच्चर
जायदाद मनकूला, आम का दरख्त

उड़ता सांप या बाज परिन्दा - नजर चाल की होती हो
जहर खूनी गो दो गरां होता - अमीरी हिस्सा खुद जाती हो
बुध हकीमी शीश वाले - साथ शनि जब उत्तम हो
शुक्र रवि का तपेदिक तोड़े - अनाज व्यापारी उमदा हो।

दोनों 79/40 साला उम्र तक मुश्तरका होंगे। मुश्तरका निस्बत में बुध 4 हिस्से तो शनि 5 हिस्से होगा।

नेक हालत

औलाद पर कभी बुरा असर न होगा। बल्कि 24 साला लड़कों की पैदाइश होगी। 42 साल दुश्मनों से बचाव। बाल्दैन का सुख सागर लम्बा और नेक होगा। खुद भी वो नेक किस्मत का मालिक और हमदर्द होगा। दूसरों के लिए एक सांप (शनिच्चर) और दूसरे उड़ने वाला (बुध) परिन्दा होगा। जिसकी चाल की नजर (शनिच्चर) होगी। हाथ पर जौ का निशान मुबारिक असर देगा।

खाना नः 2, 12 उसका लोहा और पत्थर (शनिच्चर) की अशिआ कारोबार या रिश्तेदार मुतअल्लका शनिच्चर कीमती हीरे का काम देवें। अगर जहर को हाथ लगा देवे वो भी अमृत कुंड मारने की बजाए तारने लगें। ऐसा आदमी उमदा सेहत हमदर्द और नेक किस्मत होगा। बाल्दैन नेक और उनका (बाल्दैन का) मेल जोल नेक होगा। और टेवे वाले के लिए इनका सुख सागर लम्बा अरसा और नेक होगा।
1. शरारी कयाफा जवान हो तो सांप की ताकत या औरत को उड़ा लेवे। और शनिच्चर का जादू भर देवे।
2. उड़ता सांप नेक मायनी ससुराल के लिए फिर भी मन्दा ही। शनिच्चर के साथ बुध मानिन्द कली होगा।

Free by Astrostudents

खाना नः 4 बुध का फल कभी बुरा न होगा। स्वाह चन्द्र किसी तरह भी दोनों के साथ शामिल हो जावे।

खाना नः 7 धनाढ्य और सुखिया होगा।

खाना नः 11 अगर राहु केतु के दाएं बाएं होने के असूल पर शनिच्चर का स्वभाव नेक होवे और खाना नः 3 की दृष्टि से भी शनिच्चर पर कोई मन्दा असर न हो तो ऐसा शख्स गांव का रईस और सुख पाने वाला होगा। 45 साला दौलत नसीब हो।
नोटः बाकी घर अपना अपना फल होगा।

मन्दी हालत

खाना नः 2, 12
बुध शनि नः 2 बुध के मन्दे असर के वक्त पिता की मौत शनि की अशिआ मशीन मोटर लारी जहर व शराब वगैरा से होगी या शनि की अशिआ कारोबार मुतअल्लका शनि भी बाप के लिए खराबी या मौत तक के मन्दे असर के साबित होगे। कुत्ते का काटना भी जहर होगा

खाना नः 4 खूनी होगा। अब चन्द्र का फल बुरा होगा। दूसरों के लिए ऐसा शख्स खूनी सांप की तरह बुरा असर देगा।

खाना नः 7 शरारी कयाफी नेकी फरामोश होगा।

खाना नः 9 बुध उम्र तक काग की रेखा बाद शनि फल देता हो असर मंदा
औलाद न होगा शनि भला ही फल देता हो
बुध की (34 साला) उम्र तक काग रेखा (मन्दा जमाना) हो और उसके बाद शनि का खाना नः 9 का दिया हुआ उमदा और नेक फल होगा।

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

खाना नः 11

पाप स्वभाव जो शनि उमदा - या घर तीसरा खाली हो
जमीन जमीनां गाव होता - वरना शनि फल हो जाती हो

अगर खाना नः 3 शनिच्चर को मन्दा कर रहा हो तो शनिच्चर का जाती फैसला किस्मत का फैसला होगा।
नोटः बाकी घर अपना अपना फल होगा।

बुध राहु

तिलियर (परिन्दा) जो बड़ (चन्द्र बृहस्पत) के दरख्त पर आम होता है और उसके (बड़ के दरख्त चन्द्र बृहस्पत) फल बरबाद करता रहता है।

हाथी जिस्म जब राहु होता - सूंड हिस्सा बुध बनता हो
दोनों जगी कोई बैठा मन्दा - असर मुबारिक दो का हो
घर पहले ता छेवे उमदा - बाकी घरों या मन्दा हो
दोनों दूजे 9वें 11वें 12वे - असर गुरु न उमदा हो
2,3 या 5 छेवें बैठे - उमदा असर बुध देता हो
घर सातवें दसवें ग्यारहवें आते - जहर राहु का बढ़ता हो

दोनों मुश्तरका कुंडली के खाना नः 2, 3, 5, 6 में हो तो अपने लिए मददगार जवान की तरह मुबारिक और उतम (राहु के साथ बुध हाथी का सूंड होगा। बुध परिन्दों में उड़ने वाला सफेद हाथी बुध राहु जब दोनों इकट्ठे या दोनों में से हर एक अलग - अलग मन्दे घरों में हो मसलन (बुध 3,8,9,12) राहु (5,1,7,8,11) जेलखाना, पागलखाना, हस्पताल वीराना कब्रिस्तान होगा। चन्द्रकी अशिआ शमशान या कब्रिस्तान में देना मुबारिक या शमशान के कुएं का पानी घर में लाकर रखना मददगार। सिवाय खाना नः 4 जिसमें बुध सिफर या खुदकशी तक नौबत मगर दौलत के लिए राजयोग होगा) दूसरों के लिए भी फायदामन्द असर के होंगे। खाना नः 7 10,11 में हो अपने लिए मददगार बाज की तरह मुबारिक और उतम मगर दूसरों के लिए अहमक बेवकूफ दोस्त, की तरह बहुत मन्दे।

खाना नः 1,4,8,9 में हो तो अपने लिए मन्दे मगर दूसरों पर कोई बुरा असर न होगा।

खाना नः 12 में हो तो खुद अपने और दूसरों के लिए निहायत मन्दे असर के होगें। बृहस्पत के ताअल्लुक से न सिर्फ बुध राहु बल्कि बुध राहु बृहस्पत तीनों ही का फल मन्दा होगा। दोनों ग्रहों में से प्रबल कौन है इसका फैसला टेवे वाले की गुफ्तार (बोलने की आवाज और ढंग) पर होगा। दरअसल दोनों मुश्तरका के -:

1. कुंडली के पहले घरों (1 ता 6) में टेवे वाले के लिए अक्सर उतम फल के ही होगे।
2. कुंडली के बाद के घरों (7 ता 12) में दोनों ग्रहों का ही मन्दा फल होगा। और केतु पीछे से बुरा असर दे रहा होगा।

सिवाय खाना नः 11 के वक्त जिस पर केतु का खाना नः 5 से कोई असर न मिल सकेगा। मगर खाना नः 12 में मुश्तरका का होने के वक्त बुध की जहर इतनी बढ़ी होगी कि बुध कि बकरी से राहु का हाथी जान बचाने के लिए चीखे मार कर भागता होगा। यानि राहु की अशिआ कारोबार या रिश्तेदार मुताअल्लका राहु (ससुराल नाना नानी वगैरा) सब उजड़े बरबाद वरना दुःख भरी आहों के मन्दे राग, पागलों की तरह या जेलखानों में बन्द कैदियों की तरह ऊंची आवाज पुकारते होंगे।

नेक हालत

राहु हाथी के जिस्म और बुध उसके सूंड की तरह मददगार होने की तरह दोनों ग्रहों का खुद टेवे वाले के लिए उतम फल होगा।

मन्दी हालत

दोनों मुश्तराक या दृष्टि से बाहम मिले होने के वक्त जब दोनों खाना नः 7 ता 12 सिवाय खाना नः 11 के हो तो मौत गूंजती होगी। जानवरों खासकर छोटे, छोटे या मामूली परिन्दों (टटिहरी का खासकर जो रात को टांगे उपर को करके सोती है) के शिकार करने से दोनों ग्रहों का फल मन्दा हो जाने की पहली निशानी होगी। या दोनों ग्रहो में से किसी एक ग्रह का फल मन्दा होगा। अब मुश्तरका हालत में ऐसे घरों में बैठे होने के वक्त दोनों ही का फल टेवे वाले के लिए उमदा और नेक होगा। मगर बुध और राहु के मुताअल्लका रिश्तेदार (बहिन, भुआ, फूफी, मासी, लड़की) बुध से मुताअल्लका (ससुराल नाना नानी राहु से मुताअल्लका) मन्दे हाल और बरबाद होगें। जवान का तेंदवा या आंखो का टेढ़ापन या एक आंख छोटी दूसरी बड़ी मगर बरबाद वगैरा भी हो सकता है खासकर जब दोनों बृहस्पत के घरें 2,5,9,11,12 में हो या बृहस्पत का टकराव आ जावे।

खाना नः 1 औलाद के विघ्न होगें।

खाना नः 3 34 साला उम्र तक बुध और केतु दोनों ही का फल अक्सर मंदा ही होगा। बहिन जो अनीर होगी मगर जल्द बेवा होने की निशानी लेगे जो जरुरी नहीं कि बेवा ही हो जावे।

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

खाना नः 1,8,9,11,12

आठ पहले नौ चौथे होते - मौत धुआं निकलता हो
लेख मन्दा जब 12 बैठे - पकड़ हाथी पाव गंडता हो
औलाद लानत - घर पहले होती आकाश गुंजायमान करती हो
घर तीसरे ग्यारवें बहिन अमीरी - जल्दी बेवा दुःख भोगती हो

खाना नः 11 बहिन जो अमीर मगर शादी के बाद 7 दिन माह या साल के अन्दर - अन्दर जल्द बेवा या तलाकशुदा या खाविन्द से नाचाकी की बदमजगी होगी।
जिसका उपाय मगरबी दीवार से खिड़की बन्द करना या बकाल शादी मगरबी (पश्चिमी) दीवार से आग का बन्द करना यानि लड़की के खानदान में अगर जड़दी मकान के पश्चिमी हिस्सा में (मकान की छत पर बैठ कर पूर्व को मुंह करते हुए) रसोईखाना हो तो वो लड़की की शादी से पहले पहले हमेशा के लिए बन्द कर दें। ऐसा ही अगर मकान के पश्चिमी भाग में और किसी किस्म की आग कायम रहने का स्थान हो वो भी हमेशा के लिए वहां से बदल कर किसी और जगह कर दें।

खाना नः 12 खूद और सगुराल का दुःख निवारण करने के लिए कच्ची मिट्टी की सौ-सौ गोलियां बना लेवें और एक गोली हर रोज दिन के वक्त लगातार सौ दिन तक अपने धर्म स्थान में पहुंचाते जावें ये जरूरी नहीं कि हर रोज सौ दिन लगातार एक ही धर्म स्थान में जाया जावे। हर रोज या जब भी मर्जी धर्म स्थान बदल देवें। मगर नागा न होने पावे।

बुध केतु

बिर्री (यह एक जानवर है जिससे हाथी डर कर भाग जाता है)

मौत नहीं तो गर्दिश होगी - भला कोई न होता हो
हड़काए कुत्ते दुम होगी मन्दी - एक दूजे से बढ़ता हो

1. अकेला केतु नः 4 धनात्मा मगर बुध के साथ हो तो न सिर्फ बुध बरबाद केतु व चन्द्र की अभिज्ञा औलाद और माता की उम्र बरबाद- अगर औलाद माता जिन्दा तो माता व औलाद के हाथों से धन दौलत बरबाद बल्कि बुध बरबाद ही होगा। मगर धन के लिए राजयोग ही होगा। समुन्द्री या खुश्की का सफर मन्दे नतीजे होंगे।
2. जब मंगल नः 12 हो तो बुध व केतु का नः 1, 8 पर कभी बुरा असर न होगा। ख्वाह वो कैसे ही और किसी तरह (जुदा जुदा या मुश्तरका) बैठे हों।
3. मंगल का उपाय मददगार होगा। खासकर जब बुध की उम्र 17 साला में बहिन के लड़के बरबाद होने लगें। नः 3,4,8 में से किसी एक में शुक्र बाकी में बुध केतु तो बेवा मर्द व अपना ही कबीला बरबाद करे। बुध केतु की मन्दी हालत के वक्त चन्द्र का उपाय मददगार होगा। बुध अब कुत्ते की दुम होगा।
दोनों मुश्तरका या बजरिए दृष्टि बाहम मिले हुए होने के वक्त बुध अपना वही फल देगा जो कि बुध घर का होने के वक्त हुआ करता है। मगर केतु का वह फल होगा जो कि केतु नीच होने के वक्त गिना गया है।
हड़काए कुत्ते की दुम की तरह बुध (दुम) अब केतु (कुत्ता) को बरबाद करेगा। अगर बुध किसी हालत में नेक फल दे भी देवे तो भी केतु का फल तो हर हालत में मंद ही हो जाएगा। अगर मौत नहीं तो गर्दिश कि दिन तो जरूर होंगे। मंगल का उपाय मददगार होगा।

नेक हालत

खाना नः 6

साथ दृष्टि खाली होते - बाहम दोनों नहीं लड़ता हो
असर दृष्टि मन्दा लेते - झगड़ा दोनों का होता हो
केतु की चीजों पे केतु मन्दा - पर मन्दा दूसरों पर
बुध मगर जब मन्दा होगा - खुद मन्दा बुरा दूसरों पर

गो बाहम दुश्मन बने लेकिन अब दोनों ही का कोई झगड़ा न होगा और नेक फल देंगे। जब तक खाना नः 2 की दृष्टि के जरिए दोनों में से कोई भी मन्दा बरबाद न होवे।

मन्दी हालत

खाना नः 2

साथ दृष्टि खाली होती - असर दोनों का उम्दा हो
घर 12 न शत्रु बैठे - लेख शाही खुद राजा हो

एक अच्छा तो दूसरा मन्दा होगा। दरअसल कुत्ते (केतु) की जान सिर (बुध) में होगी।
बहिन और मामू बरबाद लगड़े या केतु की बीमारियों में दुखिया होंगे। नाने की टांग या पांव हमेशा के लिए निकम्मा होवे (चन्द्र राहु नः 8)

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

खाना नः 3, 11.
दोनों ही मन्दे बरबाद फल के होंगे।

खाना नः 5 टेवे वाले की 17 साला उम्र में उसकी बहिन के अगर लड़का पैदा होवे तो ऐसे नर लड़के की लम्बी उम्र के ताअल्लुक के लिए दान कल्याण मुबारिक होगा।

खाना नः 6 अगर नः 2 की दृष्टि के जरिए दोनों में से अगर केतु मन्दा होवे तो सिर्फ केतु की चीजों पर मन्दा असर होगा। लेकिन अगर बुध मन्दा होवे तो न सिर्फ बुध की चीजों का फल मन्दा होगा बल्कि ऐसा शख्स दूसरों पर मन्दा ही साबित होगा।

खाना नः 12 बुध की 17,34 साल उम्र के केतु के मुतअल्लिकका जिस्मानी हिस्से (टांग, पेशाबगाह, कमर,पांव, रीढ़ की हड्डी वगैरा) बरबाद या मन्दे होंगे। बुध और केतु दोनों ही ग्रह बरबाद होंगे।

बुध नः 12 में दिया हुआ उपाय मददगार होगा।

शनिच्चर राहु
(मौत और बिजली कायम, सांप की मणि)

पापी शनि जब उम्र फरिश्ता - राहु हाथी उस बनता हो
नाग उम्र तक अपनी मन्दा - इच्छाधारी फिर होता हो
तरफ पली जो दृष्टि खाली - पद्म पोशीदा राजा हो
निशान लहसुन हो हालत उल्टी - साथ फकीरी देता जो
सेहत दौलत का मालिक राजा - पद्मवारों पहले होता हो (पदम)
घर पांच ता जब आठवें बैठा - राजाशाही का बनता हो
योगी गिना घर बैठे बाकी - गृहस्थी मगर जब बनता हो
लेख हालत हो रंग विरंगी - साधु राजा दो मिलता हो
लहसुन गिना जो ग्रहण निशानी - असर मन्दा ही देता हो
अल्पायु शान बर्जुगी - नष्ट जमाने करता हो
नाभि उपर हो आदमी - दौलत नीचे से जलता हो
लेख फकीरी अक्सर पावे - सेहत मन्दी ही रखता हो

Free by LalKitab

खाना वार असर

भरी कर्बाला पहले गिनते - शाही दौलत जर पाता हो
इच्छाधारी 2,12 लेते - नाग जमाना मारता हो
मौत फंदा घर आठवें होते - तारता
शनि राहु घर 12 बैठे - सूरज औलाद का मन्दा हो
गरीब घराना औरत गिनते - मर्द सुखी न होता हो

शनिच्चर सांप तो राहु उसके सिर में रहने वाली मणि (शनिच्चर सांप की जहर चूसने वाला मनका) होगी। शनिच्चर लोहा तो राहु चमक पत्थर या शनिच्चर मौत का यम तो राहु उसकी सवारी का हाथी होगा।

दोनों मुश्तरका इच्छाधारी सांप होगा यानि ऐसा सांप जो खजाने का मालिक गिना गया है मगर वह जहरीला न होगा और हर एक की मदद करे और खुद वह सांप अपनी मर्जी पर जब चाहे मरे मगर किसी के मारने से न मरेगा। हाथ पर सांप का निशान या जिस्म पर पद्म का निशान होगा।

1. स्याह काला निशान जो अंगूठे के निशान से भी बड़ा हो
2. खाना नः 1 ता 4
3. खाना नः 5 ता 8
4. खाना नः 2 यानि हाथ पर
5. खाना नः 12 साँप का निशान

मामूली सा स्याह निशान मगर खाल या तिल से कुछ ज्यादा बड़ा हो तो राहु मामूली हैसियत का होगा। अगर दरम्याना स्याह निशाना यानि कि जो अंगूठे के नीचे दब राके वह पद्म होगा। और अगर उस से भी बड़ा हो तो लहसुन या ग्रहों को ग्रहण का निशान होगा। (मन्दा जमाना)

नेक हालत

जिस्म पर पद्म हो दाईं तरफ मगर रहे हर दम पोशीदा तो मुबारिक असर देगा। यानि जब राहु शनिच्चर मुश्तरका को कोई भी ग्रह (स्याह

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

उनका दोस्त ख्वाह उनका दुश्मन) न देखना हो और न ही उनके साथ हो और वह दोनों खाना नः 6 में हो तो दाएं तरफ गिने जाएंगे। पद्म कुंडली में खान नः 1 ता 4 तक हो तो मानिन्द राजा बड़ा ही साहिब कमाल होगा। 5 ता 8 तक हो तो महाराजा 9 ता 12तक हो तो योगी।
बाईं तरफ (कुंडली के खाना न 7 ता 12 में शनिच्चर राहु मुश्तरका) पद्म कोई मुबारिक फल न देगा।

खाना नः 2 बाए हाथ पर शेषनाग का निशान शनिच्चर अब इच्छाधारी का तारने वाले साप की तरह मदद करने वाला होगा।
अब दोनों ग्रहों का शनिच्चर का खासकर ससुराल पर कोई बुरा असर न होगा।
माता की उम्र अच्छी सेहत (जबतक वह जिंदा बैठी हो) और दिल की शांति के लिए दरिया में चावल बहाना मददगार होगा और धन दौलत बढ़ाना होगा। (शनि राहु नः 3 चन्द्र नः 11)

खाना नः 9 [illegible] मुबारिक [illegible] और [illegible] बढ़ाना होगा

खाना नः 12 दाएं हाथ पर शेषनाग - उतम और मददगार सांप का निशान हो दिमागी खाना नः 12 राजदारी फरेब पोशीदा अपना भेद छुपाए हर काम चालाकी से करता रहने वाला होगा
नोट : बाकी घर अपना अपना फल देंगे।

मन्दी हालत

जिस्म पर लहसुन का निशान हो तो उसके तमाम ग्रहों को ग्रहण होगा। अव्वल तो उम्र कम होगी लेकिन अगर उम्र लम्बी हो तो बुर्जगों की सब दौलत और शान को सूरज के ग्रहण की तरह बरबाद कर देगा। बहरहाल यह सब 39 साला उम्र तक मन्दा असर होगा। अगर लहसुन नाभि धुर्री के दरम्यान की तरफ से उपर सिर की तरफ को हो तो आदमियों को बरबाद करे और अगर नाभि से नीचे पांव की तरफ होवे धन दौलत बरबाद करे। हर दो हाल में टेवे वाले के लिए मन्दी सेहत और गरीबी का साथ होगा।

उपायः मन्दे राहु और मन्दे शनि के हालों में दिया हुआ उपाय मददगार होगा।
1. रात (शनिच्चर का वक्त) 2. या पक्की शाम (राहु का वक्त) 3. या शनिच्चर का दिन (शनिच्चर का [illegible]) 4. वीरवार की पक्की शाम (राहु का ताल्लुक) के वक्त बादाम (शनिच्चर) नारियल (राहु) का आग में जलाना भूनना या तलना राहु शनिच्चर दोनों के मन्दे फल देगा। खासकर कड़ाही में रखकर आग में जलाना या भूनना तो निहायत मन्दा असर देगा।

खाना नः 7 ऐसे प्राणी का गृहस्थ हर तरह से बरबाद होगा। ख्वाह शनिच्चर नः 7 की मेहरबानी से खुद वह कितना ही होशियार क्यों न हो अगर खुद शुक्र भी मन्दा या मन्दे घरों (खाना नः 8,9 या चार) में हो तो 27 साल (शादी के दिन से शुरू करके औरत का फल) औलाद नरीना या औरत का सुख मन्दा ही होगा।

खाना नः 9 बर्जुगी घर में अगर कंजरियों फाहशा औरतों का तबेला कायम हो जावे तो दृहस्पत (सांस, सोना पिता) बरबाद दमा वगैरा होगा।
शराब खोरी से परहेज मुबारिक होगा।
नोट बाकी घर अपना अपना फल होगा।
(स्याह निशान जो अंगूठे के नीचे आ जावे पद्म होगा और जो स्याह निशान अंगूठे के नीचे आने से बड़ा हो वह लहसुन का निशान होगा)

शनिच्चर केतु

उतम मुबारिक दोनों इकट्ठे - लेख शनि पर चलता हो
निस्फ उम्र जब उसकी गुजरे - फैसला किस्मत करता हो
ग्रह तीजे जब हो कोई साथी - असर तीनों न उमदा हो
मन्दा हुआ हर दो से कोई - केतु जिस्म दो मन्दा हो

ऐसा शख्स नर औलाद पैदा करने के ताअल्लुक में बहुत ज्यादा होगा। या ऐसा शख्स नर औलाद की पैदाइश में बहुत ज्यादा तादादका मालिक होगा।
दोनों इकट्ठे मुबारिक मगर किस्मत का फैसला निस्फ उम्र गुजराने पर होगा। (शनिच्चर के साथ केतु नेकी का फरिश्ता होगा, टेवे वाले की) जब जब कोई तीसरा ग्रह मिला तीनों ही का फल मन्दा होगा। दोनों मुश्तरका इस्तकालाल होगा। और उनका सबूत किसी ऐसे जानवर मवेशी के आ मिलने होगा जो कि माथे से सफेद मगर उसके बाकी सब जिस्म में कोई और ही रंग होगा
ऐसे टेवे वाले के लिए दरअसल मवेशी वही मुबारिक हो जो सिर्फ एक रंग का होवे। दो रंगे में शरारत का झगड़ा छुपा हुआ करता है। खासकर माथे सफेद वाले में मगर घोड़ा इस वहम से बरी होगा।

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

नेक हालत

खाना नः 6

उर्ध्व रेखा जब पीठ पे पाता - उम्र 70 तक चलती हो
अगर दोनों का हरदम उमदा - गुजरान भली सब होती है

पीठ में उर्ध्व रेखा (पीठ पर गर्दन से शुरु कर के नीचे टट्टी की जगह तक एक लम्बी सी लकीर हो जो पीठ को दो हिस्सों में तकसीम करती हुई मालूम हो) उम्र 70 साल से कम न होगी।

खाना नः 8

मौत नक्कारा है चन्द गिनते - नजर रहम खुद करता हो
जुदा-जुदा गो ख्वाह लाखों मन्दे - मिलते असर दो उमदा हो

जुदा जुदा जो मन्दे मगर अब दोनों उतम और मौतों से बचाव होगा।

खाना नः 9

असर मुबारिक उतम होता - भारी कर्बाला पाता हो
धन दौलत शहाना उसका - माया सागर सुख लम्बा हो
पूरी सदी तक उतम गिनते - पोते पड़ोते देखता हो
पाप वर्जुगां हो सब फलते - मामू बुरा नहीं करता हो

निहायत मुबारिक भारी कर्बाला - धन दौलत शहाना खूब शान की उम्र और सुख सागर का अरसा लम्बा होगा।
पुश्तदर पुश्त पूरी सदी तक नेक होगा।
नोट बाकी घर अपना अपना फल देंगे।

मन्दी हालत

खाना नः 8 दिमागी खाना नः 14 तकब्बुर, खुद पसंदी का मालिक होगा। और अपने से अच्छा किसी को भी न समझता होगा। (मंगल बद से मुश्तरका)
नोट : बाकी घर अपना अपना फल होगा

Free by Astrostudy

राहु केतु
(केतु पहले राहु बाद नया सिरी माया)

केतु कुत्ता हो पापी घड़ी का - चाबी राहु जा बनता हो
चन्द्र सूरज से भेद हो खुलता -जेर शनि दो होता हो
राहु रवि 9 12 मिलते - ग्रहण सूरज का होता हो
ग्रहण चन्द्र का उस दम गिनते - केतु छटे 9 मिलता जो
पहले घरों जो देवे बैठा - चाल दो तरफी करता हो
लेख असर सब बाद को देगा- ऊंच नीच ख्वाह कैसा हो
राहु केतु जो पाप गिने है - ग्रह सब ही को छुपाते हो
गुरु अकेला दो को चलावे - धूम्रो पर वो बुध में है
सात हो 9 या मालूम चौरासी - पाप फर्क दो ही का है
उपर नीचे जगत के अन्दर - झगड़ा इन दो ही का है
पाप अगर सब दुनिया छोड़े - सात ग्रह बच जाता है
राशि 12 में सात ग्रह से नरक चौरासी करता हो

सपुर्दम बतो माए खेशरा
तू दानी हिसाबे - ए - कमो बेशरा
चार पहले 7 दसवें बैठा असर मन्दा कभी दो का हो
उपाय उतम उस ग्रह का होगा ऊंच कायम जो बैठा हो
शुक्र बैठा हो बुध से पहले - असर राहु का मन्दा हो
बुध पहले से शुक्र मिलते - केतु भला खुद होता है
पाप नः 4 में हो तो बुध शनि दोनों उमदा होंगे।
रवि शनिच्चर हो दो इकट्ठे - नीच उच्च असर राहु देता हो
चंद्र मंगल शुक्र मिलघर बैठे - नीच केतु हुआ करता हो

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

वृध सूरज उतर बैठे - केतु भन्दा और उमदा हो
सहत रेखा वृध शुक्र मिलते - ग्रहण असर न मन्दा हो
राहु मालिक है सांप के सिर का - केतु तरफ दुम होता हो
स्वभाव केतु गुप्त जाहिर करता - असर राहु खुद वृध का हो

पुराने ज्योतिष के मुताबिक राहु और केतु दो एक ही घर में कभी इकट्ठे नहीं हो सकते मगर दृष्टि के हिसाब से दोनों इकट्ठे होंगे यानि जो बाद के घरों का ग्रह हो वहां दोनों इकट्ठे गिने जाएंगे। मसलन दोनों कुंडली के खाना नं: 1,7 में बैठे हों तो दोनों को खाना नं: 7 में इकट्ठे मिलते हुए माना जाएगा। पाप नं: 4 में हो तो वृध शनि दोनों उमदा होंगे

हस्त रेखा की बुनियाद पर बनाई हुई कुंडली और पुराने ज्योतिष से लाल किताबी ढंग पर बनाई हुई वर्ग कुंडली में यह शर्त न होगी। इस तरह पर यह दोनों ग्रह एक ही घर में इकट्ठे भी हो सकते हैऔर यह भी जरूरी न होगा कि हमेशा एक दूसरे से 7 वें ही होंवे बाहम जुदा जुदा (अपने से सातवें होने के वक्त) दृष्टि की रुह से जिस घर में उनका असर जाता हो उस घर में दोनों इकट्ठे बैठे हुए समझे जाएंगे। इसी असूल पर इन दोनों मुश्तरका का बारह खानों का असर लिखा गया है बुरा शोहरत, मन्दे काम, बुरे वक्त (राहु के काम) का आगाज (आने की निशानी) वृध से मालूम होगा और नेकी का अजाम अच्छे वक्त की पहली खबर (केतु की खसलत) बृहस्पत से खुलेगा।

शारे - आम राहु केतु दोनों के बाहम मिलने की जगह है। राहु खुफिया पाप और केतु जाहिरा ही पाप होगा जब केतु पहले घरों और राहु बाद के घरों में हो तो केतु सिफर और राहु अमूमन मन्दा होगा। जो जरूरी नहीं कि मन्दा ही हो।

अगर राहु नं: 12 में आसमानी हद बृहसपत के साथ मुकर्रर हो तो केतु नं: 6 पाताल में वृध का साथी हुआ दोनों शनिच्चर के ऐजट नं: 8 तो बाहमी मुश्तरका दुनिया का दरवाजा नं: 2 होगा। ग्रह घाली हालत में यह दोनों ग्रह दीवारें बनकर रास्ता रोक सकते हैं। मगर ऐसी दीवारें घलने वाली दीवारें मानी गई हैं। इसलिए दीवारों के बढ़ाने से बने हुए ग्रहण की हालत उसी वक्त दुरुस्त हो जाएगी। जब कि दीवारें आगे से हट जावें। यानि ग्रहण के हटते ही ग्रहण में आया हुआ ग्रह अपनी पूरी ताकत पर पहले की तरह बहाल गिना जाएगा।

सपूंदम बतो मायें खेशरा
तू दानी हिसाब -ए- कनों बेशरा

राहु और केतु में से जो भी कुंडली के पहले घरों (1 ता 6) में है वो अपना फल उसमें मिला देगा। जो कि कुंडली के बाद के घरों (7 ता 12) में बैठा हो। या दृष्टि के हिसाब से जो भी बाद में बैठा हो उसका फल नेक होगा और पहले घरों में बैठने वाले के नेक असर की शर्त न होगी पर वो बैठा होने वाले घर के हिसाब से अगर नेक हो ता बेशक नेक असर दे। खाना नं: 5, 11 में होने के वक्त् क्योंकि वहां दृष्टि का बाहम कोई ताअल्लक नहीं है दोनों ही का फल अपने अपने ताअल्लुक में बैठा होने वाले घर में मन्दा होगा। इसके बाद या पहले वाले पर कोई असर न होगा। राहु सर का साया केतु सर के बगैर बाकी धड़ (जिस्म) का साया होगा। लेकिन इन्सानी जिस्म में नाभि से उपर सिर की तरफ का हिस्सा राहु की राजधानी और नाभि से नीचे पांव की तरफ के हिस्सा पर केतु का राज होगा। राहु का head qurater ठोड़ी और केतु की हकूमत का मुकाम पांव । दोनों की मुश्तरका बैठक हाथ का अंगूठा होगा या माथे पर तिलक लगाने की जगह जो कुंडली का खाना नं: 2 है। टट्टी या गुदा की जगह भी दोनों के मिलने की मुश्तरका का जगह कुंडली का खाना नं: 8 माना गया है।

दोनों के बाहम मिलने की जगह साधारण तौर पर शरे आम है। यानि जिस जगह दो तरफ से आकर रास्त बंद हो जाता हो। या वहां दोनों ग्रहों का जरूर मन्दा असर या दोनों मन्दे या पाप की वारदाते या नाहक तोहमत और बदनामी के वाकयात या गृहस्थी जिंदगी में बेगुनाह धक्के लगा रहें होंगे।

राहु केतु दोनों मुश्तरका का मसनूई वजूद शुक्र कहलाता है। और शनिच्चर की एजेंसी के वक्त इनका नाम पाप होता है। शुक्र (गृहस्थी कारोबार हवाई ताकतों, बेजान चीजों के कारोबार) कि साथ मिलकर या औरत की रंग बिरंगियां और धर्म मन्दिर में बैठकर पाप को उत्तम समझा देने की करवाईयों के लिए सिर्फ दोनों का बैठक खाना कुंडली का खाना नं: 2 होगा। और शनिच्चर के हजूर में उसकी एजेंसी में लगकर जानदारों इन्सान हैवान के मुतअल्लक कचहरी लगाने की बजाए दोनों के लिए खाना नं: 8 है। यानि खाना नं: 8 जो मौत का दरवाजा है वो शनिच्चर राहु केतु तीनों ही के इकट्ठे काम करने की जगह है मगर राहु केतु दोनों खाना नं: 2 में अपना ऐमालनामा तैयार करते है और शनिच्चर का फैसला सुनाते है जो कि दुनिया का दरवाजा है और सब का धर्म स्थान है

धर्म स्थान है दोनों सदा वृध के दायरे में घूमते है यानि जैसा वृध होगा और जिस जगह वह होगा ये दोनों ग्रह (राहु केतु) वैसे ही होंगे जैसा कि वृध हो वहां ही घूम रहे होंगे जहां कि वृध बैठा हो राहु केतु इकट्ठे या अकेले अकेले चन्द्र के घर खाना नं: 4 या चन्द्र के साथ अकेले अकेले जहां भी बैठे हो तो ऐसा टेवा धर्मी होगा जिसमें पापी ग्रहों का बुरा असर न हो बल्कि सभी ग्रह धर्मी होंगे अगर यह देखना हो कि राहु कैसा है तो चन्द्र का उपाय करे यानि चांदी का टुकड़ा अपने पास रखे केतु के लिये सूर्य का उपाय करें यानि सूरज की (तांबे का पैसा) चीजे अपने पास रखे या बन्दर को गुड़ खाने के लिये डाले या गुड़ तांबा कनक में से कोई चीज चलते पानी में बहा दें। इसी तरह दोनों ग्रहों का दिली पाप खुद बखुद पकड़ा जायेगा यानि उस ग्रह के (राहु या केतु) सम्बन्धित घटनाएं अच्छे या बुरे होने लगेंगे राहु या केतु में से यादि कोई भी ग्रह खाना नं: 8 में हो तो शनिच्चर भी उस वक्त खाना नं: 8 में समझा जायेगा। चाहे शनि कुंडली में किसी और ही घर में क्यों न बैठा हो। यानि जैसा शनि होगा वैसा फैसला होगा या समझा जायेगा राहु और केतु दोनों के ही खानों में जुदी-जुदी जगह दी हुई नेक हालत को देखें।

मन्दी हालत

ऐसा आदमी जिसके टेवे में राहु और केतु दोनों ही मुश्तरका में हो वो दुनिया में कोई बदी और बदनामी बाकी न छोड़ेगा या उसे सब तरह की

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

बदनामी खुदबखुद नाटक हो करती जाएगी। या वो खुद कोशिश कर के भी नेकी और आराम की बजाए बदनामी बदी और दुःख इकट्ठे करेगा। इसी तरह ही मौजूदा ज्योतिष के मुताबिक बनी हुई कुंडली में दृष्टि की रू से जिस घर में दोनों का असर इकट्ठा हो रहा हो उस घर के मुतअल्लिक दुनियावी रिश्तेदारों पर राहु और केतु की मुतअल्लिक अशिआ कारोबार या रिश्तेदार मुतअल्लिक राहु और केतु अक्सर बुरा ही असर करते या बरबाद होते और बरबाद करते होंगे।

खाना नः 6 और 12 की हालत में दोनों इस शर्त से बरी होंगे। जहां कि दोनों ही का असर (घर का आम साधारण) उच्च (उत्तम हालत और पूरी ताकत का) या नीच (मन्दा और निकम्मा और बरबाद हो चुका हुआ या बरबाद करने वाला) हो सकता है। दोनों ग्रहों का मन्दा जमाना आमतौर पर राहु का एक साल केतु का 2 साल कुल तीन साल होगा।

अगर राहु और केतु दोनों ही खराब असर करना शुरु कर दें जिसमें सूरज या चन्द्र का ताल्लुक न हो यानि टेवे में न हो सूरज ग्रहण हो और न ही चन्द्र ग्रहण हो तो राहु 42 साल तक और केतु 45 साल तक और दोनों मुश्तरका 45 साल तक मन्दा असर कर सकते है यानि उम्र के लिहाज से 48 साला उम्र के बाद (आखिरी हदबंदी पर) शांति होगी या मियाद के तौर पर 48 साल की मन्दी हालत देखने के बाद फिर नेक हालत आएगी। 48 साल की मियाद दरअसल उस दिन से शुरु होगी जिस दिन दोनों ग्रह कंपफल के हिसाब से तख्त पर आए हो मसलन जन्म कुंडली में अगर राहु केतु दोनों ही में से कोई हो तो खाना नः 1 में उम्र के किस साल आएगा।

खाना नः	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
किस साल आएगा	1	2	3	4	5	9	7	8	6	10	11	12

यानि जन्म कुंडली में जिस खाना में राहु केतु में से कोई एक बैठा हो उम्र के उसी साल से शुरु करके 42 (राहु) 45 (दोनों) या 48 (केतु) की मियाद लेंगे।

राहु के मन्दे असर की निशानी हाथ के नाखूनों पर और केतु का बुरा असर पांव के नाखूनों पर नौ महीने पहले ही से जाहिर होने लगेगा। हाथ के दाएं हिस्सा के नाखून खराब हो जावें तो राहु के मियाद का आम अरसा 6 साल होगा। और हाथ के बाएं हिस्से के नाखून खराब हो जावें तो राहु की महादशा की मियाद का 18 साला मन्दा जमाना होगा या राहु की कुल उम्र 42 साल अरसा होगा।

इसी तरह हीः

पांव के दाएं हिस्सा के नाखून खराब हो जावें तो केतु की मियाद का आम अरसा तीन साल होगा।

पांव के बाएं हिस्सा के नाखून खराब हो जावे तो महादशा की मियाद का सात साल बुरा वक्त होगा या केतु की कुल उम्र 48 साल का अरसा होगा।

कुल उम्र 48 साल का अरसा होगा।

उपायः राहु की मन्दी हालत और उसके बुरे असर से बचाव के लिए चन्द्र का उपाय और केतु की मन्दी हालत या बुरे असर के वक्त सूरज का उपाय मददगार होगा।

खाना नः 1-7, 4-10 में केतु के बैठा होने के वक्त उनके बुरे असर से बचाव के लिए उन ग्रहों का उपाय मददगार होगा जो कि इन खानों (1-7, 4-10) में ऊंच मुकर्रर किए गए है यानि जब राहु केतु का बुरा असर हो रहा हो।

खाना नः 1 पर तो उस वक्त सूरज का उपाय मददगार होगा

खाना नः 4 पर तो उस वक्त बृहस्पत का उपाय मददगार होगा

खाना नः 7 पर तो उस वक्त शनिच्चर का उपाय मददगार होगा

खाना नः 10 पर तो उस वक्त मंगल का उपाय मददगार होगा।

खाना वार असर

1. सूरज बैठे घर ग्रहण राहु का - भला चन्द्र फल देता हो
केतु तख्त हो जिस दम पाता - ऊंच असर रवि होता हो

2. दोनों बैठे 8 दूजे - धूमती ग्रह चाल हो
हो जो बैठा 8 टेवे - जहरी उसका हाल हो

4. बाप ताअल्लुक केतु उमदा - माता चन्द्र पर मन्दा हो
पाप उम्र 45 करता - असर दोनों का उमदा हो

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

8 हुक्म दोनों वन शनि के चन्दे - नेश पगड़ा धूमता हो
अगर शनि का किस्सा गिनते - बेटा टेवे का जैसा हो

10 दोस्त दोनों वन शनि के चन्दे - चोट अंधेरी करता जो
चन्द्र रवि दो मदम आवे - कहर गुरु से हरता हो

11 दोनों बराबर 1, 11 - मदद शनि तीन करता जो
राहु उड़ा दे गुरु टेवे से - केतु चन्द्र से मरता हो

12 नीच राहु तो ऊंच हो केतु - चन्द्र निरख और हलका हो
ग्रहण रवि को करता राहु - नेक सूरज केतु करता हो

फलादेश

ग्रह मुश्तरका

(दो से ज्यादा)

बृहस्पत सूरज चन्द्र

उत्तम फल, इकबाल मन्द होगा। ताजिर, अहले कलम जिससे दसूरों को भी फायदे पहुंचे और बजरिया ठोस हजार माल साथियों को भी तारता जावे।

बृहस्पत सूरज शुक्र

शुक्र की मुतअल्लका अशिआ कारोबार या रिश्तेदार मुतल्लका शुक्र का फल नेक होगा। और शादी के दिन से किस्मत जागेगी औरत भी रंग, स्वभाव और किस्मत के ताल्लुक में हर तरह उत्तम साफ नेक और उमदा होगी।

बृहस्पत सूरज मंगल

बृहस्पत (शेर बब्बर) सूरज (नर शेर) और मंगल (चीते से मिलता जुलता शेर बहादुर) तीनों ही नर ग्रहों के शेरों का टोला एक ही जगह पर इकट्ठे आम तौर पर दो शेर तो इकट्ठे एक जगह रह नहीं सकते मगर अब एक ऐसा टेवा होगा जिसने तीनों ही वह ग्रह इकट्ठे बैठे हो तो वह शख्स ऐसा होगा जिसके साए के नीचे तीन शेर इकट्ठे बैठ कर गुजारा कर सके अगर कोई एक शेर की सवारी करने की ताकत का मालिक हो तो वो तीन शेरों का सवार हो या एक ही वक्त में तीन शेरों को इकट्ठा करके या इकट्ठा जोतकर सवारी करता हो बड़ी उत्तम और नेक किस्मत का मालिक होगा। खुद उसे (सूरज) उसके बाप दादा (बृहस्पत) या बड़े भाई ताया मामू (मंगल) में हिम्मत होगी कि वे तीन तीन शेरों या शेर बहादुर मर्दों को एक ही हाथ से मार सके या नीचा दिखा सके और दुनियावी ताल्लुक में उनको कम से कम खूनी की सजा (फांसी) देने का अख्तियार होगा। उसका तांबा भी सोना बन जावे तीनों ही ग्रहों का हर तरफ और हर तरह का उत्तम और उमदा फल होगा। और तीनों ही ग्रहों (बृ. सू. म.) के लिए हर एक अकेले अकेले का बैठे हुए घर के मुताबिक दिया हुआ मुश्तरिक फल होगा।
योगाभ्यास का मालिक होगा। सू. बृ. म. नः 8

बृहस्पत सूरज बुध

अमूमन राजयोग सूरज और बुध का अकेले -अकेले बैठा होने की हालत पर अपने अपने लिए दिया हुआ उत्तम फल साथ होगा मगर तीनों ही इकट्ठे (बृ. सू. बुध) खाना नः 5 में होने के वक्त बृहस्पत और सूरज दोनों ही कैदी हो जाने की तरह उनका फल सोया हुआ या बाप बेटा (खुद टेवे वाला बेटा और उसका बजुर्वार पिता) दोनों ही की किस्मत बेरंतदारी (मन्दी ही होगी) मगर फिर भी वहां धर्म की कोई कमी न होगी। और उनका घर गायघाट मकान का अगला हिस्सा तंग और पिछला हिस्सा चौड़ा ही होगा। जहां कि बाल बच्चों की बरकत और उनके लिए दाना पानी की तंगी न होगी। अगर कुछ न होगा तो सिर्फ माया की लम्बी ऊंची लहरों की ठाठों का नजारा न होगा। वो शारी कैदी होगा। या कैद में होता हुआ भी बादशाह ही होगा। (तीनों बृ. सूरज बुध नः 5)
जिस लड़की पर नजर रखे वो टेवे वाले की औरत नहीं बनेगी मगर जो लड़की उस पर नजर रखे वो जरूर गृहस्थ में साथी होगी।

खाना नः 2 में बैठे हुए ग्रहों का अपना अपना फल हुआ करता है और शनिच्चर नः 1 के वक्त जबकि खाना 7 वा 10 खाली न हो काग रेखा हुआ करती है इसलिए अब ऐसे प्राणी के ताल्लुक में जब कभी भी शनिच्चर (वक्त का राजा ग्रह) की अशिआ मसलन मकान की बुनियाद खोदी जावे बुध नः 2 फौरन बृहस्पत पिता पर उसकी जान तक हमला कर देगा। उपाय बुध नः 2 का दिया हुआ उपाय मददगार होगा
(गृहस्थ में साथी हो जाने से सिर्फ यही मुराद नहीं कि लड़की उसकी औरत बन कर ही गृहस्थ में साथिन होगी मगर किसी भी हालत में कहिए वो परिवार की उन्नति में शामिल जरूर होगी।)
(तीनों बृ. सू. बुध नः 8 और शनि नः 2 तीनों नः 2 शुक्र नः 3)
तीनों नः 2 और शुक्र नः 3

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

तीनों नः 2 और मगर शनिच्चर नः 1 खाना नः 7, 10 खाली नहीं यानि खाना नः 10 में चन्द्र बैठा है।

वृहस्पत सूरज शनिच्चर

हज्जत रेखा - हर जगह हज्जत और मान, खासकर जब तीनों ग्रह खाना नः 6 में हों:
जब टेढ़े वाले के रिहाइशी मकान (जद्दी व बजुर्गाना, पिता दादा का) में दाखिल होते हुए दाएं हाथ की दीवार के खानना पर अंधेरी कोठड़ी हो और इसमें शैल्फ (परछत्ती) जिस पर सामान जमा रखा जाता है पर खेती बाड़ी के मुतल्लका साजो सामान मौजूद हों तो तीनों ही ग्रहों का कोई बुरा असर न होगा। खासकर जब वो तीनों खाना नः 5 में हों ऐसी हालत में खाना नः 5 औलाद पर भी बुरा असर न होगा।

वृहस्पत सूरज राहु

अनाज के अम्बार और शहनशाह के दरबार से आग का धुआं बढ़ता ही नजर आएगा। मुतल्लकीन (संबंधित) यह समझते हुए भी कि वो राजा है चोर का बर्ताव ही पेश करेंगे। तीनों ही ग्रहों का जला हुआ फल होगा।

वृहस्पत सूरज केतु

सूरज का फल अब निहायत मन्दा होगा
सिवाय खाना नः 5 जहां कि तीनों ही ग्रहों का उमदा फल।

वृहस्पत चन्द्र शुक्र

किस्मत का अजीब ढंग होगा। कभी शाह कभी मलंग (फकीर) कभी खुशहाल कभी तंग होगा। नेक हालत के वक्त किस्मत के मैदान में मिट्टी से भी दूध उछल निकलने की तरह तीनों ग्रहों का सिवाय खाना नः 7 उत्तम और नेक फल होगा। मातारानी (निहायत धर्मात्मा और सुख नसीब वाली शरीफ खानदान और उमदा स्वभाव की मालिक होगी मगर शादी के दिन से धन दौलत आगे बढ़ना बंद हो जाएगा। और सोने चांदी में मिट्टी

मिली हुई नजर आने लगेगी या माया कम ही होती चली जाएगी। तीनों नः 7 शमा के परवाने (रात का चिराग के इर्द गिर्द कीड़े पतंगे) की तरह इश्क की लहर में जल मरने वाला होगा। ऐसी ग्रह चाल (बृ चन्द्र शुक्र नः 7) के वक्त अगर सूरज मन्दा होतोनाकामयाब आशिक होगा जो बदनाम और तबाह ही होगा।
बहुत बड़ा वृहस्पत जो औलाद से महरुम रहेगा। तीनों नः 2 और मंगल नष्ट

वृहस्पत चन्द्र मंगल

पीपल, नीम और बड़ तीनों का मुश्तरका दरख्त होगा जो हर तरह से तीनों ग्रहों का उत्तम फल देवे।

वृहस्पत चन्द्र बुध

तिजारत (दलाली) में बहुत ही फायदा होवे तीनों ही ग्रहों का (सिवाय खाना नः 2,3,4) उत्तम फल होगा। और बुध अब मददगार ही होगा मगर लाखोंपति फिर भी मुसीबत पर मुसीबत देखता चला जावे अक्ल मदद न देवे।
बुध पिता पर भारी होगा। मगर धन दौलत के लिए उमदा होगा। (तीनों खाना नः 2)
तीनों ही ग्रहों का मन्दा और निकम्मा फल होगा तीनों खाना नः 3 में
बुध माता पर मन्दा होगा। तीनों खाना नः 4 में हो मगर अपने लिए धन दौलत के ताल्लुक में उमदा होगा। तीनों खाना नः 4
खाना नः 2,3,4 के इलावा सब घरों में वृहस्पत काबिले इलाज होगा।

वृहस्पत चन्द्र शनि

तीनों ग्रहों का (सिवाय खाना नः 2,9) उमदा और बाहम दोस्ताना फल होगा। वृहस्पत और शनिच्चर का तो खासकर उमदा फल होगा। ऐसा आदमी दूसरों के लिए लोहे को पारस का काम देगा। यानि दूसरों को तारता ही जाएगा और एक कारामद दोस्त होगा। माता पिता का सुख सागर उमद उत्तम और लम्बा अरसा होगा।
अब खाना नः 8 ब्याह कितना ही मन्दा हो और उसका कितना ही बुरा असर दृष्टि की रूह से खाना नः 2 में जा रहा हो मगर तीनों नः 2 के वक्त चन्द्र कभी मन्दा न होगा। तीनों खाना नः 2
चन्द्र का मन्दा असर शामिल होगा। दरिया में भंवर (पानी का चक्र) का खतरनाक नजारा किस्मत के मैदान में अक्सर दरपेश होगा तीनों नः 9
माता पिता ताई चाची मासी खुदकशी से मरें या मारी जावें - - - - तीनों नः 11

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

वृहस्पत चन्द्र राहु

वृहस्पत जो राहु के ताल्लुक से अवयुप होगा मगर गुरु न होगा। वृहस्पत और चन्द्र में से किसी का भी फल खराब न होगा। सिवाय खाना नः 12 में जहां कि वृहस्पत और चन्द्र दोनों ही ग्रहों का असर हलका मन्दा रहेगा। बाकी सब घरों में मर्दों और स्त्रियों (शुक्र और चन्द्र दोनों की मुतल्लका औरतें) या सुख तो जरुर हलका होगा। मगर चन्द्र और वृहस्पत दोनों ग्रहों के दूसरे असरों पर कोई खराब असर न होगा। जानों पर भी कोई बुरा असर न होगा सिर्फ बाहमी सुख हल्का (मन्दा) गिनते हैं।

वृहस्पत चन्द्र केतु

सांस की हवा बर्फानी लेने की वजह से मायूसकुन साबित होगी। प्यास बुझाने कोलर पानी (चन्द्र) की बजाय पेशाब (केतु) की बदबू से सफर (केतु) की मंजिल खोटी होगी। तीनों ही ग्रहों का फल मन्दा होगा।

वृहस्पत शुक्र मंगल

बहुत बड़ा शुक्र होगा जो औलाद से महरुम रखेगा। ऐशो रशरत और इश्क सब दुःख दे

वृहस्पत शुक्र बुध

शादी और गृहस्थ (शुक्र) में खराबियां होगी। आंधी की मिट्टी भरी हवा से धन दौलत ज्यादा नहीं तो न सही मगर खुराक रोटी पानी जरुर ही पैदा रखेगा। मसनूई सूरज का असर (शुक्र बुध) हमेशा मदद पर होगा। वृहस्पत जर्द गैस का काम देगा। - - - खाना नः 7 बेशक वो गैस कितनी ही जहरीली क्यों न हो।

वृहस्पत शुक्र शनि

उत्तम फल खासकर जब तीनों खाना नः 9 में बाकी घरों में दो नेक और मददगार सांप होंगे अगर उसकी औरत (शुक्र) मसकीन (आजिज चुपचाप) बिल्ली की तरह अपने तबस्सुम (होठों में हंसना) की आंख के शरारों से सैकड़ों बखेड़े (जंगल) बेबुनियाद तकाजे (झगड़े) और जंगोजदल (मारपीट लड़ाई फसाद दंगा) पैदा करती होगी।

वृहस्पत मंगल बुध

तीन नर औलाद को दमा की तकलीफ और टांगो का दुःख होगा। जिसके लिए टेवे वाले के अपने जिस्म पर सोना मददगार होगा। वृ. मं. बुध खाना नः 8 और उसी वक्त राहु नः 11 और उसी वक्त केतु नः 5
तीनों मुश्तरका की हालत में ख्वाह किसी भी घर में हो अनूनन तीनों का फल निकम्मा होगा। उपाय बुध का बजरिया शांति नेक कर लेना मददगार होगा। मसलन बकरियों को चने (कच्चे काले ख्वाह सफेद) मुफ्त दिन के वक्त खुराक में देना या लड़कियों को (जो ऋतुवान न हुई हो) बादाम वगैरा देकर उनकी आशीर्वाद लेना मुबारिक होगा।

वृहस्पत मंगल शनिच्चर

तीनों सिवाय खाना नः 2 मर्दे की कमी होगी। वृ. मंदा होगा। जिसकी वजह से बाप दादा की तमाम जद्दी चीजों को बेचकर अपनी खुद साख्ता (तीनों ही ग्रहों की अशिआ कारोबार या रिश्तेदार मुतल्लका) (अपनी कमाई से या अपनी हिम्मत से खुद पैदा की हुई) काम हो जाने तक माकूल आमदन होते हुए भी कर्जाई। (जेरेबार) बोझ तले होगा। जो उसके सामने रहे बरबाद हो गया वृहस्पत अब श्राप देने वाल साधु होगा जो एक तरफ डाकुओं को तो डाका लगाने पर लगा देवे दूसरी तरफ वो घोरों का सरगना
गृहस्थियों को कहे ये लो वो डाकू माल उठाकर भागने वाले हैं इसको पकड़ लो गर्जे की वृहस्पत की अशिआ कारोबार या रिश्तेदार मुतल्लका वृहस्पत से अब कोई फायदा न होगा। बीमारियां और मन्दे ख्यालात और बुरी ख्वाहिशों बरबादी का बहाना बनेगी।
गो वृहस्पत अब घोरों का सरगना होगा मगर कुंडली वाले के लिए धन दौलत का नतीजा उमदा ही होगा। तीनों नः 2 में

वृहस्पत मंगल केतु

खुद अपनी किस्मत और केतु 45 साला उम्र तक मन्दे होंगे मगर 45 साला उम्र तक लंगड़ा भाई गो निर्धन मगर मददगार होगा। बादअजां वो भाई भी बेमानी होगा।
शनिच्चर के पत्थर को वृहस्पत के पीले रंग फूलों से बतौर उपाय मुअत्तर (सुगंधित) करे तो मदद मिलेगी।

वृहस्पत बुध शनिच्चर

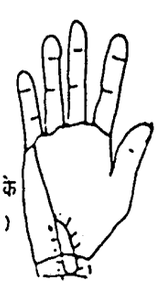

तीनों (वृ. बुध शनिच्चर) सिवाय खाना नः 12
अगर बुध मन्दा हो तो मन्दी काग रेखा (हर तरफ तंगी और निर्धनी और दुःखों का अम्बार बोझ लाद हुआ)। होगी और जवान का चस्का खराबी का कारण बनकर बरबादी कर देगा। खासकर नः 1 में होने के वक्त लेकिन अगर बुध उमदा हो तो उत्तम मछ रेखा और (हर तरफ धन दौलत की बरकत और परिवार बढ़े)

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

हो बृहस्पत बुध शनिच्चर नः 12 निहायत भला और उतम फल होगा। अब बुध अमृत कुंड (अथवा दरिया) होगा जो रात के वक्त भी गुमनाम चौकीदार बन कर टंबे वाले की सब मालो दौलत और परिवार की रक्षा करेगा।

बृहस्पत बुध राहु

माया का राजा - अपने लिए कजूस ख्वाह लाखों पति हो क्यों न हो खासकर जब तीनों ग्रह नः 12 में हो मगर खुद निर्धन न होगा।

बृहस्पत बुध केतु

मर्द की माया राज और दरख्त का छाया साथ ही चलता होगा। यानि अपनी किस्मत हर जगह माथे पर साथ देती होगी। खासकर जब तीनों खाना नः 2 यानि उसे अपनी किस्मत हर जगह मदद देगी। और दौलत परिवार का सुख लेने वाला होगा।

बृहस्पत शनिच्चर राहु

तीनों सियाय खाना नः 2 अमृतन मर्दों का सुख हलका होगा खासकर जब तीनों खाना नः 12 में हो
अब बृहस्पत घोर, राहु धोकेबाज और शनिच्चर जहरीला मन्दा सांप साबित होगा। और तीनों ही ग्रहों से हर एक ग्रह अपने असर में मन्दे जहरीले वाकयात देगा।
जिस घर में यह तीनों ग्रह मुश्तरका बैठे हो उस घर की मुतल्लका अशिआ कारोबार व रिश्तेदार मुतल्लका का बुरा ही हाल होगा। ऐसे शख्स को अपने खानदान से अलहदा हो कर जिंदगी बसर करना बाय से तबाही होगा।
बृहस्पत शनिच्चर राहु नः 2 ग्रह मुतल्लका के रिश्तेदार मसलन (बृहस्पत) बाप या दाद राहु ससुराल शनिच्चर चाचा खुदकशी कर लेगा। खासकर जब उनके जद्दी मकान के साथ लगता हुआ (दक्षिण) की तरफ में कब्रिस्तान कब्र या वीरान होवे।

बृहस्पत शनिच्चर केतु

बुरी और मन्दी हवा के हमलों से औलाद के विघ्न (मौते) वगैरा और केतु की मुतल्लका अशिआ कारोबार या रिश्तेदार मुतल्लका केतु का मन्द हाल होगा

बृहस्पत राहु केतु

अब राहु जमाना की घड़ी की चाबी केतु उस चाबी का कुत्ता और बृहस्पत दोनों को चलाता होगा। यानि हर शरारत का मुकाबला करना पड़ेगा और हर तरफ किस्मत का उल्टा चक्कर ही चलता होगा। यानि बेशक कितना ही समझ कर चलने वाल और बच के रहने का आदी हो मगर किस्मत की हेराफेरी का चक्कर उसे नाहक खराबी और बदनामी के दुःखों के सामने लाकर खड़ा कर देगा।

सूरज चन्द्र शुक्र

अमीरी और गरीबी जो और जब कभी भी हो दोनों ही की ज्यादती होगी। यानि कभी तो अमीरी के समुन्द्र की ठाठो के सजाने होगे और कभी गरीबी में रेत के जर्रों की की चमक तक न होगी। खासकर खाना नः 9 में होने के वक्त मगर वो खुद शराफत और इंसानियत (रेखा) का मालिक जरुर होगा।

सूरज चन्द्र बुध

बुध की 34/17 साला उम्र में न सिर्फ पिता और उसका धन बरबाद बल्कि चन्द्र की जानदार अशिआ और रिश्तेदार मुतल्लका चन्द्र (माता, नानी दादी) की सांप से मौत हो खासकर जब बृहस्पत शनिच्चर राहु तीनों मुश्तरका या तीनों में से कोई एक या दो खाना नः 3 में हो।
सूरज चन्द्र बुध खाना नः 1,7,10,12 में होने के वक्त सूरज बुध का नेक असर होगा।
रात का वक्त हो चांद की रोशनी हो बहिन से लड़ाई हो औरत को बच्चा पैदा होने को हो ससुराल के घोड़े पर चढ़कर जावे तो घोड़े से गिर कर मौत होगी। — — — (शुक्र नः 3, राहु नः 2, केतु नः 8, शनि नः 6)

सूरज चन्द्र राहु

अब चन्द्र बरबाद और दुनियावी धन दौलत और माता सुख की बजाए दुःख का कारण और खराबी का सबब होगा। रात दिन दोनों वक्त दुखिया लम्बी उम्र की भी कोई खास तसल्ली न होगी। मगर यह मतलब नहीं है कि उम्र जरुर छोटी ही होगी। तीनों खाना नः 5 में होने के वक्त सूरज का फल उतम होगा मगर खाना नः 5 की मुतल्लका अशिआ औलाद वगैरा बरबाद होगी मगर बीज नष्ट न होगा।
बुध का उपाय या दुर्गा पूजन मददगार होगा।

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

सूरज चन्द्र केतु

अब केतु का फल मन्दा होगा (न दिन को चैन न रात को आराम) लाखोंपति होता हुआ भी दुःखिया ही होगा। अक्ल काम न देगी। उम्र तक शक्की लोग। मगर यह मतलब नहीं कि उम्र जरूर छोटी ही होगी। दुर्गा पूजन और बुध का उपाय मददगार होगा।

सूरज का अगर टेवे वाले के लिए उत्तम होगा मगर चन्द्र और केतु दोनों बरबाद औलाद तबाह मगर नसल चन्द न होगी — — — तीनों नः 5 बुध का उपाय औलाद के ताअल्लुक में मदद होगा।

सूरज शुक्र बुध

अब बुध का खाली चक्कर सूरज की मदद लेकर शुक्र को बरबाद करेगा। गृहस्थी हालत का फैसला केतु की हालत पर होगा। अगर केतु उम्दा हो और बुध की मदद देवे मसलन केतु नः 12 और बुध नः 3 तो कोई मन्दी हालत न होगी। लेकिन अगर केतु नीच मन्दा या बरबाद हो तो अक्लत तो औलाद नरीना होगी ही नहीं अगर हो भी तो बहुत पिछली अवस्था (बुढ़ापे) में होगी। और अगर जल्दी हो तो भी 40 साला उम्र के करीब करीब में पैदा होगी। औरत के टेवे में तीनों ग्रह (सू. शुक्र बुध) इकट्ठे ख्वाह किसी भी घर में होने के वक्त लड़का पैदा होने और मर्द के टेवे में लड़की पैदा होने पर औरत किसी न किसी तरह से बरबाद और बेघर (फरार, व अगवाशुदा वगैरा) माली और जिस्मानी सदमों से दुःखी होगी। जिसकी पहली वजह बद जुबानी या बदकारियां औरत का अपना भाई हो (ख्वाह वह हकीकी हो ख्वाह मामी, मासी या ताई चाची का लड़का होने की वजह से भाई लगता हो) जबरदस्ती या मुहब्बत के धोका फरेब से औलाद पैदा कर दे या पैदा करने कराने का बहाना होवे चाल-चलन की बदनामी की तोहमत (सच्ची या फर्जी) तो जरूर होगी। तलाक ख्वाह हो या न हो। (मर्द ख्वाह औरत का टेवा) या जवान की बीमारियां भी हो सकती है।

मन्दी हालत के वक्त (जुबान की बीमारी) शनिच्चर की अशिआ (नशे की चीजें) से मदद होगी।

तीनों सूरज शुक्र बुध खाना नः 8 में होने के वक्त अगर शादी बुध की उम्र (3,4 या 17 साला) में हो तो शादी के तीन साल के अन्दर - अन्दर औरत की मौत बवक्ते दिन दुपहर सरे बाजार हादसा से होगी।

शनिच्चर नः 12 और तीनों खाना नः 3 के वक्त मकान के तहखाने या मकान के आखिरी हिस्सा में अंधेरी कोठड़ी में बादाम दबा देना औलाद की पैदाइश में बरकत देगा।

तीनों खाना नः 9 में मन्दे असर के वक्त फकीर का सात रोटी एकदम देना मुबारिक और मददगार होगी।

उल्टे ढंग की औलाद ग्रह चाल की तबदीली देगी। जिस का हर तरफ नेक असर देगा।

तीनों नः 10 के वक्त साली का रिश्ता (शादी) अपने ही घर (टेवे वाले के खानदान में) हो जाना गैर मुबारिक होगा।

आमतौर पर हाथ में खालिस चांदी का छल्ला निहायत मददगार होगा।

अब मन्दी हालत की निशानी उसके घर में निवाड़ (चारपाई या पलंग के लिए) के गोल किए हुए बंडल या लिपटी हुई निवाड़ मुद्दतों (20 साला पुरानी या नानी दादी के वक्तों की) से बन्द पड़ी होगी। जिसकी मौजूदगी में तीनों ग्रहों का मन्दा फल होने का आम सबूत होगा। बेहतर होगा कि ऐसी निवाड़ के पलंग या चारपाईयां बनवा ली जाएं और गोल करके बंडल न रखे जाएं।

शादी के दिन से चन्द्र के मुतल्लका रिश्तेदार (माता सास) वगैरा बुध नः 3 की मन्दी आवाज के राग सुनने लगेंगे। या हर तरफ मन्दे ढोल ढमके की आवाजें शुरु होगी। (चन्द्र खाना नः 9)।

उपाय :

1. बवक्त शादी लड़की का संकल्प (दान) करने के ठीक बाद ही तांबे की (बड़े से बड़ा तांबे का घड़ा) गागर तांबे का ढकना सालम मूंग से भरकर जिस तरह लड़की का दान किया गया उसी तरह ही इस तांबे को बरतन का संकल्प कर दिया जाए और बाद में मूंग सालम से भरा हुआ बरतन दिन के वक्त किसी दरिया नदी नाले में बहा दिया जावे।
2. ऐसी ग्रह चाल के वक्त ख्वाह किसी भी घर में हो उपर दिया हुआ उपाय मददगार होगा। और अगर मौका मिल सके तो शादी के वक्त ऐसा उपाय किया हुआ सबसे उत्तम फल होगा।

सूरज शुक्र शनि

मर्द व औरत की टूटी हुई जोड़ी जो दोनों ही गलतफहमी में बरबाद होंगे। मिट्टी के कूजा में लाल पत्थर के टुकड़े टेवे में ग्रह मुतल्लका (सू. शुक्र, शनिच्चर) के बैठे हुए घर की मुतल्लका या तरफ में जो कि मकान कुंडली के अनुसार उस घर के लिए मुकर्रर है। बाहर वीराना दबाना मुबारिक और मददगार होगा।

सूरज शुक्र राहु

औरत (शुक्र अशिआ रिश्तेदार या कारोबार मुतल्लका दुःखिया बीमार मन्दा असर होगा खासकर खाना नः 1 में होने के वक्त)

सूरज शुक्र केतु

शुक्र और केतु दोनों ही मन्दे असर के होंगे खासकर जब खाना नः 1 में हो जब उसकी औरत कुंडली वाले के जद्दी मकान में रहे बीमार दुःखिया दीवाना ही होगी।

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

सूरज मंगल बुध

दिन की रखना अदाजी एक वक्त में दो काम करने की हिम्मत मगर उतम वाक्त गैरतमन्द और शरीफ की माकूल जवाब देने की हिम्मत का मालिक होगा।

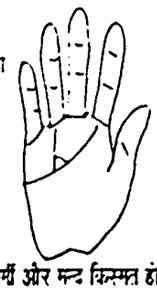

सूरज मंगल शनिच्चर

धन दौलत उमदा मगर जब शनिच्चर का ताअल्लुक हो या तीनों ग्रह खाना नः 11 में हो तो छुटा जिद्दी खुदमर्जी और मन्द किस्मत होगा

सूरज बुध शनिच्चर

अब सूरज और शनिच्चर दोनों ही अपना अपना काम करते होंगे और उनकी बाहमी कोई दुश्मनी या लड़ाई झगड़ा नहीं होगा। तीनों ही ग्रहों का मन्दे घरों में ने पर भी अपना अपना और उमदा ही फल होगा। मगर अब बृहस्पत का फल मंदा ही होगा। खासकर जब तीनों (सू बुध शनिच्चर)

खाना नः 2,5,9,12 में हो सूरज उमदा होने वाले घरों में होने के वक्त बुध के मुतल्लका कारोबार यानि तिजारत दिनारी कारोबार का फायदा और शनिच्चर की उमदा हालत वाले घरों के वक्त जायदाद बढ़े। मिले या पैदा होवे।
बृहस्पत नः 2 नेक हालत में देखे (तीनों ग्रह सूरज बुध शनिच्चर नः 8 और बृहस्पत नः 2)

सूरज बुध राहु

शादियां ज्यादा औलाद मन्दी होगी। गो देवे के खुद अपने सूरज (राजदरबार) पर कोई बुरा असर न होगा। मगर बुध की अशिआ कारोबार या रिश्तेदार मुतअल्लका बुध बहिन लड़की का सूरज (खाविन्द और खविन्द का राज दरबार) जरूर मन्दा और खराब होगा। जिसके लिए चन्द्र का उपाय मददगार होगा।

सूरज बुध केतु

केतु की अशिआ या कारोबार रिश्तेदार मुतल्लका केतु भतीजे भांजे मन्दा ही असर देंगे या वह उसकी दौलत खा पीकर बरबाद करेंगे। उसकी नेकी फरामोश और गुनाहलाजिम रखेंगे यानि देवे वाला उनसे अगर कोई नेकी करे तो वह उसको भूल जांयगे। लेकिन अगर वह उनसे कोई गुनाह या बुराई कर बैठे तो वह हमेशा ही याद रखते रहेंगे। (बुरे मायनों में)

चन्द्र शुक्र बुध

सूरज और शुक्र का फल मन्दा होगा। मगर सूरज की सेहत या रिजक रेखा कायम और उतम फल देगी और उम्र 85 साल से ज्यादा न होगी खुद अपनी बल्कि खानदानी उम्र ही लम्बी होगी। तीनों नः 4 (च शु बुध)
उम्र तिर्फ अमूमन दो साल मानते है। खाना नः 5

शादी और औलाद मे गड़बड़ (खराबियां) आम हो। खाना नः 7

यानि शादी बहुत लम्बी (तकरीबन 34 साला) उम्र के बाद होगी और शादी का फल औलाद कमेरा भी (अगर शादी जल्दी और छोटी उम्र मे हो भी जावे) निकम्मा और बहुत देर बाद कायम होगी। चन्द्र और मंगल दोनों ही नुकसान के बानी (प्रवर्तक) होंगे। खेती कीजमीन खराब फल देगी। माता खुद दुखिया हो या दुखिया करेगी और औरत 34 साला उम्र और मर्द 48 साला उम्र तक औलाद खुद व खुद अपना दीगर गृहस्थी सुख न भोगेगा। सरकारी मुलाजमत और व्यापार भी मन्दे ही साबित होंगे चन्द्र के लिए आराध्य देव पूजन कमल के लिए गायत्री पाठ राहु का उपाय

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

कन्यादान और केतु का साधन कन्या या गाय का दान मददगार होगा। या तब जब लड़की की शादी करेगा या अपने वंश के कारोबार के लिए दुर्गा पाठ करेगा तो मुबारिक फल होगा। तोते की सेवा करे और स्याह रंग मुर्गियों का 40 हफ्ते हर हफ्ते में एक दफा (शुक्र की रात और शनिच्चर की सुबह को दरम्यानी वक्त) अपनी खुराक का हिस्सा दिया करे तो हर तरह से मदद होगी।

चन्द्र शुक्र शनिच्चर

टेवे वाले के अपने लिए जाती असर मनहूस ही होगा मदद मदद खुदा, धन दौलत उमदा उसका धन औलाद के हाथ लगे मौत अमृतसर परदेश में हो। वरना धन दौलत मिट्टी के पहाड़ की तरह जाहिरदारी में उमदा मगर अन्दर से खाली ढोल जो ससुराल खानदान के बजाने के काम आवे यानि ससुराल का नाटक बदनामी का बहाना हो जावे।

चन्द्र मंगल बुध

तीनों (चन्द्र मंगल बुध) खाना नः 1,4,5 में सेहत और दौलत दोनों उमदा। मगर शनिच्चर का ताअल्लुक या 10,11 में सेहत और दौलत दोनों की मन्दी हालत होगी मृगशाला (हिरण की खाल) मददगार उपाय होगा

चन्द्र मंगल शनिच्चर

तीनों रंगों में रंग बिरंगा आग सांप भी हो तो भी चितकबरा, बीमारी का घर सिवाय खाना नः 11 तीनों फल प्रायः मन्दा और दिवाले का धन दौलत होगा। जो आखीर पर भी ताये चचे और भाईयों के काम आवे। बुढ़ापे में नजर का धोका होवे। और फलबहरी (बुरस) कोढ़ को साथ होगा। (जिल्द स्याह व सफेद) ऐसा आदमी गुस्से वाला। दारोब या अहले सरकार के ताल्लुक से फायदा उठाने वाला होगा।

खाना नः 3,4,8 हर तरह से यानि धन दौलत बरबाद और मौत खड़ी रहने की तरह मन्दा वक्त है।

खाना नः 11 में राजदरबार का फल उत्तम और मुबारिक होगा।

Free by Astros

चन्द्र मंगल राहु

जब उल्टे ढंग की पैदाइश (माता के पेट से उसका सिर पहले निकलने की बजाय पांव पहले [illegible] पिता पर उसकी उम्र तक भारी या पिता की मौत के बाद पैदाइश हो)

उपायः

पानी डालने की बजाय दूध ही डालकर मीठा हलवा बना कर खुद खाना और दूसरों को खिलाना सबसे उत्तम और मददगार उपाय होगा।

चन्द्र मंगल केतु

अब चन्द्र और बुध दोनों ही का मन्दा फल होगा। साथ ही केतु (औलाद बरबाद) भी चिल्लाता ही होगा। या ऐसा शख्स 48 साला उम्र तक [illegible] से दुखिया या महरूम ही होगा। खासकर जब खाना नः 7 या शुक्र भी मंदा हो रहा हो।

चन्द्र बुध शनिच्चर

सिवाय खाना नः 4 तीनों इकट्ठे खूनी होगा मगर दौलत मन्द और बहौसला मर्द होगा।

मामू घर बरबाद ही होगा मगर उसकी मामूली व वजह गरीबी मौत न होगी। तीनों (चं बु शनिच्चर) खाना नः 4 गशी गोता की बीमारियां के वक्त आम के दरख्त को दूध डालना शफा देगा। बुध शनिच्चर मुश्तरका आम का दरख्त चन्द्र बुध मुश्तरका (गशी गोता दिल की बीमारियां)

चन्द्र बुध राहु

पिता पानी में डूब मरे मगर चन्द्र पर बुरा असर न होगा

चन्द्र शनिच्चर राहु

33 ता 36 बल्कि 39 साला उम्र में शनिच्चर मन्दे वाकात देगा। लक्ष्मी और स्त्रियों (जाती औरत न माता) का सुख हल्का होगा।

खासकर नः 12 जहां कि चन्द्र चुप होगा। ऐसा प्राणी विनाशकारी की लहर में डूबता हुआ हाथी, रात की चांदनी में माता की आंखों के सामने बच्चे बनाने की बेहयाई में अंधा ही होगा। लेकिन कुदरत का अजीब तमाशा होगा की उसका बनाया हुआ बच्चा शायद ही कभी घर में खेलता होगा।

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

शुक्र मंगल बुध

शादी औलाद बल्कि खुद अपनी उम्र के ताल्लुक में भी तीनों ही ग्रहों के सब असर मन्दे साबकर जब खाना नः 3 में तीनों इकट्ठे बैठे हों।

शुक्र मंगल शनिच्चर

शुक्र के तरफ की रेखा

गृहस्थ औलाद और उम्र तीनों दुनियावी सुख सब उमदा, मुआवन उम्र रेखा का उत्तम फल होगा।
ऐसी ग्रह चाल से सिर्फ उम्र लम्बी होने में ही मदद नहीं मिलती बल्कि इंसान की सारी उम्र
या सारी जिंदगी की मदद जाहिर करती है अगर किसी को फांसी पर लटकाया होवे तो गैबी मदद उसके पैर के तले तख्ता दे दगी। ताकि गला न घुट जावे। अगर कोई शख्स मारने की तैयारी करके आ पहुंचे तो मालिक के प्रताप से मदद करने वाला भी खुद व खुद आ पहुंचेगा। जिस तरह दुश्मन को बुलाया न था उसी तरह ही मदद करने वाला भी बिन बुलाये आ जाएगा ऐसा शख्स दुश्मन से पूरी मदद और आराम पाता रहेगा। दुश्मनों के मुकाबले पर दोस्त भी खुद व खुद पैदा होंगे और मुसीबत को दूर कर जाएंगे। वह शख्स उम्र की तमाम बीमारियों या टूट फूट से बचा रहता है पूरी उम्र भागता है और मौत के यम के खिलाफ भी उसे यहां तक मदद पहुंच जाती मानी है। कि वह कब्र से भी वापिस आ जाता है। बाप की मदद और सुख सागर लम्बा होगा। न सिर्फ अपनी औलाद से पूरा सुख बल्कि तमाम मददगारों से आराम पाता है।

शुक्र बुध शनिच्चर

गृहस्थ, औलाद और उम्र तीनों ही (दुनियावी सुखों का मालिक होगा) दुनियावी गऊ घास गाय कौवा और कुत्ता तीनों का अपनी खुराक से टुकड़ा देते रहना मुबारिक होगा। मकान के उपर आसमान की तरफ से रोशनी के लिए मोगा रोशनदान धन दौलत की चोरी व तबाही का सबूत होगा। काली गाय और काले कुत्ते को रोटी देते जाना मददगार होगा। अगर काली गाय और काला कुत्ता अपने ही घर के पालतू हो तो उनको बाहर से किसी और शख्स से रोटी न खिलवे देवे वरना फायदे की बजाए नुक्सान होगा यानि तमाम बाहर वालों के दुःख दलिद्र काली गाय और काले कुत्ते की मारफत खुद अपने ही घर जब्त होते रहेंगे।

शुक्र बुध राहु

गो शादी कई दफा और औरत भी कई एक मगर फिर भी औलाद और गृहस्थी सुख मन्दा ही होगा। खासकर जब तीनों खाना नः 7 में हों।

शुक्र बुध केतु

तीनों ही ग्रहों का फल मन्दा होगा खासकर खाना नः 7 में होने के वक्त। शादी और औलाद में सख्त खराबियां होंगी।

Free by Astrostudents

शुक्र शनिच्चर केतु

एक ही मैदान में दो मुश्तरका मगर एक ही वक्त में कामदेव की खेल करने वाले खिलाड़ियों की तबीयत का मालिक या ऐसे खिलाड़ियों को शामिल करके चाल-चलन की रंग-बिरंगियों से दुनिया का मुंह धोता या अपनी आकबत (अन्तिम समय) या दुनियावी गृहस्थ को फुल बहरी के धब्बे लगाकर खुश होता होगा।

शुक्र राहु केतु

न सिर्फ अपना गृहस्थी सुख (स्त्री और आलऔलाद) मन्दा बल्कि हम साया भी दुखिया और बदबाद होंगे खासकर जब तीनों ग्रह कुंडली के पहले घरों में हों। हम साया घरों में लड़कियों की शादियां न हो सकेंगी लेकिन जब तीनों ग्रह कुंडली के बाद के घरों में बाका हो तो हमसाया घरों में लड़कों की शादियां न होंगी।

मंगल बुध शनिच्चर

ग्रह चाली दो मन्दे सांप या शनिच्चर दुगुना मन्दा असर देगा। सेहत व दौलत आंखों की खराबियां नाड़ी व खून के नुक्स और किस्मत सब मन्दे।

खाना नः 6 के वक्त सांप की खुराक (दूध या बृहस्पत की अशिआ) धर्मस्थान में देने से तीनों ग्रहों की मुकल्लफ खराबियां दूर होंगी।

नः 12 व 2 के वक्त बताशे धर्म स्थान में देना भी मददगार होगा।
मामू बरबाद हो जो मामू बचे वह घर से बाहर और वहां भी साधु होकर जिन्दा रह सकेगा। मृगशाला मददगार उपाय होगा।

मंगल शनिच्चर केतु

मंगल बद का मंदा असर जोर पर होगा।
मकान (शनिच्चर) अनूमन कच्चा और पक्का हिस्सा मिला मिलाया होगा। जिसमें नीम का दरख्त (मंगल) और कुत्ता (केतु) मौजूद होगा।
मंगल शनिच्चर ख्वाह मंगल या शनिच्चर के साथ कोई भी तीसरा ग्रह हो
तीनों ही ग्रह मन्दे और उनका फल बरबाद और जहरीला होगा

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

बुध शनिच्चर राहु

शुक्र बुध राहु तीनों ही मुश्तरका में दिया हुआ फल होगा।

बुध राहु केतु

हर वक्त मौत गुजरती होगी। खासकर जब यह तीनों ग्रह नः 1 में आवें। अगर ऐसे शख्स की जबान और तानू भी स्याह हो तो अपने खून के सब रिश्तेदारों को बरबाद करने के बाद लावल्द होकर खुद मंदी मौत से तबाह होगा। लेकिन अगर शनिच्चर भी खाना नः 8 में हो तो बुध व राहु और केतु तीनों होकर अपना अपना और जुदा जुदा असर जैसा भी होवे बहाल होगा। क्योंकि शनिच्चर ऐसी हालत में अपने एजेंटों की कारवाई पर अमल करता होगा।

शनिच्चर राहु केतु (तीनों का मुश्तरका टोला पापी ग्रह कहलाता है जिसका असर नीचे लिखा होगा।) (पापी ग्रह) [1]

तीन काल तर ग्रिल्लकी टोला - पापी ग्रह तीन होता हो
पाप की मिसलें पाप बनाता - दरबार शनि ले जाता हो
हल्क का कौव्वा हो घर आठवें- शनि जहां खुद रहता हो
राहु दाएं और केतु बाएं - शनि मियाने होता हो
तासीर असर सब उत्तम होगा- लेख मन्दा नहीं करता हो

[1] (पापी 3,5 9,11 मगर इनको बृहस्पत बुध शुक्र या चन्द्र न देखे बहरा होगा।)

पाप मन्दा खुद पापी मन्दे - बेड़ी भरी जा हुबेता हो
गऊ ग्रास फल उत्तम देवे - नष्ट जहर पापी करता जो
पापी मन्दे गुरु हो खुद मंदा - फैसला शनि एक करता हो
मकान शनि नेक हालत बनता - उल्ट बने बिकवाता हो
दोस्त बराबर पापी इक्ट्ठा - पाप आदत नहीं छोड़ता हो
असर मन्दा खुद दोस्त अपना - बैठ इक्ट्ठे देता हो

राहु और केतु सिर्फ दो ग्रह मुश्तरका को (पाप) और शनिच्चर राहु केतु तीनों ही मुश्तरका के लिए शब्द (पापी ग्रह) इस्तामाल होता है। राहु केतु का शनि हीका स्वभाव रखते है। मगर शनिच्चर की ताकत नहीं रखते। यानि हल्का (शरारत) होते है। मगर मल्लूल (शरारत का नतीजा) नहीं हो सकते। तीनों की मुश्तरका बैठक की जगह कुंडली में खाना नः 8 है और इंसानी जिस्म में हल्क का कौव्वा (तालू) उनकी आरामगाह है। जिसमें कुंडली वाले के दाएं तरफ राहु दरम्यान में शनिच्चर और बाई तरफ केतु होगा।

Free by Astrostudents

पापी ग्रहों का आम स्वभाव

1. जब कभी उनका (पापी ग्रहों का) कोई दुश्मन ग्रह उनके मुकाबले पर अकेला हो तो वह उस दुश्मन ग्रह की ही ताकत को खराब बरबाद करते है लेकिन

2. जब दो या ज्यादा दुश्मन ग्रह उनके मुकाबला पर हो जावे तो पापी ग्रहों में दुश्मन ग्रहों की ताकत खत्म करने के लिए मुकाबला करने की ताकत भी दुगुनी या ज्यादा होती जाएगी और पापी ग्रहों में पाप करवाने या करने की हिम्मत और भी बढ़ती जाएगी।

3. जब किसी पापी ग्रह के मुकाबले पर बैठा हुआ दुश्मन किसी ऐसे ग्रह को साथ लेकर बैठा हो जो कि पापी ग्रह का दोस्त हो तो ऐसी हालत में पापी ग्रह बुरा करने की हिम्मत को दुगुना करके अपने दोस्त ग्रह को तो ऐसी बुरी तरह से मारेंगे कि उसका निशान बाकी न रहे और कुंडली वाले का खूब जोर से नाश करेंगे और निहायत ही बुरा फल देंगे।

4. किसी दो पापी ग्रहों के साथ अगर तीसरा ग्रह बृहस्पत चन्द्र या बुध हो तो तीनों ही का फल मन्दा होगा। मसलन केतु शनिच्चर बृहस्पत बुरी हवा के हमलों से औलाद की अचानक मौतें होंगी।

5. कोई दो पापी इक्ट्ठे ही एक घर में बैठे हो तो दोनों का अपनी अपनी मुश्तरका अंशिश्र कारोबार या रिश्तेदार मुतअल्लुका का दूसरों पर ख्वाह असर नेक हो या बुरा मगर कुंडली वाले के अपने लिए हर दो का फल नेक होगा।

6. जब पापी ग्रहों का फल मन्दा हो तो बृहस्पत भी मन्दी हैसियत का गुरु होगा।

ग्रह मुश्तरका (तीन से ज्यादा)

बृहस्पत सूरज चन्द्र मंगल

ऐसे गुरु की उत्तम हैसियत का मालिक जिस की तमाम दुनिया इज्जत करे। बृहस्पत नः 2 का पूरा उत्तम फल साथ होगा।

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

वृहस्पत, सूरज शुक्र मंगल

तीनों नर ग्रह या तीन शेरों के दरम्यान में शुक्र गाय की तरह ऐसा शानी, त्यागी और बुलन्द इख्लाक जिसके साये में तीन शेर इकट्ठे होते हुए भी एक गाय पर हमला न करें या तीन शेरों के दरम्यान आ जाने वाली गऊ भी गुंथिया रहे। भाग्यवान खानदान और शादी बेगी सुख होगा। जो शादी जंगी तलवार पर भी जीत प्राप्त कर सके।

वृहस्पत सूरज शुक्र बुध

सुबह सवेरे सूरज की तरफ मुंह करके नमस्कार या पूजा वगैरा करना राजदरबार में उसके नसीबा बुलन्द कर देगा।

चारों खाना नः 3 में और खाना नः 11 खाली

वृहस्पत चन्द्र बुध शनिच्चर

मन्दी सोहबत खोटे काम का मालिक होगा। अच्छी सोहबत भली दौलत उमदा नाम पाएगा। चारों खाना नः 2, चारों खाना नः 6 में

वृहस्पत चन्द्र बुध राहु

राहु का तमाम अरसा (42 साला उम्र) तक फल मन्दा (खराब) होगा। उस घर की चीजों का जिस में कि चारों बैठे हों या चारों ही ग्रह मन्दे या बेमानी होंगे और बाद अजां चारों ही ग्रह बाहम दुश्मन होते हुए भी बतौर दोस्त एक दूसरे की मदद करेंगे और सब का मिला मिलाया फल नेक होगा

वृहस्पत बुध शनिच्चर राहु

जिस काम में रुपया पैसा लेकर व्यापार करें उसी में सब तरफ से सोने की राख ही राख (मन्दा) हाल कर देगा। मगर ससुर ससुराल (राहु) और घाया (शनिच्चर) के रुपया पैसा की मदद से काम करने में हर तरफ उत्तम फल होगा। चारों खाना नः 12

सूरज चन्द्र शुक्र बुध

माता पिता दोनों की उत्तम हैसियत और खुद भला लोग, भले काम का मालिक होगा।

सूरज चन्द्र मंगल शनिच्चर

सूरज या चन्द्र मंगल या शनिच्चर में से कोई भी और किसी एक घर खाना नः 8,2,6,12 में हो यानि चारों ग्रहों से कोई भी चारों घर में से कहीं भी हो मगर यही चार ग्रह और इन्हीं चार घरों में हो तो अमूमन होगा।

सूरज चन्द्र बुध केतु

खालिद पानी में डूब कर मरे या दुनियावी हालत में निहायत दुखिया होकर [illegible]।

सूरज शुक्र बुध शनिच्चर

जोड़ भाई जोड़ मगर खाएंगे और ही लोग, खासकर जब चारों खाना नः 4 में हो. गो दो औरत जिन्दा मगर दोनों ही बेऔलाद और मन्दे चलन बुरे के कामों में खुश, लानत और जहमत की ठेकेदार होगी। खुद मर्द भी बेमानी जिन्दगी और आखिरी वक्त पानी का तरस कर मरता होगा।

सूरज मंगल बुध शनिच्चर

उड़ता हुआ फटा पतंग, वहशत परेशानी का घर उस घर की चीजों पर चारों ग्रहों का मन्दा फल हो जिसमें कि वो बैठे हों। अगर चारों ही ग्रह नष्ट हो तो ऐसा आदमी एक अकेला ही लाखों का मुकाबला की हिम्मत का मालिक होगा। अगर चारों ग्रह कायम हो तो लूट के माल से मालामाल हो जावे।

चन्द्र शुक्र मंगल बुध

चारों ही का मन्दा असर होगा जो लड़की की शादी के दिन से उत्तम और उमदा होगा।

चन्द्र शुक्र मंगल शनिच्चर

राज ताअल्लुक उम्दा और खुश गुजरान होगा। खासकर जब यह चारों ग्रह खाना नः 2 में हों।

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

चन्द्र शुक्र बुध शनिच्चर

अमूमन उनके अपने कर्यात्रा (खानदान हकीकी सूत) में मौत और जन्म (एक पैदा हुआ तो कोई और मर गया) के वाकयात में इकट्ठे ही हुआ करेंगे।

शुक्र मंगल बुध राहु

शादी में आम दुनिया की मुखालफत और धन हानि होगी। खासकर जब चारों मुश्तरका खाना नः 7 में हो।

मंगल बुध शनिच्चर राहु

बैठा होने वाले घर पर कोई बुरा असर न होगा। अगर साथी घर में सूरज हो तो उसके अपने भाइयों में से कोई तो मच्छ रेखा का मालिक और कोई लावल्द ही होगा। चोरी और धन हानि अक्सर हुआ करेगी। बुध मन्दा तो लड़कियां दुखिया और मरीज रहेंगी। दक्षिणी दरवाजे का साथ मन्दे असर की बुनियाद की वजह होगी और दहलीज के नीचे चांदी की चपटी तार जो दहलीज की लम्बाई के बराबर हो मदद देगी। यह जरूरी नहीं कि वे तार चौड़ाई में भी दहलीज की चौड़ाई के बराबर लम्बी हो।

पंचायत पांच ग्रह

सबसे उत्तम पंचायत वो है जिसमें बुध शामिल न हो

मगर राहु या केतु में से एक जरूर शमिल हो

1. नर ग्रह स्त्री ग्रह भय पापी ग्रह (सिवाय बुध) मुश्तरका की पंचायत हो तो किस्मत का धनी हुक्मरान, साहिबे औलाद दर औलाद दौलत व गृहस्थी सुख सागर उमदा व लम्बा। उम्र लम्बी होगी। खुद ख्वाह अक्ल का अन्धा व मिट्टी का माधो ही क्यों न हो।

2. बृहस्पत सूरज शुक्र बुध शनिच्चर मुश्तरका पंचायत हो तो। i) खाना नः 1 से 6 में उत्तम फल नेक असर होगा। ii) खाना नः 7 से 12 में उपर का भाग नः 1 का असर मगर खुद साख्ता अमीर होगा। और डरते - डरते दरिया पार घर जाने वाले तैराक की तरह दुनिया में आसूदा (खुशहाल)

Q।

3. पंचायत (कोई भी पांच ग्रह) का असर हर हालत में उत्तम और नेक ही होगा। अगर ऐसा शख्स पांचों ही (कुल जमाने के) ऐब का मालिक भी हो जाये तो भी औरों से उत्तम व उम्दा होगा।

अगर पंचायत के ग्रहों में कोई भी पापी (राहु केतु शानिच्चर) शमिल न हो और वो प्राणी खुद भी पाप करने वाला हो तो ऐसी पंचायत का कोई फायदा न होगा। मतलब यह कि या तो पांच ग्रहों में पापी जरूर हो या वो प्राणी खुद शरारती और पापी हो तो पंचायत के ग्रह उत्तम फल देंगे वरना उसकी आंखों के सामने उसका घर कई दफा लुटता होगा। धर्मी रहे मगर पापी ग्रहों की अशिआ लोगों में मुफ्त तकसीम करना मुबारिक फल पैदा करेगा। मसलन राहु केतु की मुतल्लका अशिआ जौ - अनाज की बनी हुई चीजें नारियल की खैरात केतु की मुतल्लका अशिआ के लिए खटाई की अशिआ - शनिच्चर बादाम, शराब सिगरेट हुक्का नोशी या नशे की चीजें।

तमाम ग्रह

राहु या केतु में से कोई एक पहले या बाद के घरों में बैठा होने के सबब से बाहर रह जाता है। मगर बरुए दृष्टि अपना असर दूसरों में मिला देने के असूल की वजह से वो भी तमाम ग्रहों में मिला हुआ ही समझा जाएगा। इस तरह जब राहु पहले घरों में और बाकी सब ग्रह बाद के घरों में बैठे हो तो राजयोग होगा। और खासकर जब इकट्ठे हो रहे हो

खाना नः में तो असर होगा

2. हुक्मरान होगा
3. मिसल राजा साहिबे इकबाल होगा
8. हुक्मरान साहिबे इकबाल मगर सिर्फ अपने आप को ही बढ़ाता होगा।
9. हुक्मरान साथियों को बढ़ाकर खुद बढ़ता होगा। पांव की पांचों उंगलियां
   (i) आहम बराबर या लम्बी हो (दराज हो) तो खुशहाल हुक्मरान
   (ii) जब एक दूसरी दर्जा ब दर्जा बड़ी होती जावे तो साहिबे औलाद पर औलाद होगा।

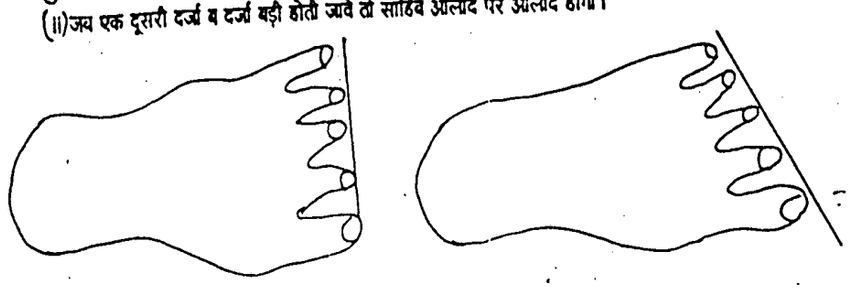

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

विषय के अध्ययन के लिए चन्द मददगार मिसालें

यादाश्त - हस्त मजमून की बुनियाद पर हर मर्द का टेवा हर औरत के टेवे को छाप लिया करता है मगर कई दफा वाकम वे लिहाजी भी हुआ करती है। यानि लड़की की जब तक शादी नहीं (नौजवान बेशक हो) लड़की का टेवा खुद उसके अपने लिए और वाल्दैन भाई बन्दों और दीगर गृहस्थी साथियों के ताअल्लुक में दरुस्त अन्दाज या मददगार हो सकता है। मगर शादी के दिन से उसके खाविन्द के टेवे के मुताबिक मर्द और औरत हर दो का हाल इकट्ठा शुरु होगा। और लड़की की हैसियत का टेवा शादी के बाद कोई काबिले गौर न होगा।

लेकिन हो सकता है कि शादी के फौरन मर्द व औरत किसी ऐसे खून से (एक हिन्दू तो दूसरा मुसलमान एक सिक्ख तो दूसरा ईसाई एक दुरंगियन तो दूसरा हिन्दुस्तानी, एक अफ्रीका का बासी तो दूसरा कश्मीर का बाशिन्दा) ताअल्लुकदार हो जिनसे खून की नस्ली खानदानी नसलों की बजाए पैवन्दी पौदों की तरह चल रही हो तो ऐसी हालत में मुमकिन होगा कि औरत का टेवा मर्द के टेवे से मुआफकत (अनुकूलता) न करें ऐसे हालत में मर्द और औरत हर दो के टेवे जुदा जुदा ही देखे भाले जाएंगे। जिस तरह की दो जुदा हो मर्द और औरत दुनिया में चल रहे हों।

एक शख्स का दायां हाथ

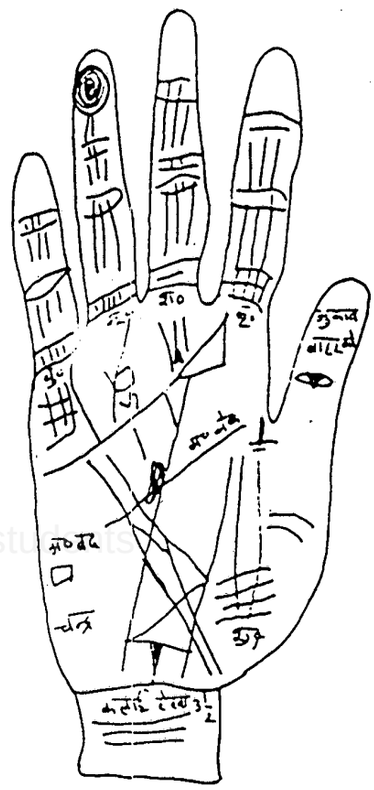

घक = 1
शंख = 1
सदफ = 8
हथेली की उत्तर पर चौड़ाई = 3" 3
हथेली की दक्षिण पर चौड़ाई = 2"
मध्यमा की लम्बाई - 2.9"
हथेली की मध्यमा तक लम्बाई = 4.1"
उंगलियों पर लकीरें
दाएं हाथ पर 19
बाएं हाथ पर 24
कुल लकीरें 43
नोटः यह असल फोटो नहीं खाके को पैमायश दी गई है
कर्क राशि
जन्म दिन, वीरवार
जन्म तिथि 18.1.1902

पंडित जी की बनाई कुंडली

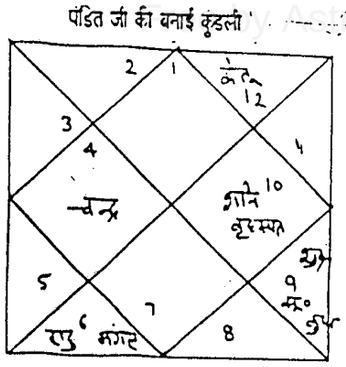

जन्म तिथि : 4 पौष सम्वत 1959 तदानुसार 18 जनवरी 1902 वीरवार
हाथ देखने का दिन : 23 माघ सम्वत 1995 यानि 37वां साल शुरु हुआ

हस्त रेखा के अनुसार : कुंडली →

मंगल खाना नः 1
चन्द्र खाना नः 2
केतु खाना नः 3
राहु खाना नः 7
बृहस्पत शनिच्चर खाना नः 10
सूर्य बुध शुक्र खाना नः 12

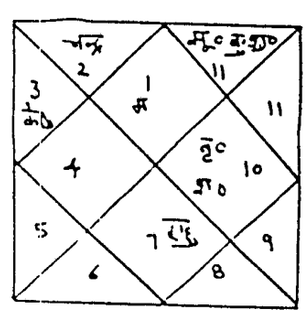

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

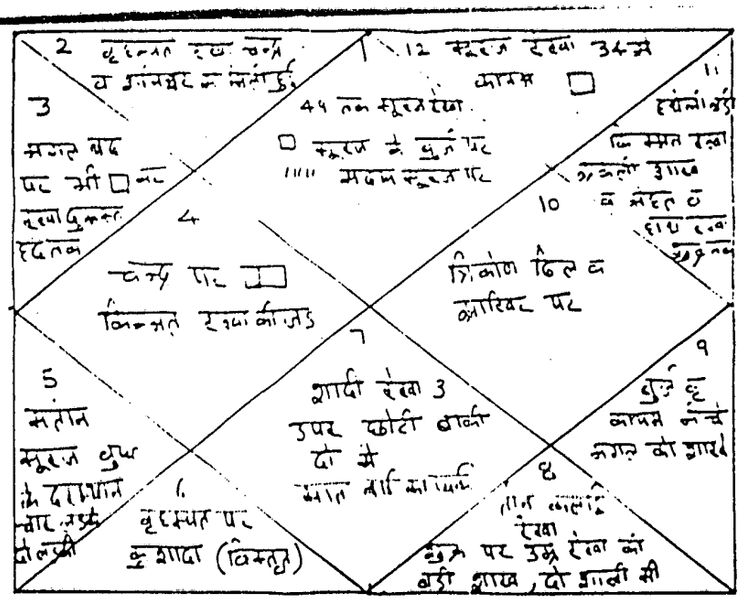

ग्रह कुंडली किस तरह बनाई गई

कुंडली का खाना नः ग्रह का नाम लिखने की वजह

1. सूरज के बुर्ज पर चोकौर है जो मंगल का निशान है और सूरज के बुर्ज पर को खाना नः 1 में दिया गया है।
2. चन्द्र के बुर्ज से रेखा सीधी बृहस्पत के बुर्ज पर चली गई है। जिसे खाना नः 2 दिया गया है
3. केतु का निशान मंगल नेक को बुर्ज पर वाका है। जिसे खाना नः 7 दिया गया है।
7. राहु का निशान शुक्र के बुर्ज पर वाका है जिसे खाना नः 7 दिया गया है।
10. तर्जनी और मध्यमा उंगली के नीचे शनिव्यर और बृहस्पत के बुर्जों को मिलाने वाली दो शाखी कायम है यानि बृहस्पत खाना नः जो शनिव्यर के बुर्ज को दिया गया है पर वाकया है। और शनिव्यर रेखा से शनिव्यर खुद अपने घर नः 10 पर हुआ।
12. सूरज के बुर्ज और बुध के बुर्ज से रेखाएं हर दो की जुदा जुदा खर्च के खाना नः 12 में चली गई है।
1-7. इन घरों के ग्रह एक दूसरे को सौ फीसदी की नजर से देखते है।

मंगल के साथ बैठा हुआ राहु चुप रहता है। और मंगल वद के बुर्ज पर जिसे खाना नः 8 दिया गया है भी चोकौर वाकया है। इसलिए खाना नः 1-7 के असर के लिए मंगल का असर नेक होगा। मंगल के जोर से राहु जो चुप रहेगा मगर मंगल से दूर बैठा होने की वजह से जरुर बुरा असर ही अन्दरुनी तौर पर करता जरगा। और मंगल के असर का तमाम अरसा यानि 28 साल तक स्त्री न जर व स्त्री सुख पर जरुर बुरा असर करेगा। मंगल के असर के अरसा के बाद 14 साल तक राहु व मंगल दोनों इकट्ठे असर करने लगे राहु के असर की मियाद 42 साल होती है। और मंगल की कुल मियाद 28 साल है इसलिए एक ही वक्त में शुरु होने पर राहु 14 साल बाद तक अकेला ही होगा। मगर शुक्र व बुध के मुश्तरका घर खाना नः 7 और सूरज का घर खाना नः 1 पर अकेले राहु का असर होगा। मगर वही तीनों ही इकट्ठे उठकर खाना नः 12 में बैठे हुए है यानि राहु जुदा एक तरफ शुक्र के घर मेहमान बैठा है। और शुक्र अपने दोस्त बुध को साथ लेकर सूरज के हमराह राहु के घर चला गया है इसलिए न राहु शुक्र का कुछ बिगाड़ सकता है और न ही शुक्र राहु का नुकसान कर सकता है। सिर्फ एक दूसरे के घरों की इमारत खराब कर सकते है। खाना नः 2, 12 आपस में 25 फीसदी की निगाह से देखते है। चन्द्र खाना नः 2 में उंच होता है सूरज और बुध वाहम दोस्त है मगर सूरज व शुक्र वाहम दुश्मन है और दूर बैठा हुआ चन्द्र शुक्र और बुध दोनों से दुश्मनी करने वाला है। इस तरह पर सूरज व चन्द्र तो शुक्र का फल खराब कर लेगे और बुध का फल चन्द्र से खराब होगा। मगर चन्द्र सूरज का फल उत्तम होगा। सूरज के साथ बैठे हुए बुध अपने असर का निस्फ अरसा तक यानि 17 साल चुप रहता है और बाद में 17 साल चुप रहता है और बाद मे 17 साल अकेला फल नेक देता है।

खाना नः 10 शनिव्यर व बृहस्पत इकट्ठे है इस हालत में दोनों का अपना अपना पर शनिव्यर का फल खराबहोगा। बृहस्पत भी दुश्मन या पापी ग्रह के साथ अपना निस्फ अरसा यानि 8 साल जरुर नेक फल देता है इन ग्रहों का ताल्लुक पिता से है खाना नः 3 केतु मंगल के घर पड़ा है जो मंगल के दुश्मन है लेकिन मंगल अपने घर से उठकर सूरज के घर खाना नः 1 में चला गया है।
मंगल के साथ सूरज हो तो मंगल का फल हमेशा नेक का होगा और सूरज की मंगल के साथ उंच होता है।

संक्षप्ति : हर एक ग्रह का प्रभाव निम्नलिखित होगा

बृहस्पत : इस ग्रहकी मियाद कुल 16 साल होती है। जिसमे से पहला आठ साल का अरसा हमेशा नेक असर का होता है इसलिए पहले 8 साल के बाद बृहस्पत का फल शनिव्यर खराब कर देगा। क्योंकि बृहस्पत किसी से दुश्मनी नहीं करता । मगर पापी ग्रह बुरा असर कर दिया करते है लेकिन वह भी उस वक्त जब वह बृहस्पत के घर या खाना नः 2 पर आ जावे। लेकिन जब बृहस्पत पापी ग्रह के घर पर जावे तो बृहस्पत अपना नेक ही फल रखेगा। पापी ग्रह या वह ग्रह जिसके घर में कि बृहस्पत जाकर बैठा है अपना फल जैसा चाहे देवे अब क्योंकि शनिव्यर अपने घर

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

यानि कि खाना नः 10 में बैठा है और बृहस्पत उसके घर आया है इसलिए बृहस्पत तो अपना सारा ही अरसा नेक फल देगा। और शनिच्चर बुरा फल देगा। जो बृहस्पत के अरसा के बाद शुरु हो सकता है। यानि बृहस्पत के 16 साल के बाद 36 साल शनिच्चर की कुल मियाद में से बाकी 20 साल शनिच्चर अकेला असर कर सकता है।
हर ग्रह अपने वक्त के निस्फ और चौथाई में असर जाहिर कर दिया करता है इस तरह पर शनिच्चर अपने 36 साल के निस्फ यानि 18 साल में अपना बुरा असर जाहिर करेगा। जब कि बृहस्पत पहले ही खत्म हो चुका है। शनिच्चर का बृहस्पत के साथ बुरा असर तब ही हो सकता है जबकि बृहस्पत उसके साथ चल रहा हो और बृहस्पत या 16 साल तक इसलिए शनिच्चर का बुरा असर बृहस्पत के पहले आठ साल के बाद 16 साल तक ही हो सकता है।

सूरज - इस ग्रह का अपना तमाम अरसा तो अपनी जात के लिए उत्तम ही होगा। लेकिन यह ग्रह अपने साथी शुक्र के फल का तमाम अरसा खराब या नीच ही करेगा। और चन्द्र भी 25 फीसदी अपनी बुरी असर शुक्र पर करता रहेगा। मगर सूरज को चन्द्र 25 फीसदी मदद और देगा।

चन्द्र : इस ग्रह से कोई ग्रह दुश्मनी नहीं करता यह खुद ही दूसरे ग्रहों से दुश्मनी करे तो बेशक करे इसलिए इस ग्रह का अपना फल तो बृहस्पत के घर बैठ हुए उच्च होगा। मगर खुद शुक्र और बुध दोनों ही से दुश्मनी करता जाएगा।

शुक्र : सूरज का अरसा 22 साल होता है चन्द्र का 24 साल यह दोनों ही शुक्र के दुश्मन है शुक्र की मियाद 25 साल है सूरज और शुक्र इकट्ठे बैठे होने की वजह से दोनों का असर इकट्ठा शुरु हुआ। सूरज की दुश्मनी 22 साल में खत्म हुई और चन्द्र की 25% बुरी नजर भी 24 साल में जाकर हटी अब शुक्र का अरसा सिर्फ एक साल बाकी रहा। उधर शुक्र खुद उसके घर खाना नः 12 में बैठा हुआ है उसका दोस्त बुध बेशक उसके साथ है मगर वह अपने दोस्त सूरज के निस्फ अरसा तक यानि 17 साल चुप है न बुध शुक्र से बिगड़ता है न सूरज से 18 साल के बाद शुक्र की मदद शुरु कर सकता है मगर बुध की मियाद 34 साल में शुरु होती है इसलिए शुक्र का अपना पहला अरसा तो सारे का सारा 25 साल ही खराब हो गया। बुध की मदद या बुध की ऊंच हालत से शुक्र सिर्फ लड़कियां ही पैदा करता है इसलिए शुक्र अपने पहले ही दौर में मदद न दे सकेगा।
गो शुक्र और चन्द्र की दुश्मनी हुई मगर दूसरे चक्र में शुक्र जो मीन राशि खाना नः 12 में ऊंच होता है अपने वक्त से ऊंच फल होगा।
मंगल नेक 28 साल तक राहु की अन्दरूनी पापी चाल के कारण से औलाद भाई बन्द और नजर पर जरूर बुरा असर होगा। मगर दूसरी बातों में मंगल का असर नेक ही होगा।
मंगल बद इस पापी ग्रह का मुंह पहले ही मंगल बद के बुर्ज खाना नः 8 पर चौकोर ने बन्द कर दिया है इसलिए यह ग्रह उस कुंडली में किसी जगह भी बुरा असर न देगा। यह ग्रह सामुद्रिक में सिर्फ सूरज की खराब हालत देखने के लिए रखा गया है यानि जब सूरज नीच होवे यानि जब सूरज मंगल के साथ न होवे तो मंगल को मंगल बद कह देते है एक वक्त में केवल एक ही नाम होगा ख्वाह मंगल नेक ख्वाह मंगल बद। अगर हाथ में जुदा ही पाई जावे तो बेशक यह ग्रह एक जुदा ग्रह गिना जायेगा।
बुध इस ग्रह का अरसा 34 साल होता है यह अपने साथी शुक्र जिसकी मियाद 25 साल है और सूरज जिसकी मियाद 22 साल है दोनों की मदद करेगा। मगर चन्द्र की 25% नजर चन्द्र की मियाद 24 साल तक इस ग्रह के अपने अन्दर के लिए बुरी ही होगी। यह चन्द्र से दुश्मनी नहीं करेगा।

शनिच्चर : बृहस्पत के असर को इस कुंडली के हिसाब से खराब करेगा मगर खुद उसके अपने असर में दखल देने के लिए कोई दूसरा ग्रह खाना नः 4 में मौजूद नहीं है।

राहु : यह मस्त हाथी मंगल (x) जंगी ग्रह की तलवार (अंकुश) के रोब से जाहिरा चुप रहेगा। मगर दूर खड़ा होने की वजह से मंगल से दुश्मनी करेगा (मंगल व राहु इकट्ठे ही बैठे है) तो सिर पर तलवार या अंकुश से हाथी चुप रहेगा। मगर जब तलवार या अंकुश हाथी से दूर और उसकी सौ फीसदी नजर के सामने होवे मस्त हाथी तलवार को खराब करने की कोशिश करेगा।
शुक्र के घर पड़ा होने की वजह से शुक्र की इमारत को खराब करेगा मगर शुक्र का कुछ बिगाड़ नहीं सकता जो राहु के घर खाना नः 12 में है।

केतु : इस पापी ग्रह से बचने के लिए मंगल अपने घर से पहले ही उठकर खाना नः 1 में चला गया है इसलिए केतु सिर्फ मंगल के मकान को ही खराब कर सकता है । भाई बन्दों को खराब नहीं कर सकता। यह ग्रह खाना नः 11 को 50 फीसदी नजर से देखता है जो खाली है इसलिए यह कभी कभी बृहस्पत के खाना नः 11 (किस्मत व लाभ उच्च) पर धब्बा मारता चला जाएगा।

खाली खाने

खाना नः 4 चन्द्र का घर है इस घर को खाना नः 10 के ग्रह 100 फीसदी नजर से देखते है खाना नः 10 का बृहस्पत नेक नजर रखेगा। मगर शनिच्चर खुद चन्द्र के घर की दीवारों पर अपनी स्याही फेर कर चला जाएगा।

खाना नः 11 में केतु ही अपनी टांग पसार सकता है।

खाना नः 6 खाना नः 2 में बढ़ा हुआ चन्द्रमा 25 फीसदी नजर से देखता है केतु का घर चन्द्र के लिए चांद ग्रहण होता है अब चन्द्र केतु पर 25

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

फीसदी नजर करने के सबब न 43 साल केतु का असरा का चौथाई हिस्सा 12 साल बाद ग्रहण में होगा। चन्द्र का ताल्लुक जमीन या माता से है

खाना नः 5-9 दोनों खाली है इसका असर औलाद कर्म धर्म दूसरे ग्रहों से लेंगे।

खाना नः 8 (मौत का घर) इस घर को खाना नः 12 के ग्रह 25 फीसदी नजर से देखते है। यह ग्रह शनिच्चर व मंगल बद का है इस कुंडली में मंगल बद तो है ही नहीं बाकी रहा शनिच्चर और खाना नः 12 के ग्रह जिनमें से शनिच्चर शुक्र व बुध का दोस्त है बाकी रहा सूरज जिसका दुश्मन शनिच्चर है अब दोनों के बहनी मुकाबला में सूरज ताकतवर होगा।
इसलिए मौत का साल चन्द्र की मौत और मृत्यु का दिन सूरज का दिन या इतवार का होगा। जबकि केतु का वक्त खत्म हो चुका होगा।

जिंदगी के हालात

ग्रह कुंडली और जन्म रेखा कुंडली को मिलाकर पढ़ने से मालूम होता है कि ऐसे हालात वाला शख्स जंगी खून और शाही जंगी धन से शहाना परवरिश और खुद उसी जात कुदरत (निर्वाह) (पैसा धेला के लिए कारोबार) से शहाना हालत वाला होगा। जिसे मुताअल्लका दुनिया में हकूमत करने का मौका और धन जमा करने का वक्त बहुत मिलेगा। दुनिया के मैदान में चमकीले चांद की तरह हर जगह जंगल में मंगल करेगा। इसमें शक नहीं कि अकेले ही (एकाकी) ही खुद अपनी किस्मत को आप ही रोशन करने वाला होगा। दुश्मन पीठ पीछे दुश्मनी कर सकते है मगर चन्द्रमा ऊंच के सामने आकर दोनों ही चुप होंगे। पोशीदा दुश्मनी करने वाले लोग उसकी तलवार के सामने आकर मस्त हाथी की तरह अंकुश के डर से जंगल से गिरी हुई टहनी उठाकर देने का काम करेंगे। दुश्मन भी अपनी दुश्मनी करते जाएंगे। मगर ऐसा शख्स कुदरती मदद के सबब हमेशा ही बचता चला जाएगा। और गैबी ताकत उसका पूरा बचाव करती रहेगी। रंग का सफेद होगा। जिसमें मंगल का सुर्ख रंग चमकता होगा यानि कि रंग कुदरती ऐसा होगा कि जिस तरह एक लाल रंग कागज पर सफेद चांदी का टुकड़ा लेटा या रखा हुआ होवे।
तबीयत आदिलाना (निरपक्ष) और दिल की पूरी शक्ति वाला होगा। अछले कलम, तलवार का धनी और तदबीरों में माहिर और अक्लमन्द होगा। जवान और जिस्म की कभी कमजोरी न होगी मगर 13.14 साल की उम्र के करीब नजर या आंखों की बीमारी और 28 साल की उम्र के करीब नजर कमजोरी का सबूत देगा। मगर खराब न होगी यानि ऐनक वगैरा का इस्तेमाल राहु की पोशीदा दुश्मनी की निशानी होगी। पापी ग्रह शनिच्चर के असर से शराब का इस्तेमाल बृहस्पत के असर में खराबी हालने का सबब होगा। और मंगल के लाल जैसे रंग में स्याही की झलक देगा।
कुत्ते का शौक (जो केतु का रंग दिखेगा मगर सुर्ख रंग निशान उसके जिस्म पर न होंगे) भाईयों से तकलीफ खाह उनकी बीमारी खाह माली हालत की कमजोरी खाह कोई और अचानक तकलीफ कुछ भी कहो भाईबन्दो रिश्तेदारों तावे चाचे औरत जात खानदान यार दोस्तों की मदद औलाद वगैरा खाना नः 3 सब जरूरों में जिसका असर खाना नः 11 पर भी 50% हो खराबी का सबब हुआ करेगा इस ग्रह का अपनी जान पर कभी बुरा असर न होगा। जिसे मुताल्लका दुनियां में दूसरों की तरफ का दुःख उसके लाभ किस्मत और उम्र पर धब्बा देगा। यह ग्रह 48 साल तक असर करता चला जाएगा। इस पापी ग्रह का पाप उसके मुतअल्लका साथियों पर भी भार करेगा। मगर राहु से (स्याह रंग या हाथी के रंग से मिलती हुई या नीली चीजें) जरूरी तौर पर उसी मंगल के दूसरे असर नजर और आदि खास तबीयत में जहर का निशान होंगे। शनिच्चर जो बृहस्पत के बिल्कुल साथ बैठा है अपनी स्याह रंग चीजों से पानी स्याह रंग मछली का जमाना कर तार होगा। यानि बिल्कुल साथ मिली हुई स्याह रंग चीज या काला रंग वह आदमी(बिल्कुल साथ ही होगा या अपने घर पर ही आएगा) नुकसान का सबब होगा और सोते का मुंह काला करने का सबब होगा। संतोष ने सफेद रंग (वही शक का रंग) केतु से बचने के लिए जो भाई बन्दो के दुःख हटाएगा दूध या पानी के सफेद रंग की चीजे खुद अपनी कमाई ने बरकत के लिए चन्द्र और बृहस्पत के घर का असर दौलत बइज्जत खाना नः 2 और बृहस्पत उम्र और दूसरे शख्सों के लिए खाना नः 11 मुबारिक होगा। दाएं हाथ पर अंगूठी में नीलम (राहु) 42 उम्र तक मे अपनी और पोशीदा दुश्मनी से बचाएगा। शराब और आंख की होशयारी दुष्ट भाग्यवानी से दूर रहने पर बृहस्पत का उत्तम फल होगा। मंगल नेक का उत्तम फल मंगली रंग की चीजे जो सूरज का रंग है पैदा करेगी। सूरज की उपासना या दोस्ती से राजदरबार में उत्तम फल देगी। और सूरज जो शुक्र को नीच करता है तमाम गृहस्थ औरत जात धन दौलत आराम हर तरफ का खर्चा गर्जे कि खानानः 12 का उत्तम फल होगा। घर में दूध की मौजूदगी में चन्द्र भी शुक्र को मुआफ करता रहेगा। चन्द्र ऊंच की किस्मत मकान के लिए तब जमीन खरीदने के दिन से होगी जिससे मालूम होगा कि चन्द्रअब शुक्र से दुश्मनी न करेगी। बुध से चन्द्र ने दुश्मनी छोड़ने का जमाना 34 साल उम्र से पूरी तसल्ली का होगा। बुध वैसे तो 24 साल से अपना आप चन्द्र से बचा लेगा मगर 34 में वह अपना (बुध) पूरा नेक असर देगा। शनिच्चर 36 साल के बाद यानि 37 से नेक असर देगा। वैसे तो वह 16 साल के बाद बृहस्पत को मुआफ कर चुका है इस कुंडली में शुक्र (दूसरी दफा) चन्द्र सूरज मंगल उत्तम है (दौलत का सुख व खर्च) बुध तिजारत व्यापार का नाश करता है क्योंकि खाना नः 12 में है।

इस ग्रह का उपाय दूध पाठ, तोते को चूरी, सफेद कबूतर को मुंगी बुध के दिन मुबारिक करेगी और जाया जाने वाली दौलत शुक्र के काम आएगी। 34 साल के बाद बुध सूरज का उत्तम फल शुरु होगा। 36 के बाद शनिच्चर भी मदद देगा। 42 साल के बाद राहु मदद करेगा। 48 के बाद केतु शुभ होगा।
शुक्र जब ऊंच होगा अपनी किस्मत 25 साल की बजाए 34 साल निहायत उत्तम फल देगा। लड़का पैदा होने के दिन से सूरज दुनिया में रोशन होगा (दरअसल सूरजका वक्त बच्चे के माता के पेट में आने के दिन से ही शुरु गिन सकते है) और 22 साल तक रोशन रहेगा। तब जमीन की खरीदारी की तारीख से चन्द्र उच्च 24 साल तक रहेगा। मकान बनने के दिन से 36 साल तक शनिच्चर का उत्तम फल कायम रहेगा। घर में स्याह रंग कुत्ते की मौत या कोई और काली नीली चीज के गुम होने के दिन से 42-43 से राहु उत्तम होगा। और इसी तरह दो रंगी चीज रंग बिरंगा कुत्ता जो लाल रंग न हो वगैरा के चले जाने के वक्त से केतु 48-49 साल से उतने साल ही उत्तम होगा।
कमाई में हराम का पैसा धेला न होगा। सादालोह, साधुपन, साधुसेवा, मुन्सिफाना तबीयत से किए हुए काम, सफेद पोशी बजुर्गों की सेवा इतवार या सोमवार को शुरु किए हुए काम खुद अपनी जात के लिए निहायत मुबारिक होंगे और सूरज के जरिए (गहरा रंग) से हर तरह की शांति नसीब

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

होगी।

मोटी मोटी बातें

बचपन निहायत उमदा था। जवानी (34) में आराम देगी बुढ़ापा निहायत तकलीफ बख्श होगा।
13,14 साल के करीब माता का सुख नाश होगा
15,16 साल के करीब पिता का सुख नाश होगा।
माता पिता उसकी स्त्री का सुख न देख सकेंगे
18 साल के करीब मुलाजमत शुरु करे।
21 साल के करीब शादी हो। 28 साल तक स्त्री का सुख और औलाद के कोई मायने न होंगे। सब कारवाई फिजूल होगी।
24-26 के करीब पैदा शुदा लड़की बुध सूरज का उतम फल देगा (तरक्की) 30-31 के करीब की औरत शुक्र ऊंच का फल देगी (दूसरी शादी)
37-39 के करीब का मकान शनिव्यर ऊंच का फल देगा । तरक्की होगी।
33 में बिल्कुल बनने के लिए तैयार मगर बन्द हुआ और उसी दिन से 49 साल तक सूरज राजदरबार से ताल्लुक होगा। 51 साल की उम्र के करीब लड़का मुलाजिम होगा। उसके बाद सन्यास या परोपकार का ताल्लुक होगा। कुल उम्र 93 साल होगी।

विभिन्न (मुतफरंक बातें)

माली हालत : जिस साल की आमदन महावार देखनी होवे उस साल तक उम्र में से मुलाजमत शुरु करने का अरसा यानि 18 साल घटावे बाकी को 7.5 से गुणा करे जवाब औसत आमदन महावार होगा 37 साल की उम्र में से 18 घटावे तो 19 साल को 7.5 से गुणा दी तो 142.5 या 140 से 145 के करीब महावार आमदन होगी। यही असूल मंगल का सारा अरसा 28 साल तक होगा। यानि 210 महावार तक का होगा।
34 से पहले की उम्रतक सिर्फ माया का राखा होगा। यानि जो कमाया दूसरों पर लगाया। या किसी दूसरी तरफ लग लगा गया। 34 से 42 तक आमदन माकूल होगी मगर मकान ब्याह शादी वगैरा ग्रहस्थ के नेक कामों में लगेगी। 43 से 51 तक उतना ही फरि उमा हो जाएगा जितना पहले खर्च किया या कर्जा कभी न होगा। बवक्त जरुरत 3रु. की जरुरत अचानक पर दो रु. हाजिर होंगे इस शर्त का आमदन से कोई ताल्लुक नहीं है।

औलाद

कुल 4 लड़के और दो लड़कियां आखिर दम कायम होंगे। औलाद नेक होगी। और सुख देने वाली होगी। पहली औरत की लड़की और दूसरी औरत का पहला लड़का किस्मत के खास मददगार होंगे।

Free by Astrostudents

सफर

चन्द्र सूरज के ताल्लुक से सफर तो जरुर है मगर दूसरे मुल्क का न होगा। सफर का नतीजा हमेशा नेक होगा।

भाई बन्द :

भाई 42 साल से उमदा हालत में होगा। मगर उस हाथ वाले को अपने भाई से कोई ऐसा फायदा न होगा। मगर भाई को जरुर फायदा होता रहेगा मदद के लिए तो सब जाहिरा होंगे मगर दरअसल मदद सिर्फ अपनी ही जान की होगी। न ताया न चाचा न मामू न ससुराल सिर्फ खुद ही अपना आप मिया फजले इलाही या मालिक का भरोसा होगा।

खर्च बचत

खर्च गिन नही सकता। रुपये से 11 आने खर्च 5 आने बचत होगी। खर्च बड़ा है मगर उसे घटा नहीं सकता। अगर खर्च घटावे तो आमदन घट जावे। लड़कियों की किस्मत के लिए अगर खर्च बढ़े तो आमदन खुद ब खुद बढ़ेगी। अपने लिए अपने पेट की बचत बेशक करे मगर दूसरों के लिए सेवा भाव के तौर पर खर्चा ज्यादा हो जावे और खुद करे दूसरों को दिया हुआ पैसा जरुर वापिस आवे। साहूकार उमदा मगर खैरात खाता यानि बिना सूद रकम कभी वापिस न हो।

खुशी गमी -

19 खतों (दायां हाथ) से धर्मात्मा, राजदरबार में इज्जत दोनों हाथों पर कुल 43 निशान होने के सबब 32 गमी के अंक के मुकाबिला में 43 खुशी होगी।

स्त्री का साथ-

28 के बाद की औरत अपनी उम्र से कम से कम 59,60 साल साथ निभाए।

कर्म धर्म -

मंगल अपने घर है इस लिए धर्म के बर्खलाफ यह हो ही नही सकता। उस हाथ की इज्जत और कद्र तो है ही। कीमती लाल की तरह से सूरज की तरह चमकते पर वरना मंगल बद होगा। इसलिए यह हाथ कर्म धर्म का ही देवता होगा। जो साधारण कहे टाली न जावे। जरुर सच होगा।

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

वह शख्स काम देवता से दूर और जरूरी लियाकत का मालिक होगा अपने यौन (नस्ल) पर अफसोस रखने वाला होगा। नेक काम के लिए उसकी ताकत 3 व 3 और बुराई के लिए 2 व 2 यानि बदी की निस्बत नेकी की तरफ ज्यादा होगा। उसका दोस्त बदी हो सकता है या उससे फायदा बटोरता सकता है जो अन्दर बाहर से सफा दिल हो। चालाक की चालाकी फौरन ताड़ लेगा।

या चालाक से जरूर नुकसान पाएगा और सफा दिल उससे जरूर फायदा पायेगा।

जायदाद जमीं : हवेली गहने की वजह से आमदन खर्च के लिए कर्जा न उठाएगा। खुद कमाकर खर्च करेगा। 9, 2 दुश्मन (खर्च बुरे दिन) और 1,4 (वक्त और अच्छे दिन दोस्त होंगे। या दोनों का फर्ज 2,1 जायदाद जमीं में इजाफा करेगा। वह वक्त तमाम खर्च निकाल कर होगी। खुलासा जिंदगी एक चक्कर में हाकिम या राजा होने की दलील है और एक सख्त से हमेशा आराम पावे। और 8 सदफ से बड़ी इज्जत की जिंदगी होवे। और तर्जनी और मध्यमा बराबर होने से मशहूर जिंदगी का मालिक होवे। किस्मत के जरिया में वह हाथ दुनिया में अगर सूरज नहीं तो पुरा चन्द्रमा तो जरूर होगा। अंगूठा बाहर को झुकने के सबब नरम तबीयत होगा और जब नुकसान उठाएगा खुद नरमी तबीयत से होगा। मामूली उकसाहट से रुपया पैसा छोड़ देगा। और मामूली मिनन्तों से मान जाने वाला होगा।
आखिरी दिन अपने गृहस्थ में शनिश्चर की रात खतम मगर इतवार का सूरज चढ़ा न होगा। नवसे रामे 2 और जयहरि करता जाएगा। आखिरी वक्त जबान बंद न होगी और खयालात शुद्ध होंगे। सूरज का उतम दिन दूसरा दरबार बदलेगा। छुपता सूरज दुनिया के लिए जंगल में मंगल की लाली छोड़ जाएगा यानि गृहस्थी कुटुम्बी सब खुशहाल होंगे।

उदाहरणा

ग्रहों की अवधियां (मियाद)

बृहस्पत = 16 साल
सूरज = 22 साल
चन्द्र = 24 साल
शुक्र = 25 साल
मंगल = 28 साल
31 साल (दूसरों की मदद के लिए)
बुध = 34 साल
शनिश्चर = 18 साल माली हालात बाल्दैन
शनिश्चर = 19 साल शादी
शनिश्चर = 27 साल बाल्दैनी और अपनी बाहमी माली हालत
शनिश्चर = 33 साल तामाम रोजगार या दीगर जायदादी सवाल
शनिश्चर = 36 साल शनिश्चर की अपनी जाती असर की बातों के फैसले
शनिश्चर = 39 साल अपने पुश्तैनी राहु केतु की मदद या बरखिलाफी
राहु = 42, 45 साल से केतु और राहु की मुश्तरका हालात
केतु = 48, 49 साल बृहस्पत खड़ा हो जाएगा।

जन्म दिन 1-5-1913

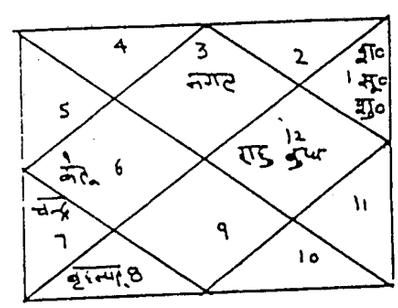

मंगल नः 1 मंगल का ताल्लुक होता है अपने खून से या अपने भाइ के खून से और मियाद अमूमन होती है 28 साल और खाना नः 1 की टांगे होगी खाना नः 11 में और आंखे नः 8 में, खाना नः 8 खाली है इसलिए आंखे तो उसकी है नहीं इसलिए उस आदमी की रहनुमाई किसी के हाथ में नहीं या खुद ही अपनी आंखो से देखकर चलने वाला और खुद ही अपने लिए सबकुछ करना पड़ेगा अब रहा सवाल टांगो का या दूसरों की मदद से चलने का ढंग तो इसके लिए अगर किसी इनसान की दो टांगे मान ली जाएं तो इस दैवे की होगी।

तीन टांगे : अब तीन टांगो सूरज शनिश्चर के इकठ्ठे होने से उनके बाहरी झगड़े से शुक्र मारा जाएगा। या उसकी और सूरज शनिश्चर की उन्हें ने बरबाद होगी। (टांगे भी लड़खड़ा रही है) या शुक्र अपनी मियाद में अब उसकी उम्र है 36 साल गोया उसकी पहली सत्री को गुजरे हुए 10, या 12 साल हो गये।
मंगल मदद करता है अपने खून के रिश्तेदारों को 28साल्ला उम्र में और दूसरों की मदद है 31 साल्ला उम्र में।
सूरज शनिश्चर के इकठे होने में दोनों ही सिफर हो रहे है इसलिए 28 साल से 31 तक दूसरों की तरफ से कोई मदद न होगी लेकिन जो शुक्र नष्ट हुआ या 25 में वह मंगल के 31 साल्ला उम्र में बहाल होना चाहिये। या दूसरी शादी हुए 5 साल हो गए मंगल मैदाने जंग का मालिक है लेकिन इस मंगल के टेले की न तो आंखे है न टांगे इसलिए जंगी बातों का सवाल उठता नहीं। केतु नः 4 राहु बुध नः 10 नः 4 का केतु कुएं में न चंद्र अच्छा, न केतु अच्छा। औलाद देरी से होगी और राहु की मियाद मगर बुध के बाद अव्वल तो नर औलाद के मुतल्लक कुछ जयादा नहीं कह सकते लेकिन इस वक्त औलाद हो तो छोटा बच्चा दो या तीन साल का गिना जा सकता है। शाम का सफर और माता की तरफ रवानगी अमूमन मंदी हो हवा से भरपूर होगी (बृहसपत होती खुली हवा और केतु है बंधी हुई हवा) खाना नः 10 के राहु बुध अमूमन शनिश्चर की हैसियत पर चलेंगे। शनिश्चर नः 11 का घमंतमा है मगर सूरज के टकराव से मारा जा रहा है या 34 साल्ला उम्र से 36साल तक राहु बुध का जमाना शनिश्चर की स्याही या सूरज की आग हर एक चीज को राख करता जाएगा। सिर्फ धुंआ (राहु) उठ रहा है शनिश्चर की लकड़ी जल रही है। सूरज की आग भड़क रही है या 34 से 36 साल उम्र तक जमाना मन्दे धुंए का जवाब देगा। किसी की अमानत किसी की, जमानत, ससुराल से हमदर्दी की तवक्को पानी में बुलबुले होंगे। शनिश्चर के कारोबार से कुछ मिलेगा नहीं। खास अच्छा जमाना नहीं है।

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

जन्म दिन 16-6-32
जन्म कुंडली दूसरी लड़की →

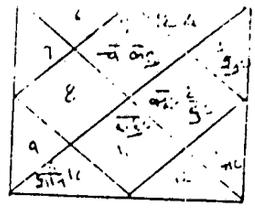

फहली लड़की
16-3-30 →

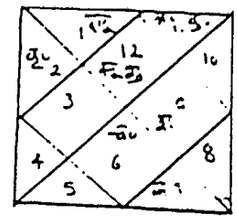

पिता की उम्र 19 साला उम्र में खत्म
चंद्र शनिश्चर नः 9 मकान तीन उजड़े हुए
केतु नः 5 -8 नर औलाद जिंदा
सूरज नः 3 आखिरी उम्र तक
सांस ठीक नाक छेदने से
बच्चा को आराम होगा ।

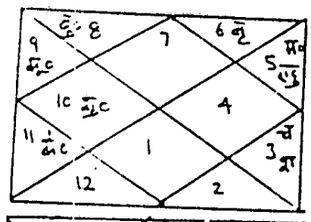

बाप कहता था कि मोटरों का मालिक मैं हूं
मगर मजमून कह रहा था कि मोटरों का मालिक लड़का है
जन्म दिन 16-12- 32
मोटर वाला लड़का
मोटर पिता को लड़के के जन्म के
बाद मिली केतु में शनिश्चर
मोटर की कीमत के बराबर लड़के की बीमारी
पर खर्च होगा मोटर 6500/ हजार में
खराबी और बीमारी पर खर्च 5000/

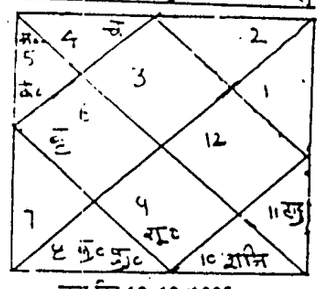

जन्म दिन 12-12-1885

रुपये उस दिन तक हो चुका था। एसा लड़का जिसके माता के पेट में आने के वक्त से पिता के पास मोटरों की कीमत के बराबर धन दरिया लहरें मार कर आ गया । बाप उस रात (हमल) की पहली रात मामूली पैंसिल तकसीम करने वाला मामूली हैसियत का सरकारी मुलाजिम था । हमल के दिन के बाद बाप ने मुलाजमत छोड़ कर ठेकेदारी शुरु कर दी और तीन चार मोटरें खरीद लीं जिनमें सबसे छोटी 6500/ की थी ।

केसर का तिलक लगाये तो मुबारिक होगा ।
बच्चा चक्की जन्म से नहीं है
जब तक चक्की कायम रहे किला
कायम रहे जब कोई लड़का
पेट में आया तो कोई तावीज लिया
लड़का पैदा होने के बाद तावीज लिया गया ।
बृहस्पत खुद (बुध) की हालत में बोल जायेगा (बुध नः 2)

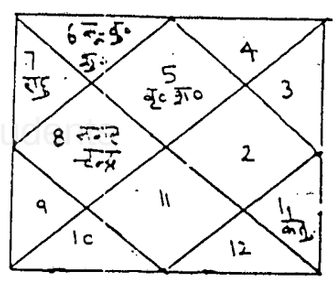

पंतग की डोर (बहुत देरी ना मुद्दत की) निवाड़ के पुराना बंडल की बाजार) 600 मील लम्बी (600गज नहीं) तो घर में मौजूद है और खाविंद को पंतग की तरह डोर का सहारा दे रही है । डोर को डोर की शक्ल में न रखा जाए जिस वक्त यह अपने खानदान के इलाके में जायेगा तो बाप को तरक्की मिलेगी
चंद्र नः 6
बुध नः 8 माता के लिये खराब
चंद्र नः 6 बच्चे के लिए खरगोश(नर)
का बच्चा (जो केतु की चीज है)
घर में रखा जावे खरगोश मरते
जावेंगे 48 साला उम्र तक मददगार होगा ।

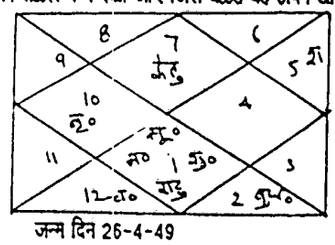

जन्म दिन 26-4-49

बुध नः 8 का उपाय किया जाये
शनिश्चर नः 11 उम्र लम्बी है ।
बच्चे की मां की आठ साला उम्र तक बीमारी रहेगी ।
खरगोश रखने से खरगोश मरते जायेंगे और मां को बीमारी से आराम रहेगा ।

मां बाप का कुछ पता नहीं ।
एसा आदमी अपने वालदेन के पास
नहीं रह सकता किसी का मुतबना
हो सकता है ।

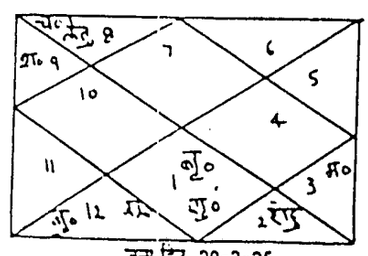

जन्म दिन 29-3-25

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

चंद्र नः 5 नः9 खाली चंद्र चलना घर चार ही है क्योंकि बुध चंद्र जहरी दुश्मन है इसलिए 4 घर चलने वाले घोड़े की हिम्मत बुध (दिमाग) राहु (ससुर) की खाली ताकत चंद्र (दिल) के खिलाफ होगी । या ऐसे आदमी की सरदर्दी ,दिमाग में तकलीफ 42 साल्या उम्र तक चलती रहेगी सरदर्दी से मुगद बेचैन बेकरारी उदासी , मायूसी नहीं होगी । बल्कि सिर में बीमारी जितने हैं जिसमें सिर के अंदर का हिस्सा फटा हुआ या टूटा करता या दुखिया ही माना गया है ।

बृहस्पत न : 6 खाना नः 12 खाली खाली हवा पाताल में चल रही है वह किसी काम की नहीं या सोना ,गुरु पिता तीनों से फायदा नहीं होगा । अगर कुछ हो तो दुःख का कारण हो सकते है । यानि सोने की चीजें गुम होंगी, काम की तकलीफ होगी मगर मगर दमा की बीमारी के मरीज ऐसा आदमी हर के मारे भागता जायेगा । और सांस आराम से न लेवे । बैठ कर आराम से सांस न मिलेगा ।

खाना न : 11 सूरज शुक्र शनिच्चर खाना न :3 खाली स्त्री सूरज के वक्त में या दिन दिहाड़े आग में जलती हुई मिट्टी होगी । मगर रात के वक्त की मिट्टी की स्याह मूर्त होती हुई भी लक्ष्मी अवतार और दुनिया के आराम की मालिक होगी यानि बच्चे बनाती जायेगी । जो औरत अपने ऐश में लग जायेगी जिस वक्त उसको मीठा गुड़ (सूरज) मिलेगा दुखिया ही होगी अगर वह नमक खायेगी तो ठीक रहेगी इससे उसको रुहानी व जिस्मानी आराम होगा ।

खाना नः11 आमदन का घर है जिसमें सूरज शुक्र शनिच्चर इकट्ठे है । सूरज ,शनिच्चर चलाने के लिए बुध दरकार है अब 36 साल की उम्र हो गई है कारोबार चमड़े के साजो समान (शनिच्चर) में गुजर रही है । सूरज शनिच्चर का झगड़ा स्त्री मर चुकी है आमदन जोड़ घटाव सब बराबर कर लो। 37से 39 साल्या उम्र शनिच्चर की धर्म अवस्था अपना जाती फल देने का जमाना है इसलिए शनिच्चर के कारोबार (लोहा लकड़ी चमड़ा) हर किस्म की वार्निश ,रंग ईंट पत्थर सीमेंट वगैरा का व्यापार कारामद होगा ।
36 साल तक तो शनिच्चर का ग्रह सूरज से चोट खाता गया है मगर शर्त यह है कि बुध कायम रहे या लड़कियों का आशिर्वाद लेता रहे । 39 साल्या उम्र में जो कुछ बचा होगा उसके मुतल्लका फिर सिफर जवाब होगा । दूसरे आदमी के साथ कारोबार 39 साल्या उम्र कर लिया जावे कोई नुकसान नहीं होगा । लेकिन लड़कियों को कुछ देकर उनका आशिर्वाद लेते रहना ठीक होगा । स्त्री के जेवरात 39 साल्या उम्र तक गुम हो जायेंगे। बाकी उसकी सरदर्दी तो आगे चलती ही रहेगी जिसकी अवधि 42 साल्या उम्र तक गिनी जा सकती है स्त्री की तकलीफ और उसकी परेशानी दूर करने के लिए बेहतर होगा कि मीठा खाना छोड़ देवे खासकर गुड़ : मौजूदा मुनाफा ठीक रहेगी और जगह कोई बन्दिश नहीं जहां मर्जी ऐश करे । नतीजा उमदा होगा ।

जन्म दिन 19-7-48

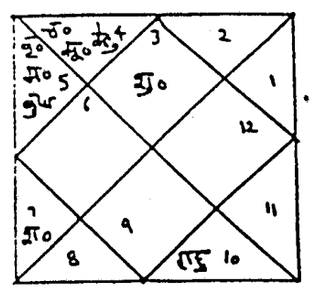

मकान बनाए : औलाद नहीं है शनिच्चर नः5
माता नहीं (चंद्र से)
औलाद नहीं है (केतु से)
चंद्र केतु कट गये इसलिए सिर्फ सूरज राजदरबार ही रह गया
गो केतु धर्म स्थान में है लेकिन दबा हुआ है
टेवे वाले को कुत्ते से नफरत है अगर कुत्ता मारे तो
टेवे वाले की टांग टूट जायेगी । इस साल कुत्ता लाल रंग का

(सूरज केतु) रखा है पूजा पाठ नहीं क्योंकि राहु नः8 में है । इसलिए खुद टेवे वाला नः 2 धर्म स्थान में नहीं जा सकता या नहीं जाता है इसलिए राहु खाना नः 9 में जावेगा । और खाना नः 9 का फल धर्महीन करेगा । 48 साल्या में मुल्की कैदी हुआ शनिच्चर नः 5 का है मगर सांप बगैर दांत के , शराब नहीं पीता । हालांकि घर में हर वक्त शराब की बोतल बेशुमार रहती है । इसलिए शनि तो औलाद के लिए मन्दा नहीं मगर केतु (औलाद) चंद्र (माता) खुद ब खुद ही मन्दे है । नर औलाद 52साल्या उम्र में होगी हालांकि औरत के 15 साल से कोई बच्चा नहीं हुआ मंगल बृहस्पत के साथ बुध है ।

51

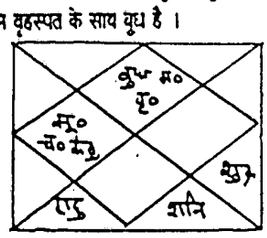

52

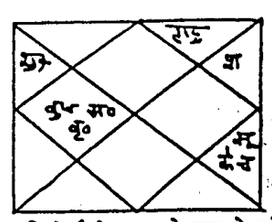

52 साल्या उम्र में मंगल बुध बृहस्पत खाना नः 4 में है बुध राज योग है अगर लड़की का रिश्ता किसी फौजी अफसर के साथ हो जावे तो टेवे वाले की तरक्की भी फौजी महकमे में ही होगी । सूरज चंद्र केतु खाना नः 9 में है वह भी उंच है बंदरगाह तक जा सकता है और जहाज की सीढ़ी तक भी जा सकता है मगर वहां से वापिस आना पड़ेगा । कोई औरत (शुक्र नः 3) समुद्र पार जाने के लिए कह रही है औलाद के जिंदा रखने वास्ते मंदिर में कुछ बादाम ले जावे और मंदिर में रखकर उसमें से आधे बादाम घर वापिस लेकर आवे और घर में रखे ऐसा करने से शनिच्चर नः 5 को जो बच्चे खाने वाला सांप है कराम हो जावेगी ताकि वह बच्चे न खावे ।

टेवे वाली लड़कियों के टेवे सामने दिये हुये है जिन से पता चलेगा कि उनका भाई कब पैदा होने वाला है

जन्मदिन 16-3 -30 जन्म कुंडली

पहली लड़की

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

हाथ रेखा की जन्म कुंडली

1-1-50 को उम्र तकरीबन 41 जारी

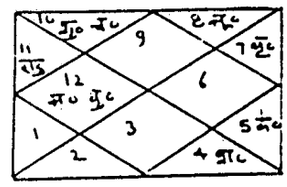

बड़ा भाई है ।
दूसरी शादी के वक्त बड़ा भाई ज्यादा बीमार हो, } मंगल नः 4
मामू खानदान बरबाद बहिन को दया है । → केतु नः 9

चकला संगमरमर का है → माता पास या चकला।
(बुध गोल चक्कर शनिश्चर संगमरमर) 11 और 21 साला उम्र में पिता की मौत, 11 साला उम्र में मौत । जिस्म पर सोना कायम - करना चाहिये । संगमरमर का चकला जहां भी है वहां से लेना चाहिये अगर घर में किसी के मौजूद हो अगर गुम हो गया है या कहीं रह गया है तो नया चकला ले लेना चाहिये जब संगमरमर के चकले पर रोटी बनवा कर खाई जाए तो दमा की तकलीफ दूर होगी ।

42

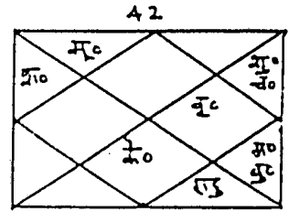

मंगल नः4 के पास दोनाली बंदूक होती है और बड़े भाई के उपर अचानक चल जाती है । होटल का काम मुबारक जब तक माता पास न रहे।
(चंद्र शुक्र मुशतरका नः 2)

बुध नः 4 (रेत) नीचे चल कर अपने घर नः 3 में चला जाता है ।
बीमारी [illegible] नः 3 से शुरु होती है और नः2 की मारफत नः4 में जाती है ।
शनिश्चर पत्थर या संगमरमर चंद्र चांदी
शुक्र : रोटी पकाने के लिए } संगमरमर का चकला
बुध: गोल चक्कर

जन्म दिन 23-7-22

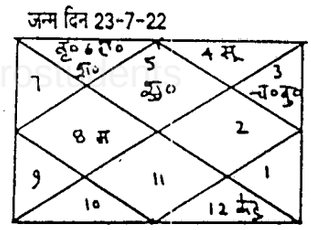

सूरज नः 12 शनिश्चर नः 2
अगर औरत शराब पीवे तो
सूरज शनिश्चर टकरावे
साधु घोर सांप ससुराल जा रहा
हो लोहे का टूंक हो और सोना
टूंक में है । और साधु टूंक उठावे तो
मुशकिल से ही पहुंचेगा :उपाय 43 दिन मंदे मे बादाम जरूरी मंगल नः 4 मामे की औलाद है। ससुराल के घर पूजा पाठ न करे । ससुराल घर घालमेल से रहे, तो ठीक रहे, नहीं तो हर रोज नया जूता मिलेगा। 34 साला उम्र तक वक्त सिफर ।

जन्म कुंडली

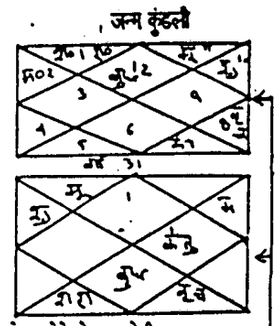

जन्म दिन 11-1-24

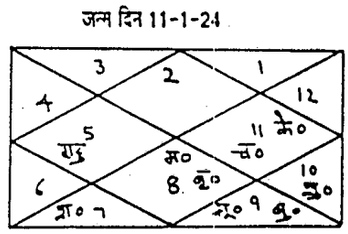

बृहस्पत नः7 बाप भी मुतवना
मूंगा रखने से बाप से लड़ाई नहीं
होगी ।
पहला घर मंगल से जावे :
औलाद जितनी दो पुशतों मे नहीं
मिली, टेवे वाले को मिलेगी । →

देरीना (दो तीन साल की .... छपाकी रोकने के लिए बीमारी के दौरान तीन दिन बाहर के कुत्ते को गोशत देने से दूर होगी ।

सितम्बर 1915

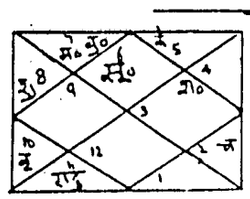

लड़का 2 साला उम्र का उस वक्त है । तपेदिक
अपनी बदचलनी से हासिल किया ।
मकान 39 में बनवाया ससुर जिंदा
है इसलिए मकान की पश्चिमी तरफ
(नः8) राहु ने दो बार खुरेद डाली और खुद सरगुर

दौरा 35

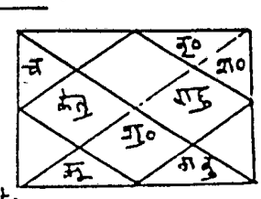

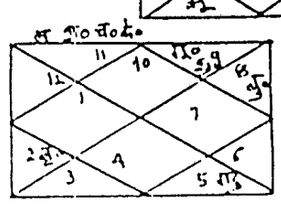

जन्म दिन 30-12-15

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

ने पांचवी टंकर तोड़कर बनवाई, ससुर ने खुद जमीन दी थी, मकान गवर्नमेंट ने ले लिया, दो लड़के पेट चाक करके निकाले । (मु.शु.)

जन्म भादों 1953

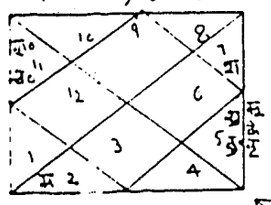

54

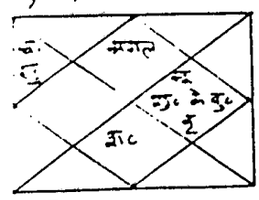

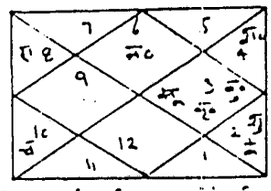

जन्म दिन
4-6-18

राहु : (कांटा या खोटा आना)
दरिया में डालने से आंखो को फायदा होगा ।
पहले टेवे वाले का लड़का थोड़े दिन अन्धा रहा फिर टेवे वाला अंधा हो गया (दिमाग (राहु) में अचानक सख्त आकर अंधा हुआ । हलों का मालिक चंद्र और शनिश्चर राहु टेवे शनिश्चर को तो राहु मातहत हो जाएगा । जंहा पानी आ जावे तो राहु का भूचाल टला हो जाता है और रुक जाता है इसलिए चंद्र को यहां से हटाया जावे दोनों के राहु की मियाद 42 दिन तक पानी न पीवे । और हुक्का पीना शुरू कर दे 18-12-49 पर नजर ठीक होगी । 18 साल से टांग पर फुल्लबैठरी : यह बीमारी सारी उम्र रहेगी । नानके घर में कोई बच्चा है (केतु नः9) नहीं स.व.वृहस्पत नः10 और नः 4 खाली राजयोग लेकिन सर पर पगड़ी क्या जन्म से ही नहीं बांधी (पगड़ी जन्म से ही नहीं बांधी) शुक्र केतु नः 9 में लग्न बल्दी लेकिन अगर नः 5 अच्छा हो जावे तो नहीं 33 साला उम्र में औलाद पैदा हो चुकी है स्त्री दुखिया रहेगी । शुक्र नः9 राहु नः3 और चंद्र नः5 से तंग हो रहा है । शुक्र केतु बच्चों भी इकट्ठे लाबल्दी अगर खाना नः5मन्दा हो जावे लेकिन इस टेवे में नः 5 में चंद्र है और खाना औलाद रोशन है अगर शादी न करें तो आंखो से अन्धा हो जावेगा ।

चाचे दो भाई आप अकेले भाई मंगल नः6
जिस दिन से शादी हुई ससुराल गर्क हुये
शनिश्चर नः2
दूसरी शादी सूरज शुक्र दो लड़के क्या
औरत को खून की बीमारी तो नहीं हुई
खून लगातार तो नहीं आता । तीन सोने की चूड़िया बेची तो नहीं
पांच साल पहले चूड़ियां बनवायी तो नहीं
46/49 उम्रो में चूड़ियो ने बोलना या मकान में
फिसल कर गिरी और चूड़ियों को डा० ने कैंची से काटा ।
चूड़ियो में ज्यादा तांबा सूरज हाल दिया गया है ।

कार्तिक सम्वत 1943

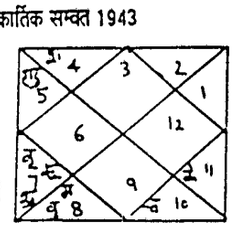

वर्ष 64

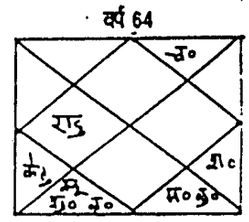

वृहस्पत सोना सूरज शुक्र तांबा स्त्री की तीन चूड़ियां जब जब लड़का पैदा हुआ तो औरत बीमार होगी दो नर ग्रहों में शुक्र (लोहा) कैद हो गया । मंगल बुध साथ है जेवर का बक्सा लोहे या तांबे पीतल का नहीं है बक्स ऐसा है जो कि लकड़ी या पत्थर का है । यह चूड़िया इसी में रखी जाती है जब लड़का पैदा हुआ तो बक्स उसी वक्त खरीदा गया । ऐसी चूड़ियों का असर बुरा माना गया । कभी औरत की टांग पकड़ती है कभी कान कभी आंख । इन चूड़ियों को औरत के हाथ से उतरवा दिया जाए और उसके हाथ पर धागा डाल दिया जावे । क्या आंखो का आपरेशन करवाना है हां बुध नः8 : अगर छः बच्चे कायम हों तो आपरेशन आंखो का ठीक नहीं होगा । शुक्र नः6 तादाद बच्चों की छः तक रहेगा अगर खाना नः2 से वृहस्पत मिलेगा वर्ष फल में मिल रहा है बच्चे इस वक्त 5 है इसलिए आपरेशन करवना ठीक होगा । औरत के हाथ कनक या गुड़ तांबा सोना डाल धना लगवा कर मंदिर में रखवाने के बाद आपरेशन ठीक रहेगा ।

फकीर की कुतिया शहतूत खाने के वास्ते बाहर गई लेकिन हवा न चलने से शहतूत दरख्त से नहीं गिरे और थक कर घर वापिस आ गई । लेकिन घर में मालिक रोटी खा पी कर सो गया और कुतिया को भूखी रहना पड़ा ऐसे प्राणी की हूबहू यही जिंदगी होती है ।

जन्म दिन 2-12-36

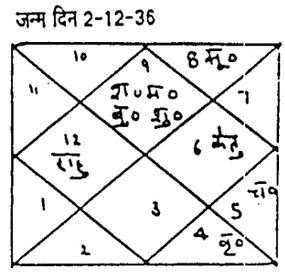

जन्म दिन माघ 1966

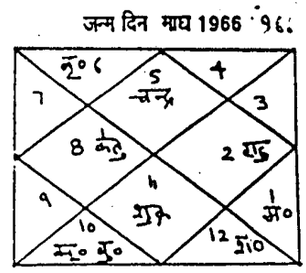

नर औलाद कितनी -4
बड़ा लड़का सात साल का है : 11 साल का है
गवर्नमेंट सर्विस की है : हां
माता जिंदा है : हां
बड़ा भाई है : मर चुका है
मकान बनने पर शुक्र का झगड़ा शनिश्चर वृहस्पत शुक्र के साथ शनिश्चर मदद दे भी रहा है । ईश्वर प्राप्ती/तरक्की धर्म अवस्था ठीक है बगला भगत जब ईश्वर का ध्यान करके आसन पर बैठेगा तो पीछे से खाना नः 8 से सांप आएगा और गद्दी उठाकर भागना पड़ेगा । वृहस्पत नः2 शनिश्चर नः 8 ,

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

जब तक लड़का मुनासिब नहीं होता नौकरी ठीक चलेगी ।
तरक्की में गड़बड़ क्यों
नौने राहु नग वाली अंगूठी कब ली
1949
क्या कोई बच्चा मकान से नीचे तो नहीं
गिरा :
हां लड़की दरख्त से नीचे गिर गई
राहु नः 5 बिजली

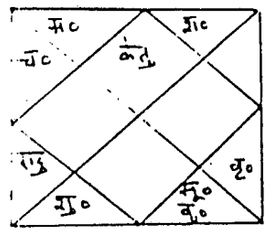

मुरज बुध नः 8 : बिजली लड़की पर पड़ी।तरक्की के लिए ये ख्याल हर रोज जरूरी,बुध नः 8 बीमारी कर्तन में जमाने में दबाने मुहब्बत दूर होगी। आबादी से बाहर दिन के वक्त 42साला उम्र से तरक्की के वास्ते रास्ता साफ होगा । माली हालत कब ठीक होगी ? जब तक माता से नेक ताल्लुक रहे माली हालत उमदा रहे । मकान 24,33,36 साला में तो नहीं बनाया गया ? नहीं अगर नहीं तो उत्तर मकान के पूर्व की तरफ कुआ तो नहीं ? नहीं चंद्र कायम नहीं अगर कुआ नहीं तो सूखा कुआ भी नहीं माली हालत ठीक करने के वास्ते मकान के पूर्व की तरफ कुआ है उसमें चावल डालने से ठीक होगी । जब 33साला उम्र थी तो उसी कुआ ने दुबारा बनना था अगर घर में कुआ है तो क्या उसके उपर छत तो नहीं ? छत है क्या बाप दादा नानी नाना को दमा तो नहीं हुआ ? पिता सात मुद्दत से बीमार है । कुआ में केसर डालने से माली हालत नेक होगी । और पिता की बीमारी को आराम होगा । अगर बाप उत्तर मकान में इस साल रहे तो भी सेहत हो जावे (पिता की) क्या स्त्री और सन्तान का सुख है : बुध नः 6 अगर लड़की उत्तर मकान के उत्तर की तरफ ब्याही जावे तो दुखिया रहेगी । क्या मकान नया बनेगा ? शनिश्चर नः 8,42साला उम्र तक मकान नहीं बनेगा,मकान नहीं कब्रिस्तान होगा । चंद्र (दरिया) के सामने शनिश्चर (पत्थर) है । और दरिया रुक गया है और निकलने का रास्ता नहीं है लेकिन उसके सामने बृहस्पत (केसर) है इसलिए दरिया को रास्ता बदलना पड़ेगा जो कुआ में केसर डालने से रास्ता बदलेगा ।

किसी एक राजा की रानी जो उसने छोड़ दी थी

जन्म 29-4-20
रानी की जन्म कुंडली

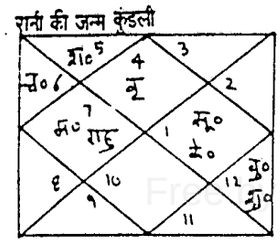

जन्म 6-7-40
रानी के बड़े लड़के की कुंडली

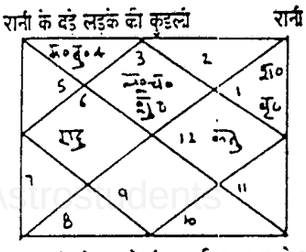

जन्म 6-6-41
रानी के दूसरे लड़के की जन्म कुंडली

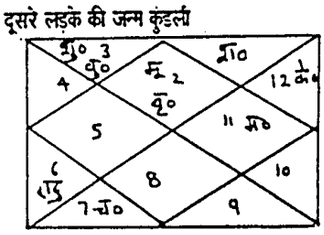

Free Astro Students

2-9-44 से पहले राजा ने उपर वाले टेवे वाली रानी को घर से निकाल दिया था बच्चे उसके साथ चलते कर दिये । और खुद अपने खानदानी खून की एक और लड़की से शादी कर ली जो हिंदू धर्म के मुताबिक उसकी बहन बेटी के दर्जा की हो सकती है । ऐसी शादी होने के तीन साल बाद पहली रानी अपने पुराने राजा के घर बार में बहाल हुई उपाय करने से पहले रानी को घर से दर बदर हुये दो साल हो चुके थे । सांड का मर्दन (मंगल बुध) धर्म स्थान खाना नः 2 में नौ दिन (जहां कि बुध जन्म कुंडली में है) तक लगातार दिया गया । और रानी का नाक छेदन (बुध नः 9 का उपाय) जो पहले न किया गया था उपाय के दिनों में करवा दिया गया था ।

---

17 से 19 साला उम्र में नये
मकान बनाये गये उम्र के तीन
साला फर्क पर बहिन मौजूद
17 साला उम्र से (बुध का मंदा जमाना)
शुक्र नः 11 स्त्री ताल्लुक मगर बृहस्पत नः 11 हवाई

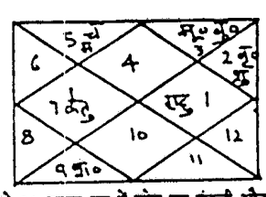

जन्म 17-7-29

ख्याल और आखिरी नतीजा केतु नः 4 वीर्यपात , मुरतजनी शुरु हुई जो 21 साला उम्र में जोर पर पहुंची और राहू 21 साला उम्र की लहरे दिमागी बुध के दायरे में चल रही । यानि खुदकुशी और पागल पन की नौशानी होने लगी । लेकिन दरअसल कभी वीर्य का नुक्स पोशीदा रहा ।और शादी की तजवीजे बेमानी तसव्वुर हुई । उपाय :बुध नः 12 फौलादी लोहे का छल्ला जिस्म पर कायम करना और शनि (लोहा मछली का तेल या चंद्र (चांदी दूध)के जरिये (देना) मददगार होगी ।

राजयोग टेवे : जब नीचे दिये घरों में ग्रह बैठे हों तो अमूमन राजयोग होगा ।

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

टेवे में राजयोग

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
बुध शुक्र	शु०								च०वृ०	मंगल	
वृ०शु०			च०वृ०	मंगल							सूरज
बुध			च०वृ०	मं०शनि							
सूरज			वृ०			शनि			मंगल		
वृहस्पत			शनि			मंगल			सूरज		
शनिव्यर			मंगल			सूरज			वृहस्पत		
मंगल			सूरज			वृहस्पत			शनि		
सूरज	चन्द्र	वु०		वृहस्पत		शुक्र	मंगल			शनिव्यर	
चन्द्र	वृहस्पत									शु० बुध	
मं०शनि											सूरज चन्द्र
च०शनि											सूरज
सूरज						शनि चन्द्र		वृहस्पत			
चन्द्र			सूरज			वृहस्पत			शनि		
शनिव्यर		चन्द्र			मंगल			बुध			बृहस्पत
चन्द्र					सूरज					मंगल	शनि
मंगल			वृहस्पत	सूरज	बुध					शनि	चन्द्र

A वाकी छः ग्रह किसी तरह भी नः A के घरों में A

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
वृ०									सू०	बु० शु०च०	
शनि			मंगल		बु०	बु०	सू०		शु०		
बुध				मं०शु०		च० वृ०			शु०		सू०
चन्द सूरज								वृ०	मंगल	शनि	
शनि		सू०	शु०					च०		बु०	
बुध	A	A			A			शु० वृ०	A	A	
शनि			वृहस्पत						च०सू०	बु० शु०मं०	
मं०शनि			चन्द्र			वृहस्पत		शु०	सू०	बुध	
वृ०	बु० मं०		शु० सू०						च०	शनि	
शु०बु० सू०						शनि			सू०		

फरमान नः 16

ग्रह और पक्के घरों की संबंधित

1. वस्तुएं
2. रिश्तेदार
3. कारोबार पेशा वगैरा
4. पेवस्ता (मिश्रित मिले जुले)

खानावार वस्तुएं

इस हिस्सा में कुंडली के बारह ही खानो की भिन्न भिन्न शक्तियां और संबंधित वस्तुये दर्ज की गई है और साथ ही नव ग्रहों से संबंधित वस्तुएं, रिश्तादार और कारोबार संबंधित हर ग्रह विस्तारपूर्वक लिखे गये है जिसका अभिप्राय यह है कि जब कोई ग्रह अवस्था तो उस ग्रह की संबंधित वस्तुये रिश्तादार और कारोबार ग्रह संबंधित फायदा मंद होगें और मंदी हालत में मंदे ग्रह से संबंधित वस्तुये रिश्तादार मुकल्लफा से परहेज बेहतर होगा इससे आगे चलकर हर एक खाना की संबंधित वस्तुयें और शक्तियां इंसानी कारोबार में दखल अंदाज होगी मसलन सूरज खाना नः 4 में राजयोग की हैसियत से पैदा हो तो खाना नः 4 (बहैसियत जन्मकुंडली बारह घरो मे से चौथे घर की चीजे और साथ ही सूरज की खाना नः 4 जो फलादेश में सूरज नः 4 में लिखी है) की चीजे रिश्तेदार और कारोबार मुकल्लफा भी हर तरह से उत्तम होगे।

जब कोई खाना खाली ही हो तो उसको जमाने के लिये ग्रह के मुकल्लफा चीजो की जरूरत हो वह भी इस सूचि से मदद मिल सकती है या यह ख्याल रखा जा सकता है कि जब किसी ग्रह का फल किसी खास घर में बुरा लिखा हो तो उस ग्रह की संबंधित वस्तुओं से परहेज मंदे वक्त में मदद देगा। मसलन शुक्र नः 9 का फल अनुमन धन हानि हुआ करता है इसलिये जब किसी का शुक्र वर्षफल के अनुसार खाना नः9 में आवे तो उस प्राणी को सफेद (दही रंग) गाय खरीद कर लाने से पूरी बेहतर होगी ऐसे शख्स को (जिस का जन्म कुंडली के हिसाब से शुक्र नः

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

9 में हो) तमाम उम्र ही सफेद गाय कोई नेक फल न देगी और खासकर जब जन्मकुंडली का नः 9 का शुक्र दोयाग नः 9 में ही आ जावे तो उस साल के तो सफेद गाय जो नई खरीद कर लाई जावे (अगर कोई सफेद गाय पहले ही मौजूद हो तो कोई वहम की बात न होगी)

जरूर ही सिर पर कफन बांधे हुये मुसीबत दर मुसीबत नुकसान पर नुकसान (माली आर्थिक) हो जाने का अंदेशा होगा।

दोयाग फिर यह ख्याल रहे कि इस जगह बारह ही पक्के घरों और न ही ग्रहों की जो जो चीजें लिखी गई है उनका यह मतलब नहीं कि वह जरूर ही फायदामंद और मुबारिक है या नुकसान पर नुकसान करेंगी मतलब सिर्फ यह है कि टेवे के मुताबिक दिये हुये ग्रह का बैठे हुये घर के हिसाब से जो भी अच्छा या बुरा फलादेश लिखा है वह सिर्फ उसी वक्त ही फायदेमंद होगा जबकि उस ग्रह बैठा होने वाले घर के मुताबिक लिखी हुई चीजें कायम हो जावें और कायम भी उस वक्त हों जिस वक्त कि वह ग्रह बर्कस्ल के मुताबिक उस दिये हुये घर में आ बैठे मिसाल के तौर पे शुक्र नः 9 का ऊपर जिक्र कर दिया है

दिमाग के 42 खाने

1. इन्सान का सिर (दिमागी ताकतें राहु की मगर सिर का दाया गोल हिस्सा या खोपड़ी बुध का) कुंडली का खाना नः 12 में होगा।
2. कान के मुराख से 90° पर सिर और भवें की तरफ सीधा हुआ सब दिमाग के हिस्सों को पेशानी से अलहदा करता है
3. दिमाग के खाने बच्चे की 7 साला उम्र में पूरे तौर पर मुकम्मल हो जाते हैं गोया 7 युजों या ग्रहों का अरार कुंडली के बारह खानों हो घूमता है और 35 साल में तमाम ग्रह अपना अपना दौरा (खाना नः 1 में आकर हकूमत करने का चक्र था अहदे हकूमत का जमाना) पूरा कर लेते है बारह साला उम्र तक बच्चे की रेखा का विश्वास नहीं और 12 साल के बाद किस्मत बदलने की उम्मीद और 35 साल के किस्मत के बदलने की उम्मीद और 35 साल के बाद दूसरा चक्र माना गया है यह दिमागी खाने सर के ढांचे के अंदर दांये बांये तरफ हूबहू एक ही माने गये है इसलिये दांये बांये हाथ की बुनियाद पर नेकी, बदी, तख्त, बख्त, शाही, गदाई, तदबीर तकदीर, नर, मादा, मर्द, औरत राहु, केतू हर दो तरफ दो पहलू मुकर्रर करते है
4. 42 खाने राहु की ही 42 साल मियाद की राजधानी है जो सिर की लहर का मालिक है।
5. खाना नः 27 से 42 सिर्फ खाना नः 1 से 26 खानों के नतीजे है जिनका सामुद्रिक विद्या में ज्यादा ताल्लुक नहीं गिना है

ताल्लुक से जो भी उस प्राणी की दिमागी ताकतें है वह देख ले मसलन किसी के टेवे में निम्नलिखित ग्रह चाल हो तो उसमें कौन कौन सी दिमागी ताकतें मौजूद होंगी।

कौन से दिमागी खाना नः की ताकत का मालिक होगा	कुंडली के किस खाना नः में बैठा हो	नाम ग्रह
21 चन्द्र से मुश्तरका हमदर्द या दयालुता	4	बृहस्पत
14 मंगल बद से मुश्तरका तकब्बर या खुद पसंदी का मालिक होगा	8	शनिच्चर

Free by Astrostudents

विवरण	दिमाग के किस खाना से संबधित	कुंडली का खाना नः
जन्म कुंडली के सब खाना नम्बरों को मिटाकर लग्न को गिन कर लाल किताब के मुताबिक जब 12 खाने पूरे हो चुके हो तो देखे कि जिस जिस खाना नः में हर ग्रह बैठा है कुंडली के उन खानो से दिमाग का कौन खाना नः संबधित है फिर देख ले कि उस दिमागी खाना नः की रुह से टेवे वाले में कौन कौन सी ताकतें कायम होंगी।	20------	1
	2------	2
	17------	3
	21------	4
	15------	5
	16------	6
	1, शुक्र-----	7
	18, बुध----	7
	8------	8
	19-------	9
	13-------	10
	35-------	11
	14-------	12

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

इन्सानी दिमाग की लहरों या 42 विभागीय खानों का (तफसील) विवरण

दिमागी खाना नं०	कुंडली का खाना नं०	संबंधित ग्रह	शीर्षक	विवरण
1	1	शुक्र से संबंधित	इश्कबाजी	मुहब्बत जो औरत के मुतल्लक हो इश्क से पहली मुहब्बत का नाम उल्फत है जिसके बाद इश्क की लहर शुरु होती है और ऐसी ताकत मर्द और औरत में 16 से 36 साला उम्र तक तरक्की और जोर पर होती है
1	1	शनि से मुश्तरका	इश्क जुबानी	शुक्र का पलंग जवान से ही इश्क की फूल बाजी वाले नरक की खूबसूरती जब शनि की काग रेखा मंदा शनि वाला हमदर्दी जब शनि उम्दा
2 पेशानी का दरवाजा	2	बृ० से मुश्तरका	शादी की ख्वाहिश	एक के बाद दूसरे शादी के ख्यालात इश्क के बेट की गल्लायें इश्क जो 37 से 70/72 सालों तक सेहरा भरता होगा जिसके वक्त बूढ़ी औरत भी सौ चूहे खाकर बिल्ली हज को गई की तरह परसाई की तलाश में होगी
3	3	शुक्र से मुश्तरका	प्यार या वाल्देनी मुहब्बत	मुहब्बत जो कि औलाद के मुतल्लिक हो दिमागी खाना नं० 1,2 का नतीजा ही है मगर इसका खाना अलग है
3	3	मं० से मुश्तरका	उल्फत	इश्क से पहली मुहब्बत का नाम उल्फत है जो उम्र के 1 से 15 साला उम्र तक चलती रहा
4	4	चं० से मुश्तरका	दोस्ती या मुलाकात की ताकत	खुल्क यानि उल्फत इश्क और गल्लायें इश्क तीनों ही टच्चों का रंग

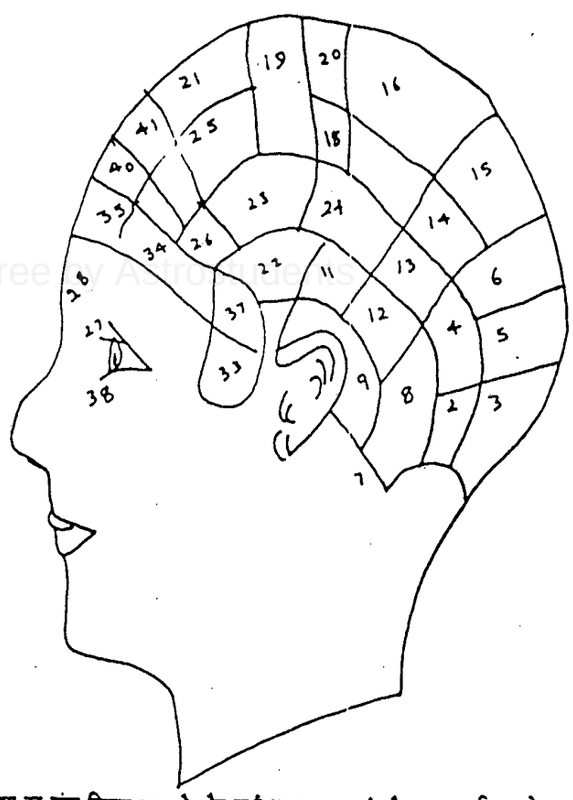

6. आम इस्तेमाल में दिमाग का बांया हिस्सा आता है और कभी अचानक कुदरती तौर पर एक हिस्सा के असर में दूसरे हिस्से का कोई खाना असर डालता है जो रेख में मेख (सूरज को मेख राशि जहां कि सूरज ऊंच माना गया है बंद कर देना या दुनिया की समस्त शक्तियों के विरोध होते काम कर देना) लगा देवे

इन तमाम खानों का असर इंसान के दांये और बांये हाथ से संबंधित है

सितारों का असर दिमाग के खानों पर होगा दिमाग का अक्स हाथ की रेखा के दरयाओं के पानी से जाहिर होगा

दिमाग का बांया हिस्सा बांये हाथ पर और

का दांया हिस्सा बांये हाथ पर 1 रेखा के दरयाओं में अच्छा अक्स डालता है जिस तरह से दिमाग में यह टुकड़े निश्चित जगह और मुकर्रर, ो माने गये ' इसी तरह उनका असर देखने के लिये सानूदिक में बुर्ज और ग्रह हमेशा के लिये खास जगह पर मुकर्रर कर लिये गये है

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

कुंडली व मस्तिष्क का सम्बन्ध

ग्रह अकेले अकेले या मुश्तरका होकर जो हाल इन्सान की दिमागी हालत का कर सकते हैं हूबहू वही हालत इन्सानी जिन्दगी की यह ग्रह कुंडली में करेंगे या जो हालत ग्रहों के हिसाब से उसकी जिन्दगी की होगी वही हालत उसके दिमाग की होगी

ग्रहों के फर्क पर दिमाग के 12 खाने इन्सानी दिमाग के वही बारह खाने कुंडली में ग्रहों के फर्क तौर पर मुकर्रर घर है जो राशियों से याद किये गये हैं दिमाग के दायें और बायें हिस्सा में उसी गिनती के हैं लग्न खाना नं. दे चुकने के बाद जब जन्म कुंडली लाल किताब के मुताबिक फलादेश देखने के लिये तैयार हो जावे तो नीचे दिये हुये कुंडली के खानों के सामने दिये हुये दिमागी खाना नम्बरों से भर दें और फिर दिमागी खानों में दिये हुये ग्रहों के

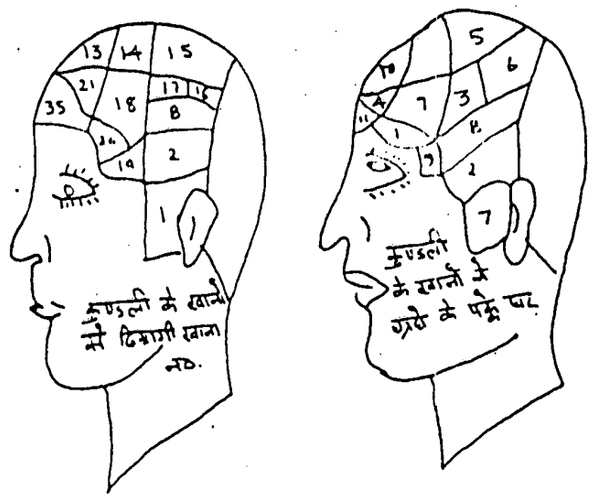

Free by Astrostudents

इंसानी दिमाग की लहरों या 42 दिमागी खानों की तफसील विवरण:

दिमागी खाना नं.	कुंडली का खाना नं.	संबंधित ग्रह	शक्ति	विवरण
4	4	—	—	किसी के ऐब पर परदा और खूबी पर नजर डालने की ताकत
		मालबद	तबाही की आदत	मुहब्बत के तीनों हिस्सों को तबाह करने वाला गृहस्थ खराब हर तरह की तबाही की खसलत
5	5	बृ०से मुश्तरका	वतन की मुहब्बत	उल्फत जिसका ताल्लुक घर या वतन से है कुत्ता दोस्ती में मालिक को नहीं छोड़ता बिल्ली देश प्रेम में मकान को नहीं छोड़ती मालिक ने कुत्ता पाला और मकान बदला तो कुत्ता मालिक के साथ गया उसे मालिक से मुहब्बत है मगर पिछले मकान से मुहब्बत नहीं इसी तरह ही मालिक ने बिल्ली पाली और मकान बदला और बिल्ली पिछले मकान की तरफ भागी क्योंकि बिल्ली को मकान से मुहब्बत है।
	6	केतु से मुश्तरका	दिलचस्पी या पक्की मुहब्बत	किसी खास चीज से मुहब्बत हर काम के लिये तैयार और लगा रहने वाला काम पूरा किये बगैर न छोड़ना
		शुक्र से मुश्तरका	दिलचस्पी, पक्की मुहब्बत	औलाद नरीना की पैदाइश नाम मात्र या कमजोर तन्दुरुस्त
		शुक्र से मुश्तरका बुध से मुश्तरका	तमन्ना	जिंदगी बढ़ने की ख्वाहिश लम्बी उम्र नहीं घटते सिर में ज्यादा और तंग सिर में कम होती है
		मंगल से मुश्तरका	मजबूती	कामयाबी हो या न हो अगर अपना काम नहीं छोड़ना खा लाख मुसीबत हो
	8	सूर्य से मुश्तरका	मजबूती	हर हमला को रोकने की ताकत

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

इंसानी दिमाग की लहरों या 42 खानों की तफसील

दिमागी खाना	तहतानी खाना	संबंधित ग्रह	ताकत	विवरण
9	9	शनिव्यर का जाति	बदला लेने की ताकत	खुद बदला लेना वरना औलाद को बदला लेने की नसीहत
10	3	बुध से मुश्तरका	जाकता	पक्का ठाजमा मजबूत जिस्म
11	11	शनिव्यर का जाति	इस्साक उर्फारा जमा करने की ताकत तामीर निर्माण भारतनामे की ख्वाहिश	फालतू हिस्सा नस्त यानि जमा करते जाना चाहे काम आगे आये या न आये और सड़ कर बरबाद हो जावे। नालियकी यानि दूसरों का माल चोरी से उड़ा लेना और उड़ा कर उसी वक्त खा जाना।
12	12	राहु	राजदारी की ताकत	ख्यालात का उस वक्त तक पोशीदा रखना जब तक कि अपने कुव्वते फैसला उनको यकूयी मंजूर न करे फरेब पोशिदा हर काम चालाकी से हर हालत में अपना भेद छुपाना
13	10	शनिव्यर	होशियारी की ताकत	अंजाम यानि सिर्फ उम्मीद पर बैठा रहने की बजाये लम्बी सोच पर आने वाले वक्त से पहले ही काम कर लेना
14	8	मंगल बद	अभिमान तकब्बुर	किसी को भी अपने से अच्छा न समझना
15	5	बृहस्पत	खुदारी स्वाभिमान	खुद अपनी इज्जत मगर हसद से बरी और अपनी इज्जत के लिये किसी दूसरे की बेइज्जती न करना।
16	6	केतु से मुश्तरका	इस्तकलाल	मुसीबत और गर्दिशे अयाम के वक्त धैर्य मुस्तकल मिजाजी काम में लगा रहना खा भला हो खा बुरा
17	3	मंगल से मुश्तरका	न्यायप्रियता अदल या मुंसिफ मिजाजी	फयाजी उदार दूसरों की बेहतरी चाहना एक दूसरे पर ज्यादती करते नहीं देख सकता।
18	6	बुध से मुश्तरका	भरोसा या उम्मीद	किसी आइन्दा वक्त के लिये उम्मीद करना खाना न 13 होशियारी ठीके तो उम्दा असर वरना फोकी उम्मीद तबाही का कारण श्री गणेश जी मूसर की सवारी भरोसा कुछ हौसले की उम्मीद या आम होगी सिर्फ फोकी उम्मीद ही श्री गणेश जी चूहे की सवारी
"	"	केतु से मुश्तरका		
"	"	केतु से मुश्तरका		
19	9	बृहस्पत का जाती	मजहब या अध्यात्मिक शक्ति	दुनिया में आखिर पर मुकाअमला फहमी, चाल चलन के पक्का रखने का फैसला करना कमजोर खाना से नास्तिक होगा रुहानियत के बाकी रहने के असूल का विश्वास
20	5	सूरज से मुश्तरका	इज्जत या बुजुर्गी	दूसरे की इज्जत और परस्तिशा और अपने फर्ज से पूरी अदायगी अंदर बाहर से नेक बाद में मानक और पत्थर में मोती की ताकत
21	4	चन्द्र से मुश्तरका	हमदर्दी या रहमदिलाजी	तंग पेशानी में कम चौड़ी चपटी में ज्यादा, चौड़ी और बुलन्द में बहुत ज्यादा
22	5	बुध से मुश्तरका	अक्ल जाति	चौड़ा पेशानी का सामने हिस्सा उभरा हुआ होता है
23	6	केतु से मुश्तरका	पसंद जाति	हुस्न बनाव श्रृंगार औरत और हर चीज जाहिरा खूबसूरत होवे खूबी या सिरत की परवाह नहीं
24	7	बुध से मुश्तरका	हौसला	सब बातों मुसंद हौसला मुश से कोई भी और दूसरा अपनीशन न बढ़ने पावे
25	8	पापी ग्रहों से मुश्तरका	नकल करने की ताकत	हर चीज के नकल करने की ताकत खासपिया पन की ताकत, इसका एतसाद जब पापी मंदे या पापी ग्रहों की मंदी ताकत की तरफ ज्यादा रुझान हो

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

इन्सानी दिमाग की लहरों या 42 खानों की नफरीलत

दिमागी खाना नं०	कुंडली का खाना	संबंधित ग्रह	ताकत	विवरण
26	9	बृ० से मुश्तरका	जगरफ मगखरगी,	हकलाना मखौल या शुगलबाजी की ताकत दिल्लगी खुश तबीयत
		बुध से मुश्तरका	हद से ज्यादा मगखरगी	बेफकूफी बहुत ही भोलापन बुद्धु
27	3	मंगल से मुश्तरका	खोज ताकत	बात की तह तक पहुंचने की हिम्मत हर चीज के असली कारण की खोज।
28	4	चन्द्र का जाति	पुरानी यादाश्त	स्मरण शक्ति बहुत देर तक रहने वाली गुजरी हुई घटना की हरद ताजा याद की ताकत
29	5	सूरज का जाती	कद्दो, कामत	चिड़ियों से बाज मरवाने की हिम्मत हर तरह के इंसान की वजूद और कारोबार से वाकफियत की ताकत
30	6	केतु से मुश्तरका	बोझ मसानीपन की ताकत	जैसा मुंह वैसी चपेड़ यानि अंधे अच्छे से अच्छा बुरे से बुरा हर किसी की नकली हरकत को जांच लेने की हिम्मत
31	7	शुक्र से मुश्तरका	रंग रूप में फर्क की ताकत	दूध से दही और दोनों की शकलें और रंग में फर्क कर लेने की ताकत
32	8.	शनि से मुश्तरका	धुलापन	हर चीज की तरतीब और दुरुस्ती इंतजाम जाहरा मान सरोवर तो अंदर से कपट की खान
33	9	बुध से मुश्तरका	इसमें रियाजी के आसूलों की ताकत	दिली दिमाग के अपनी मर्जी के मुताबिक दायराबन्दी की ताकत
34	10	मंगल बद से मुश्तरका	जगह मुकाम की याद	भूगोल के मुतल्लिक और मुकामात के फर्क की ताकत पूरा धोकेबाज, तैरते को डुबा लेने की खसलत का मालिक जब शनि मन्दा हो या मंगल अपने असूलों पर मंगल बद साबित हो।
35	11	बृ. से मुश्तरका	गुजरी हुई घटनाओं की याद	सा कितने ही घटनाएं घटित होती जाएं सबके सबकी को पेशानी पर लिखे हुए की तरह याद रखने की ताकत मौजूदा मुआमलात और Political or Natural Histary पर गैर की ताकत
36	12	राहु से मुश्तरका	ख्याल वक्त की याद	फासला वक्त गुजरे मर्द पछताए आता है याद मुझको गुजरा हुआ जमाना कभी हम भी बाइकयाल थे पिदरम सुल्तान बूद
37	1	शनिच्चर से मु	राग	वक्त की लम्बाई चौड़ाई नापने की ताकत कुदरती ताकत और जान लेने की ताकत
38	2	बृ. से मुश्तरका	जबानदानी	ब्यान हर तरह की मुलकी व बैरूनी जबानों का जान लेने की ताकत

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

इंसानी दिमाग की लहरों या 42 खानों की तफसील

दिमागी खाना नं:	कुंडली का खाना नं:	संबंधित ग्रह	ताकत	विवरण
39	3	मंगल से मुश्तरका	वजह सबब की ताकत	मुशाहदत हर फअल की कमी बेशी की वजह और और सबब दरयाफ्त कर लेने की ताकत
40		च. से मुश्तरका	मुकाबला एक चीज का दूसरी चीज से	क्यासः हर चीज की असलियत और बुनियाद पर उसका दूसरी से मुकाबला करने की ताकत
41	5	गुरज से मुश्तरका	फितरत	इंसानी हकीकत पर गौर करने की ताकत, या कुछ भी हो यानि हो इंसानी शराफत और इंसानी खसलत को हाथ से न देने की हिम्मत
42	6	बुध का जाती	नेकी	रजामन्दी, दूसरों को खुश करने की ताकत सरबूजा सूरबूजे को देखकर रंग बदल लेता है असूल की तरह फौरन जैसे से तैसे ही हो जाने या दूसरे से मिल जाने की ताकत

Free by Astrostudents

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

	सिफात अंदरूनी	ताकत जिस्मानी		ताकत हवाई
	अंदर की शिरते	शरीरिक शक्ति	मकान के अंदर	हवाई शक्ति
1.	परोपकार, पुराने रस्मों को पसंद करना।	भूख, गर्मी।	चारदीवारी, जमीन के कोने	नाम जिस्म हैसियत का होगा।
2.	ज्ञान नेकी मोह माया।	नींद, ऐश।	किस्म किस्म का मकान, घर बैठक या दुकान।	शान और धन शरीफाना।
3.	दृष्टि का असर, चोरी, बीमारी।	जागृत शरीरिक।	रहन सहन का सामान।	कर्जे की अदायगी मनुष्य
4.	शांति दिली, हौसला।	सर्दी, जिस्म	खाली जमीन या पानी की जगह।	हक चित्त
5.	ईमानदारी अच्छी प्रसिद्धि।	बेदारी दिमाग	हवा रोशनी का संबंध।	हक बेटे का।
6.	फौजी हमदर्दी अपने नाम के लिए दूरदर्शी अंदर की अक्ल।	ताकत बदनी जिस्म	अंदर ग्राउंड का किस्सा।	दूसरा, बरताव, साहूकारा, मालिया शान सुख मकान, सामान।
7.	भरोसा अंदरूनी अक्ल दूसरों के लाभ के लिए।	शरीरिक ताकत।	पत्थर, सफेदी मकान की मुंडेर।	दुनियावी दिखावा
8.	खुद मंदी करतूत करे।	पित, मेदा, बदहजमी।	छत व आग की जगह।	पैदा।
9.	जुर्म कर्म परोपकार ज्ञानी।	जागृत, रूहानी भक्ति	हर भाग की अंदरूनी माप।	नेक काम में लगे रहना।
10.	घलारी, मक्कारी होशियारी	आम रोहत काली खारी।	लोहा लकड़ी ईंट पत्थर मलवा आदि।	दिखावे का सर्टिफ
11.	होशियारी, होश	लापरवाही	जाहिरदारी मकान	लालच
12.	खुशामद, नेकी बदनामी अपनी।	थोड़ा खर्च	आबाद वीरान।	आशीर्वाद, श्राप, ख्याल, आशिश श्राप या अचानक पैदा होना।

Free by AstroStudents

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

Lal Kitab 1952 in Hindi Volume-1

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

खानावार वस्तुएं (अशिआ)

खाना नं	धन दौलत की किस्म	संबन्धित सामान	उम्र के हिस्से
1.	~~खुद पैदा की हुई~~ जाती, खुद पैदा करना	सवारी रथ मोटर गाड़ी।	उम्र का पहला हिस्सा (बचपन) 1 से 25 साल अरसा।
2.	बक्त अपनी कमाई, स्त्री धन, सन्यास का धन।	मुतलक पैसा मिट्टी ~~पैसे मिट्टी के समान~~।	जवानी की दहाई वाकयीयत, या गृहस्थ का अरसा।
3.	दूसरे सबंन्धियों का धन।	जंगी जंदल ~~लड़ाई झगड़ा~~।	पहली उंगली तर्जनी की तीनों राशियों का इकट्ठा लिया।
4.	धन ~~निकलने के स्रोत~~ दौलत के निकास का चश्मा	बजाजी, पानी या दूध	उम्र का दूसरा हिस्सा (गृहस्थ जाती) 25 से 50 साल उम्र
5.	~~संतान व विद्या का धन~~ तालीम धन, औलाद का धन	इल्म, अक्ल, तालीम मुतलका ~~बुद्धि~~ राजदरबार ~~सम्बंधी~~।	गृहस्थी पूरबा, उन्नती, खुश कोई बगैरह, और सूरज का जमाना।
6	~~रिश्तेदारों~~ रिश्तेदारों का धन	मुतलका परिवार ~~पेशी संबंधी~~ व्यापार हवाई, गोबर।	हर एक उंगली की तीनों गांठों से तीन लोक या तीनों जमीन
7.	फानूत माया पराई दौलत ~~खुद के~~ अपने लिए।	खेती के व्यापार हाजिर माल।	उम्र का तीसरा हिस्सा, 75 से 80 साल उम्र
8.	~~हानि ये आसरी माया~~। नुकसान; बे आसरी माया	मुतलका ~~सर्जरी संबंधी बीमारियां~~। जराही	साधु पन की उपदेश, ~~सन्यास~~ या गृहस्थियों को उपदेश का जमाना बुढ़ापा सन्यास
9	~~पूर्वजों की~~ यचत। अज बजुरगान	मुतलका धर्म ~~कर्म कार्य, हकीमी संबंधी~~	
10.	पिता का धन, जयदाद।	खुराक ~~अन्न मशीनें~~।	चौथा हिस्सा 75 से आखीर
11.	आमदन।	मुतलका ~~आम लोगों के~~ [illegible] ~~जगह से संबंधी~~। आमदन, रुपा आना या रुजा आम	उम्र बाद बहुत आखरी अवस्था
12.	माया ~~तथा स्त्री पुत्र~~ का सुख (मर्द औरत का बाहमी सुख।	~~ऐश से संबंध~~ मुतलका ऐश और एशरत	

Freeby Astrostudents

खानावार वस्तुएं

खाना नं.	वृक्ष तथा पौधे	विविध वस्तुएं	स्थान	बच्चे की बंद मुट्ठी	विचार खाम ख्याली	शरीर के अंग
1	जड़ी-बूटी दवाई की।	अंग शरीर।	तख्त बैठक।	साथ लाया धन, शरीर वर्तमान समय	नास्तिक मन बिन बुलाए खुदा के घर भी न जायेंगे।	चेहरे का अंदर।
2.	शाखा दबा पैदा हुए वृक्ष पौधे	मकानात घरो।	बहम गुरु गोत्र स्थान।	गृहस्थ का समय संबंधियों से जो लेगा छुप संबंध।	मन मंदिर दरवेश कलन्दर मकानों की गिनती।	गर्दन, गुदा, तिल्लक की जगह।
	फलदार पौधे।	आखरी समय।	लड़ाई का मैदान लेन-देन	भाई बन्धुओं से संबंध दूसरों से जा पाएगी।	अक्ल बड़ी या भैंस।	फेफड़, बाजू, जिगर खून।
4.	रस भरे फलों के।	रिजक का स्त्रोत	लक्ष्मी स्थान	साथ लाया हुआ धन मुठी का अंदर।	धन ही जीवन का अर्थ।	सीना, छाती पेट।
5.	फलन वाले पौधे (प्योदी)	संतान।	ज्ञान स्थान	संतान का समय दूसरों से जो पाए भविष्य के लिए।	धर्म कांटा संसार की तकड़ी।	रहानी पुरुष का टेवा, पेट, का बाहर।
6.	सागरावजी।	पुत्र या पुत्री के संबंधी या रागे संबंधी	गृहस्थी साधु रियन बर्ताव	बुढ़ापा ढलती जवानी संबंधियों से मदद जो छुपी हुई पाये।	पीछे बचने वालों का हाल मर्दों की गिनती बीमारी की लम्बाई।	पीठ (कमर पट्ठे चेहरे स्त्री नाड़िया विश्राम का सिरा स्त्री) (निपल)।
7	फलदार गुटेदार।	धन की थैली फालतू धन	जन्म स्थान	साथ लाया माल जायदाद।	धन की फालतू थैली गिनती तथा शक्ति शादी।	पांव, जिल्द, गुप्तांग, पिस्ताम का छिद्र जांघ।
8.	न फल न फूल हो के पौधे आकाश बेल।	आयु।	मार्गस्थान बुचड़खाना जंग	संसार का बहार छुपा दुख बीमारी	बीमारी का बहाना मनुष्य की आयु।	कनपटी, घर्वी कच्ची, पीठ नंगा शरीर (गुप्तांग स्त्री का)।
9.	जड़ तड़ बनस्पती जो जड़ों की तरह धरती के अंदर रहे।	पूर्वजों की हालत	धर्म स्थान	माता पिता की धन की हालत बचपन का समय पिछले जन्म का संबंध जो दूसरों से पाये।	पिछले जन्म का लेन देन पूर्वजों की उदयु।	पहलू नासिका नथनी वीर्य भूमि।
10.	कांटो वाले	लेख की हदबन्दी भाग्य का गोदाम	द्वार या रिजक	साथ लाया माल या अन्न।	जादू मंत्र शादी गणित विद्या संसार से संबंधित।	घुटने पंजे
11	छाया वाले मगर काटें न हो।	धर्म की ओर स्वभाव	रिजक का मैदान	माता पिता की माली हालत जन्म समय दूसरों से पाये।	हर और पहला संबंध गिनती और ज्ञान से संबंधित।	घुटड़ गोथा।
12.	छिलके वाले वृक्ष	रात का आराम	साधु समाधी	माता पिता के धन की हालत जो संबंधियों से मिला।	योगाभ्यास हर ओर का आखरी परिणाम	कान पैर की हड्डी सिर।

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

खानी नष्ट वस्तुएं

खाना नं. 1	दिशाएं	भाग्य के टुकड़े	जानवर (पशु)	सांसारिक संबंध	समय और रास्ते	मकान की किस्म
1.	पूर्व	भाग्य का अपना अस्तयार।	खड़े सिंगों वाले जानवर या खड़े सिंग झिल्ली में पैदा होने वाले।	राजसंबंध कमाई का काम का मैदान धन के लिए।	~~बैसाख काल के अनुसार~~ जवानी का समय ~~अंत का जन्म~~।	पुराना अपना बनाया हुआ।
2.	उत्तर-पश्चिम	अपना भाग्य संसार संबंधी।	पालतू गाय बैल।	विधवा, प्रेमी, प्रेमिका ससुर का घर मर्द के टेवे में। ससुर=राहु	जन्म मरण का दरवाजा।	ससुराल का।
3.	पश्चिम	भाग्य का घट्टाव तथा तंगी।	शेर दरिन्द जंगली जानवर।	बहन अगर अपनी नहीं भाई बन्ध साले बहनोई ताये चाचे।	मनुष्य और माया का संसार से बाहर जाने का रास्ता।	भाईबंध ताये चाचे का।
4.	उत्तर पूर्व	भाग्य खुद पहले हाजिर हो।	पानी के जानवर दूध वाले जानवर घोड़ा।	माता और ? का वंश।	~~मर्द में आने का समय~~।	मामावंश मांसी फूफी का।
5.	पूर्वी दीवार	भाग्य की चमक।	आग के पशु।	केतु संतान का मित्र ग्रह मगर मामा का शत्रु आग की मदद।	भविष्य, जन्म संतान दिन से बुढ़ापे का समय।	संतान का।
6.	उत्तर	भाग्य की शिराकत	पट्टी कुत्ता बकरी।	सब संबंधियों का बर्ताव।	पाताल (स्वप्न हस्ती)।	नानके का या भांजे का।
7.	दक्षिण पश्चिम	भाग्य का फैलाव	परिन्द (अंडे वाले जानवर) खाना नं. 1 के उल्टे सिंगों वाले पशु।	स्त्री लड़की पोती बहन मगर अपनी।	संसार का मैदान [illegible] के लिए।	स्त्री या लड़कियों के संबंधियों का।
8.	दक्षिणी दीवार	भाग्य के धोखे या धक्के	जहरीले बिच्छू ऊंट वृक्ष नष्ट करने वाले पशु।	दुश्मन बीमारी	मृत्यु संसार का बाहर।	कब्रिस्तान वीराना।
9.		भाग्य की ~~ऊंचाई नींव~~	मुर्ग, हरा, हिरन, नील गाय, पानी तथा खुश्की पर चलने वाले पशु।	पूर्वज	पिछले जन्म अगले सन्य का छुपा संसार, बचपन का सन्द	जद्दी बुर्जगी
10.	पश्चिम	भाग्य का योद्धा या बुनियादी पत्थर	मगरमच्छ, सांप पशु की दुम बतौर एक जानवर का दुमदार पशु।	पिता का सुख दुख	ख्याली संसार 10वां घर शादी का समय।	पिता का अपना बनाया हुआ तीन साल अधिक समय का या 20 साल पुराना घर का।
11.	पश्चिमी दीवार	भाग्य की ऊंचाई	दो मुंहा सांप।	जन्म समय माता पिता के धन की हालत	संसार का अंदर जन्म समय माया तथा मनुष्य इस संसार के अंदर आने का रास्ता	खरीदे हुये मकान का।
12	दक्षिण पूर्व	भाग्य का सुख दुख	बिल्ली घमगादड़ मछली।	पड़ोसी का संबंध सुख दुख	आखिरी समय, स्वप्न का संसार सोने तथा आराम का समय।	पड़ोस का

1. बाकी खने बतौर एक जानवर में उसी शरीर पर 12 घर या 9 ग्रह मुकर्रर किये तरह ॥ गिन लो जैसे कि एक आदमी के हैं।

2. उल्टे सींग = नीचे गिरे सींग।

ग्रहों से सम्बन्धित वस्तुएं

ग्रह	बृहस्पति	सूरज	चन्द्र	शुक्र लक्ष्मी जी।	मंगल नेक
देवी देवता	ब्रह्मा जी	विष्णु जी	शिवजी भोलेनाथ	कुम्हार, वैश्य, खेती, जमींदारा	हनुमान जी
पेशा	ब्राह्मण पूजा-पाठ सुनार	क्षत्रीय राजपूत	हीवर	आशिक मिजाज।	लड़ाकू
सिरत	रहानी पंडित पेशवा।	बहादुर शरीर पालन करता	रहीम दयालु हमदर्द।	मिट्टी कामदेव स्त्री गृहस्थ	सोच समझ कर बात करने वाला
गुण	हवा, रह, सांस, पिता गुरु सुख।	आग गुस्सा, जिस्म कुटी सब अंग विद्या।	माता जायदाद जद्दी।	दिल्ली प्यार लगर मिट्टी की शक्ति की	हौसला बड़ाई खाना पीना लड़ाई।
शक्ति	हाकिम, रूपया लेने तथा दिलाने की शक्ति का स्वामी	गर्मी का भंडारी	सुख शांति का स्वामी माता का प्यारा पूर्वजों की सेवा की शक्ति।	लगन प्रेम पसंदी प्यार।	लड़ाई खून करना कराना।
धातु	सोना, पुखराज।	मणित तांबा शिलाजीत	चांदी मोती दूध रंग।	मिट्टी मोती (दही रंग)	ना चमकीला पत्थर लाला रंग (गूंगा
अंग	गर्दन।	सारा शरीर	दिल।	गाल	जिगर।
चेहरे के अंग	नाक माथे का तथा नाक का सिरा।	दायां भाग	तांबा भाग।	गाल की त्वचा	ऊपर का होंठ।
पोशाक	पगड़ी।	रेशमी कलगी	धोती परना।	कनोज	बारकट।
तरबूज में ग्रहों की मिसाल	हंडी।	वजन	पानी।	घीज	गुद्दा।
पशु	शेर बब्बर या शेरनी	बंदर बंदरिया पहाड़ी गाय परी कपिला गाय।	घोड़ा-घोड़ी।	बैल, गाय।	आम शेर या शेरनी।
वृक्ष	पीपल	ठेजफल का वृक्ष।	पोस्त का हरा पौधा जब तक उसमें दूध हो।	कपास।	नीम।

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

ग्रह	शनि	बुध	मंगल चंद	केतु	राहु
देवी देवता	भैरव जी	दुर्गा जी।	जिन भूत	गणेश जी	सरस्वती जी
पेशा	सुनार दरबान मोची	ठाठेयार दलाल या व्यापारी।	कसाई	धर्म और संसारी हदबन्दी से स्वतन्त्र।	भंगी शूद्र।
सिफत	मूर्ख उखड़ कारीगर	जी-हजुरिया।	—	भारवाहक कुली मजदूर बुर्दीवाद।	चालबाज, मक्कार, नीच जालिम
गुण	देखना भालना घालाकी मौत बीमारी	बोलना दिमाग जुबान कायम-मित्रता उपदेश कला।	धमड़ी	सुनना पाव का हलचल	सोचना विचारों की बिजली हर शत्रुता
शक्ति	जादूमंत्र देखना दिखाने की शक्ति।	हाथ से काम, बोलना लोगों में रसूख करने की शक्ति।	खाने पीने की शक्ति	चलना फिरना, गैरों से मिलने की शक्ति	कलपाने की शक्ति का स्वामी। रास्ता दिखाने वाला।
धातु	लोहा फौलाद।	हीरा पन्ना।	लाल चमकीला पत्थर	दो रंगा पत्थर वैतरणी व दरिया	नीलम, सिक्का, (लैड) गोमेद।
शरीर के अंग	दृष्टि।	दिमाग का ढांचा जीभ, दांत नाड़ियां।	जिगर	सिर के बगैर बाकी धड़	दिमागी लहरें सारे शरीर के बिना सिर का भाग।
चेहरे के अंग	गाल, भवें, कनपटी।	नाक का सिरा अगला हिस्सा।	नीचे का होंठ	कान दांत रीढ़ की हड्डी घुटने पेशाब करने की जगह तथा जोड़ों का दर्द।	ठोड़ी
पोशाक	जुराब जूता।	टोपी नाड़, तड़ागी पेटी।	नंगा सिर	दुपट्टा कम्बल, ओढ़नी।	पजामा पतलून
तरबूज में छठ की मिसाल	छाल।	स्वाद।	गूदा	रंग धरियां	कच्चा पक्का धन
पशु	भैंस या भैंसा।	बकरा-बकरी भेड़ घमण्डवद्द।	ऊंट ऊटनी हिरन।	कुत्ता, गधा (सुअर नर मादा दोनों) छिपकली	हाथी, काटेदार जंगली चूहा।
वृक्ष	कीकर आक खजूर का वृक्ष।	केला थोड़े पत्तों के वृक्ष सिवाये बड़ के वृक्ष के।	ढाक का वृक्ष (हेक)	इमली का तिल के पौधे, केला फल।	नारियल का पेड़, फुल्ला घास।

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

		ग्रहों से सम्बन्धित वस्तुएं			
		सूर्य	चन्द्र	मंगल	शुक्र
1	शेर नर किम्यागर, सुनार, गाया पीले रंग चलता साधू	दिन का समय दायां भाग आखें नमक सफेद	दिलबाग बायां हिस्सा बाई आंख का हेला	दांत 32/31 सौंफ अनाज की कोठी	स्कसारा पराई स्त्री
2	गाय स्थान अतिथि पूजन पूजाधन गौया घने की दाल हल्दी।	गंदम बाजरा	माता दूध चावल रुहानी भाग सफेद घोड़ा।	चीता, हिरण।	आल गाय स्थनि, घी पीला अदरक सफेद मुश्कपूर भौड़ी गाय।
3	दुर्गा पूजन संसारिक विद्या	दिन की संतान भतीजे	आग घोड़ा शिवजा घराक्त:	पेट, होठ, छाती	शादी संतोषी स्त्री
4	वर्षा सोना	दाई आंख का हेला बुआ का लड़का, भाई।	तालाब कुंआ, चश्मा, कुआं तढे जमीन का पानी शंति।	नाभि के मध्य की बीमारियां, मृग छाला, तलवार	दही घी परिंदा
5	नाक, केसर	इकलौता लड़का लाल मुर्ग का बदर।	चकोर (पक्षी) आक का दूध	भाई नीम का वृक्ष	कुम्हार का आवा ईंट कासी का बर्तन।
6	गर्म, गरड पक्षी कस्तूरी सेब।	गंदमी रंग पाव की बीमारियां	शरगोश (मादा) सफर	नामी छछूंदर	चिड़िया लडकी सफेद गाय (मंदी) खुसरा सुपरा।
7	किताबे दमा, मेढ़क, अवारा साधु खाली दवा मंदी।	स्थल गाय (रुहानी खराती) सफेद गाय (मंदी) काली गाय सहायक भौंडी गाय शुभ।	खेती की धरती अपनी या जद्दी मगर आबादी की न हो बर्फ।	बेले फली वाले पौधे दाले	चरी सफेद ज्वार सफेद गाय हर दो प्यार फल
8	आफताब, नकारा आसमान फकीर का यज्ञदान।	रथगाड़ी, सच्ची पक्की आग अपने आप पैदा हुई।	समुद्र ऊमर की मिरगी मुर्दा दिली।	बाजू के बिना बाकी सारा शरीर	जमीकंद, गाजर कवर भोड़ी सफेद गाय मंदी।
9	जद्दी मकान मंदिर मस्जीद गुरुद्वारा चलता उड़ता गैस।	भूरा रीछ ग्रहण के बाद का सूर्य।	जायदाद जद्दी पूरा समुद्र।	सुर्ख रंग खूनी	दही का सा सफेद रंग सफेद गाय शुभ।
10	सूखा पीतल विद्या की हानि धन की हानि गधक।	भूरा नेवला, भूरी भैंस, शिलाजीत धातु।	रात का समय तहजीबी न आम पानी मगर सारा या कड़वा अफीम।	शहद, मिटठा भोजन, खांड।	मिट्टी कपास
11	गिल्ट, वहमाह।	सुर्ख तांबा।	चांदी का अनविंद्ध मोती (दूध रंग) खूनी कुंआ उड़ते बादल	लाल रंग सिंदूर	रुई मोती सफेद दही रंग का
12	पीपल का हरा वृक्ष आग हवा आग संसार, सांस पितल	भूरी घंटी दिमाग खरातिया।	खुशामद सफेद बिल्ली-वर्षा का पानी ओले मुश्कपूर।	ऊंची आवाज हाथी का महावत	कामधेनू गाय लक्ष्मी चौपाया और गृहस्थी स्त्री का सुख सागर।

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

ग्रहों से सम्बन्धित वस्तुएं

क्रमांक	बुध	शनि	राहु	केतु
1	जबान सिर का ढांचा		ठोड़ी नाना-नानी	टांग नानका घर, नाभी से नीचे के रोग
2	खड़ा आंह, लड़कों जैसी लड़की सावुत मंग	हल्क का कउवा मंदा कोढ़। मंदी आग काला नमक कीकर का वृक्ष।	हाथी के पांव की मिट्टी, , सररों, कच्चा धुआं।	हमली तिल
3	भर्तीजी घमगादड़ चौड़े पत्तों का वृक्ष वान (टीमक) शक्ति छिद्र थहर मुर्दा रुह मदे वजूद।	खजूर का वृक्ष कीमती लकड़ी, (शाहवलत) आवनूस सागवान।	तेन्दुआ जवान, जौं काला रंग संबंधी हाथी दांत।	रीढ़ की हड्डी फोड़ा फूंसी।
4	तोता कली, खड़ा अंडा, बुआ, मांसी, कच्चा घड़ा।	काले कीड़े मकान हर तरह का तेल संगमरमर सफेद दयार घीव, की लकड़ी	स्वपन का समय, स्वपन का सोया दिमाग धनिया।	सुनना कान।
5	बांस की फकीर की आवाज, अशीश, दूध वाला बकरा पोती।	काला सुरमा बुद्धू लड़का।	छत	पेशावगाह।
6	फल लड़की मैना, खड़ा गैड़ा, ठेहरी आम थोहरें।	कव्वा चील, बिनौले बेरी का वृक्ष पत्थर के कोयले।	काला कुत्ता पूरा काला	चिड़ा, खरगोश स्थान, मिट्टी का घबूतरा, चारपाई प्याज, लहसून।
7	हरी घास भौंड़ी गाय मैना दूसरी चीजों का ढांचा या ठप्पा।	दरिंदे काली गाय, सफेद सूरमा, आंखे, हर तरह का मसाला	नारियल	दूसरा लड़का सुअर गधा।
8	लेटा, मुर्दा फूल बहन।	बिच्छू कनपटी छत के बिना खड़ी दीवारें।	धूला, बीमारी, दीवार की अंगीठी का धुआं गाली खोलिया।	कान सुनने की शक्ति छलावा धोखे बाज।
9	भूत प्रेत घमगादड़, सब्जरंग तत्तुल्यना हरा जंगल।	पुरानी लकड़ी शीशम (टाहली फलाई, आक, मदार का वृक्ष)	दहलीज नीला रंग घड़ी हल्क से ऊपर की बीमारियां।	दो रंगा कुत्ता या कुतिया मगर लाल रंग न हो।
10	दांत सुखी घास, शराब कबाब, सीढ़ियां माकन हींग ढोल (समान रोग)	मगर मच्छ सांप तेल साबुन कपड़े धोने की लांडरी।	गंदी नाली टटी- खाना भड़भूजे की भट्टी।	घूहा
11	उल्टा तोता कंडी वाला तोता सीप हीर फटकड़ी।	[illegible] टीन।	नीलम नीला थोथा सीसा (सिक्का नर्म) धातु एलमोनियम जस्त।	दो रंगा स्याह तथा सफेद कीमती पत्थर।
12	अण्डे खिलौने, गंदा अण्डा।	बनावटी तावा मछली ठठपोश, बादाम सर	हाथी, समुद्र का तेन्दुआ कच्चा कोयला पदम।	छिपकली मतृवन्ना पतंग, चारपाई केला (फल)।

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

ग्रहों से सम्बन्धित वस्तुएं

नाम ग्रह मुश्तरका	नामचीज
बृ. केतु	जर्द निम्बू
बृ. चन्द्र	बड़का दरख्त
सूरज चन्द्र	बड़ दरख्त का चालिस दूध, अलीघी (फल) घोड़ा टांगा
सूरज शुक्र	लाल मनव्वर, लाल मिट्टी (जलकर लाल शुदा) गायत्री लाल, कांसी का कटोरा (पानी पीने के बर्तन)
सूरज बुध	सर सब्ज पहाड़ लाल फिटकरी शीशा सफेद
चन्द्र बुध	मां, घी, दरिया के पानी में रेत, टीन्ना तोता हंस (परिन्दा) कुंआमय रीढ़िया
चन्द्र शनि	काली रयाही, पानी की बावली (मानिन्द कुंआ) उल्टा हथियार जो अपने माथे पर ही लगता रहे फुकुआ बिगड़ा हुआ दुध मोटर लारी या लोहे की सफर की चीज खूनी कुंआ, दूध मे जहर।
शुक्र मंगल	मिट्टी का तंदूर, मीठा अनार, गेरु लाल मिट्टी
शुक्र बुध	मरानूई सूरज, तराजू, रेतीली मिट्टी, आटा पीसने की चक्की जिसके दो पत्थर हो
शुक्र शनि	काली मिर्च और की (शुक्र) स्याह काला मनव्वर मिट्टी का शनिच्चर खुश्क पहाड़
मंगल (बद) बुध	आतशी शीशा, लकड़ी के लाल चमकी के कपड़े, अनार का फूल
मंगल नेक	सुवर लाल (कपड़ा जो लकड़ी की शादी के वक्त पहनाते हैं) लाल खूनी रंग मगर जो चमकीला न हो, कण्ठीवाला राम बुध तोता
मंगल शनिच्चर	नारियल, छुआरा
बुध शनि	आम का दरख्त,
बुध केतु	बर्रो एक जानवर है जिससे हाथी डर कर भागता है
शनि राहु	सांप की मणि, या सांप की जहर चूस लेने वाला मनका

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

सम्बन्धित ग्रहों के सम्बन्धी

खाना	बृहस्पत	सूर्य	चन्द्र	शुक्र	मंगल
1	सिंहासन पर बैठा साधू बाप दादा वृ. सूर्य मुश्तरका में वृ. पिता और सूर्य लड़का है	अपना आप हम और हमारा हुआ	राजा की रानी	स्त्री के टेवे में पुरुष और पुरुष के टेवे में स्त्री धन के लिए जोड़ी सलामत	तलवार का धनी भाग्य का स्वामी भाई
2	जगत गुरु पुजारी स्त्री के टेवे में मजूमान होगी	धार्मिक पेशवा कानूनी ढंग	धर्म माता कोई भी बूढ़ी या जो धर्ममाता के तौर पर मुकर्रर हो	साली (शादी शुदा)	बड़ा भाई
3	खानदान का मुखिया	मिन्नत की बजाये पुलिस के डंडे से मित्र बनाने वाला	साथ घर की माई	भाभी	ताया
4	राजा महाराज पूर्ण ब्रह्म	अपने मुंह की रोटी निकाल कर बच्चों को देने वाला बाप	मासी या माता	यार दोस्त की स्त्री (बच्चों की शर्त नहीं)	माता का बड़ा भाई
5	स्कूल मास्टर	बुद्धिमान धन तथा भाग्य की शर्त नहीं	जब उकसाई गई तो बिना लड़े न रहे के असूल की माता	ऐसी स्त्री पुरुष जिन्हें उनके बच्चे बाप न कहेंगे न मानेंगे।	बच्चों के मित्र
6	बड़ी आयु के अतिथि	जब भड़क उठे जल्द लड़े बिना रोटी हजम न हो	नानी	स्त्री जो रोटी खाने में चतुर मगर संतान बनाने में असफल जो इच्छा करे मगर पालना पसंद न करे।	बहनोई
7	निर्धन मगर शानी जो दिल से बूढ़ा उम्र का बेशक जवान हो	यह घर क्यों आया यह आदमी खुश क्यों है इस तरह का गृहस्थी	गृहस्थी व्यापारी की मेलजोल का कोई भी दयालु जगत लक्ष्मी	स्त्री के टेवे में पुरुष पुरुष के टेवे में स्त्री की आखिर तक गृहस्थ का साथ पूरा करे।	अपना सगा भाई या सगा साला
8	संसारिक आयु के हिसाब से हम उम्र मर्दों में बाप का बराबर का मर्द	सब कुछ मिल गया मगर फिर भी आशा पूरी न हो सकी	ताई	ऐसी जुबान वाली जो कोई सम्बन्धी कोई ही न माने	छोटों के लिये कसाई, भाई
9	घर में आयु में सब से बड़ा मगर रिश्तेदारी की शर्त नहीं।	हर बिगड़ी को बनाने वाला दयालु मित्र	वंश में सबसे अधिक उम्र की माता (दादी) रिश्तेदारी की शर्त नहीं	हद से अधिक शर्मशारी के कारण बिमारी से मरी अबला स्त्री	बड़े का भाई
10	उधारा बाप सिर्फ जन्म दाता	हमारे बराबर का दूसरा कोई नहीं का आदमी	चाची	हर समय धूनी-धूनाई दुल्हन जैसी रहने की पसंद करे।	बाप का धर्म भाई
11	अपने आप बिन बुलाए बाप का सहायक	बच्चे निकलने से पहले ही अंडे खा जाये, निर्दय अगर धर्मी तो न्याय का आखरी दर्जा का अफसर	पेशाब से परिवार तोलने वाली बुढ़िया	पूरे मर्द के बराबर वरना न मर्द बीच में नहीं।	पिता का फर्जी भाई
12	बेफिकर बाप जिसे कल की फिकर नहीं (असूदा हाल)	बाल, बच्चे बिना नहीं जायेंगे के भाग्य का मालिक बाप	सास	लक्ष्मी सुख का कारण	बड़े भाई के खून का प्यासा भाई

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

स्थान	बुध	शनि	राहु	केतु
1.	बड़ी लड़की	एक तरफ का प्रकरार मेहर शन हो तो तारे वरना सब कुछ निकाम करवा दे।	बनिया व्यापार का [illegible]	छकलीता बेटा
2.	साली (जिसकी शादी न हुई हो)	ससुर का भाई	ससुर मर्द के टंबे में स्त्री का ससुर बू से मुराद होगी	साला
3.	बड़ी बहन	खानदानी मजदूर मगर पुश्त से पुश्ती	धन की दोस्ती को अंत तक निभाने	भतीजा
4.	मासी की लड़की	मासड़	धर्मात्मा माता का छोटा भाई	मासी का पुत्र
5.	मिली मिलाई बिना विवाह की स्त्री, तारने पर आवे तो अतिभाग्य वान वरना कुल को डुबो दे हर ओर देख के चक्कर का मालिक	बेवफा गुलाम	बच्चों को बेचने वाला व्यापारी	पोता, भाग्य चाहे छोटा या बड़ा
6.	अपनी लड़की	नथुके, लड़के, लड़कियों का सम्बन्धी	लड़कियों के ससुर	दोहता भान्जा
7.	गृहस्थी संबंध से आम लड़की जो सब को तारे	सबका सहायक (चाहे अपना चाहे ससुर वंश) अंधों को आंख देने वाला	ससुराल के घर वंश में बेहद बंलते जाने की बीमारी का मारा पागल	अपना मगर दूसरा लड़का
8.	बिन बताये सिर काटने वाले शमशान में रहने वाली लड़की (कब्रिस्तान)	न किसी के भले में न बुरे में	तलवार के पत्थर की जगह शरीर पर ही तेज करने वाला कसाई	मौतों के मारे मातम का ही ठेकेदार।
9.	दिखावे को तो बहन मगर जब उसका जी चाहे स्त्री बन बैठे और फिर बहन हो जाये पूरी धोखेबाज	चाचा मगर इज्जत मान का मालिक	लोकलाज मौका के अनुसार चलने वाला अपना बड़ा बर्जुग	चाचा का लड़का
10	अपने बाबा की लड़की मगर अपने ही खून की शर्त नहीं।	उजड़ों कि बसाने वाला अपनी आयु में बड़ा सम्बन्धी	नास्तिक मित्र जो टट्टी पेशाब के लिए मन्दिर ही पसंद करें।	वंश का पूरा वफादार लड़का
11	अपने बाप के अमली खून की लड़की मगर खुशी मंद हो	पूरा धर्मात्मा और औरत वाला चौकीदार	जालिम जो कि दो पुश्तों से ही ऐसा हो	बर्तमखाना का बच्चा मगर हर प्रकार से सहायक
12.	हर दो समय और हर दो पुरुष पर और स्त्री के साथ बेहया लड़की	भगतान का भेजा रक्षक और सदा ही तारता जाने वाला दयालु	रात को न केवल आप दुखी मगर दूसरों को भी दुखी करे दानि खुद शरीर उसके दुख दूसरों को रात को दूसरों को आराम न लेने दें (कारन फालतू खर्चा होगा)	हर दुख को सुख में बदलने वाला लड़का।

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

सम्बन्धित ग्रहों के

	बृहस्पत	सूर्य	चन्द्र	शुक्र	मंगल
1.	सिंहासन पर बैठा साधु बाप दादा वृ. सूर्य मुशतरका में वृ. पिता और सूर्य लड़का है	अपना आप हम और हमारा हुक्म	राज की रानी	स्त्री के टेवे में पुरुष और पुरुष के टेवे में स्त्री धन के लिये जोड़ी नकामत	तलवार का धनी भाग्य का स्वामी भाई
2.	जगत् गुरु पुजारी स्त्री के टेवे में सुसरल होगी।	धार्मिक पेशवा कानूनी ढंग	धर्म मन्त्र कोई भी बुढ़िया जो धर्ममाता के तौर पर मुकर्रर हो	साली (शादीशुदा)	बड़ा भाई
3.	खानदान का मुखिया।	मिन्नत की बजाये पुलिस के डंडे से मित्र बनाने वाला	साप घर की भाई	भाभी	ताया
4.	राजा महाराज पूर्ण छत्र।	अपने मुंह की रोटी निकाल कर बच्चों को देने वाला बाप	मालूं दा माता	यार दोस्त की स्त्री (बच्चों की शर्त)	माता का बड़ा भाई
5.	स्कूल मास्टर।	बुद्धिमान धन तथा भाग्य की शर्त नहीं	जब उकताई गई तो बिना लड़े न रहे के अयूल की माता	ऐसे स्त्री पुरुष जिन्हें उनके बच्चे बाप न कहेंगे न मानेंगे।	बच्चों के मित्र
6.	बड़ी आयु के अतिथि।	जब भड़क उठे, जब माकूल लड़े बिना रोटी हजम न हो	नर्स	स्त्री जो रोटी खाने में चतुर मगर संतान बनाने में असफल जो अच्छा तो करे मगर पालना पसंद न करे।	बहनोई
7.	निर्धन मगर खानी दिल से कुल आयु का थाहे जवान।	यह घर क्यों आया यह आदमी खुश क्यों है	गृहस्थी व्यवहार की मेजजोल का कोई भी दयालु जगत लक्ष्मी।	स्त्री टेवे में पुरुष, पुरुष के टेवे में स्त्री की आखिर तक गृहस्थ का साथ पूरा करे।	अपना सगा भाई या सगा साला
8.	संसारिक आयु के हिसाब से हम उमर मर्दों में बाते के बराबर का मर्द।	सब कुछ मिल गया मगर आशा फिर भी पूरी न हो सकी	दाई	ऐसी जवान वाली जो कोई सम्बन्धी कोई ही न माने।	छोटों के लिये कसाई भाई
9.	घर में आयु में सब से बड़ा मगर रिश्तेदारी की शर्त नहीं।	हर बिगड़ी को बनाने वाला दयालु मित्र	वंश में सबसे अधिक उमर की माता (दादी) रिश्तेदारी की शर्त नहीं	हद से अधिक शर्मशारी के कारण बिगारी से मारी अवस्था स्त्री	दादे का भाई
10.	उधारा बाप सिर्फ जन्म दाता।	हमारे बराबर का दूसरा कोई नहीं का आदमी	बच्ची	हर समय धुली-धुलाई दुल्हन जैसी रहने की पसंद करे	बाप का धर्म भाई
11.	[illegible] बिन बुलाए बाप का सहायक	बच्चे निकलने से पहले ही अंडे खा जाने निर्दयी अगर धर्मी तो न्याय का अखिरी दर्जा का	पेशाब से परिवार तोलने वाली बुढ़िया	पूरे मर्द के बराबर वरना नामर्द बीच में नहीं।	[illegible] का [illegible] भाई
12.	बेफिक्र बाप जिसे कल की फिक्र नहीं	बाल बच्चे बिना नहीं जायेंगे के भाग्य का मालिक बाप	सत	लक्ष्मी सुख का कारण	बड़े भाई के खून का प्यासा भाई

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

लग्न	बुध	शनि	राहू	केतु
	1. बड़ी लड़की	एक तरफ का अफसर मेहरबान हो तो तारे वरना सब कुछ निलाम करवा दे।	बनिया तबीयत का अफसर	इकलौता बेटा
	2. साली (जिसकी शादी न हुई हो)	ससुर का भाई	ससुर मर्द के टेवे (स्त्री का ससुर बु. से मुराद होगी)	साला
	3. बड़ी बहन	खानदानी मजदूर मगर पुश्त से पुश्ति	धन की दोस्ती को अंत तक निभाने वाला	भतीजा
	4. मासी की लड़की	मासड़	धर्मात्मा माता का छोटा भाई	मासी का पुत्र
	5. मिली मिलाई बिना विवाह की स्त्री तारने पर आवे तो अतिभाग्यवान वरना कुल कोड़वी दे हर और दुख के चक्कर का मालिक	बेकरा गुलाम	बच्चों को बेचने वाला	पोता, माता चाहे छोटा या बड़ा।
	6. अपनी लड़की	नाशुके लड़के-लड़कियों का सम्बन्धी।	लड़कियों के ससुर	दोहता भान्जा
	7. गृहस्थी सम्बन्ध से आम लड़की जो सब को तारे	सहायक (चाहे अपनी, सुसर वंश से हो) अंधों (आंख देने वाला	ससुराल के घर वंश में बेहद बोलते जाने की बिमारी का मारा पागल।	अपना मगर दूसरा लड़का
	8. बिन बताये सिर काटने वाले शमशान में रहने लड़की (कब्रिस्तान)	न किसी के भले में न बुरे में।	तलवार को पत्थर की जगह शरीर पर ही तेज करने वाला कसाई।	मौतों के मारे मातम का ठेकेदार।
	9. दिखाने को तो बहन मगर उसका जी चाहे स्त्री बन बैठे और फिर बहन जा जाये पूरी धोखेबाज	चाचा मगर इज्जत मान का मालिक।	लोकलाज मौका के अनुसार चलने वाला अपना बड़ा बर्जुग	चाचा का लड़का
	10. अपने बाबा की लड़की मगर अपने ही खून की शर्त नहीं।	उजड़ों को बसाने वाला अपनी आयु में बड़ा सम्बन्धी	नास्तिक मित्र जो टूटी पेशाब के लिए मंदिर ही पसंद करे।	वंश का वफादार लड़का
	11. अपने बाप के असली खून की लड़की मगर खुशामिंद हो।	पूरा धर्मात्मा और गैरत वाला चौकीदार	जालिम जो कि दो पुश्तों से ही ऐसा हो	यतीमखाना का बच्चा मगर हर प्रकार से सहायक
	12. हर दो समय और हर दो पुरुष पर और स्त्री के साथ बैठया लड़की	भगवान का भेजा रक्षक और सदा ही तारता जाने वाला दयालु मित्र	रात को न केवल आप दुखी मगर दूसरों को भी दुखी करे यानि खुद शरीफ उसके दूसरों को रात को आराम न लेने दे। कारण कालूत खर्चा होगा।	हर दुख को सुख में बदलने वाला लड़का।

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

खाना नं.	वृहस्पत	सूर्य	चन्द्र	शुक्र	मंगल
1.	किताबगर मगर फर्जी नमदलासे पीले रंगों के काम	राजदरबार सम्बन्धित	बाग बगीचा के	राजाओं की स्त्रीयों के प्रयोग में लाने वाली चीजों के	सौफ का काम लाभकारी दांतों का काम हानिकारक
2.	मिट्टी के काम सोना देंगे सोने के काम मिट्टी देंगे	खाने के अनाज के काम (जौ ज्वार बाजरा गंदम)	चावल घोड़े के	आलू घी अदरक, सफेद मुश्कपूर के।	दरिंदों से सम्बन्धित
3.	विद्या के	भतीजों के साथ काम	चरायता खून साफ करने की दवा के।	गृहस्थी स्त्री के सम्बन्धित	नकली दांत के।
4.	सोना तथा सिवाई के	पानी और रेशम के काम बुआ के बेटे के साथ के काम	बजाजी, तलाब कुआं चश्मा के काम	चोपाया, परिंदे और दही के काम	और तलवार के काम हानि दें के काम लाभ दें।
5.	खुशबूदार चीजों के	बंदरों और बच्चों से सम्बन्धित	लड़के लड़कियां की विद्या से सम्बन्धित	आवे भट्टे के।	हिकमत
6.	कीमती पक्षियों के	दोहते के साथ से काम शुभ	सफर से सम्बन्धित वस्तुओं के	पक्षियों के काम हानि दें, गुड़ और गैस के काम लाभ दें।	पेट के सम्बन्धित सामान और बिमारी से सम्बन्धित काम।
7.	किताबों के काम और वह काम जिन से दमा हो जाता है हानि देंगे दूध और दही के काम लाभ देंगे।	गाय का व्यापार मंदा, चांदी का दूध का काम लाभ देगा	खेती और मकान के नीचे से सम्बन्धित काम, बर्फ के काम	पर खेती के काम चरी, कासा के बर्तन गाय के सम्बन्धित काम	दाल मसूर फलौदार पौधे अजवायन के।
8.	पहाड़ी इलाके के काम	रथ गाड़ी से सम्बन्धित	समुद्र से सम्बन्धित	जमीन के नीचे होने वालियों सब्जियों के काम	मकान के काम जिन चीजों में मशीन का काम न हो।
9.	धर्म स्थान के काम पूजा का सामान गैस के काम	पशुओं से सम्बन्धित	जायदाद जद्दी से सम्बन्धित	शकरकन्दी मिठाई मगर हलवाई बनने की शर्त तमाम फलौदार चीजों के काम।	फलौदार चीजे खुश्क फल मेवे लौंग सुर्ख रंग और खून से सम्बन्धित चीजों के काम
10.	लोहे के काम	मकान और भैंस से सम्बन्धित	नशे की चीजे पानी में घुली दवाएं हानि दें। खुश्क दवाएं और मन को खुश करने की चीजे लाभ दें।	मिट्टी और कपास के काम	शहद मीठे भोजन के काम
11.	रोल्डगोल्ड गिल्ट के काम	तांबे के	मोतियों (दूध रंग) के काम	सूई मोती (दही रंग) सफेद दही रंग की चीजों के काम	सिंदूर (लाल धातु) के काम
12.	पीतल या पीतल के काम	आटे चक्की पीसने के काम	पालतू जानवरों के काम आग पानी सम्बन्धित काम मंदा फल दें।	पशुओं और स्त्रीयों के रात के आराम का सामान के काम	और कड़वी दवाईयों के काम।

Free by Astrostudents

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

खाना नं.	बुध	शनि	राहू	केतु
1.	जीव। सिर के ढांचे के सम्बन्धित	हलक से सम्बन्धित काम लाभ दें। कांकर के वृक्ष के काम हानि दें।	धुए के काम या नाना नानी के साथ काम हानिकारक	नाभी से नीचे की बीमारियों के सामान के काम
2.	मंगल ऐशोइशतर राग के अंडों के काम	सावुज उड़द मास के	सरसों के	इमली तिल के
3.	दम का डाक्टर भतीजी को सहायता देने से व्यापार लाभकारी।	नजर का डाक्टर खजूर के वृक्ष के काम।	कोयले के काम हाथी दांत का काम हानि दें।	फोड़े फुंसियों की बीमारियों से सम्बन्धित सामान के काम।
4.	ठोंता, कली बर्तनों वाली कच्चे घड़े। काम	हर प्रकार के तेल संगमरमर मकान से सम्बन्धित सामान के काम (मगर मकान नहीं)	लैक्चर कथा वार्ता से सम्बन्धित	बहरे पन का इलाज
5.	बांस के सम्बन्धित काम पोती की मदद से करकत लड़कियों की सेवा से	काले सुरमा के काम	मकान की छतों के काम हानि देंगे, बिजली के बड़े-बड़े काम जो राज्य से सम्बन्धित हों या बहुत बड़ी अर्पालों से सम्बन्धित काम लाभदायक।	पिशाच गाढ़ से सम्बन्धित काम
6.	फल के काम, स्टेशनरी की दुकाने	बिनोले पत्थर के कोयले इंजीनियरिंग के काम	पालतू कुत्तों का सामान	बन्गोश पूजा अराधना के लहसुन प्याज के काम
7.	हरी घास पट्ठे और ढांचे के काम	नजर की चीजों से सम्बन्धित काम, सफेद सुरमा के काम।	चांदी के काम, जंजीरी आदि।	सुअर गधे के व्यापार
8.	सब व्यापार हानि देंगे मगर खांड या खाने पीने के काम सहायक	विषैली चीजें अफीम चरस के काम	हल्ला पागल और दिमागी बीमारियों से सम्बन्धित काम।	केतु से सम्बन्धित काम हानि कारक।
9.	जंगली वृक्षों के काम हानिकारण पुराने/बुजुर्गों लिटरेचर के काम सहायक	पुरानी लकड़ी टाहली शीशम व फलाही के काम सामान।	हलक से ऊपर की बिमारियों के काम	कुत्तों का व्यापार लाभदायक।
10.	दांत के काम तथा शराब की दुकाने ढोल और राग के सामान का काम	दरियाई जानवरों के काम	स्वास्थ्य सम्बन्धी वस्तुओं के काम	मकान की नींवों से सम्बन्धित सामान के काम।
11.	सीप, हीरे फटकरी के काम अदालतों से सम्बन्धित काम।	रेलवे मकानों तथा लोहे के काम	नीलम शीशा योथ, सिक्कों (नर्म धातु) अल्मुनियम जस्त हानि देंगे, सोना लाभदायक	दो रंगे कीमती पत्थरों के काम।
12.	खिलौनों के काम लाभदायक	तख्तपोश या बादाम के काम।	हाथी से सम्बन्धित सामान लाभदायक कच्चे कोयले के काम हानिकारक।	ऐश आराम बच्चों की खेलों और खुशी पैदा करने से सम्बन्धी काम।

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

हर ग्रह का मुतल्लका मकान

बृहस्पत का मकान : बृहस्पत हवा के रास्तों से मुतल्लका होगा। सेहन मकान का मकान के किसी एक सिरे पर होगा या मकान के शुरू में ही हो या बिल्कुल आखीर पर , या दाई बाई तरफ मकान के एक तरफ मगर दरमयान में न होगा। मकान का दरवाजा उतरपूर्व न होगा। हो सकता है कि पीपल का दरख्त या कोई धर्म स्थान मन्दिर मस्जिद गुरुद्वारा मकान में या मकान के बिल्कुल साथ ही होवे

सूरज का मकान : सूरज रोशनी के वास्ते बतलायेगा, मकान का दरवाजा निकलते सूरज पूर्व की तरफ होगा और सहन मकान के दरमयान में होगा आग का ताल्लुक निकलते वक्त मकान से बाहर निकलते हुये दांये हाथ पर सेहन में ही हो इधर उधर किसी और जगह न होगा

चन्द्र का मकान : चन्द्र जमीन और धन दौलत का मालिक है और सूरज से मिलता है मकान के अव्वल तो अंदर ही वरना मकान की बाहर की चार दीवारी के साथ लगा या लगता हुआ और आखीर अगर दूर भी कहीं तो कुडली वाले की अपनी 24 कदम तक उस मकान से और मकान के बड़े दरवाजे के ऐन सामने कुंआ है तलाब वगैरा चलता हुआ पानी जरूर होगा जमीन के अंदर से कुदरती पानी को चन्द्र लेंगे मसनुई नलका चन्द्र न होगा आबशार चश्मा वगैरा चन्द्र गिने जाते है

शुक्र का मकान : मकानों के ताल्लुक में या ग्रह सूरज के बरखलाफ होगा। हवेली का शहतीर उतर दक्षिण होगा मकान में कच्चा हिस्सा जरूर होगा दरवाजा मकान भी उतर दक्षिणी शमाल जनूब होगा इसका सबूत सफेदी कली चूना का हिस्सा व प्लस्तर होगा

मंगल नेक का मकान : यह ग्रह बृहस्पत , सूरज और चन्द्र के साथ चलता है मगर उनके दांये या बांये मानिन्द चौकीदार पहरावाला होगा। मकान का दरवाजा शमालन जनूब उतर दक्षिण होगा। कच्चे या पक्के होने की खास शर्त नहीं है मर्द औरत जानदारों की आमदोरफत की बरकत देगा

मंगल बद का मकान : मंगल बद का मकान का दरवाजा सिर्फ जनूब दिशा में होगा मकान के साथ या ऊपर मकान के दरख्त का साया आग हलवाई की दुकान और भट्टी का साथ होगा मकान में या मकान के साथ कब्रिस्तान या शमशान भूमि होगी लावल्दों का साथ होगा और हो सकता है खुद वो इंसान भी काना लावल्द होगा। अगर किस्मत भली होगी तो उसे इसमें रहने का इत्तेफाक ही नहीं होगा

बुध का मकान : मकान चारों तरफ दायरा में हर तरह खाली या खुला हुआ होगा या अकेला ही मकान होवे मकान के साथ चौड़े पत्तों के दरख्त का साथ होगा पीपल बृहस्पत ,बड़ बृहस्पत चन्द्र शहतूत या लसूड़ा बुध होता है बहरहाल बृहस्पत या चन्द्र के दरख्तों का साथ न होगा अगर होगा तो वह घर बुध की दुशमनी का पूरा सबूत देगा

astrostudents

शनिच्चर का मकान : मकानों में यह ग्रह चारदीवारी से मुतल्लका होगा और सूरज के उल्ट चलता है, मकान का शाहरे आम का बड़ा दरवाजा अंदर के दरवाजे किसी भी ग्रह में नहीं माने गये पश्चिम में होगा मकान की सबसे आखीरी कोठरी जो बाहर से मकान में अंदर दाखिल होते वक्त दांये हाथ के तरफ में होगी पूरी अंधेरा कमरा होगा जिस दिन तक इसमें रौशनी का बन्दोबस्त न होगा शनिच्चर का उत्तम फल होगा जिस दिन जरा भी रौशनी या सूरज के आने का बन्दोबस्त हुआ सूरज शनिच्चर का झगड़ा या वो घर बरबाद हालत का हो जावेगा। मकान में पत्थर गढ़ा हुआ होगा मकान के सबसे पहले दरवाजा की दहलीज पुरानी लकड़ी यानि शीशम या कीकर बेरी पता ही वगैरा की होगी हर हालत में नया जनाना की लकड़ी दयार चीड़ वगैरा होगी छतपर भी पुरानी लकड़ी का साथ आम हो सकता है कि इस मकान में स्तम्भ मीनार या थम्ब स्तूम्ब का साथ होवे नहीं

राहु का मकान : बालिगों से मुतल्लका बीमारी झगड़े राहु छत बलाये बद बाहर से अंदर जाते वक्त उस मकान में दांये हाथ पर कोई गड्ढा भरा होगा बड़े दरवाजे की दहलीज के ऐन नीचे से मकान का पानी बाहर निकलता होगा मकान के सामने का हमसाया लावल्द होगा या गैर आबाद ही होगा हो सकता है कि मकान की दीवारें तो तब्दील न होवे मगर छत कई बार बदली जावे मकान के साथ लगती हुई भड़भूंजों की भट्टी कोई कच्चा धुंआ गर्की गंदे पानी को जमा करने का गढ्ढा वगैरा का साथ होगा।

केतू का मकान : बच्चों से मुतल्लका केतू खिड़कियां व दरवाजे बतलायेगा हवायेक्द अचानके धोके कोने का मकान होगा तीन तरफ मकान एक तरफ खुला या तीन तरफ खुला और एक तरफ कोई साथी मकान या खुद इस मकान की तीन तरफे खुली होगी। केतू के मकान में नर औलाद या लड़के या पोते तीन से ज्यादा न होंगे अगर एक लड़का तो तीन पोते अगर तीन लड़के तो एक पोता या ऐक ही लड़का एक ही पोता कायम होगा इस के मकान के दो तरफ काटता हुआ रास्ता मकान होगा साथ का हमसाया मकान कोई न कोई जरूर गिरा हुआ बरबाद या कुत्तों के आने जाने का खाली मैदान बरबाद सा होगा।

हर ग्रह का मुतल्लका इंसान

बृहस्पत का इंसान

बृहस्पत के ग्रह के प्रबल होने वाले व्यक्ति का माथा छूहे के माथे की तरह तंग सा न होगा। नहीं वह दमे की बीमारी वाला या नाक कटा होगा। इसका बोलना चालना बैठना वगैरा गुरु की तरह शहाना गंभीर और नेक होगा। हाथ की पहली उंगली तर्जनी लम्बी होगी मगर कटी हुई या रद्दी हो चुकी न होगी। तबीयत में सुथरे लापरवाह जिसमें किसी से भी मुहब्बत की बू न हो की तरह रूखा पन न होगा और न जानवरों को जिबह

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

करने वाला कसाई न होगा।
निम्नलिखित का साथ होगा :-

रूहानी हाथ :-

उंगलियों के जोड़ मालूम ही न हों और नाखूनों वाली पोरी नोकदार सीधे हों तो मजहब पर मर जाने वाला होगा जो किस्मत करेगी देखा जायेगा के कोल का आदमी होगा। ऐसे शख्स से किसी को भी फायदा न होगा आदत का लापरवाह माली हालत दरम्याना होगी।

सूरज का इंसान

सूरज के प्रबल ग्रह वाला अंगहीन जिस्म का कोई हिस्सा कटे वाला न होगा। इसका रंग गंदमी आंखे शेर नर की तरह रोशन मगर इरादती न होगी। कद इसका लम्बा जिस्म पतला इकहरे जिस्म वाला मगर दुबला सा मरियल नहीं हर तरह की मुसीबत बर्दाश्त कर सकने वाला और मजबूत होगा। चेहरा कुशादा खुली पेशानी वाला होगा रफ्तार गुफ्तार में बांया हिस्सा जिस्म का पहले चलने वाला हो। शक्लो शुबाहत शक्ल सूरत जाहिरा तौर पर तो भोला भाला होगा मगर अंदर से दबी हुई आग दाख गर्म होगा चाल चलन कामदेव का पूरा नेक होगा शराब से दूर रहने वाला और शरारत का माकूल जवाब देने वाला होगा।
हर बात में पहला हिस्सा लेने वाला होगा निम्नलिखित बातों का साथ होगा :-
सपाट हाथ, उंगलियों के दरम्यानी जोड़ मोटे, और उनके [illegible] हो तो ऐसा शख्स मेहनती इरादे का पक्का होगा जिस बात पर अड़े पीछे न हटे

चन्द्र का इंसान

चन्द्र प्रबल वाला सफेद रंग दूध की झलक वाला दही के [illegible] नहीं शान्ति स्वभाव चौड़ाई वाला चेहरा चकोर या घोड़े की आखों वाला, दूसरे की बात में हां में हां मिलाकर फिर उसको नरम सा जवाब देकर और उसके दिल को मना कर अपनी तरफ करने वाला।
लिबास में सफेदी पसंद जिस्म का निचला हिस्सा नाभि से नीचे पांव की तरफ का हिस्सा पले हुये हाथी की तरह भारी, भद्दा सा और बेढोल न होगा
निम्नलिखित बातों का साथ होगा
मुतफिरे का हाथ, अंगूठा छोटा उंगलियाँ तराशी सी हुई हो तो मवेशी पा[illegible] का शौकीन और मवेशियों से फायदा उठावे

शुक्र का इंसान

शुक्र के प्रबल वाला रंग में सफेद(दही के सफेद रंग की झलक, दूध के सफेद रंग की नहीं) चेहरा गोल मोल, साफ खूबसूरत आंखे बैल की तरह की [illegible] नस्ताना और आशिकाना ढंग की रूखसारे बुलन्दों पर गोश्त व गोल तबीयत में ऐशपसंद कोई रोये कोई हंसे मगर वह खुद अपने आप में खुश और हर दम अपने आपको औरतों की तरह संवारता है निम्नलिखित बातों का साथ होगा बराबर हाथ उंगलियां नोकदार और जोड़ उनके मोटे हों, तो हुस्नपरस्ती पर मर मिटने वाला।

मंगल नेक का इंसान

मंगल नेक के प्रबल ग्रह वाला एक तरफ तबीयत दहाना मुंह का पोशादा दोनों होठ बराबर और सुर्ख रंग आंखे और शेर की निशानियां भी साथ मिलती सी मालूम होंगी
गुंबद मीनार की तरह ऊपर से उभरा हुआ और भारी और नीचे पांव की तरफ से हल्का होगा
निम्नलिखित का साथ होगा
वर्गाकार हाथ उंगलियों के सिरे चौड़े होंगे हकूमत का इच्छुक इरादे का पक्का होवे

मंगल बद का इंसान

मंगल प्रबल के ग्रह वाला जल्लाद कसाई और हाथ आग और
छुरी साथ लिये फिरता हो (मैदाने जंग का तलाश करने वाला ढूंढकर पाने वाला, खुद कोशिश करके लड़ पड़ने वाला)
आंखे खूंख्वारी में शेर की उरह और सुर्ख मगर हिरण की तरह की भी यानि दोनों हालतों में से पता न चले कि किस से मिलती है कद काठ का उम्दा लम्बी उम्र वाला खुद न जले मगर हरजा के जूद कदम शरीफा, न फसल रबी शुद न खरीफ की तासीर वाला, आवाज में दहाड़ने की गूंज व भारीपन और अपने आप ही में मौत का यम बन करचलने वाला होगा अंगूठा लम्बा उंगलियों के सिरे चौरस या मुरब्बा हो तो झगडालू होगा।

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

बुध का इंसान

बुध के ग्रह के प्रबल वाला कबूतर की आंख से मिलती हुई आंखों वाला मगर डरपोक चाल में मसकीन, बिल्ली की तरह का जवान मासूम लड़कियों की तरह की मगर जादू की ताकत, दांत शानदार, बहरूपियापन (नकल करने या स्वांग उतारने की ताकत) दर्जी कमाल, जवान होंठों पर करने की आम आदत, गुफ्तगु में तेज खाली बातों बातों में फर्जी व क्यासी मकल बना देवे मगर कारबारी व कब्जा न होगा हर एक को अपना काबल और साथी बना लेगा मगर खुद रहनुमा बनने वाला न होगा। जबान का चस्का ज्यादा मगर खुराक कम। खूबसूरती पसंद मगर ज्यादा चीजों की परवाह नहीं निम्नलिखित बातों का साथ होगा, मुन्तकी हाथ अंगूठा लम्बा। उंगलियों के जोड़ बाहर को या मोटे हथेली का कनिष्ठका के नीचे का हिस्सा बाहर को निकला हुआ। मुशाफकात की जड़ तक पहुंचने वाला होगा।

शनिच्चर का इंसान

शनिच्चर के प्रबल ग्रह वाला सांप स्वभाव। आंखे साप की आंखों से मिलती हुई गहरी व गोल, रंग परसफेद या सुर्खी न होगा बल्कि स्याही पर या स्याह रंग ही होगा। भवें लेटी लकीर की तरह सीधी या भवों पर बाल कम। आवाज में साप की तरह टक-टक करने वाला आंखे बहुत बहुत देर बाद झपकने वाला होगा। बात में पता न लगने देगा कि इसका अपना असली मतलब क्या है दोनों पहलू चारों तरफ घूम जाने वाला होगा। अगर मदद पर हुआ तो दूसरे की मदद को पूरा करने के लिए अपना सब कुछ कुर्बान कर देगा। फक्का हठधर्म होगा। अगर बर्खिलाफी पर हुआ तो मुकाबिल वाले का सब कछ बर्बाद व जहरीला कर देगा। और सिर्फ दुनियावी तमाशा दिखलावेगा। न सिर्फ दुनियावी तमाशा दिखलावेगा। स्वाह दुश्मन का और अपना दोनों का ही कुछ न बने सुनने की बजाए आंखों से ही ही काम लेगा। दूसरों सांप आ निकलने की तरह काडर पैदा कर देगा। कान छोटे अलहदा बैठने का आदी होगा।

राहु का इंसान

राहु के प्रबल ग्रहवाला बुलन्द ठुड्डी रंग पूरा स्याह अगर राहु उच्च हो तो रंग स्याह न होगा मगर सब राहु में इसी जगह लिखी हुई बातें जरूर होंगी।

अमूमन काला, आंख से काना या और औलाद की तरफ से लाबल्द होगा। टेढा चलने वाला। हाथी काजिस्म रंग, हाथी की ही आंखों से मिलती हुई आंख होगी। तबीयत में कच्चे धुएं की तरह की बेआरामी सी होगी। जिस तरफ मिल गया वहीं तरफ दूसरी तरफ करने वाली होगी। दिमागी ताकत हमेशा शरारत और बरबादी का ढंग खड़ा कर देगी। खुराक ज्यादा मगर चसका कम। चीजों की ज्यादती का शैकीन मगर उनकी खूबसूरती की परवाह नहीं। मसकीन बिल्ली की तरह अगर उसे उड़ने के पर मिल जावे, चिड़ियों के बीज नाश करना शुरू कर देगा। ⅄ का नाश

केतु का इंसान

Free by Astrostudents

केतु के प्रबल के वाले ग्रह कान भौं का दरम्यानी हिस्सा बुलंद मगर ऊपर से बाहर को उभरा हुआ सा जिस्म खूब मजबूत खासकर टांगों का हिस्सा भारी, गाजर की तरह उसका जिस्म नीचे से मोटा और ऊपर सिर की तरफ से हल्का। तबीयत नेक दरवेश (कुत्ता, सुअर या साधु) की होगी।

हर ग्रह की संबधित रेखा

बृहस्पत की रेखा : बृहस्पत का असल निशान इन्द्रिय .....जो सबसे उत्तम है
और अकेले बृहस्पति के असर का है
। कद बृहस्पत लम्बा हो (मर्द) नरम दिल, धर्मात्मा
॥ लम्बा हो (औरत) साद लोह भोली तबीयत
अपनी उंगली के पैमाने से (तीन उंगल की एक गिरह और चार गिरह की बालिश्त दो बालिश्त का हाथ, दो हाथ का गज यानि 36" या 48 उंगुली या एक उंगली 3/4 मगर अपने हाथ के पैमाने से हो) (कुल ईंच को एक से गुणा करो तादाद उंगली होगी) 68 अंगुल बदनसीब 52 अंगुल नेक नसीब विस्तार से निम्नलिखित होगा

सांस (बृहस्पत) : बृहस्पत सांस या हवा से निस्बत रखता है। दोनों सांस या सिर्फ दायां सांस चलता हो नेक काम या देर तक कायम रहने चीज का शुरू करना मुबारिक होगा। बाएं सांस के वक्त किया हुआ काम मामूली सा नतीजा देने वाला होगा। कोई खास नेक न होगा।

अपना कद उंगुल	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100	101	102	103	104	105	106	107	108
उम्र के साल	30	35	40	45	50	55	60	65	70	75	80	85	90	95	100	105	110	115	120

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

सूरज की रेखा

सूरज का सितरा चमकता हुआ, सूरज या ऊंच सूरज होता है और सूरज रेखा बादल तले छुपा सूरज (सूरज घर का) हुआ करता है। सूरज के चक्कर से मुराद सूरज बुध मुश्तरका होंगे। या सूरज खाना नः 5 का होगा और बुध का जुदा असर सारी उम्र ही न होगा। ऐसे शख्स का बुढ़ापा निहायत उमदा होगा। मगर मौत अचानक होगी। सूरज के चक्कर और सितारा के असर का दर्जा इस सितारा से कम होगा। सितारा हमेशा अपने लिए मुबारिक होगा।

सूरज रेखा जिस कदर शाखदार होगी सूरज की किरणों की ताकत और असर की मजबूती ज्यादा होगी।

नोट इसके बाद पृष्ठ _____ के शुरू में सूरज रेखा का हिस्सा देखें।

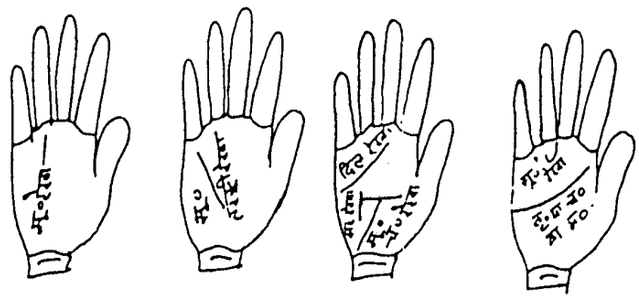

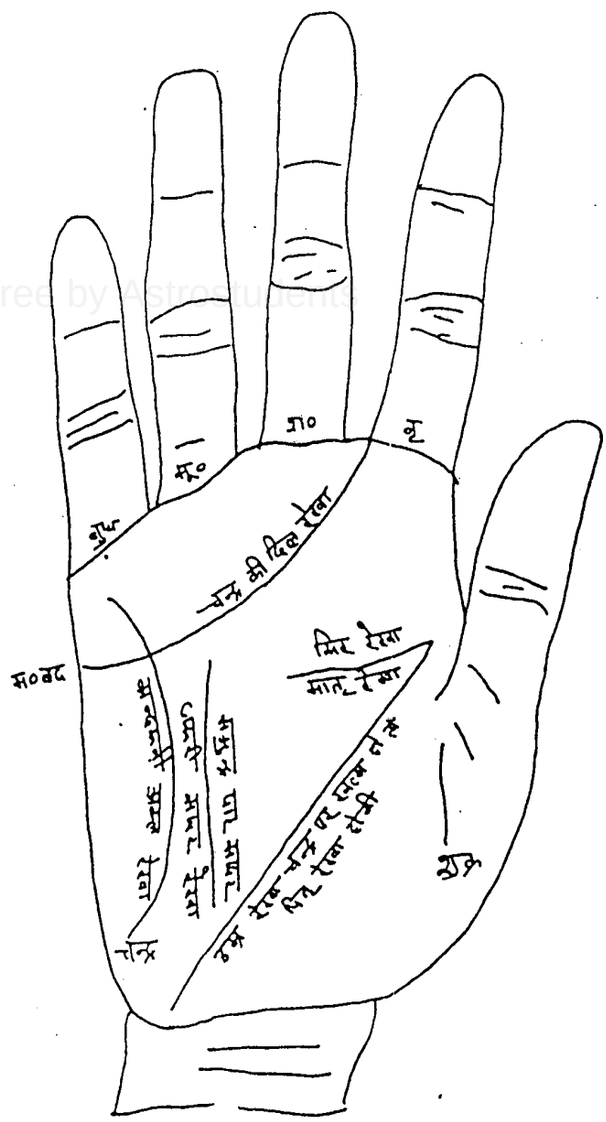

चन्द्रमा की भिन्न भिन्न रेखावें

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

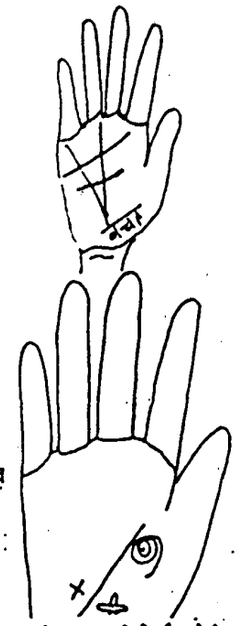

अगर सूरज रेखा अपने सूरज के बुर्ज से चलकर सूरज के बुर्ज पर ही खत्म हो तो सूरज का असर खाना नः 5 (सूरज का अपना घर) का होगा। और अगर दिल रेखा पर खत्म होवे तो खाना नः 6 (चन्द्र के ताअल्लुक का होगा) अगर मुस्तईल (आयताकार) में खत्म होवे तो खाना नः 6 केतू के ताअल्लुक का होगा। सर रेखा पर खत्म हो तो सूरज खाना नः 7 बुध का ताअल्लुक होगा। और अगर आगे बढ़ते के खाना नः 11 में खत्म हो तो बृहस्पत का ताल्लुक होगा। अगर और आगे चलकर चन्द्र पर खत्म हो तो खाना नः 4 फिर वही चन्द्र का सम्बन्ध होगा। हर हालत में अगर शनिच्चर की ऊर्ध्व रेखा का सम्बन्ध होगा।

चन्द्र की भिन्न भिन्न रेखाएं :- चन्द्र हमेशा राशिफल का होता है। और खसकर तीन घरों यानि खाना नः 8 मौत से बचाता नः 7 खुराक धन दौलत देवे नः 3 मैदाने जंग में हर तरह कामयाब देवे। या घोड़ा सिर्फ तीन दफा जागता है।

स्वयं संशोधन लिखित (चन्द्र खुद दुरुस्ती ठहरीर)

बड़ा मोटा अक्षर-फराख, दिल, साफ, सादा-पढ़ा जाने वाला- मजबूत सख्त दिल लम्बी, लम्बी लकीरें व चिड़मिड़ बगैर सोचे जल्दी करने वाला

सीधा साफ : कुदरती अक्ल वाला

बारीक : इल्मी लियाकत वाला

पितृ रेखा पर भृकुटि के मुकाम पर सूर्य का सितारा हो तो मौत पानी से

चन्द्र के बुर्ज पर X शनि जाहिर हो तो रात के वक्त पानी से मौत होगी।

गोल व बराबर अक्षर : उम्दा फैसला करने वाला छोटा छोटा अक्षरः बुझा हुआ शर्मनाक व हरपोकः खूबसूरत फूलदार सजावटीः गप्पी अंग फड़कना (चन्द्र) बायां अंग फड़कना मुबारिक बायां गैर मुबारिक अगर 40/30 दिन से अधिक लगातर अरसा फड़कता रहे तो कोई गिनती की चीज न होगी बाए बादी (वात) का कारण होगा।

आंख : (चन्द्र का घर खाना नः 4)

1. जिस कदर लड़ी उभरी हुई या बाहर को निकली हुई और हल्का रंग हो उसी कदर नेक स्वभाव और जल्द समझने वाला होगा। और रहानी ताकत वाला होगा।

2. जिस कदर छोटी गोल अंदर को धंसी हुई या गहरी और हल्का रंग होवे उसी कदर ज्यादा मतलब परस्त, शरारती मक्कार और तुंद मिजाज होगा।

3. जिस कदर और जिस जानवर से मिलती जुलती होवे इंसान में उसी कदर ज्यादा और जानवर के स्वभाव और दिल की खुफिया आम करने वाली ताकतें होगी।

4. छोटी आंखः दिल का हौसला छोटा दिल तंग

5. लम्बी आंख दिल की नकलो हरकत लम्बी

6. गोल आंख सफर कई और हर सफ में साल कई या ज्यादा लगेंगे (एक जगह पर)

7. गहरी आंख खुद गर्ज बेवफा

8. गोल गहरी व स्याह : या हर चश्मा सूर्य की आंखे
सांप का स्वभाव

9. गोल, गहरी व भूरी : बहुत शादियां मगर फिर भी औरत का सुख न होवे

10. अगर जुवान और तालू स्याह का साथ होवे तो खुदा की पनाह एक सांप दूसरे उड़ने वाला हर तरह से मनहूस खानदान को बदनाम करने वाला लाबल्द सब्ज कदम होगा।

11. बड़ी और रोशनः अक्लमन्दी की निशानी

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

12. आतशी (सुर्ख रंग) भड़कने की ताकत

13. धीमी और हल्कि मारती हुई समझने की ताकत

14. नरम नजर : नरम तबीयत को प्रकट करती है।

15. सब्ज: जल्द समझने वाला

16. अंधा : खुदगर्ज होगा।

17. काना : बुरा स्वभाव

18. भैंगा : सायरी ऊपर

19. बिल्ला : खोटे काम करने वाला बदफेल

दुश्मन ग्रह दोनों ही का फल मन्द होगा। जब चन्द्र के बाद के घरों में हो और दुश्मन ग्रह पहले घरों में तो चन्द्र का असर बुरा ही होगा। दुश्मन ग्रह पर कोई असर न होगा। चन्द्र के असर के वक्त शुक्र और बुध उसका निस्फ असरा और ताकत भी निस्फ जाया कर देते है।
मगर वह अपनी ताकत पूरी रखते है बाकी ग्रह पूरा- पूरा असर करते है। चन्द्र का सूरज के साथ मिलने से सूरज का फल हो जाता है और दोनों ही का फल उत्तम हो गा। सूरज के वक्त चन्द्र अपनी जुदा रोशनी जाहिर नहीं करता और सूरज ही से रोशनी लेगा चन्द्र के साथ कोई ग्रह हो जावे तो चन्द्र का अपना फल तो कुंडली वाले के लिए उत्तम ही रहेगा पर वह दूसरों की मुसीबत दर मुसीबत देखता हुआ न बेचैन ही रहता रहेगा। अकेले चन्द्र के बिलमुकाबिल बुध बृहस्पत या सूरज बुध समन्दर पार सफर का बुरा नतीजा होवे। अगर चन्द्र से बुध की तरफ मंगल बद तक ही रेखा रह जावे तो हौसला वाला लम्बे-लम्बे समुन्द्र पार करता सफर बतलाएगी जिनके नतीजे भी नेक होंगे। यह रेखा अगर बुध की तरफ रुख रखती हुई मालूम हो तो तिजारत के सफर से लाभ होगा। जो काफी होगा। और अगर सूरज के बुर्ज का रुख करती मालूम दे तो राजदरबार के सरकारी ताल्लुके के कामों में सफर से बहुत ज्यादा मुनाफा होगा। अगर यह चन्द्र के बुर्ज की रेखा किस्मत रेखा में न मिले और बराहे रासते सूरज या शनि के बुर्ज में जा निकले तो निहायत ही बड़ी जिंदगी होगी ख्वाह वह लाखेपति ही क्यों न होवे मुसीबत पर मुसीबत देखता रहेगा।
अंगूठे की पोरियों पर जौ के निशान को चन्द्र का निशान भी माना गया है। पोरी की जड़ और पोरी पर निशान की पहचान यह निशान चन्द्र के आधे आकार के दो निशानों मानिन्द से मिलकर बनता है जिस तरफ का हिस्सा बड़ा होवे वह चन्द्र के खत्म होने की होगी। यानि इस बड़े निशान की हद के बाद चन्द्र न होगा य चन्द्र इसे बड़े निशान की हद बन्दी से पहली पोरी में (उस पोरी की पहली जितने कि या जिसके सिरे पर कि तरह बड़ा निशान होवे) होगा। खत A_A फर्जन बड़ा खत है और लकरी ACA छोटी लकीर अब हिस्सा नं 1 में (नाखून वाले हिस्से पर) लकीर AA बड़ी है या दूसरी लकीर ACA नाखून वाले हिस्से में ही रह गई है इस हालत में जौ का निशान नाखून वाली पोरी में गिना जाएगा और नाखून वाली पोरी की जड़पर न होगा। पोरी की जड़ पर निशान से मुराद है कि इस पोरी के लिए जो कुंडली में मुकर्रर किया है।

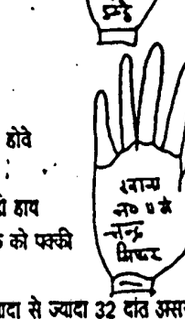

चन्द्र उस घर को देखता है मसलन नाखून वाली पोरी को केतु का घर खाना नं 2 में है। पोरी पर निशान से मुराद यह है कि चन्द्र है ही इस घर में जो घर की उस पोरी के लिए मुकर्रर है।

अगूंठे पर जौ का निशान : यह निशान अगूंठे की तीनों पोरियों की जड़ पर माना जाता है। साफ न सालिम हो तो उस हिस्सा उम्र में सुख आराम दौलत मन्दी का जमाना न होगा।और अगर टूटा हुआ होवे तो उम्र के इस हिस्से का हाल खराब होगा कि जिस हिस्सा की जड़ में टूटा हुआ निशान होगा।
खुशी खाना नं 4 गमी खाना नं 10 (चन्द्र) अगूंठा छोड़कर बाकी उंगलियों पर यानि चार गुणा दो हाथ गुणा चार निशान कुल 32 निशान जौ अनाज गंदम वाका हो तो दुःख सुख बराबर होंगे इस 32 के अंक को पक्की बात माना है
और 32(ज्यादा से ज्यादा) दिन का ही एक महीना में देरी में माने गए है। और मुंह में भी ज्यादा से ज्यादा 32 दांत असर वाले माने है। अगर 33 खत हो तो 32 गमी के आंकड़े बला में 33 दिन खुशी के होंगे। लेकिन अगर यह निशान कम यानि 31 हो तो 32 गमी के अंक के

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

मुकाबला में 31 के दिन होंगे इसी तरह ही जितने अंक या सख्त उंगलियां कायम हों उतने ही दिन 32 के मुकाबला में खुशी होगी। चन्द्र (जो) का सिर्फ एक ही (दाएं) हाथों पर निशाना 12 राशियां 4 ग्रह कुल 21 के अंक का निशान वाला दुनिया के तमाम हिसाब किताब 9 ग्रह 12 राशियों से बाहर होगा। यानि दुनिया से अलग होगा

दायां हाथ लेकर अगर इन पर निशान हों। कुंडली के किस खाने का चन्द्र असर देगा

कुंडली के किस खाने का चन्द्र असर देगा

असर देगा		निशानदेह	असर देगा	
तो सारी उम्र दौलतमंद और खुशगुजरान होगा	1	18	तो भला आदमी भले काम नेक तबीयत होवे	9
तो हमेशा रंजो मुसीबत होवे	7	19	तो भला धर्मात्मा राजदरबार में इज्जत होवे	5
तो हमेशा औसतदर्जा की जिंदगी होवे	4	20	तो साहिबे तदबीर अक्लमन्द होवे	6
तो हमेशा चोर लुटेरा डाकू होवे	10	21	तो कमबख्त और बदनसीब होवे	12
तो हमेशा जुआरी होवे	8		तो दुनिया से जुदा ही रहने वाला दुनिया छोड़ देने वाला होवे	2
तो हमेशा बदइज्जत और बदतबारा होवे	3		खाना नं 11 में चन्द्र सिफर होगा।	

खुशी : बंद मुट्ठी में साथ लाए हुए खजाना के ग्रह यानि खाना नं 1, 7, 4, 10 के ग्रह यानि जो ग्रह इन चारों खानों में हों वह हमेशा अपने असर की मुतल्लका चीजों में खुशी दिखलाते रहेंगे।

गर्मी : अगर कहे हुए चार खानों को छोड़कर कुंडली के बाकी खानों के ग्रह यानि खाना नं 2, 3, 5, 6, 8, 9, 11, 12 के ग्रह अपनी मुतल्लका चीजों के ताल्लुक में गर्मी का सबब करने वाले होसकते हैं।

जब सूरज दिन का मालिक हो तो शनिच्चर रात का दिन का मालिक सूरज हुआ तो रात का मालिक चन्द्र भी है राहत व आराम में चन्द्र व शनिच्चर का झगड़ा हुआ सूरज अगर जाहिरा तो चन्द्र गैबी ताकत का मालिक है। गोया सूरज जाहिरा मदद करता है तो शनिच्चर नीचे से अंदर-अंदर मदद देता है। अगर बुरा करने के वक्त दोनों का असूल उल्ट है। गर्ज कि चन्द्र व शनिच्चर में से हर एक ही पोशीदा चलते हैं। और मदद देते हैं। चन्द्र खाना नं 4 का मालिक है खुशी का और शनिच्चर नं 10 मालिक है गर्मी का जाती खुशी का खाना नं 4 और गर्मी खाना नं

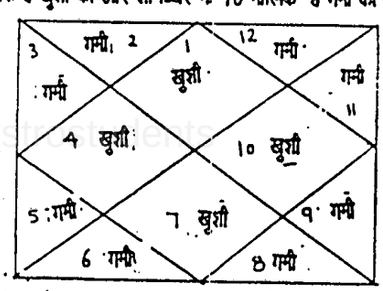

10 शनिच्चर मुतल्लका होगा, मुट्टी का अंदर और बाहर तमाम मुतल्लका दुनिया से इंसान का ताल्लुक होगा। खाना नं 10 शनिच्चर का है जो चारों तरफ ही चलता है इस खाना से जाती मगर पिता के ताल्लुक की खुशी जब यह खाना मुट्ठी के अंदर का हुआ और जब गर्मी में लिया तो दूसरे दुनिया दारों से मुतल्लका होगा इसलिए उंगली पर कि पोरियों पर की लकीरें (चन्द्र के निशान) 32 खुशी के होंगे जिनके मुकाबिला पर शनिच्चर भी उसी ताकत का होगा। यानि कुल जितने निशान हों। (सिर्फ एक ही हाथ पर) घटावे तो बाकी के अंक वाले राशि के घर का असर होगा। सिफर बाकी बचने की हालत में शनिच्चर अपने पक्के घर खाना नं 10 का ही होगा (जैसा कि सामने नक्शा से जाहिर है)

खाना नं जिसका शनिच्चर फल देगा	10 1 2 3 4 5 6 7 8 9 आगे फकीर तो 10 11 12 4
निशान हो तादाद में	12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 आगे कोई साधु हो 22 23 24

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

शुक्र की रेखाएं: शुक्र हरक और हरक के गुस्से का रखवाली है। जो राहु केतु के मुश्तरका असर का नतीजा जिसमें बुध का असर सदा मिला हुआ गिना जाता है। खुद इस ग्रह का नतीजा केतु है। न इस ग्रह ने किसी को नीच किया और न ही केतु ने किसी को जान से मारा। इस ग्रह की आम मियाद तीन साल दौरा के समय में पहले साल मंगल प्रबल दूसरे में खुद का अपना (राहु केतु का मुश्तरका असर) और अंत में साली बुध का असर होगा। बुध (लड़की) (शुक्र जिसमें की मिट्टी) मंगल (खून) बच्चा पैदा करने की ताकत माने गये है। यानि लड़की के जिस्म में जिस दिन से बच्चे पैदा करने की शक्ति पैदा हो गई हो उस दिन से वह ग्रह राहु केतु के मुश्तरका लड़ाई मैदान शुक्र के नाम से गिना जायेगा। और शुक्र के नतीजे केतु (लड़के बच्चे) की छलावे की तरह के रंग ढंग पैदा कर देगा। बुध कुंडली के किसी भी घर में जब शुक्र से अलग हो अपना फल वहां से जहां से बुध बैठा हो उठा कर शुक्र में मिला देंगे। (देखें बुध का अध्याय) शनि जब कभी भी शुक्र के मित्र/शत्रु ग्रहों की दृष्टि में साथ हो तो ऐसे मिलाप में शनि का असर भला बुरा स्त्री पर होगा।

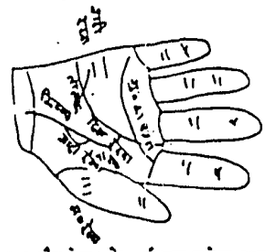

चन्द्र का काम देगा। जो कि शुक्र के जरूरी जुड़ती ग्रहों (बुध और केतु) के बर्खिलाफ चलेगा मगर माता भाग में नेक असर का काम देगा। या अब शुक्र एक ऐसा बीच होगा जिसकी छाल पानी से न गलेगी या वह पूर्णमाशी का चन्द्र होगा जो सूरज की रोशनी या मदद की भी परवाह न करेगा। दुनियावी ख्याल ये तालाब की (बन्द पानी वाले) चिकड़ी चिकनी मिट्टी होगी जो शुक्र चन्द्र के मुतल्लका मवेशियों के पेट की सब बीमारियों को आराम देगी और बारिश में छत पर भी न खुरेगी। या खाना नं 8 के मन्दों ग्रहों का का असर भी नेक करेगी (खुद कुंडली वाले के लिए) मगर बुध केतु या खुद शुक्र की मुतल्लका चीजों की मदद करने की शर्त न होगी। शुक्र बांज कहलाता है और शुक्र के बुर्ज का दुनिया से कोई ताल्लुक नहीं और इसे ज्यादा ताल्लुक इसको मुहब्बत से है। दुनियावी इश्क के इलावा इश्क हकीकी भी उसका असर होता है इसको दही से मिसाल दी है जिससे घी बन जाता है। इससे कुनबा कबीला की पैदाइश और परवरिश भी मुराद है। इसके असर का वक्त ऐशेइशरत और गृहस्थ का जमाना है।

शुक्र रेखा : शुक्र रेखा वाले को गुस्सा, सूरज को तबाह करता और तराजू (बुध) की तरह नर तबीयत आबाद करती है चन्द्र और बृहस्पत ने बुरा असर किया। शुक्र जब तक शनिच्चर के मन्दे कामों से दूर रहे नेक है।

	मू० गुरु	
च०	[illegible]	मू
म०	[illegible]	[illegible]
उ०	[illegible]	[illegible]

Free by Astrostudents

आंख एक काम दो : अगर दो कतारों या खानों में कर देवें और पढ़ाने के लिए गुरु सामने बैठ जावे तो शुक्र और शनिच्चर या सूरज को धक्का मारने वाले होंगे मगर बृहस्पत के पास बैठा है इसलिए उसका कुछ बिगाड़ नहीं सकते। शनिच्चर के एक [illegible] चन्द्र और मंगल दूसरी या सूरज और पीठ पीछे शुक्र है जो एक आंख से काना है। हरदम शनिच्चर को छेड़ता है कभी कहता है मुझे नजर नहीं आता, देखकर बता दो कभी कहता है कि मैं दूर बैठा हूं मुझे बता दो गोया औरत शनिच्चर को हरदम साथ रखती है और आंख से शरारत करती है। शनिच्चर की आंख देखती है कि कभी गुरु न देख लेवे कभी देखती है दूसरे साथी न देख लें। वह दिखलावे का इतना जाहिरदार है कि शुक्र की बदसूरती भी जाहिर नहीं करना चाहता। मगर शुक्र शनिच्चर के हरदम साथ होने के कारण फिर शनिच्चर को धक्का मारता है और शनिच्चर बीच बचाव करता और आंख से किसी को पता नहीं लगने देता। गर्ज कि शनिच्चर की आंख कभी आगे कभी पीछे अभी जाहिरा तौरी पर फौरन भलीमानस कभी फिर वही जादू की आंख औरत से प्यार करती है। कभी गर्म कभी सर्द कभी खूब खुली कभी चुराई नजर से देखने वाली होती है कभी दांए कभी बांए हर रंग में रंग बदलने वाली हो जाती है। यही आंख उसने तंग आकर शुक्र को ही दे दी है कि खुद औरत उससे ही देखती रहे यही हाल उन औरतों का है जिन पर शनिच्चर का जोर होता है शुक्र कीफोकी मिट्टी दुनिया में शरारत न करती मगर शनिच्चर से वह आंख न लेती और नहीं सूरज अगर शुक्र की दुश्मनी होती और सूरज का लड़का शनिच्चर की सूरज के खिलाफ न होता। अगर कानी औरत राशि के खाना नं 7 में न जाती।

गृहस्थ रेखा : मजबूत जिस्म मंगल से मुतल्लका गृहस्थ रेखा अंगूठे की जड़ में गई तो पोते परोते देखे। सीधी हंडे की तरह गई तो कर्जाई हुआ।

अंगूठे की तरफ पीठ करके गई मंगल बद चन्द्र की तरफ गृहस्थ बरबाद हुआ। यह रेखा औरत जात के मां बाप भाई औरत के बाल बच्चे व दीगर मुतल्लका दुनिया का ताल्लुक है। कबीले का पूरा हाल देखने के लिए मछलीरेखा जो (शनिच्चर बृहस्पत मुश्तरका में है) का ताल्लुक जरूरी है दायरे की शक्ल मंगल नेक के बुर्ज पर ही थी। लम्बाई उस दुरुस्त पैमाइश है।

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

मंगल बद की रेखा : दो शाखी या त्रिकोन की शक्ल में जंजीरा की मानिन्द यह ग्रह मंगल नेक का बदनाम या बुराई का मालिक दूसरा भाई है। इस ग्रह से इंसान शरीर, फसादी हरपोक घर फूंक तमाशा देखने वाला होगा और जहमत मुकद्दमा सब लानतों का भंडारी होगा। इस बुर्ज की हदबन्दी हस्त रेखा में मंगल बद का खाना नः 8 और खाना नः 4 चन्द्र का अगर मालूम हो तो बुध की सिर रेखा को फर्जी तौर उसी रुख पर जिस रुख पर कि हाथ पर सिर रेखा हो या उसके पैमाना मिलकर ऐसा खतखींचे कि नया खत ऐसा हो हो कुदरती तौर पर। सिर रेखा और आगे बढ़ जाने पर होता की तरफ का हिस्सा खाना नः 8 मंगल बद का मकाम हो हिस्सा चन्द्र नः 4 का घर होगा यानि दिल रेखा उत्तर की तरफ की रेखा या संरक्ष रेखा पूर्व में और छठ पर चन्द्र होगा। इस बुर्ज से तायें चचे का खानदान अपने कबीले भाई बन्दों का ताल्लुक होगा। जब शुक्र के खत इस बुर्ज पर हो तो तायें चचे और दूसरे मर्द मुराद होंगे और हर तरफ मददगार होंगे अगर यह शुक्र रेखा सिरे पर दो शाखी हो तो औरतों से मुराद होगी। अब औरत जात नुकसान का सबब हो सकती है। अगर > <∨∧अक्ल होवे तो बद मंगल का पूरा बरबादी का होगा औरत जात ताई चची खुद बरबाद होगी बरबादी का सबब ऐसे हाथ वाले के लिए भी होगी इस बुर्ज का भी ताअल्लुक है। फर्क यह होगा कि हथेली के किनारे हथेली से बाहर की तरफ के खत यानि वो खत जो (हथेली आसमान की तरफ) जमीन पर रखने के वक्त हथेली से बिल्कुल मालूम हो वो औलाद का ताअल्लुक बतलायेंगे। और हथेली में मालूम हो वो तायें चाचे होंगे। सीधी

मंगल बद :— यह ग्रह हर एक बदी का मालिक है तुहमत, शुतर हर काम टेढ़ा तुहम की नाली या पेशाबगाह तक भी न चन्द्र के समुन्द्र को जला देने वाला मंगल बद है ही तब मंगल हो चन्द्र के खाना नः 4 में लेकिन मंगल के ऊपर चन्द्र न हो या मंगल को चन्द्र या सूरज की मदद करती हो बुराई के लिए हसद व कीना से पेट भरे हुए ऊंट की या चन्द्र से मुहब्बत नहीं।

मंगल नेक : मंगल का घर खाना नः 3 खुला व कुशादा, साहिबे तंग हरपोक चौड़ा-दरम्यानी जिंदगी अमूमन परेशानी लम्बा - शहवत परस्त बाजू (मंगल नेक) जिस कदर भी कदर बदतावर या नसीबा वाला अगर छुटनों से भी ज्यादा और लम्बे हो तो रजायोग गिना है। ओठ(लब)= (मंगल हर) (i) मोटे और लम्बे : कम अक्ल (ii) बहुत लम्बे: चोर बदमाश और सुर्ख रंग : साहिबे (iii) मोहब्बत दिल मिजाज (iv) बलिहाज सुर्ख दाना अक्लमंद भलामानस खुश गुजरा न होवे प्रण लिहाज सफेद स्याह नीला रंग: बदबख्त मुश्किले (vi) एक बड़ा दूसरा छोटा बद (vii) नीचे का बड़ा: जल्द नाराज होने वाला

□ △ □ मंगल बद

△ :मंगल नेक .

मंगल के बुर्ज का असर : इस बुर्ज के दो हिस्से है एक नेक दूसरा बद असर सब साफ है नेक बद मंगल होगा। मंगल का आम अरसा 6 साल है जिसके शुक्र में खुद मंगल का दरम्यानी दुकड़े.

मंगल बद, पेट पर अगर बल पड़ते हो और तादाद में हो

Free by Astrostudents

बल की संख्या	कुंडली का खाना नः
1 जंगी जदल से मारा जाये	2
2 ऐय्याश होवे	3
3 लेक्चरार नसीहत करने वाला हो	4
4 साहिबे इल्म और साहिबे औलाद हो	5
5 हुक्मरान होवे	6
वगैर बल दौलत मन्द होवे	:10

छाती (मंगल बद)

1. फर्रास और बुलन्द	दौलतमन्द	4. छाती पर ज्यादा बाल हो ऐय्याश तबीयत
2. न हमवार	मौत अचानक होवे	" " " " " कम अक्ल उम्र भी गुलामी में गुजरे
3. छाती पर बाल न हों	चालबाज धोकेबाज	" " " " " "

बुध की रेखाएं

(खाली जगह खला या आकाश)

गर्दन:-

लम्बी (मर्द) बेवकूफ

लम्बी (औरत) नेक निहाद

मोटी गर्दन दौलतमन्द

टेढ़ी गर्दन मुफलिस

ऊंची गर्दन: फरेबी, घोर बदमाश

पतली गर्दन: अक्ल मन्द

छोटी गर्दन: हाजिर जवाब

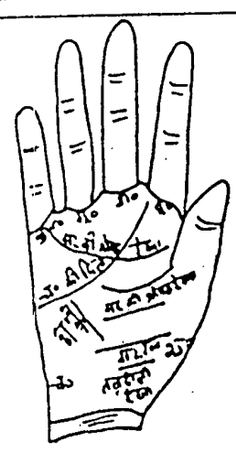

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

चौड़ी : वेवकूफ लानवी

(i) गाल फुलाकर बात करे: अपने मतलब में दूसरों के खून की परवाह न करे।

(ii) बात करते वक्त: कोई न कोई अंग हाथ या पांव वगैरा हिलावे: - बेहूदा बदफेल शोहरत पसंद होगा। (iii) बात करने वक्त, दांतों का मांस नजर आए कम उम्र होगा। (iv) जल्द-जल्द बोलने वाला: युग स्वभाव मतलब परस्त। दांत:-(बुध) (i) अगर बाहर को निकले हुए हों तो : अक्लमन्द मगर किस्मत के साथ की कोई तसल्ली नहीं होगी। (कुंडली का खाना नः 6) (ii) गिनती में 30 से कम और 32 से ज्यादा: ब्याह मर्द हो ब्याह औरत मन्दून मन्द भाग्य (कुंडली का खाना नः 12) (iii) तादाद में 32 हों जो अनजान या अचानक सहकर बोले: पूरा होवे कहा हुआ, सुनन या दुर्वचन खाली न जावे। ऐसे आदमियों को सताना नेक फल न देगा, खुद भी ऐसे आदमियों को गुस्सा से परहेज चाहिए। ऐसे आदमियों से बुरी आवाज अक्सर ज्यादा निकल जाया करती है। (कुंडली का खाना नः 2) (iv) गिनती में 31 हों : सदादत मन्द: नेक असर देगा। (कुंडली का खाना नः 4)

रंगे या नाड़े मर्द औरत (बुध, सब्जरंग- नेक स्वभाव)

सुशानसीब

सिर (बुध) गोल और आंख गोल: सुशानसीब औरत अमीर खानदान से होगी

सिर छोटा पेट मोटा: हो तो वेवकूफ होगा।

नाक अगला हिस्सा (सिरा) (बुध)

मोटा का गांठदार	खुदपसंद खुदगर्ज	नथुने चौड़े	बहमीशह बतवरस्त
बड़ा और गांठदार	मुलह पसन्द	नथुने चौड़े	अक्लमन्द, शर्मसार, विशाल हृदय मगर घमंडी
नाक चौड़ी नथुने चौड़े	कुंद जहन मंद बुद्धि	नाक बदन से ज्यादा सुर्ख	लालची बदफेल नेकी का दुश्मन

वर्णमाला

शब्द	ग्रह	कुंडली का खाना नः	विवरण	शब्द	ग्रह	कुंडली का खाना नः	विवरण
लट	शनि	10	लटपटा उम्र - लूटना लुटाना मक्कारी	कहो	केतु	6	कहना सुनना
पर	बृ	2	इज्जत दौलत	गंगा	बृ	5	गंग दरिया समन्दर या अवे औलाद
सुजान	मं	3	जादिल तो मंगल नेक	रा	राहु	12	को - मुझे - मै - मेरा घमंड
35	बृ	11	पेशानी मस्तक सब की किस्मत	श्री	सू	1	सबसे उत्तम सब का बजुर्ग
चतुर	बुध	7	चतुराई अक्ल	भाग	शुक	7	लक्ष्मी औरत जनान
मां	चन्द्र	4	माता दिल शन्ति	बान	मंगल बद	8	वाला मालिक, बाण तीर सबका आखीर मालिक मौत

(बुध के ग्रह का भेद) तोते की वर्णमाला के कुंडली के खानों का ध्यान से अध्ययन करें तो कुंडली के खाना नः 9 कहीं नहीं मिलेगा। बुध का यह खाना नः 9 वो खुद खुद खाना नः 9 एक अजीब हालत का मालिक है। जिसका जिक्र दूसरी जगह दर्ज है वही खाना नः 9 एक चीज है जो इंसान व हैवान में फर्क कर देता है और तमाम ग्रहों की बुनियाद है। या दोनों जहन की हवा बृहस्पत असल है। इस वर्णमाला (पैती) के 11 खाने दरअसल बुध के 12 खानों की हालत बताते हैं। यानि खाना नः 10 के बुध को शनि नः 2 के बुध को बृहस्पत वगैरा जिस तरह कि इस तोते की पैती की कुंडली में लिखे हैं लेंगे। यानि असर के लिए बुध के अपने असर की बजाए दिये हुए ग्रहों की हालत का असर लेंगे यानि बुध जिस घर में बैठा हो वहां बैठा हुआ वो ग्रह का कि वो खाना नः पक्का मुकर्रर है।

शनिच्चर की रेखा:-

शनिच्चर पापी ग्रह : - ५.५ के वक्त सिर्फ राहु केतु का पैदा करदा बहाना ही टूटता है और फौरन जड़ से बुरा कर देता है और फौरन जड़ से बुरा घर देता है अगर सूरज जमा +रोशनी का मालिक है तो शनिच्चर घटाव अंधेरे की धनी है यानि सूरज के खिलाफ चलेगा यह ग्रह अगर नेक हो जावे तो सूरज बृहस्पत वगैरा सबसे बढ़कर होगा।

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

मछलीरंख बनावे काग रेख उड़ावे(सबकुछ)
जब मछली की दुम परों की तरफ से रहती हो तो काग रेख होगी और असर में मंगल हर तरह से मनहूस होगी। सबके घरों से माल उठवाकर अपने ही घर में लाकर जमा कर लेगा और तार देगा ऐसी हालत में दूसरों के लिए बड़ा और हद से बड़ा अगर अपने लिए भाग्यवानी का सबब होगा। यह असर आम अगर के छ साला वक्त में आशीर पर असर करता है। जिसके शुरू में राहु दरम्यानी हिस्सा बुध और आखिरी भाग में खुद शनि होगा।

शनिच्चर की आंखे

यह ग्रह बिनाई का मालिक है। अगर बिनाई का एक इंसान मान ले तो हर खाना नं: में निम्नलिखित हालत होगा

1 एक आंख
2. दो आंखे
3. तीन आंखे
4. चार आंखे
5. अंधा
6. नोहरात वाली
7. चलती हवा की आंखों के करिश्मा व चमक से ही मिट्टी हाल देने की ताकत वाली आंखे
8. मौत या जालिमाना आंख
9. जले हुए को सरसब्ज आबाद करने वाली आंख
10. चारों तरफ देखने वाली
11 बच्चे की तरह मासूम आंखे
12 दुखिया को सुखिया और वीराने उजाड़ को आबाद व खुशहाल करने वाली आंख

शनिच्चर परशुराम : यानि परसू कुल्हाड़ वाला परसाः कुल्हाड़ा
दोनों की जमा या दोनों का साथ राहु या केतु पाप तो शनिच्चर पापी होगा। 'शनिच्चर का चौरस्ता' धोके का ग्रह दुगुना चलता है ख्वाह भला चले ख्वाह मन्दी तरफ. मगर शनिच्चर चारों तरफ ही चलेगा। जब वो खाना नं: 10 का जन्म कुंडली में हो और कर्मफल के हिसाब से भी खाना नं:10 में ही आ निकले: विस्तार से खाना नं: 10 में देखे: शनिच्चर का अपने एजेंटों के साथ होने पर अपना जाती असर यानि शनिच्चर का अपना स्वभाव इस कुंडली वाले के लिए और खुद शनिच्चर के खाना नं: 1 की चीजों पर क्या असर होगा।

Free by Astrostudents

पहले घरों में	दरम्यान में हो	आखिरी घरों में हो	शनिच्चर के असर होगा	विवरण
राहु	शनि	केतु	खराब	
केतु	शनि	राहु	नेक	
राहु	केतु	शनि	खराब	
केतु	राहु	शनि	नेक	
शनि	राहु	केतु	खराब	
शनि	केतु	राहु	नेक	
राहु केतु	——	शनि	शनि का अपना खराब	
शनि	——	राहु केतु	नेक	
राहु	——	शनि केतु	खराब	
शनिच्चर केतु	——	राहु	नेक	
शनिच्चर राहु	——	केतु	खराब	
केतु	——	शनि राहु	नेक	

भवें : (अबरू) (राहु के ताल्लुक से शनिच्चर का स्वभाव)
जिस कदर आंख से दूर और सीधे हो उसी कदर संगदिल और बुरे काम करने वाला होगा। कमान की तरह झुकाव दिल का झुकाव या रहम दिल होना जाहिर करता है।

छींक का विचार - : (शनिच्चर राहु मुश्तरका) (I) सामने या दाई तरफ से एक या तीन छींक कभी नेक नतीजा न होवे (II) पीछे से या बाई तरफ से दो अदद छींक हावे तो हमेशा नतीजा नेक होगा। (III) पीछे से आवाज मनहूस गिनी गई है।

जिस्म पर बाल (शनिच्चर) हर एक बाल की जड़ के सुराख को मसाम (छिद्र) कहते है (I) हर एक छिद्र अगर बाल पैदा हुए तादाद में हो: एक हुक्मरान दौलतमन्द अक्लमन्द कुंडली का खाना नं:7 अगर दो हो तो हुनरमंद अक्लमंद खाना नं: 6 अगर तीन हो: खुदापरस्त खाना नं: 2 अगर

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

चार हो मुर्कालग बहुत खाना नः 3 (2) सर पर टटरी हो (बगैर बाल जगह) दौलत मंद होगा। खाना नः 12 (3) दाड़ी मूंछ के बाल कम हो या बिल्कुल न हो तो कम हौसला, निराशा खुद पैदा करदा जायदाद न हो खना नः 11
(4) सारे जिस्म पर ज्यादा बाल हो: तो बदनसीब होगा खाना नः 5
(5) पुश्तपार या पेशानी पर बाल हो तो: मन्द भाग्य होगा। खाना नः 9
(6) छाती पर ज्यादा बाल हो तो उम्र ही गुलामी में गुजरे खाना नः 8
(7) छाती पर बाल बिल्कुल न हो: नाकाबले ऐतबार, इसके दिल का कोई भरोसा न होगा खाना नः 4
(8) तमाम जिस्म पर हद से ज्यादा बाल: तंगहाल होगा खाना नः 1

हाथों की शक्ल (बनावट) रहनुमाई :

1. सख्त हाथ वाला: हकूमत करने में बराबर होगा (योग्य)
2. नरम हाथ वाला: आराम तलब होगा।
3. नरम और फैले हुए : सुस्त तबीयत मन्द भाग्य होगा।
4. सख्त और मजबूत : सब्र और फल वाला होगा
5. छोटा हाथ : जिंदगी गुलामी में गुजारने की निशानी है
6. लम्बे हाथ वाला : छानबीन की लियाकत से जिंदगी उम्दा बनाने वाला होगा
7. लम्बा बदनुमा सख्त: जल्लाद, बेरहम मन्द भाग्य होगा
8. हाथ और पांव दोनों ही छोटे-छोटे : मतलब परस्त खुद अपने लिए मन्द भाग्य दूसरों के लिए मनहूस हो।
9. साफ और उम्दा हाथ : अक्ल व भलमानसी जाहिर करता है।

राहु या सीना पुश्त की हड्डिया तादाद में अगर हो

तादाद हड्डी	असर होगा	कुंडली का खाना नः	तादाद हड्डी	असर होगा	कुंडली खाना नः
8	राजा या हुक्मरान होगा	2		हजार नाजर मानने वाला	5
9	रईस या जायदाद वाला	3	12	हमेशा बीमार रहे	6
10	फिक्रो गम के गरक होवे	4	13	मालदार होवे	7
			14	बड़ी करतूत खोटे काम करने वाला	8
11	ब्रह्मशनास या परमात्मा रानी की छिपी हुई ताकत को पहचानने वाले :—				

ख्वाब का नतीजा (राहु)

(I) नींद के पहले वक्त का ख्वाब महीने में असर देवे (नीच) (II) नींद के दूसरे वक्त का ख्वाब तीन महीने में असर देवे (III) नींद के तीसरे या आखिरी वक्त का ख्वाब फौरन असर जाहिर करे (उंच) (iv) ख्वाब में किसी को मार देनो सांप या दुश्मन को हलाक करना बुलन्दी पर चढ़ना पहाड़ पर जातू तरक्की होने की दलील है। (v) पानी के किनारे या पानी पर ख्वाब में देखी हुई बात जल्द सच्ची होवे। (vi) मौत देखना: उमदराज खुशी हो। (vii) ब्याह शादी देखना-गमी या मातम सुनने या देखने में आवे।

कान (केतु)

मर्द के कान लम्बे	उम्र लम्बी मगर अक्ल कम	औरत के कान लम्बे	कवी ताकतवर हाजम और अक्लमन्द बेवकूफ	
		मर्द के कान छोटे	अक्ल मन्द	बेवकूफ

पीठ (केतु)

1-उभरी हुई	रईस हुक्मराना	दो चौड़ी	मुफलिस
		तीन छोटी	जमाना का गुलाम

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

गर्दन पर बल या शिकन पड़ते हों तादाद में (केतु)

शिकन की तादाद		कुंडली का खाना नः	शिकान की तादाद		कुंडली का खाना नः
1	उम्दराज होवे	8	3	दौलतमन्द होगा मगर बदफेल होगा	10
2	दौलमन्द होगा मगर दस्ती काम से	9	4	दलिद्र व परेशानी का घर होवे	11.
			चौर बल	दौलत मन्द होवे	12

पांव पर निशान

(केतु का खाना नः 6)

दाएं पावं के पव पर कनिष्टका के नीचे बुध या शुक्र के बुर्ज या अंगूठे कीजड़ पर अगर शंख सटक हो तो वह ही असर होगा जो हाथ पर होता है।

चक्रः आमूदा हाल साहिबे इकबाल होगा।

त्रिशूल अंकुशः आला अफसर और मुनिफाना मिजाज

घण्टे फाल (हाथी की आस) साहिबे तख्त हो।

अगर बांए पांव में होः तो राहजन चोरः डाकू होवे। मगर फिर भी तंगदसतः पांव की हथेली या पव पर चक्कर के

पांव की उंगलियों के नाखूनः -

सुर्ख तांबा के रंग केः राजा या हुक्मरान होवे (सूरज)

नीले : अली मरतबा होवे (राहु)

जर्द : दीवान साहिबे होवे (बृहस्पत)

स्याह : चोर डाकू फिर भी मन्दा हाल (शनिव्वर)

रफतार केतु :

(i) आहिस्ता मद्धम : खराब हाफिजा सुस्तुल,वजूद हर काम में देरी करने वाला

(ii) तेज मगर छोटा कदमः बुलन्द ख्याल, ठंडा स्वभाव हर काम में साबित कदम होने वाला (iii) आदतन झुक कर चलेः अक्लवाला नेक मेहनती और दलील बात न मानने वाला हो (iv) तेज रफतार कम अक्ल हासिद, खुदराए खुद पसंद पा कदम बड़ा मार चलने में लगे मारे लालची बुरा करने में ज्यादा होवे ।

रफ्तार में लंग या नुक्स हो बदला लेने वाला, ईर्ष्यालु झूठा चुगलखोर होवे (iv) एक जगह चैन से न बैठने वालाः बेहूदा, ईर्ष्यालु कंजूस होवे

(vii) सीना व पेट निकालकर चलेः मिलनुसार जिन्दा दिल मगर कहने सुनने पर मान जाने वाला

(viii) सिर और कमर हिलाकर चलेः तिरछी चाल वाला. नापाक आदात वाला हो बजुर्गों की बुराई और बदखोई करने वाला लानती जमाना होवे. ix जिस जानवर की चाल से मिलती हो उसमें वहीं आदत उसका वही हाल वही तबीयत और वैसी ही तबीयत का मालिक होगा।

हाथ के अगूंठे का नाखून वाला हिस्सा अगर मोटा होवे तो केतु होवे दुश्मन ग्रहों की राशि में मुफलसी देगा गरीब करेगा। हाथ के अगूंठे के नाखून वाला हिस्सा अगर छोटा होवे तो केतु होवे। दुश्मन के साथ या उनके पक्के घरों में वहशी हैवानी ताकत कम दौलत

हथेली पर खास निशानः

मर्द के सिर्फ दाएं हाथ की हथेली पर नेक असर देंगे। और दाएं हिस्से पर शुभ असर होगाः

(i) कन्जोर या घड़ा पानी से भरा दूध, कन्या, फूल ब्याह शादी के लिए जाते वक्त आगे से अगर दाएं तरफ से आते हुए मिले तो शुभ असर होगा।

(ii) लकड़ी औजार या हथियार, आगे से उल्ट छींक वगैरा होवे तो,बद असर की निशानी होगी।

(iii) कुत्ता या बिल्ली बसुन्द आवाज से रोवे और जानवर मंडराने लगे तो,मौत की निशानी होगी।

(iv) नेक जानवर काला कुत्ता, गाय,हिरण वगैरा मिले तो,नेक फल की निशानी होगी।

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

फरमान नः 17

योग (बन्धन)

प्राचीन ज्योतिष के अनुसार चतुर्थी नवमी और चतुर्दशी की तिथि (चन्द्रमा की तिथियां) नया प्रारम्भ किया हुआ कार्य (सम्भवतः) शायद ही कभी नेक परिणाम देगा. थोड़ा बहुत देर के बाद दुखःतकलीफ और अपव्यय से अगर कभी पूरा हो ही जाये तो उसका होना न होने से शायद ही कम होगा। इसलिये इन तिथियों में शुभ कार्य को शुरु करने से परहेज ही बेहतर होगा।

भाग्य (किसमत)

लेख दुनिया पहले लिखा - जन्म या सब इसलिये
कौन दुनिया लेता देता - झगड़ा फिर यह किसलिये

अलोप अन्तर की लहरें :

नरग्रह बोलते [1]जुफ्त सम (2,4,6) के घर में - स्त्री बोलते [2]ताक में है
बुध है बोलता तीन छटे में - पापी नहीं बोलते दो में है।

आगाज (प्रारम्भ)

बुध गुरु आकाश जो गिनते : बच्चा होता ग्रह चालें वह
नौ ग्रह राशि बारह चलते : पूरा चक्र लेख प्राणी हो

बुनियाद

न गिला तदबीर अपनी- न खुद ही तकदीर हो
सबसे उत्तम लेख गैबी- माथे की तकदीर हो
न जरुरी नफ से ताकत- न ही अमा दरकार हो
लेख चमके जब फकीरी- राजी अमा दरबार हो
मैदान किस्मत दसवें होगा - चमके घर 2,4 हो
आगाज नौवें जन्म पिछला- पांच चलता हाल हो
लेख विधाता 11 लिखता- राजा तख्त भी होता हो
मुठी भरी ग्रह साथ जो लाता- जहां मन्दिर वह पाता हो
बाकी अमानत दुनिया लेगा - पापी कर्म बुध चक्कर जो
सात औरत नौ बुजुर्ग बारह- पांच नस्ल आइन्दा हो

1 खाना नः 5 ग्रह 2. सूरज की हालत 3. केतु नः11 या गुरु नः 14. ग्रह नः 1 कायम 5. के साथ लाया खजाना नः4 के अनुसार 6 नः 9 पिछले जन्म का तोहफा नः 2 साथ जाने का तोशा अगर वहां पापी या गंदे ग्रह तो 45 साला उम्र बेमानी 7 गुजरता जमाना 8.खाना नः 1,7,4 के ग्रह 9. राहू केतू पाप की बुध के दायरा में हालत 10. जाति

[1]जुफ्त जो खाना नः की दो पर पूरा तकसीम हो जाये मसलन 2,4,6,8,10,12.
[2] ताक जो खाना नः की दो पर पूरा तकसीम न हो सके 1,3,5,7,9,11.

अगर लग्न खुद खाली होवे- किस्मत साथ न आई हो
किस्मत उसकी सातवें बैठी- या घर चौथे दसवें हो
मुट्ठी के घर चारों खाली -9,3,11,5 में हो
यह घर भी गर खाली होवे -2,6,12,8 वे हो
घर 12 ही घूम के देखे - ऊंच कायम या घर का जो
किस्मत का वह मालिक होगा- बैठे तख्त पर जिस दिन वह

अमूमन (प्रायः)

घर चल कर जो आवे दूजे- ग्रह किस्मत बन जाता हो
खाली पड़ा घर 10 जब देवे- सोया हुआ कहलाता हो

संक्षिप्त रूप में

इन्सान बन्धा खुद लेख से अपने - लेख विधाता कलम में हो
कलम चले खुद कर्म पे अपने- झगड़ा अक्ल किस्मत हो

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

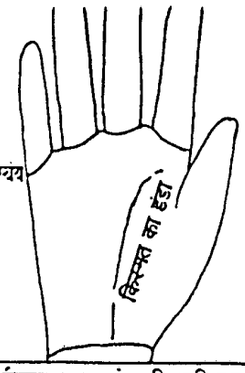

किस्मत का अरार :———

सायकी किस्मत लक्ष्मी के नाम से मशहूर है जो ब्रहस्पत का दूसरा नाम है। 12 साल तक बच्चे की रेखा और 70 साल के बाद खुद अपनी किस्मत का एतबार नहीं, संजीदा किस्मत एक ऐसी चीज है जो दुनियावी कारोबार में न हाथ की मदद ढूंढे और नहीं उसके आंख को काम करना पड़े। हर काम का नतीजा ग्यंय नेक हो जावे।

धन्ने भगत ब्रहस्पत नः 2 की गऊआं राम चरावे

उम्र रेखा और किस्मत रेखा एक ऐसे मुकाम पर मिलती हैजो शनिचर का हैडक्वाटर गिना गया है।

ग्रह नः 1 या गुरु की हालत 2. नः 11(शनिच्चर) या नः1 आम दीगर (दूसरे ग्रह) 3. 7,9,12 या बुध शनिच्चर 4. राहु केतू की जाति हालत 5. बुध 6. गुरु.

इस मुकाम पर उर्म रेखा तो बन्द हुई। मगर किस्मत रेखा चलती रही यह गढ़ी खन्दक या ऊर्ध्व रेखा कहलाती है जब किस्मत रेखा को उससे हो कर गुजरना है। हैडक्वाटर का मालिक शनि इस फिक्र में रहता है कि इस गढ़ी नहर में ही सब दरिया आ मिलें : और यो बिनती दरिया के पानी को आगे न जाने दें। अगर किस्मत की हवा इस भंवर में न पड़े तो इसमें शक नहीं कि वो बच निकले। वो शनि से बच निकलेगी मगर सुदामे भक्त ब्रहस्पत न 9 की किस्मत अपने गुरु के लिये साथ क्या तोहफा (अपने लिये खुराक तोशा शनिच्चर ब्रहस्पत नः9 और दूसरे को देने के लिये उमदा चीज तोहफा शनि) ब्रहस्पत नः 1 होती है ली जायेगी। और जब अकेली ही चलेगी तो अपना तोशा इक्ट्ठा करने के लिये अकेली को ही तमाम दरियाओं से पानी चुराने के लिये सख्त कोशिश करनी पड़ेगी।

पेशानी जिन -2 हालतों में अच्छे गिने है वही हालते औरत के हाल के लिये उल्ट मायनों की होंगी।

(क) खाना नः 2 व खाना नः 6 का फैसला नः 8 को साथ लेकर होगा मगर किस्मत का आगाज खाना नः 8 होगा।

(ख) जब कुंडली के "बाद के घरों" के ग्रहों के जगाने के दिन से किस्मत का जागना मुराद होगी। बन्द मुठ्ठी के अन्दर खानों (1,7,4,10) के ग्रह ख्वाह भले हों मगर बुरे कुंडली वाले की तबीयत और किस्मत के बुनियादी पत्थर होंगे। जबरदस्त किस्मत रेखा वो ही जो कलाई से चलकर ब्रहस्पत पर जाकर खत्म हो और शाखदार हो। रास्ते में किसी पहाड़ या बुर्ज की मिट्टी का असर इस में न पड़े। इस तमाम की तमाम सोना ही सोना (ब्रहस्पत की धातु) नजर आता हो। और हर तरफ लोक परलोक के मालिक राजा इन्द्र या ब्रहस्पत की हवा मौजूद हो।

हाथ की हथेली के मैदान की जिस कदर ज्यादा गहराई होगी दरिया की रवानी तेज होगी। किस्मत की रेखा या ब्रहस्पत की लहर क्या है? सिर्फ रुहानी व नूरानी हवा का विशाल वायुमंडल है। जिसमें बासन्ती रंग रगां हुआ है। जब कलाई से शुरु हो और दिल रेखा को पार करके उपर जा निकले तो जिस बुर्ज की तरफ झुके. उसी बुर्ज का असर पाया जायेगा। हस्त रेखा व ज्योतिष की बुनियादी चीजों के निश्चित मैदानों से हर शख्स की किस्मत का मैदान निश्चित करके एक अक्स से असल चीज की हालत या नक्ल से असल और असल से नक्ल करके इस मकसद या बात का पूरा पता चल जाता है।

संक्षित :———

किस्मत :———

हर एक के किस्मत के ग्रह को रेखा कहते है, जिसके जागने के वक्त किस्मत के असर का वक्त होगा। किस्मत के ग्रह कई एक हो तो सब परस्पर पूरे सहायक होंगे। सबसे अच्छी किस्मत ब्रहस्पत का किस्मत ग्रह होता है।

"बृहस्पत नः 2 कायम और खाना नः 9 में (बुध ,शुक ,राहू) बृहस्पत के दुशमन न हो और न ही नः 9 गन्दा हो रहा हो"

किस्मत का ग्रह :———

सबसे उत्तम दर्जे पर वो ग्रह होगा जो राशि का उंचाफल देने का निश्चित है जो हर तरह से कायम साफ और तन्दरुस्त हो इसमें किसी तरह से भी "साथी ग्रह" होने के बिल मुकाबिल के ग्रह या दुशमन ग्रह का बुरा असर न मिला हुआ हो । इसके बाद पक्के घर का मालिक ग्रह दोस्त ग्रहों का बना हुआ दोस्त ग्रह किस्मत का मालिक ग्रह होगा।

किस्मत के ग्रह की तलाश की तरतीब :———

सबसे पहले बारह राशियों के उंचफल देने वालों ग्रहों की तलाश करें नौ ग्रहों में से जो ज्यादा उमदा हो वो लेवें। और बाद में बन्द मुट्ठी के खानों (1,7,4,10) के ग्रहों से जो उमदा हो लेवें उंचफल देने वालों में से जो सबसे तसल्लीबख्श और उंच हो लेवें। घर के मालिक ग्रहों से सबसे

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

ज्यादा दखल वाले को लेवे। अगर मुट्ठी के चारों खाने खाली (शब्द खाली से मुराद है कि वहां भी पूरी तरह का किस्मत का ग्रह न हो) हो तो खाना नः 9 के ग्रहों को लेवे। वो भी खाली भी खाली हो फिर खानः 3 के ग्रहों को लेवे अगर वो भी खाली हो खाना नः 6 देखे वो भी खाली हो खाना नः 12 तलाश करें। अगर वो भी खाली हो तो खाना नः 8 में बैठकर देखे कि किस्मत का ग्रह जिस में ऊपर की तमाम शर्तें न हो नष्ट हो तो नहीं हो गया यह तलाश जन्म लगन की कुंडली और चन्द्र और चन्द्र कुंडली दोनों से होगी । हस्त रेखा के दायां और बायां साथ दोनों और हस्तरेखा के तमाम हिस्से शामिल हों।

इस विद्या में भाग्य को जगाने वाले बुर्ज या ग्रह हसी चक्कर में माने गये हैं और नीचे लिखी विधि से अपना अपना प्रभाव इंसानी भाग्य में दिखाते हैं दानि बृहस्पत के बाद सूरज के बाद चन्द्र के बाद शुक्र के बाद मंगल के बाद शनि के बाद राहु के बाद केतु असर देता होगा।

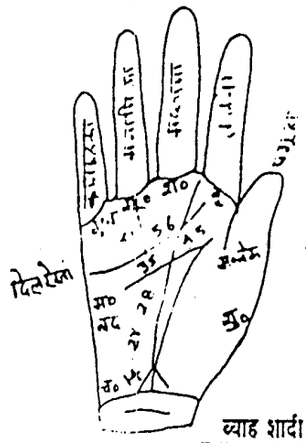

व्याह शादी

शादी :——

दो ग्रहस्थियों को अलग अलग रखते हुये एक कड़ी से जोड़ने वाली चीज आम दुनियादारों की नजर में शादी और ग्रह चाल में मंगल की ताकत का नाम रखा गया है यही मंगल के खून की कड़ी लड़की और लड़के की कड़ी है और इसी वजह से शादी में मंगल गाये जाते हैं अगर मंगल नेक हो (मंगल को सूरज या चन्द्र की मदद मिल [illegible] शादी करने वाला मंगल होगा। लेकिन अगर मंगल बद (विस्तार पूर्वक मंगल बद का जिकर है) तो बन्दर केला (सूरज को शनि से) बन्धा हुआ करना या सूरज इस काबिल न हो कि मंगल को मदद दे सके खुश्क और सीधे मायनों की तरह ऊपर को खड़ी हुई लकड़ी को शनिचर मानी है। इसी असूल पर थम्ब ,स्तूम्ब मकान की चारदीवारी छत के बगैर खड़ी दीवारें शनिच्चर की चीजें मानी है होगा।

astrostudents

जिससे शादी की खुशी की बजाये शुक्र (स्त्री) लक्ष्मी का सुख सागर एक गंदा दुःख का भंवर होगा। मंगल बद का वीरान होगा। जिसमें सूरज की रोशनी की चमक तक न होगी। दिन की बाजए शनिच्चर की स्याह रात का साथ होगा। बुध के खाली [illegible]श में मसनुई शुक्र के बाकी राहु-केतु की बैठक खाना नः 8 शनिच्चर का हैडक्वार्टर होगा। मर्द के हाथ या टेवे में शुक्र से मुराद उसकी [illegible]र औरत के हाथ या टेवे में शुक्र से मुराद उसका खाविन्द होगा।

शादी रेखा ————

बुध के बर्ज कनिष्ठका के नीचे इस शुक्र की रेखा से शादी या खुशी गृहस्थ या फारसी जुबान से लफ्ज शादी से बन्दर केला बनाना जाहिर होता है। (दुनियावी खुशी आम हालत के लिये चन्द्र का बयान देखे)

योग शादी

पहले दूसरे दस से 12 - बुध शुक्र जब बैठा हो
शनि मदद दे एक या 10 से - साल शादी का होता हो
बुध शुक्र गर सातवें बैठे - शत्रु तीन नः 11 हो
कुंडली जन्म घर वापिस आवे - वक्त शादी का होता हो
बधु नाली से जब दो मिलते - शनि मदद भी देता हो [1]
रद्दी कोई न दो जो इकट्ठे - योग शादी का होता हो
बुध शुक्र जब नष्ट या मन्दे - साथ ग्रह नर,स्त्री हो
शनि राजा या मदद दे उनको - योग पूरा आशादी हो
शुक्र अकेला या मिल बैठे - कुंडली जन्म ने चौथे जो [2]
सात दूजे न शुत्र होते - लेख शादी का उदय हो
घर सातवा दो गुरु शुक्र का - खाली टेवे जब होता हो
गुरु शुक्र भी 2,7 आया - साल शादी का बुनियाद हो
घर पक्का जिस ग्रह का होवे - बुध शुक्र जहां बैठा हो
अपनी जगह वे बुध शुक्र को - सात एवे या दूसरा वो [3]
बुध शुक्र भी 2,7 आवे - मदद शनि न बेशक हो
नष्ट निकम्मा न वो होवे - वक्त शादी का होता हो
औरत टेवे में गुरु जो चौथे - योग जल्द हो जाता हो
रवि मंगल का साथ गुरु से - ससुर औरत न रहता हो

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

1. औरत गृहस्थ में नेक फल देने वाली और उत्तम हो अगरचे शादी के शुक्र के असर का वक्त शनि 25 साल का 1/2=12.5 या 25 3/4=18,19 साल और शादी खुद-बखुद धक्के लगाकर हो जायेगी किसी दूसरे के एहसान या मेहरबानी की जरूरत न होगी। बुध/शुक्र दोनों ही नेक हालत के और मंगल नेक का साथ (साथी ग्रह हो) शादी व औलाद का फल नेक व उमदा होगा। एक ही लकीर वाली शादी रेखा शुक्र कायम मगर बुध खराब हालत का। अगर सिर्फ एक ही लकीर होवे तो शादी देर या यानि 18 साल के बाद 25 साल तक होवे और शादी में कई एक मुश्किलात पेश आवें जो सरमाया की कमी या संयोग के दूसरे कई एक विघ्न वगैरा होगी। ऐसी हालत में शादी का नेक असर और उमदा नतीजा 28 साल की उम्र के बाद ही मिलता है।

बुध नं: 8 या शुक्र नं: 4 मगर नं: 2 व 7 खाली, औरतें (चिड़ियां) एक नं मगर सब जिन्दा हों।

छोटी लकीर उपर और बड़ी लकीर नीचे वाली रेखा कायम मगर शुक्र खराब हालत का अगर बड़ी लकीर नीचे और छोटी लकीर उपर हो जावे तो शादी का होना मन्सूख ही गिना है। यानि अव्वल तो शादी न ही हो और मगर हो तो देर बाद (18, 19 साल के बाद) हो और औलाद ही होवे अगर औलाद होनी शुरू ही हो जावे तो लड़के या औलाद नरीना होवे और हमेशा औलाद नरीना हो जावे तो जिन्दा न रहे। अगर जिन्दा रहे तो लायक न होवें। और अगर एक भी होवे तो सुख देने वाली न हो। और अगर सुख देने वाली नीयत की हो तो सुख देने के काबिल न हो और निर्धन या दूसरे किसी सबब से हानि करने वाली हो। किस्सा मुख्तसर ऐसी हालत में औरत जात अपना और नेक फल न देवे। अगर सूरज नं: 1 में हो और नं: 7 खाली हो तो ऐसे शख्स को शादी छोटी उम्र में कर लेनी निहायत मुबारिक होगी। वासते राजदरबार असर सूरज खुद सेहत व उम्र कौरा बुध शुक्र दोनों के साथ या दो में से किसी एक के साथ मंगल बद का साथ होवे दो शाखी रेखा खाली शादी

रेखा से मुराद होगी। दो शाखी रेखा वगैरा - 2 दो शाखी होने पर मर्द औरत की बाहमी रंजिश तलाक अलहदगी दाई और न मुआफत वगैरा जाहिरा करती है। दो शाखी वाले मर्द से ब्याही हुई औरत नरीना का फल न पाएगी। और ऐसा मर्द दूसरी शादी से भी जन्म नफा या आराम न पाएगा। नाकस ग्रहों का असर अपने वक्त में ही दोनों तरफ से जाया होगा। बुध शुक्र हो बाद के घरों में और मंगल बद होने पहले घरों में दो शाखी का हथेली के अन्दर की तरफ मुंह होने वाली शादी रेखा होगी। दो शाखी का मुंह जिस कदर हथेली के अंदर घिसता चला आवे या मुंह बड़ा होता जावे या दो शाखी के सिरे नीचे की तरफ (दिल रेखा की तरफ बढ़ते जावे चन्द्र या दिल रेखा बुध की दुश्मन है।) या उपर कनिष्ठका की तरफ किन्ठका की सबसे नीची पोरी (धन राशि, बृहस्पत दुश्मन बुध का) में चले जावे तो शादी में या मर्द औरत के गृहस्थी ताल्लुक में नतीजा खराब बढ़ता जावे ऐसी हालत में चन्द्र और बृहस्पत की पूजना नेक असर की तरफ लायेगी। दो शाखी रेखा की हालत में अव्वल तो मर्द व औरत जुदा-जुदा ही हो जायेंगे अगर किसी वजह से इकट्ठे ही रह जावें तो औरत मर्द के लिये औरत का काम न देगी। इसकी खूबसूरती बाय से बदचलनी या नेक चलनी की हालत में औलाद वगैरा या बीमारी या बीमारी की वजह से खर्च फालतू या दीगर और कोई सबब होगा। बहरहाल ऐसी हालत में औरत 12 साल औलाद न देगी। या औलादे नरीना का नेक असर न होगा। बुध शुक्र अगर कुंडली के पहले घरों में हो और मंगल बद बाद के घरों में वाकया हो दो शाखी रेख होगी। दो शाखी का मुंह बाय से खराबी होगा। और अगर बुध शुक्र दोनों जुदा-जुदा ही हो और मंगल बद का कुंडली से ताल्लुक हो जावे तो कुदरती सबब खराबी का सबब होंगे। दाएं हाथ पर के निशानों की हालत में खुद करदा वजहात और बांए हाथ के निशानों से अन भोली या सहवन कारवाई सबब होंगे। शुक्र या चांद से रेखा के वक्त औरतें माखलफत का सबब और मंगल हर दो से खास मर्दों से मुखलफत जाहिर करती है। अपर कुछ स आई हुई शंख के वक्त फालतू खर्च या बीजर सबब होंगे। स्त्री ग्रह जब नर ग्रहों (सूरज, बृहस्पत, मंगल) के साथ मुश्तरका या साथी ग्रह हो जावे तो भी शादी रेखा से मुराद होगी शर्तें कि ऐसी हालत में शनिच्चर का ताल्लुक भी (जड़ राशि पक्का घर दृष्टि या साथी ग्रह की हालत का हो जाना) हो जावे ऐसे हालत में उपर जिक्र की हुई तमाम शर्तों के लिये स्त्री-ग्रहों को शुक्र या नर ग्रहों को बुध की शादी गिनकर फैसला होगा। स्त्री पर ग्रहों को यह बाहमी ताल्लुक सिर्फ शादी रेखा के लिये होगा। और यह शर्त भी सिर्फ उस वक्त होगी जब शुक्र और बुध दोनों ही नष्ट हो गए हो निशानी ऐसे शख्स के जन्म से ही उसकी ताल्लुकदार स्त्रियां, बहिन, बुआ, फूफी वगैरा ही मरती कमाई हो। मौत रेखा के साथ दौड़ती हुई या किस्मत रेखा के साथ चलती हुई लकीर जो बाद में उम्र या किस्मत रेखा में ही मिल जावे शादी का ताल्लुकदार या शादी पर औरत बन जावे वाली हस्ती से मुराद होती है। ऐसी शादी के हो जाने के वक्त से ही किस्मत जाग उठा करती है। या ऐसी औरत लक्ष्मी या भाग्य उदय होने का घरण या जमाना साथ ही लाया करती है।

रंग व स्वभाव :—

जन्म कुंडली में अगर केतु शनिच्चर या शुक्र के साथ उमदा हो तो ऐसा प्राणी दशा में अन्न जोर खास की दराजी (हस्तिनी औरत) या जन्म कुंडली में शुक्र या राहु सूरज के साथ या सूरज के घर नं: 5 या शनिच्चर के घर नं: 1 में हो तो ऐसी प्राणी दशा में ताल्लुक में एकीक स्वभाव पद्मनी औरत और जरूर खास कोतह ही लेगें। सूरज बुध का ताल्लुक और तक रंग व स्वभाव जाहिर करेगा।

कुंडली में अगर सूरज पहले घरों में हो और बुध बाद के घरों में तो औरत का रंग व स्वभाव उमदा होगा और नेक असर का। बशर्ते कि शनिच्चर दखल न देवें। अगर बुध पहले घरों में और सूरज बाद के घरों में तो औरतके रंग और स्वभाव में असर शमिल होगा। जब सूरज बुध इकट्ठे ही हो और सूरज के नेक घरों में यानि इकट्ठे ही हो और शनिच्चर और दुश्मन ग्रहों का असर शमिल न होता हो सूरज बुध के बाहमी ताल्लुक का असर यानि उमदा हालत होगी। लेकिन जब शनिच्चर का ताल्लुक या दुश्मन ग्रहों का ताल्लुक हो जावे तो औरत के स्वभाव में कल्पना और

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

शनिच्चर की तरह शैतानी और चंचल होने की हालत का साथ होगा।

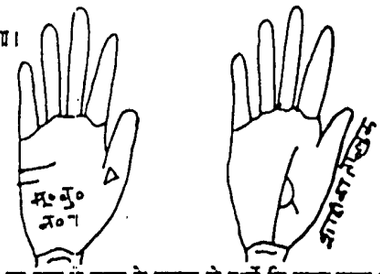

सूरज बुध न 7 सूरज से शाख औरत अमीर खानदान से या जो हर तरह से सूरज के बराबर हो बशर्ते कि सूरज उमदा हो वरना उल्ट नतीजा लेंगे और औरत गरीब घराने से होगी करख्त स्वभाव मगर गृहस्थ उमदा शुक्र के बुर्ज से रेखा अगर सूरज की तरफ से चले और रास्ता में किस्मत रेखा में ही रह जावे तो ऐसी औरत (शुक्र की शाख स्त्री) किस्मत की ताल्लुकदार होगी। या शादी होने पर ही किस्मत को रोशन और नेक असर बना देगी।

औरत स्याह रंग न होगी बल्कि साफ या शुक्र के रंग की होगी या चमकीला चेहरा होगा।

शादी रेखा से दूसरी शाखों का ताल्लुक चन्द्र के बुर्ज से या

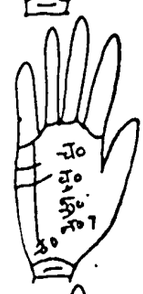

शुक्र के बुर्ज बरास्ता खाना न: 11 या खाना न: 12 से या

शुक्र बुध के साथ राहु या केतु

मंगल नेक के बुर्ज से या बुध पर कनिष्ठ बाकी जड़ या धनराशि बृहस्पत से आई हुई शाख सब की सब शादी में रुकावट मुख्लफत या दीगर फितुर, बाय से तकलीफ पैदा होंगे। शुक्र बुध मंगल तीनों ही खाना न: 3 में दृष्टि का खाना न: 11 खाली और शादी और औलाद में गड़बड़ होवे।

बुध शुक्र मंगल के साथ राहु या केतु

मर्द औरत के जोड़े की उम्र

दोनों लकीरों से उपर की लकीर को मर्द से और नीचे की लकीर को औरत से मिलाया गया है उपर की लकीर से मर्द की उम्र और नीचे की रेखा से औरत की उम्र लेते है। लकीरों की लम्बाई में जिस कद्र फर्क हो उतनी ही अरसा उम्र में फर्क होगा और कुदरत अहलदा कर देगी। शुक्र कायम या शुक्र के दोसत मददगार तो औरत की उम्र लम्बी बुध कायम या उसके दोसत उसके मददगार मर्द की उम्र लम्बी होगी शादी की उमदा और नेक रेखा वह है जो बराबर हो उन दिनों लकीर की दरम्यानी चौड़ाई और फासला भी मर्द औरत की दूरी (ज्यादा चौड़ाई या दरम्यानी फासला) नजदीकी जाहिर करता है। अगर दोनों लकीरों की लम्बाई भी बराबर होगी तो दोनों की औसत उम्र भी बराबर होगी। यानि दोनों की खाल्मा के हिसाब से या यूं कहो कि दोनों के जुदा होगे इस बात का कोई हिसाब नहीं कि दोनों कब इकट्ठे हुए थे। और दोनों कि उस वक्त उम्र कितनी - कितनी थी। उन लकीरों की लम्बाई दोनों के जोड़े कायम रहने की मियाद का आस रखती है। अगर ऊपर की लकीर लम्बी हो तो औरत पहले और अगर नीचे की लकीर लम्बी हो तो मर्द पहले इस दुनिया से चल बसेगा। शुक्र को देखता हो उसका दोस्त ग्रह/दुश्मन ग्रह हो तो औरत की उम्र लम्बी/ छोटी होगी बुध को देखता हो उसका दोस्त/दुश्मन ग्रह तो मर्द की उम्र लम्बी/छोटी होगी।

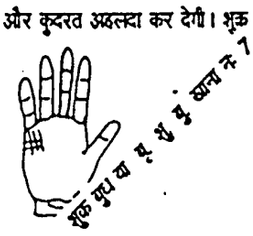

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

शुक्र बुध मुश्तरका को देखता हो दोनों का मुश्तरका दोस्त ग्रह तो उन दोनों की उम्र लम्बी होगी। शुक्र को देखता हो उसका दोस्त ग्रह (शनि) और बुध को देखता हो उसका दुश्मन ग्रह चन्द्र तो औरत की उम्र लम्बी और मर्द पहले चला जावे। बुध को देखता हो उसका दोस्त ग्रह (सूरज राहू) और शुक्र को देखता हो उसका दुश्मन ग्रह (सूरज चन्द्र राहु) तो मर्द की उम्र लम्बी औरत औरत पहले चली जावे। शुक्र को देखता हो उसका दुश्मन ग्रह (सूरज चन्द्र राहु) और बुध को देखता हो उसका दोस्त ग्रह तो मर्द कायम ख्वाह उसकी औरत कई दफा मरती या घटती जावे। बुध को देखता हो उसका दुश्मन ग्रह (चन्द्र) और शुक्र को देखता हो उसका दुश्मन ग्रह (सूरज चन्द्र राहू) तो औरत कायम रहे ख्वाह उसके मर्द मरते या हटते जावे। शुक्र के कायम से सिर्फ एक औरत और आखिरी मर्द के दम तक कायम रहे। सूरज होवे खाना नः 6 में और शनिव्वर हो खाना नः 12 में तो औरत पर औरत मरती जावे।

दीगर बाहमी ताअल्लुक

शुक्र व बुध के ताअल्लुक शादी के दिन से मर्द औरत की किस्मत पर भी ताल्लुक होगा। बृहस्पत का साथ (शुक्र बुध का बृहस्पत से ताअल्लुक) इज्जत किस्मत की चमक सूरज का साथ (शुक्र बुध का सूरज से ताअल्लुक) आम वर्तव गुजर गुजरान चन्द्र का साथ (शुक्र बुध या चन्द्र से ताअल्लुक) धन उम्र शान्ति मंगल का साथ (शुक्र बुध का मंगल से ताअल्लुक) औलाद का कायम रहना शनिव्वर का साथ (शुक्र बुध शनि से ताअल्लुक) दुःख दलिद्र दुश्मन मौते राहु केतु का साथ (शुक्र बुध का केतु से ताअल्लुक) ऐश फलना-फूलना।

खुशी वगैरा

शादी से मर्द औरत की बाहमी गुजरान

बाहमी गुजरानः शुक्र कायम या दोस्त की मदद औरत की उम्र लम्बी → (शादी के दिन से गुजरान जाती उम्र की शर्त नहीं)
बुध कायम या दोस्त की मदद मर्द की उम्र लम्बी
दोनों कायम या दोस्त की मदद दोनों की उम्र लम्बी

सुख दुःख बुध, शनिव्वर सानी या गुरु अकेला नः 10 जवान तालू काले या आंख या नाक छोटी → (मर्द दुखिया)

शुक्र के दुश्मन नः 7 या चन्द्र शनि मुश्तरका या बुध चन्द्र मुश्तरका या बुध कायम मगर शुक्र मन्दा या बुध शुक्र का चन्द्र मंगल से साथ हो जावे तलाक जुदाई → (औरत दुखिया)

Free by Astrostudents

क्याफा : नाक छोटी (नीचे बृहस्पत नः 10) हो या जवान व तालू (बुध शनि मुश्तरका) स्याह हो और आंख भूरी का साथ हो सूरज चन्द्र होतो दो से ज्यादा शदियां मगर फिर भी गृहस्थ का सुख नसीब न हो और अगर आंख स्याह (शनिव्वर) चन्द्र का साथ हो तो औरत को सुख हल्का होवे शुक्र पर अंगूठे की जड़ में सूरज का सितारा होवे।

(सूरज नः 7) तो औरत का सुख हल्का पराई ममता हो मगर अपने लिए इकबाल मन्द हो। उम्र रेखा (पितृ रेखा) पर राहु का निशान हो।

शुक्र खाना नः 3, 6, 9, 12 मर्द की लम्बी उम्र

शुक्र खाना नः 1, 2, 7, 8, 10, 11 औरत की उम्र लम्बी या शुक्र हलका खासकर मीनराशि पर हल्का होवे शनिव्वर राहु नः 7 दाएं पांव की अनामिका अगली से छोटी (बहुत ही) हो (लड़के सूरज नीच होगा) या तर्जनी मध्यमा छोटी हो तो औरत का खानदान हैसियत का होवे और उनका शुक्र हलका हो ख्वाह अमीर ही हो पांव तर्जनी मध्यमा से बड़ी हो औरत का खानदान गरीब हो (बृहस्पत केतु देखे शनिव्वर को) पांव की तर्जनी मध्यमा शनिव्वर देखे बृहस्पत को थोड़ी ही हो औरत का सुख पूरा होवे।

हाथ की कनिष्ठका नाखुन वाले हिस्सों का आखीर या सिरा अगर अनामिका उंगली वाले हिस्स की जड़ (कर्क राशि वाली पूरी जड़) नीचा रहे जब कि हाथ को खूब अकड़ा कर इन दोनों उगलियों को बाहर मिलाकर देखा जावे तो जिस कदर कनिष्ठका अनामिका के उपर जिक्र शुदा पोरी की जड़ से छोटी होवे या जिस कदर नीची रह जावे उसी दर औरत सफेद या सफार रंग की सीख और उमदा व खुश्क-खुश्क होगी। जिस कदर कनिष्ठका का यह हिस्सा उस हिस्सा से उपर को बढ़े उसी कदर औरत का खूबसूरती स्वभाव खूबी मन्द या मन्दा और खराब होवे। अगर उम्र (पितृ रेखा) उपर हो कर (मातृ रेखा) को छूकर चांद के बुर्ज पर के किनारे त्रिकोण भी बनावे तो ऐसा शख्स या गैर औरत का मित्रवी खोटे काम करने वाला या बदफेल बद किरदार क्योंकि चन्द्र खुद अपने और शनिव्वर से मनमानी करता है-

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

अगर औरत की पेशानी बुलन्द बृहस्पत नः 4 और ऊंची हो वह जल्द ब्याह हो जावे। खाविन्द उसका अमीर कबीर और मर्द्दि वाला होवे और अगर पेशानी लम्बी और कुशादा होवे तो वह औरत अपने खाविन्द के लिये तो मुबारिक हो मगर ससुर जल्द मर जावे (बृ सू मंगल खाना नः 4) खुशगुजरान वह होगी जिसकी पेशानी फर्राख होवे (अकेला बृहस्पत नः 4) औरत के पांव की अनामिका उंगली मगर उसकी कनिष्टका उंगली से छोटी (सूरज केतु देवे बुध को) और उसका नाखून वाला हिस्सा (अनामिका का जमीन पर न लगे) तो वह औरत (खाविन्द खानी) हो। यानि उसका पहला खाविन्द मरे तो दूसरा करे और अगर सारी कनिष्टका जमीन पर न लगे तो दूसरा मरे तीसरा करे ब्याह चौथा करे। सब के सब मर जावें मगर वह खुद न मरे और न ही आराम पावे।

खबरदारी

मकान रिहायशी से मुतअल्लका

नः 1 अगर रिहायशी मकान में दाखिल होने पहले ही छते हुए हिस्सा में उस जमीन को अन्दर कुएं की तरह खुदी हुई भट्टी जो सिर्फ ब्याह शादियों के वक्त खोल ली जावे और बादअजां मिट्टी डालकर बन्द कर दी जाया करे हमेशा के लिए पक्के तौर पर कायम कर ली जावे तो जब कभी उस घर में मंगल नः 8 वाला बच्चा पैदा होता तो उनकी (तमाम असली खून के साथी) ऐसी तबाही शुरू होगी कि लोग कहेंगे कि वह सब के सब अचानक भट्टी में पड़ गए तबाह हो गये, मर गये या बरबाद हो गये होंगे। अगर ऐसी भट्टी कायम हो ही चुकी हो तो जहां तक उसकी मिट्टी जल गई हो वह तमाम जली हुई मिट्टी नदी नाला दरिया में हलवा दें।

2. रिहायशी मकान में मूर्तियां वगैरा रखकर पूरे तौर पर धर्म मन्दिर स्थापन कर लेना, पूजा की घटियों की बजाए लाकलदी का घंटा बजा देना खासकर जब बृहस्पत खाना नः 7 वाला प्राणी उस घर में जन्म ले। ऐसी मूर्तियां धर्म मन्दिर में ही मुबारिक गिनते हैं। कागज पर फोटो वगैरा या किसी देवा-देवता की तसवीर का कोई वहम न होगा।

मकान में दाखिला पर दाएं हाथ आखिर पर जहां पहुंच कर मकान खत्म हो, कई दफा अंधेरी कोठरी (स्टोर) हुआ करती है। जिसमें दाखिल होने के लिए दरवाजा के इलावा बारी, रोशनदान नहीं हुआ करता अगर ऐसी कोठरी को कई दरवाजे या रोशनदान रख कर रोशन कर लिया जावे तो वह खानदान बरबाद होगा। उसके चिराग बुझ गया होगा। माया का हाथी और दौलत पर बैठा हुआ रूप उस घर से चला गया मानेंगे। बाद में उस खानदान पर नेस्ती बरबादी और मनहूसत कीमन्दी हालत में हाथी की लीद बाकी गिनेंगे जिसे बाहर फेंक कर मकान साफ कर लेने के लिए उन में माली कमजोरी की वजह से हिम्मत तक न होगी। अगर किसी वजह से ऐसी कोठरी की छत बदली पड़ जावे तो पहले उस कोठरी की छत के उपर एक ऊंची छत कायम कर लें। फिर पहल पुरानी छत को गिरा दें। ऐसी कोठरी अमूमन अपने आप नहीं गिर करती जब कभी भी होगा खुद गिराने से गिरेगी। रिहायशी मकानों में बाज औकात कीमती आशिया जेवर रुपया वगैरा पोशिद रखने के लिए गुमनाम गढ़े या रखना अन्दाजिया कायम कर लेते हैं। अगर वह ऐसे गुमनाम गढ़े खाली ही पड़े रहे तो घर की धन-दालत के जलजलकू में बुध बोलता होगा यानि ऐसे घरों के मालिकों की सब तरफ फोकी बातें ही बातें होंगी। और उनमें कोई पायेदारी इज्जत व अबास का नतीजा पैदा न होगा। ऐसे गुमनाम गढ़ों में बादाम छुआरे या कोई न कोई मीठी चीज रखी रहनी मुबारिक होगी। मकान के फर्श के अन्दर कच्चा हिस्सा बिल्कुल न हो तो उस घर में शुक्र का निवास नहीं मानते। शनि उनका गृहस्थ स्त्रियों की इज्जत सेहत और दौलत सब में शनिच्चर के मनहूस पत्थर ही पड़ते होंगे। जाहिरदारी में वह बेशक हजार तीस मरख बरकर फिरते हो अगर किसी वजह से कच्चा हिस्सा न रह सका हो वहां शुक्र की आशिया कायम पर छोड़े।

6. दक्षिण के दरवाजे वाला मकान स्त्रियों के लिए खास कर मनहूस होगा। मर्द भी कोई खास सुख नहीं पाते। रंडवों के रहने या मातम करने की जगह हुआ करती है। बड़ा दरवाजा दक्षिण से हटा कर उस तरफ रास्ता न रख कर किसी दूसरी तरफ उस गली में किसी दूसरी तरफ को दरवाजा कर लिया करते हैं। इलाका मद्रास जो हिन्दुस्तान का दक्षिण भाग है, में दक्षिणा का दरवाजा इस बुराई से बरी हो सकता है। मगर फिर भी नेक हालत कम ही होगी।

कन्या के लिए वर की खोज से मुतल्लका

शनिच्चर नः 11 के टेवे वाला बेशक साहिबे इकबाल, दौलतमन्द और परिवार वाला होगा मगर वह दुनियावी आराम की उम्र के वक्त अपनी आल-औलाद औरत वगैरा अपने गृहस्थी साथियों को ऐन समुन्दर के दरम्यान बेड़ी ले जाकर अपने सिर-सिरहाने चाकू रख कर सो जाने वाले मल्लाह की तरह ऐसे वक्त में उनका साथ छोड़ कर चला जावेगा कि उन बाकी बचे हुओं की दुःख भरी आहों को सुनने वाला शायद ही कोई दुनियावी साथी होगा या हो सकेगा।

2. अल्पायु के ग्रहों वाला शख्स अपने आप की हद बन्दी पर शकी उम्र का मालिक होगा और अगर जरूरत से ज्यादा आठ गुना 64 साल तक जिन्दा भी रह जावे तो भी माली हालत और दुनियावी सुख सागर में उसका चन्द्र दिली माया का दरया सूख हुआ ही होगा।

3. राहु मन्दा या मन्दे घरों में या बुध राहु दोनों मुश्तरका और मन्दे घरों में (3, 8, 9, 12) में या शनिच्चर नः 3 के टेवे वाला यह सब लड़की के बाप या अपने ससुर ससुराल को तबाह कर लेगें।

शुक्र केतु मुश्तरका नः 1 या मंगल बुध चन्द्र नेप्टी। ⟶ नामर्द नाकाबिल औलाद नरीना होगा।

सूरज नः 4 शनिच्चर नः 1, खाना नः 12 निकम्मा या बरबाद
सूरज नः 6 मंगल नः 10 खाना नः 12 निकम्मा या बरबाद } - - - - - - वाले का लड़के के लड़का मरते जावे।
सूरज नः 4 और मंगल नः 10 — — — — (एक आंख से काना व नास्तिक होगा।)

बृहस्पत शुक्र मुश्तरका या चन्द्र नः 1 और बृहस्पत नः 11, कामदेव की ज्यादती या ऐश की बेहद रगबत उसके सोने को गंदी मिट्टी के भाव

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

किम्वा टांगा और चन्द्र के मुतल्लका रिश्तेदार माता, दादी नानी और सास मंगल के मुतल्लका (पंट दूसरी सुराखियां भाई, ताया बड़ा मामू) में बरबाद होगा।

सूरज शनिच्चर मुश्तरका या सूरज शनिच्चर का दृष्टि की से इमदाद या राहु शुक्र बुध मुश्तरका :—
जब तक खाना नं: 12 में केतु या कोई और पर ग्रह न हो या जैसे ही खाना ग्यारह या औलाद का योग उम्दा न हो तो यमौका तलाक जुदाई के वाकयात होंगे चालचलन की बदनामी की तोहमत (सच्ची या फर्जी) तो अमूमन सच्चरण होगी।

अल औलाद, स्त्री परिवार के सुख से संबंधित

1. अपनी खुराक से गाय कौव्वा और कुत्ते तीनों ही के लिये कुछ हिस्सा पहले ही जुदा रख लेना (जिसे गऊ ग्रास) भी कहते है दुनियावी ताल्लुक के सब सुख सागर में मदद देगा।
2. रोटी पकने की जगह (रसोई खाना) यानि जिस कमरे में रोटी बने उसी कमरे या जगह में रोटी खाना राहु की मन्दी शरतों से बचाता रहेगा और मंगल राहु मुश्तरका का नेक फल पैदा करेगा।
3. हर महीने घर के सदस्यों की संख्या से कुछ ज्यादा संख्या (जो आ गए मेहमानों की औसत संख्या हो) के बराबर मीठी रोटियां (चाहे कितनी ही छोटी छोटी क्यों न हो) मगर तादाद कम न हो पकाकर बाहर जानवरों को खाने के लिये हाल दिया करें तो घर में बीमारी झगड़ों से नाहक खर्चों की बचत रहा करेगी।
4. [क] रात के आराम के वक्त अपनी चारपाई के नीचे थोड़ा सा पानी किसी बर्तन में रख लें सुबह वह पानी किसी ऐसी जगह डाल दे जहां कि उसकी बेइज्जती न समझी जावे (या हीउस पानी से अपना मुंह हाथ या टूटी पेशाब धोवे) तो राहु की शरारतों से (नाहक झगड़े, फसाद, बेइज्जती, बीमारियां, तोहमत या कोई और दूसरी लानत वगैरा) हमेशा बचाव होता रहेगा।
[ख] आम तौर पर इंसान की तबीयत ग्रह चाल के मुताबिक ही हो जाया करती है लेकिन अगर कोई शख्स जिद्द से उल्ट ही चलता हो वे वह नफे की बजाए नुक्सान ही पाएगा मसलन शनिच्चर नं: 7 (ऊंच हालत) का मालिक तबीयत में चालाक आंख ही के इशारे से सिर से पांव तक जांच लेवे बल्कि कई दफा मक्कार चालबाज भी होना माना है लेकिन ऊपर ऐसा शख्स पूरा धर्मात्मा, दयालुता से भरपूर और सत्यपूत पूर्ण हो तो वह हर दम दुखियों बेचैन और नुक्सान ही नुक्सान देखता होगा।

औलाद से सम्बन्धित

औरत के गर्भवती हो जाने के दिन से ही उसके बाजू पर सुर्ख धागा बांधे जो बच्चे के जन्म पर खुले बच्चे के बाजू पर तब्दील कर दिया जावे और उस वक्त बच्चे की माता के बाजू पर और नया सुर्ख धागा बांध दिया जाये वह रक्षा-बन्धन कहलाता है। और बच्चे की 18 माह की उम्र तक जारी रखना जरूरी है औलाद की उम्र में बरकत देगा खासकर जब किसी बच्चे मरते जाते हों।
2. अल औलाद की बरकत के लिए केतु (गणेश जी) की अराधना मददगार होगी। चन्द्र मामा तो केतु परिवार और शनि खजांची होगा। दोनों बाहम दुश्मन इसलिए धन और परिवार कम ही इकट्ठे होंगे सिवाय खाना नं: 4 और अमूमन मंगल शुक्र मुश्तरका ऐसा चन्द्र जितने बुध केतु की दुश्मनी न होने के कारण धन और परिवार दोनों की इकट्ठे होंगे।
मंगल बुध = नेक चन्द्र मुश्तरका असर जो खाना नं: 4 में नेक असर देते है
3. गऊ ग्रास (गाय कौव्वा और कुत्ते को खुराक का हिस्सा) मुबारिक होगा।
4. बच्चे की पैदायश होने के वक्त से पहले एक बर्तन में दूध और थोड़ी सी (किसी दूसरी चीज कागज या जूठा बर्तन में) खांड औरत का हाथ लगवा कर कायम रख लें बच्चा बेहतर और बा आराम पैदा हो जाएगा इसके बाद वह दूध और खांड मय बर्तन अपने धर्मस्थान में पहुंचा दे मगर बर्तन वापिस न लावे वह धर्मस्थान की मल्कीयत हो चुका होगा बर्तन जिस कदर काम आने के काबिल और उम्दा होगा उसी कदर ही [illegible] मुबारिक होगा।
वर्षफल या जन्म कुंडली में राहु मन्दे वाले के लिए बेहतर होगा कि बच्चे की पैदायश से पहले जौ (राहु) को पानी की बोतल में बन्द करके रख लेवे ताकि बच्चे की पैदायश या आराम और सही सलामती से होवे।
5. दरिया पार जाते समय (जब सौ दिन या ज्यादा अरसा अपने घर से बाहर रहना पहले ही मालूम हो) दरिया में तांबे का पैसा डालते जाया करने से औलाद की बलाएं बद से बचत होती रहेगी।
6. दिन के वक्त आम साधरण कच्ची तह जमीन पर आग जलाकर जब वह जगह खूब गर्म होजावे तो आग का वहां से हटाकर इस सुर्ख हो चुकी जगह पर कच्चे आटे की मीठी रोटी पकाकर या ऐसी मीठी रोटी तंदूर में पकाकर (मतलब सिर्फ यह है कि मीठी रोटी लोहे की चीज तवे वगैरा पर न बनाई जावे) कुत्ते दरवेश वगैरा को खिलावे।
7. जब किसी के बच्चे बचते न हो (पैदा होकर मर जाते हो) तो उसे चाहिए कि बच्चों की पैदायश पर खुशी के तौर पर मिठाई या मीठा तकसीम करने की बजाए आम चालीस दिन में नमक या नमकीन अशिया तकसीम करें।
धर्मस्थान का पैदा हुआ बच्चा (यानि बच्चा पैदा होने के वक्त धर्मस्थान के अहाता में बच्चा जनने वाली औरत जाकर वहां ही बच्चा पैदा करे) या धर्मस्थान में बनाया हुआ बच्चे लम्बी उम्र का मालिक होगा।
8. कुतिया का नर बच्चा जो अपने वक्त में एक अकेला ही पैदा हुआ हो मालिक की खानदानी नसल कायम होने और बढ़ने, परिवार की बरकत के लिए निहायत मुबारिक और मददगार होगा।
9. केतु ऊंच टेवे वाला बच्चे की पैदायश और परिवरिश की आए दिन ज्यादती से और भी बरकत पाएगा इसी तरह शुक्र ऊंचवाला औरतों की पूजना शुक्र की सेवा उनको मुहब्बत और मदद से हर दम फायदा पाता रहेगा।

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

खैरातनामा से सम्बन्धित

1. इस हिस्सा में तमाम ग्रह चाल जन्म कुंडली के अनुसर लेंगे। वर्षफल के अनुसार नहीं गिनेंगे। लेकिन अगर वर्षफल में इस हिस्सा में दी हुई ग्रह चाल कायम हो जावे और इस साल मना किया हुआ काम या खैरातनामा किया जावे तो भी कोई नेक फल न देगा। बल्कि नुकसान का कारण हो सकता है। बेशक ऐसा नुकसान या बुरा असर सिर्फ इस साल के वर्षफल तक रहकर आगे हट जावे।

2. उच्च ग्रह वाले को अपने उच्च ग्रह की मुतल्लका चीज का दान देना या अपने नीच ग्रह की मुतल्लका चीज का किसी दूसरे से मुफ्त लेना नतीजा की बजाए नुकसान बल्कि मन्दी जहर का जमाना होगा।

3. आम लोगों के फायदे के लिए मुफ्त बतौर दान तालाब, कुआं, बावली बनवाना या पानीका दान करना यानि लोगों को पानी पीने के लिए मुफ्त नौकर रखकर देना या कुओं की मुरम्मत के लिए (वो कुएं जो सर्वसाधरण के सुख के लिए हो) अपनी कमाई का हिस्सा देना।

चन्द्र नः 6 वाले का लावल्द कर के छोड़ेगा बल्कि उसका खानदान बेऔलाद मौतों का शिकार होता होगा। और खानदानी नसल दिन व दिन घटती होगी।

4. सराए या ऐसे मकानात जहां आम मुसाफिर मुफ्त आराम करें. शनि नः 8 वाले को बे घर के तंग हाल कर देगा।

6. आम मांगने वाले फकीरों को तांबे को पैसा देना (दुअन्नी चवन्नी या रोटी कपड़े की शर्त नहीं)

शनि नः 1 और उसी वक्त बृहस्पत नः 5 वाले के बच्चों की अचानक मौतों के लिए तारवर की मन्दी खबरों (मौत तक) का पेश खेमा होगा।

धर्मार्थ जगा हो (मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारे) जो आम लोगों के इस्तमाल के लिए धर्म कार्य से सम्बन्धित हो

बृहस्पत नः 10 और उसी वक्त चन्द्र नः 4 वाले के लिए फर्जी झूठी तोहमत से फांसी तक मन्दी सजाओं का बहाना होगा

मुफ्त वजीफा (ख्वाह यतीम बच्चे, ख्वाह जगान वे वसीलना मुकर्रर करना) शुक्र नः 9 वाले के लिये गरीबी की जलती हुई रेत से मिट्टी खराब मन्दी हालत होने का बहाना होगा।

मजहबी पेशवा को हर रोज मुफ्त रोटी या खिलाना

कोई स्कूल मदरसा (पाठशाला) मुफ्त तालीम के लिये जारी करना मगर कीमत पर तालीम कोई बुरी न होगी।

चन्द्र नः 12 वाले के लिये ऐसी बीमारियां दुखड़े खड़ा करेगा कि उसे पानी तक भी नसीब न होगा जो उसकी तड़पती हुई जान या दिल के अन्दर छुपे हुए दिल को आखिरी वक्त (मौत) पर शान्ति दे सकें

धर्मस्थान के पुजारी को मुफ्त नए कपड़े देना। बृहस्पत नः 7 वाले के लिए निर्धनी और लावल्दी का घंटा हरदम बगैर बजाए बजता होगा।

मुतबन्ना मुकर्रर करने से सम्बन्धित

1. बच्चा शनिच्चर अगर अपने भतीजे भतीजी को बतौर मुतबन्न करे ले या वैसे ही उनकी शादी अपनी कमाई से कर देवे।

मन्दे शनिच्चर खासकर शनिच्चर नः 6 वाले की हालत में जिस दिन ऐसे भतीजे - भतीजी निर्धन दुखिया बल्कि लावल्दी तक की मायूसी से तड़फते होंगे। अगर ताया ऐसी हालात में करे तो कोई असर मन्दे न होंगे।

2. मन्दे असर के वक्त मुतबन्ना के हाथों शनिच्चर की चीजों का दान मददगार होगा। मगर मुतबन्ने के हाथों शनिच्चर के मन्दे काम (हरामकारियां) बाय से तबाही होंगे।

आमदन

औसत आमदन महावार (खुद जाती)

उच्च घर के ग्रह, कायम ग्रह या किस्मत के ग्रह या सबसे प्रबल ग्रह के हिसाब से (तादाद में जितने हो उन तमाम का योग) लेंगे।
राहु केतु और शनिच्चर, शुक्र मुश्तरका नहीं गिनते क्योंकि शनिच्चर शुक्र ऐय्याशी और राहु केतु खाली शुक्र मसनूई शुक्र या हवाई बृहस्पत या सिर्फ कागजी हिसाब किताब जिसकी वसूली न होवे। बुध मंगल को मंगल बद लेंगे और बुध शनिच्चर जायदाद में गिने जायेंगे।

विधि : (तरीका)

जिस दिन से कोई आदमी जाती कमाई खुद अपनी रोटी कमाना शुरु करे उस दिन से जितने साल के बाद उसकी औसत आमदन महावार देखनी हो, ऊपर के रुपये के अंक को कमाते हुए अरसा के साल्यों से गुणा करें जवाब का अंक महावारी औसत आमदन होगी।
यदि किसी के मंगल शनि मुश्तरका है और इसने 19 साल पूरे करते हुए सोने के बाद देखना चाहा तो 18x19 =262 रु. 19 साल पूरा करने पर होगी।

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

माया के नाम

स्पर्श	क्रमांक	ग्रह मुश्तरका	नाम व निकास माया	महावारी
11	1	बृ. सू.	शाही धन सबसे उत्तम	21
10	2	बृ. चं.	दबाया हुआ धन	20
9	3	बृ. शु.	यूर के लड्डू (दिखाव का फाका धन)	17
6	4	बृ. मं.	श्रेष्ठ गृहस्थी धन	18
7.5	5	बृ. शनि	सन्यासी फकीर की माया दौलत	21
3	6	सू. चं.	मुलाजमत आला	19
10.5	7	सू. मं.	जागीरदारी	17
8	8	सू. बु.	मुलाजमत मुतल्लका कलम	13
5	9	चं. मं.	श्रेष्ठ धन	16
70	10	चं. शनि	स्याह मुंह बदनाम करने वाली माया	19
	11	शु. मं.	स्त्री धन	13
	12	शु. बु.	मुलाजमत गैर सरकारी रियासत	9
	13	शु. शनि	फर्जी ऐय्याशी	16
	14	मं. बुध	मौत का बहाना	10
	15	मं. शनि	डाक्टर डाकू का धन	18
	16	बुध. शनि	जायदाद मनकूला	13
	17	केतु पहले राहु बाद में (न्यारी माया लावल्दो)		13

[1] माया दौलत के नाम

फालतु धन सातवें होगा - [2] चश्मा धन चौथे में हो
ग्यारह मरता धन से चौथा - तीसरे [3] बढ़ जाता हो
खाली घर चन्द्र का अपना - माया जर चन्द्र से हो
शनि होगा धन का राखा - बैठा जैसा टेवे वो
बन्द मुट्ठी साथ [4] लाया - 9 बर्जगां पाता हो
तीसरे घर परसु बनता - 11 परसा होता हो
पांच पहले नौवे अपना - परसराम बनता जो
तीजे दूजे झगड़े देना - बे आरामी करता हो

1. जब नः सात में कोई भी उमदा ग्रह हो
2. चश्मे के शुरू खत्म व पानी की उतमता (पाददारी)
चन्द्र की हालत पर होगी। जैसा कि वो टेवे में हो। सूरज बृहस्पत इस चश्मा की मुरम्मत में मदद देगें। ग्रह नः 11 की हालत पर सफाई व आमदन (ग्रह नः तीन पर खर्चा व मन्दगी चश्मा होगी)
3. मंगल की हालत पर
4. खाना नः 1, 7, 4, 10 बन्द मुट्ठी की किस्मत रेलवे मुसाफिर का रखा समान होगा। खाना नः 9 क्रेक रेलवे में रखवाया हुआ बर्जगों के पास जन्म से पहले ही अमानत होगी।

खाना नः 10 बगैर मुसाफिर रेलवे पार्सल बर्जुगों की कमाई से हिस्सा लेते जाना।
कुदरत साथ लाई हुई किस्मत का खजाना मुट्ठी के अंदर बन्द किए हुये खानों या कुंडली 1, 7, 4, 10 घरों में होगा। और जो हकीकी रिश्तेदारों से मिलेगा वह खाना नः तीन (भाई बन्द ताये चाचे) पांच (औलाद) खाना नः (वाल्दैन बर्जुग खानदानी) और नः 11 जाती कमाई में होगा। इसके इलावा बाकी रिश्तेदारों से ले सकेगा वह खाना नः दो (ससुराल) खाना नः 6 जानदार साथियों की जाहिरा या गैबी मदद लड़के लड़कियों के रिश्तेदार या पैदायश से पहले वाल्दैन के अपने रिश्तेदार (मसलन मामू नाना) और नः तीन (बेजान दुनियावी आसमानी मदद) से मिलेगा।

बचत

बृहस्पत सूरज बजरिए रईसा
बृहस्पत शनिच्चर आम दुनिया
बृ. सू. बुध राजदरबार
ग्रह नः दो खुदबखुद हर तरह

नः 11 में नर ग्रह
नः 11 में उत्तम ग्रह — आमदन बढ़ती हो

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

खर्च :

बृहस्पत शुक्र
बृहस्पत बुध
नः 12 में मन्दी ग्रह
नः 11 व 12 दोनों खाली — (फिजूल खर्चे वगैरहा)

सूरज शनिव्यर जब तक ग्रह या गुरु घर का ताल्लुक न होवे या दोनों में कोई उमदा हो तो उमदा वक्त वरना मन्द खर्च, खर्च घटावे आमदन घटे

औसत जिन्दगी

1. टेवे में कोई भी उंच ग्रह होवे
2. नः चार या पांच या छः खाली या वहां अकेला ग्रह — (जन्म की हालत में इजाफा करके जायेगा)
3. नः 1,7,8,10,11 राय के सब पांचों में से हर एक में कोई भी ग्रह

औसत तौर पर

पहली उंगली तर्जनी (कुंडली का खाना नः पांच) का जमाना गृहस्थ का ताल्लुक 25 से 50 होगा।
3. तीसरी उंगली कनिष्ठका (कुंडली का खाना नः आठ) का असर साधुपन या गृहस्थियों का उपदेश का अरसा 50 से 75 साला उम्र तक होगा
4. चौथी उंगली मध्यमा (कुंडली का खाना नः ग्यारह) का असर 75 से 100 साला उम्र वानप्रस्थ होगा।

दौलत की हैसियत

कुंडली का खाना नः चार या चन्द्र का बुर्ज धन रेखा या दुनियावी धन दौलत के निकलने की जगह माना गया है। यानि दौलत का निकास उन ग्रहों से होगा जो खाना नः चार के ग्रहों के दोस्त के ग्रहों के दोस्त ताल्लुकर साथी या मददगार हो। अगर खाना नः चार खाली ही हो तो चन्द्र को खाना नः चार में माना जायेगा।

दौलत के नाम

1. चन्द्र मंगल मुश्तरका श्रेष्ठ धन होगा (खासकर खाना नः 3)
और दान कल्याण से बढ़ने वाला धन होगा। अगर यह दोनों ग्रह खाना नः दस या ग्यारह में या शनि के ताल्लुक में हो जावे तो लालची।
2. चन्द्र बृहस्पत, दबा हुआ धन जो फिर चल पड़े और काम आवे। सोना, चांदी हुजदारी बड़ के दरख्त का साया का दूसरों को भी बड़ा भारी सहारा।
3. चन्द्र बृहस्पत शनिव्यर के घरों में और बृहस्पत के साथ न उमदा वरना स्याह मुंह माया। खुद स्याह मुंह बन्दर की तरह छलांग लगाकर चली जाने वाली और मुंह काला सुनाने वाली।
4. मंगल शुक्र स्त्री धन जो माया के स्त्री की तरफ (ससुराल) और स्त्री की किस्मत पर चले।
5. शनिव्यर बृहस्पत फकीरी व तालीमी ताल्लुक की माया सन्यासी का धन शादी के दिन से बढ़ेगा।
6. मंगल बृहस्पत श्रेष्ठ गृहस्थी धन अपने मर्द के कबीले से मुतल्लका।
7. मंगल शनिव्यर : हाकू का धन दौलत
8. मंगल सूरज : जागीरदारी हकूमत का धन तालीमी रुहानी ताल्लुक
9. शुक्र बृहस्पत दूर के लड्डू खाग बताशे
10. सूरज बृहस्पत सबसे ऊपर शाही धन

हर एक धन रेखा का विस्तार पूर्वक जद्दी जगह लिखा है खाना नः दो के ग्रह दुशमन ग्रहों के तख्त की माल किस्मत प्रजायना धन हानि, चोरी बिना वजह फालतु खर्चा और नुकसान का सबब होता है। और खाना नः ग्यारह धन रेखा की आमदन का होगा या धन रेखा खाना ग्यारह के रास्ते आती खाना नः तीन के रास्ते चली जाती है या तीसरी पुश्त पर धन रेखा का रास्ता बदला हुआ होता है। माया तेरे तीन नाम परसु, परसा परसराम।

खाना नः का ग्रह होगा

तीन का ग्रह होगा -परसु
चार का ग्रह होगा - परसा
एक, पांच, छः का ग्रह होगा- परसराम
→ जो ग्रह इन ग्रहों में होवे वही रिश्तदार इस हैसियत का होगा

मुंह बंद मुट्ठी के अन्दर के घरों में कोई ग्रह न हो तो अपने साथ कुछ न लाना। सब ही ग्रह बंद मुट्ठी के अंदर ही होवे तो मर्द की माया दरख्त

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

का साया उसके साथ ही उठ गया।

खर्च बचत

चन्द्र धन शनिच्चर खजांची होता है। दोनों की हालत जेब की हालत बतायेगी। शनिच्चर और मंगल जायदाद के मालिक है। चन्द्र बृहस्पत सोने चांदी की दौलत के मालिक है। आमदन का हाल देखा जायेगा खाना नः 11 से खर्च का हाल देखा जायेगा खाना नः नौ से बचत अज जाती कमाई देखी जायेगी (बुजुर्गों की तरफ का ताल्लुक) खाना नः दो से बचत औलाद से देखी जायेगी। खाना नः 5 से सिर रेखा उच्च रेखा और सेहत रेखा की त्रिकोण यह मैदान हाथ की हथेली पर बिल्कुल खाली मैदान है जिसके तीनों किनारे (उच्च, हवाई लहर, सेहत रेखा या तरक्की रेखा हवा में उड़ती हुई आये और सिर रेखा और बोलने की आवाज तमाम हवाई घीजे बैठी हुई है) किस्मत रेखा का दरिया उर्ध्व रेखा या मच्छ रेखा का दरिया धन या श्रेष्ठ रेखा का दरिया वगैरा अपना अपना रास्ता बना सकते है यानि उन दरियाओं में से जिस दरिया कि पानी उस मैदान में होगा वही असरदार होगा। अगर किसी वजह से उसे मैदान में कोई भी दरिया न हो तो खाली रेगिस्तान या रेत का खुश्क समन्दर होगा। जिस रेत में किसी भी धातु की चमक न होगी। रेत की तर्बीयत का आदमी और निहायत ही थोड़ी गर्मी से आग बबूला और सर्दी ठंडा होने वाला होगा।

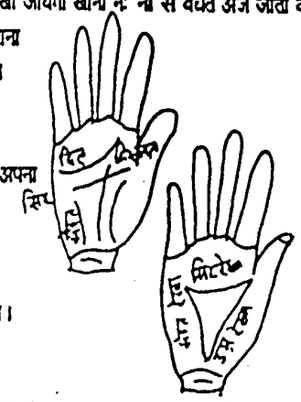

किस्मत की तरफ से उत्तम न होगा बुध के अरसा तक बगैर दौलत का तंगदस्त सा ही होगा। मंदी किस्मत वक्त 34 साल तक होगा। जो उसके 8.5 साल या 17 साल (बुध के अरसे का निस्फ या चौथाई) उम्र से शुरु हो सकता है। किस्मत का मंद भाग्य उसके अपने सिर की खराबियों का नतीजा होगा। खुद कमाई की बजाये दूसरों का मोहताज या कर्जा उठाकर आमदन खर्च करेगा मगर बचत नहीं गिनी जा सकती। इस मैदान या

मुसल्लस में चलने वाला दरिया या रेखा उस बरेली को दो हिस्सों में तकसीम करेगा। हाथ के दांये या अंगूठे की तरफ की मुसल्लस खर्च जाहिर करेगी और नेक हिस्सा या दुनियावी मदद से मुतल्लका होगी बाई तरफ या मंगल बद की तरफ को मुसल्लस चंद्र का नेक असर या बचत बनायेगी। इन दोनों मुसल्लसों का बाहमी क्षेत्रफल बचत और खर्च की औसत बतायेगा। यानि अगर कुल बड़ी मुसल्लस (त्रिकोण) के सारी आमदन एक रु फर्ज हो तो क्षेत्रफल के हिसाब से खर्च व बचत में अनुपात होगा।

खर्चे पर काबू पाना

1. बृहस्पत सूरज मुश्तरका नेक घर के या दोनों साथी ग्रह या दोनों जुदा जुदा कायम या दोनों जुदा जुदा अपने दोस्तों के साथ होवे
2. ऐसे ही सूरज बुध
3. बृहस्पत शनिच्चर
4. बुध शनिच्चर

बचत खुद बखुद होती ही जावे जरुर होवे अगर बड़ी त्रिकोण के तीनों कोने बंद हो तो बचत और खर्च बंधे हुये होंगे। या गिने जा सकते है या अपनी मर्जी के मुताबिक हदबंदी के लिये हिसाब किताब में लिखे लिखाये जा सकते है। मगर रुपया खर्च के रकबा से बचत के रकबा में नहीं बदला जा सकता। सिर्फ खर्च बचत का हिसाब रखकर खर्च शुदा व बाकी बचत की रकम मालूम की जा सकती है।

1. बुध बृहस्पत
2. शुक्र बृहस्पत
3. शनिच्चर सूरज मुश्तरका हो मगर साथी वगैरा न हो खर्चा ख्वामख्वाह होता जावे आमदन ख्वाह हो या न हो अगर बृहस्पत का साथ सूरज या शनिच्चर में से किसी को भी न मिले यानि सूरज या शनिच्चर दोनों में से कोई एक भी बृहस्पत की राशि या दोस्ती वगैरा के ताल्लुक में होवे खर्च व आमदन हमदूद होंगे। अगर खर्च घटावे तो आमदन खुद बखुद घटे बाकी बचत वही है जो मुकर्रर है।

अगर उच्च रेखा और सेहत रेखा के मिलने का कोना खुला ही होवे तो खर्च बचत का हिसाब किताब भी नहीं रख सकता या अगर खर्च कम कर दिया जावे तो आमदन भी खुद बखुद कम हो जावेगी।

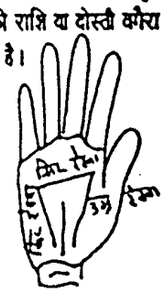

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

अगर सिर रेखा और संहत रेखा के मिलने वाली तरफ के कोने से वक्त होगा। →

अगर ऊपर खुला हुआ मैदान मानिन्द गढ़ा होगा तो किस्मत का दरिया साफ़ी और उम्दानी और खुद अपनी कमाई का खर्च वक्त होगा। वरना कर्जा कौरा से गुजारा करेगा। ऊपर लिखी हुई आमदन व खर्च जाति कमाई से होगी या कर्जा लाकर या किसी और ढंग से रुपया लेकर इस कर्जा से खर्चकर के बाकी कुछ बचा जायेगा। बंद मुट्ठी के अंदर के खानों के ग्रहों वाला या खाना नः 11 में कोई भी नर ग्रह वाला अपनी जाती कमाई से सब कुछ आमदन खर्च व वक्त करेगा। बाकियों के लिये यह शर्त न होगी। और जो उधार को कर्जा नहीं गिनते कर्जा वह होगा जो बाबे का लिया पोते तक मार करता चला जावे और बेबाक न होवे।

कर्जा और जायदाद जद्दी में इजाफा

हथेली की लम्बाई खाना नः 11 जिस कदर लम्बी होवे (नर ग्रहों से भरपूर) उसी कदर रुपैया पैसा उसके हाथ में आवेगा। और जिस कदर मध्यमा की लम्बाई खाना नः 2 हथेली से ज्यादा होवे (या रद्दी ग्रहों से भरपूर हो) उसी कदर रुपये को छोड़ने वाला या उसी कदर फिजूल खर्च हो जावे।

औसत जिंदगी

खाना नः 11 व खाना नः 12 की तफरीक (घटाव) का नतीजा होगा। कुंडली में 9 ग्रहों में से जितने ग्रह उम्दा (कायम या दुरुस्त कौरा) हो उतने हिस्सा नेक और जितने ग्रह मंदे उतना हिस्सा बुरा होगा। दोनों की तफरीक व आखिरी औसत का नतीजा फैसला होगा मसलन 9 ग्रहों से 6 अच्छे और 4 मंदे हों तो आमदन खर्च के लिहाज से एक बाकी दे जायेगा। 9+5 अच्छे ग्रह = 14-9-4 बुरे ग्रह = 5-14+5/2 तकसीम दो वास्ते दो की 19/2 की 9.5 खुद वक्त आखिरी। 12 राशि के लिये 19/2 को 12 पर तकसीम किया तो 19/2 गुण 1/2= 19/24 यानि अगर जन्म वक्त पर जायदाद जद्दी 2रु. थी तो आखिरी वक्त पर 19 रु की छोड़ कर जायेगा या यूं कहो कि जायदाद जद्दी का नतीजा उम्र के हर 35 साला चक्र में कर देगा। यानि 24 के लिये 19 पैदा करके 5 की कमी पेशी कर देगा। अगर किसी भी पितृ ऋण को अदा न करे, पितृ ऋण बजाते खुद राहू केतू की मंदी हालत या खाना नः 6 केतू नः12 राहु खाना नः 2 दोनों की बैठक और 8 पापी ग्रहों की बैठक में कोई भी मददगार न हो तो पितृ ऋण इसके जिम्मा न हो तो यही पांच की वक्त उम्र के हर 35 साला चक्र में कर जायेगा। और यह औसत जिंदगी होगी। महावारी आमदन न होगी। पितृ ऋण से मुराद महादशा का ग्रह भी होता है यानि अगर कोई ग्रह महादशा के मुकाबला में कोई भी बंद मुठी के अंदर के खानों में ग्रह या मुठी से बाहर कोई भी ऊंच घर का ग्रह मिल जाये या सिर्फ खाना नः 4 या चंद्र अकेला ही अच्छे हों तो महादशा की शर्त भी मनसूख होगी।

नेकी बदी का औसत

खाना नः 9 के ग्रह तोहफा जो दूसरों के लिये जन्म पर साथ लायेगा और खाना नः 2 के ग्रह तोशा जो आखिरी दम अपने साथ जायेगा।
अगर उंगलियां लम्बी लम्बी हों तो हाथ भी लम्बा होगा तो सर या कद भी लम्बा या बड़ा होगा तो खुश गुजरान होगा बशर्ते कि हथेली की लम्बाई मध्यमा की लम्बाई से ज्यादा होवे अगर हथेली में गहराई होवे तो खुद कमाई कर के खुश गुजरान होगा और अपने बाप की निस्बत मर्तबा बढ़ जायेगा और जायदाद में इजाफा करेगा और हथेली की लम्बाई मध्यमा से कम हो और हथेली में गहराई के बजाये उंचाई हो यानि हथेली बाहर को उभरी हो जिस पर पानी जमा न रह सकता हो (हाथ को खूब अकड़ा कर पता चल सकता है) तो बुजुर्गों की जायदाद खुर्द पुर्द कर जाने के इलावा, दूसरा भी कर्जा उठाकर खा पी कर बरबाद कर जायेगा। शनि पानी से भरे तालाब को उस की उह की मिट्टी भी उड़ाकर जायेगा। हथेली जिस कदर गढ़ेदार हो उसी कदर अपनी कमाई से आमद दौलत होवे और जिस कदर हथेली दरमयान से ऊंची ओर ऊपर को उभरी हुई होवे उसी कदर कर्जा या दूसरों का रुपया बदनियतबी करके ख्वाह किसी और तरह उड़ा कर ले आवेगा। यानि अगर गहरी हथेली की लम्बाई 5 हो तो 5 आमदन खुद कमाई की मध्यमा करीबन 3 जरूर कर देवे। तीन यानि बाकी दो जना छोड़ जावे। उभरी हथेली वाला बुजुर्गों की जायदाद खुर्द पुर्द कर जायेगा। यही 5 और 3 की औसत दोस्ती दुश्मनी अच्छे बुरे पहलू की होगी। गृहस्थ रेखा अगर सीधी अलिफ की मानिन्द खड़ी हो तो मकूल आमदनी होते हुये भी कर्जाई होगा।

[1] माली लेन देन साहूकारा

मित्र केतु बुध हवे बैठे - मर्द मदद खुदये पाता हो
शुक्र पापी की हालत देवे - मंगल चंद्र पर होती हो
खाली हटे से हर दो हालत - मंगल चन्द्र पर होती हो
गुरु रवि की रोशन हालत- शनि स्याही होती हो

[1] सूरज शुक्र राहु -

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

कुंडली में बंद मुट्ठी का अंदर का खाना नं: 1,4,7,10
हाथ की उंगलियां दो तर्जनी पांच अनामिका आठ कनिष्का 11 मध्यमा कुंडली का केन्द्र खाना नं:9
आकाश आसमान खाना नं: 12
पाताल खाना नं: 6 तीनों जमाने त्रिलोकी खाना नं: 3
कुदरत के साथ लाई हुई किस्मत का खजाना मुट्ठी के अंदर बंद किये हुये खानों यानि
खाना नं: 1 अपना जिस्म उंच सूरज की मुतल्लका अशिया कारोबार,मुतल्लका सूरज
खाना नं: 7 जायदाद उंच शनिच्चर की मुतल्लका अशिया,मुतल्लका सूरज
खाना नं: 4 धन उंच बृहस्पत की मुतल्लका अशिया,मुतल्लका सूरज
खाना नं: 10 खुराक उंच मंगल की मुतल्लका अशिया,मुतल्लका सूरज में होगा।
और जो हकीकी रिश्तेदारों से मिलेगा वह मुठी के बाहर के खानों में यानि
खाना नं: 3 भाई बंद ताये चाचे
खाना नं: 5 औलाद
खाना नं: 9 बाल्दैन बुर्जुगखानदानी
खाना नं: 11 जाति कमाई से मुतल्लका होगा और जो कुछ बाकी रिश्तेदारों से जो ले सकेगा वह खाना नं:2(ससुराल धर्म स्थान) खाना नं: 6 (जानदार साथियों की जाहिरा) व गैर्वा लड़के लड़कियों के रिश्तेदार या पैदाइश से पहले बाल्दैन के अपने रिश्तेदार (मामू नाना) और खाना नं: 12 (बेजान दुनियावी साथी आसमानी मदद) से मिलेगा। औलाद के जन्म दिन से बुढ़ापा और मरने पर उसके बाकी रहो हुओं का हाल 2,3,5,6 मुतल्लका होगा।

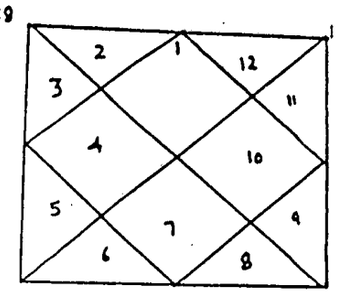

खाना नं: 6 आम बर्ताव मुतल्लका दुनिया व खुद साहूकारा कुंडली के खाना नं:6 से देखा जायेगा खाना नं:6 के मालिक ग्रहों का इस बात से कोई ताअल्लुक नहीं उस घर में उनके दोस्त ग्रह कुंडली वाले के मददगार और दुशमन ग्रह उसके विरुद्ध होंगे सिर और दिल रेखा की दरम्यानी आयताकार

(अ) सिर रेखा या बुध रेखा, दिल रेखा या चन्द्र रेखा बाहम दुशमन है। जिस कदर यह दोनों एक दूसरे के नजदीक होती जावे सिर और दिल की ताकतें आपस में दुश्मन होती जायेगी। यानि जिस कदर इन दोनों रेखाओं के दरम्यान का मैदान तंग होता जावे उस कदर ही वह ज्यादा तंगदिल इंसान होता जावे। यानि बुध की तासीर तेज और खराब आमेजश (मिलावट) वाली होती जायेगी। बुध मंगल और बृहस्पत दोनों का दुशमन है। इसलिये ऐसा आदमी आम दुनियावी लेन देन में तुर्श (खट्टा) सा बर्ताव करना शुरु कर देगा।

मंगल नेक की इंसाफ की तर्बीयत के बदले में बेइंसाफ और यक तरफा रियायत करने वाला होगा और बृहस्पत की मजहबी असर मुल्तसल (कट्टर) जाहिलाना हालत में जाहिर होगा। मंगल बद या भाई बंदो रिश्तेदारों वगैरा से भी नफरत करने वाला ही होना पायेगा। बहरहाल बर्ताव नेक न होगा अगर वह आयताकार बराबर हालत की बजाये(ब) सूरज के बुर्ज के नीचे ज्यादा चौड़ी होवे तो इज्जत और बेइज्जती में कोई फर्क ही ने जानेगा या उसके दिल पर गैरत और बेगैरती असर न करेगी।

(स) अगर सूरज के बुर्ज के नीचे ज्यादा तंग होवे तो तंगदिली की वजह से शर्म शर्माने में अपना ही नुक्सान करने वाला होगा।
बृहस्पत के नीचे ज्यादा चौड़ी होवे या शनिच्चर के नीचे ज्यादा चौड़ी हो तो दौलत व जायदाद को हरदम अर्जीज रखने वाला या बेहद कंजूस होगा।

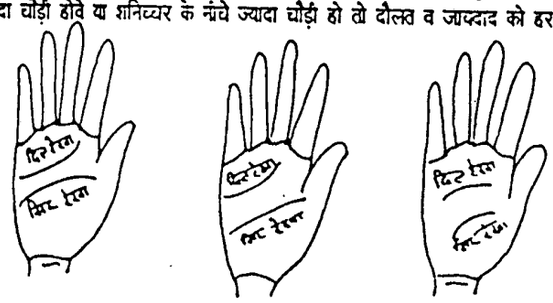

(द) बुध के नीचे मंगल बद के मुकाम पर ज्यादा चौड़ी होवे तो ज्यादा फर्राख दिली या बहुत ही सखी होने के सबब तबाह होवे। और नुक्सान करा ले।
(य) अगर बृहस्पत की तरफ से चलकर मंगल बुध की तरफ को दर्जा व दर्जा चौड़ी होती जावे तो दूसरों को दिया हुआ पैसा कभी वापिस न आवे। अव्वल तो वापिस करने वाला देने का नाम ही न लेवे। और अगर वह ईमानदार वापिस देने की नीयत वाला होगी तो वह बेचारा वापिस करने के काबिल ही न रहे।
(म) अगर मंगल बद की तरफ से बृहस्पत को चौड़ी होती जावे तो दिया हुआ पैसा जरुर वापिस आवे। साहूकारा उमदा होवे।

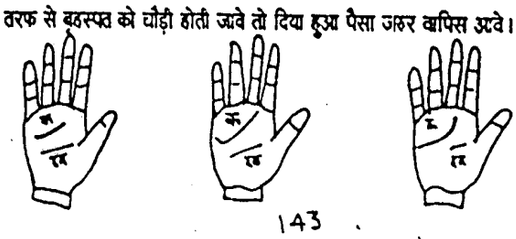

क. दिल रेखा
ख. सिर रेखा

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

औलाद (लड़की को औलाद नहीं गिनते)

चंद्र कुंडली का औलाद के बारे में कोई ताल्लुक न होगा यहां से औलाद का ताल्लुक बृहस्पत मसनूई हालत सूरज शुक्र मुश्तरका जिसमें रुह के आने जाने का ताल्लुक या पैदाईश औलाद मगर औलाद की जिंदगी कायम रखने या मौत हो जाने का कोई बंधन नहीं।

सूरज : मसनूई हालत शुक्र बुध मुश्तरका माता के पेट के अंधेरे में रोशनी दे देना या पैदा होने के बाद दुनिया में उनकी या उनसे वाल्दैन की किस्मत को रोशन करना खासकर बजरिये औलाद। अंधेरे घरों में चिराग रोशन करने की ताकत सेहत का मालिक

चन्द्र : मसनूई हालत बृहस्पत सूरज मुश्तरका उच्च धन दौलत और वाल्दैनी नेक ताल्लुक, वाल्दैनी खून नुत्फा का ताल्लुक (नर मादा हर दो औलाद का)

शुक्र : मसनूई हालत राहू केतू मुश्तरका, जिस्म या बुत की मिट्टी , गृहस्थी सुख औलाद की पैदाइश में मदद या खराबी, दुनियावी सुख मंगल सूरज बुध मुश्तरका (नेक)
सूरज शनिच्चर मुश्तरका (बद)
जिस्म में खून कायम रहने तक जिंदगी का नाम और दुनिया में औलाद औलाद और उनके आगे औलाद दर औलाद कायम रखकर बेलो की तरह बढ़ाना और उनका नाम या उनके नाम से सबका नाम बढ़ाना या दुनिया में नाम बाकी या पैदा कर देना। खुद कुंडली वाले में कुव्वते बाह से अलहदा बच्चा पैदा करने की ताकत जिस्म में जोर रुह बुत को इकट्ठा पकड़े रखने की हिम्मत।
बेल सब्जी की तरह औलाद जिन्दा रखने का मालिक बुध , मसनूई हालत, बृहस्पत राहू मुश्तरका, औलाद का रिश्तेदारों से ताल्लुक लड़कियां, लड़कियों की नस्लों को बढ़ाना खुद कुंडली वाले में कुव्वतेबाह खाली विषय की ताकत। कुंडली वाले और औलाद के लिये दूसरों के मिलने मिलाने के लिये मैदान खुला करना या खाली आकाश की तरह उन सबके लिये हर तरफ जगह खाली करके मैदान बढ़ा देना। इज्जत शोहरत शनिच्चर मसनूई हालत शुक्र बृहस्पत मुश्तरका (केतू स्वभाव)मंगल बुध मुश्तरका (राहू स्वभाव)
औलाद की पैदाईश के शुरु होने का वक्त , जायदादी ताल्लुक मौत के बहाने जहमत बीमारी।

राहू : मसनूई हालत मंगल शनिच्चर (ऊंच राहू)
सूरज शनिच्चर (नीच राहू)
बृहस्पत के असर के बखिलाफ होना या बृहस्पत को चुप कराना रुह का आना जाना बंद कराना या मौते या बहुत देर तक पैदाईश औलाद को रोक देना या दीगर गैबी और छुपी छिपाई खराबियां। या पांव तले भूचाल पैदा करना मगर लड़कियों की मदद करता है झगड़े फसाद

Free by Astrostudents

चन्द्र शनिच्चर (नीच केतू)
औलाद की खुशहाली फलना फूलना मगर औलाद की तादाद में कमी का अंक रखना। मौतें करके औलाद घटाने से मुराद नहीं।
वैसे ही औलाद गिनती ही की होगी। या बहुत देर बाद होगी लेकिन जो होगी या जब होगी या जब होगी उम्दा और मुकम्मल होगी बशर्ते कि उसके दुशमन ग्रह की दृष्टि न हो केतू पर।
खुद कुंडली वाले में बुध की कुव्वते बाह और मंगल के खून से बच्चा पैदा करने की ताकत और बृहस्पत की औलाद की पैदाईश तीनों के इकट्ठा करके रखने वाली ताकत नुत्फा या नुत्फा की बुनियाद को नरमादा में मिलाने वाली तूफानी हवा या गंदी नाली होगी। यही तीन ग्रह केतू की तीन टांगे है। जिनकी वजह से शुक्र का बीज कहलाता है। अगर कुण्डली वाले को जो ग्रह रद्दी का मालिक बृहस्पत केतू खाह ऊंच उम्दा या नेक घरों में ही क्यों न बैठा हो मंदा फल देगा।

पैदाइश औलाद

शुक्र मंगल बुध केतू राजा- शनि भी शामिल होता है
पहले पांचवे नर ग्रह चन्द्र- मंगल दूजे केतू 11 हो
1. जनम वक्त औलाद को होगा - जिन्दा पैदा जो होती हो | 2
बुध लड़की न केतू लड़का देता गिनती भले पर होती हो ' 4.
केतू बैठा घर 11 देवे -गुरु चन्द्र आया घर पांचवे हो
औलादमंदी या देरी होवे - लाश पैदा या मुर्दा हो ' 5. | 3.
शुक्र रवि राहू / केतू शनि बुध उम्दा देवे - बैठे 5,3,11 हो
वक्त पैदाइश लड़का होवे - लेख उच्च इस लग्न हो | 6.
केतू कायम तो लड़के कायम -चौथे केतू पर देता हो
छटे चन्द्र दे कन्या ज्यादा- चौथे केतू पर देता हो

2 वर्षफल के अनुसार चंद्र नष्ट तो औलाद जरुर नष्ट होगी 3 वक्त पैदाइश से तकरीबन 40 या 43 दिन पहले रात को औरत के सिरहाने मूली रखकर सुबह वह मूली धर्मस्थान पंडुवा दिया करे 4 बुध और केतू में से जो भी उम्दा हालत का हो लड़के या लड़की का फैसला उसी से होगा। 5 सूरज चन्द्र बृ शनिच्चर नं 5 तो लड़का होगा 6 केतू उम्दा तो औलाद उम्दा राहू मंदा तो औलाद मन्दी।

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

वक्त औलाद

i खाना नं 5 मन्दे ग्रहों से अगर रद्दी न हो रहा हो तो औलाद की पैदाईश उमदा वरना औलाद के विघ्न होंगे।

ii केतू खाना नं 2,5,7,1 शनिव्वर नं 1,11 (जब बैठसियत पापी ग्रह न बैठा हो) बगैर दीगर शर्त औलाद का योग देंगे

iii बुध जब शुक्र का दोस्त मददगार हो तो लड़का वरना लड़की होगी।

वर्षफल के अनुसार जब मंगल या शुक्र या केतू या बुध में से कोई तख्त यानि नं 1 में आ जावे या शनिव्वर भी शामिल हो जावे या चन्द्र या नर ग्रह नं 5,1 में आ जावे या अकेला केतू नं 11 में हो जावे या मंगल का वक्त और साथ बहिसाब दरम्यानी ग्रह और खाना नं 2 में मंगल शुक्र केतू बुध के मददगार ग्रहों की हालत हो तो औलाद और नर औलाद होगी। दरअसल मुतल्लका ग्रहों व उंचफल देने वाले ग्रहों के असर का वक्त औलाद होने का वक्त होगा। नीच ग्रह (औलाद के खिलाफ रेखा)का असर जरुर देखना पड़ेगा। यानि देखें कि खुद केतू वर्षफल के अनुसार औलाद का वक्त हो।

1. लड़के देंगे शुक्र के दोस्त ग्रह यानि शनिव्वर केतू बुध मगर खुद शुक्र नहीं जब वह उमदा होगा 3,5,11 में हो जावे।

2. लड़कियां देंगे बुध या बुध के दोस्त (सूरज शुक्र राहू) जब वह उमदा हो या 3,5,11 में हो जावे।

बृहस्पत कायम तो सब औलाद कायम केतू कायम तो सब लड़के कायम, राहू कायम, राहू कायम तो सब लड़कियां कायम बशर्ते कि ग्रहों पर उनके दुशमन ग्रहों की दृष्टि न पड़ रही हो।

चन्द्र नं 6 तो सब लड़कियां हों केतू नं 4 तो सब लड़के हों। मगर वह आपस में साथी ग्रह न बन रहे हों। चन्द्र केतू इकट्ठे लड़के लड़कियां बराबर

1 बृहस्पत के सीधे खड़े खत बुध के बुर्ज पर शादी रेखा के उपर औलाद की कुल तादाद जाहिर करते हैं। यही खत दायें हाथ के अंगूठे की जड़ में मर्द के ताल्लुक से औलाद और बांये अंगूठे की जड़ में औरत की औलाद। मंगल बद के बुर्ज के किनारे मददगार औलाद और चन्द्र के बुर्ज के किनारे उम्र यानि औलाद जाहिरा करते हैं।

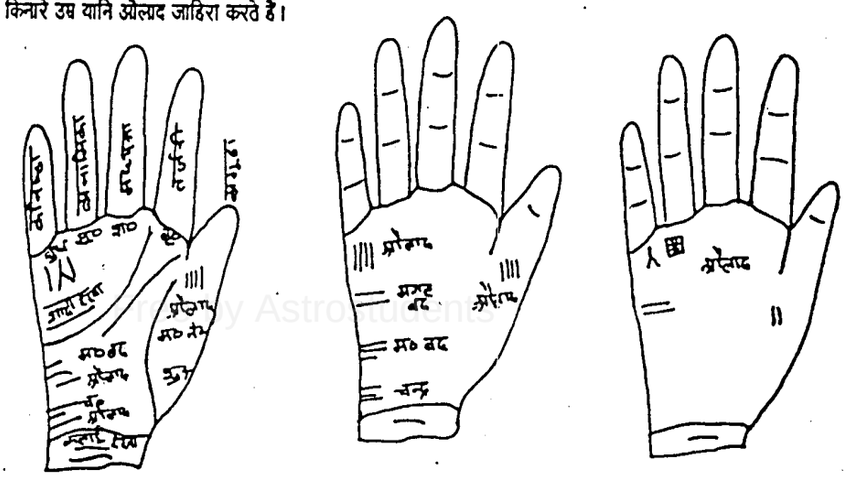

2. शादी रेखा के ऊपर निहायत बारीक सीधा खत लड़के और दो शाखी लकीरें लड़कियां। यही असूल पर मादा औलाद देखने के लिये हर बुर्ज पर होगा, साफ व दुरुस्त और सही खत कायम औलाद और मद्धम और कटे हुये खत भर जावे वाली औलाद जाहिर करते हैं।

3. कलाई की रेखा अगर हथेली के अंदर घुस आवे और अन्दरूनी शरारत की रेखा की मानिन्द शक्ल होवे या औरत की पिंडलियां मोटी हों औलाद कम होने या न होने या दीगर रुकावट औलाद या औलाद के मर जाने का भय और शक होगा। उसके साथ ही (यानि कलाई की रेखा का हथेली में घुस आना) अगर शुक्र का बुर्ज की बहुत बड़ा होवे तो लाकल्दी (औलाद न होने या न रहने) की पूरी निशानी है। ऊपर के ओर सामने के दांत अगर टूटे हुये हों तो औलाद 34साला उम्र के बाद होगी।

4. अंगूठे की जड़ में सीधे खड़े बृहस्पत या असर या औलाद जाहिर करते हैं। दांये अंगूठे की जड़ में औरत की औलाद जाहिर होगी जरूरी नहीं है कि ऐसी औलाद मर्द की अपनी औरत से हो या औरत की अपने मर्द के ताल्लुक से हो। लड़की पैदा होने का भेद जाहिर कर देना। बाज औकात बाई से गुनाहगारी भी हो सकता है क्योंकि हो सकता है कि किसी को लड़की की ख्वाहिश न हो और पता लग जावे कि अब लड़की पैदा होगी ऐसी हालत में बेफकूफ नास्तिक हमल ही कराने का ढ़ंग पकड़े या हो सकता है जो अब गलती से देखा जावे जिसकी वजह से बच्चे की माता के पेट में लापरवाही हो जावे इसलिये यह भेद किसी को जाहिर न किया जावे।

औरत के पांव में (दोनो पांव इकट्ठे) जिस कदर चक्र या पदम साफ गहरे जब या पांव की हथेली पर हो उसी कदर लड़के होंगे। जिस कदर चक्कर या पदम नरम व बारीक लकीर के हों उसी कदर लड़कियां भी होंगी।

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

तादाद औलाद :

शुक्र या बुध दोनों मुश्तरका से जितने दूर पर बृहस्पत हो यानि जितने दरम्यानी घर हों उसके बराबर

कायम रहने वाली तादाद औलाद अमूमन होगी कम से कम जिस में से नर मादा की तफ्सील जुदा जुदा देख लेंगे। लड़की या साहिबे औलाद होने की शर्त साथ होगी। अगर शुक्र बुध और बृहस्पत या कोई दो मुश्तरका ही हो तो कुंडली के जिसे खाने में मुश्तरका हो वहां से चल कर जितने घर आखिरी नयर पर उनमें से किसी भी एक का पक्का घर या घर की राशि उस नंबर तक इन तीनों की हटयंदी होगी। मसलन तीनों इकट्ठे हो खाना नं 5 में तो खाना नं 12 दूसरी हद होगी यानि दरम्यान में छ घर खाली होंगे। केतु नं 9 में हो तो ज्यादा से ज्यादा तीन मर जाने पर तीन और कम से कम छ नर औलाद जरूर होगी बशर्ते कि नर ग्रह बृहस्पत सूरज या मंगल कायम ठंच या उमदा होवे। शनिच्चर नं 5,48 साला उम्र तक सिर्फ एक लड़का कायम। अगर अपनी कमाई से कोई नया मकान न बनावे। लेकिन अगर नर ग्रह कायम हो तो औलाद बरबाद न होगी। शनिच्चर व मसनूई शनिच्चर मुश्तरका हालत में होने से औलाद की दो रंगी होगी यानि जिस टेवे में शनिच्चर के इलावा मसनूई शनिच्च भी हो मसलन शुक्र बृहस्पत मुश्तरका केतु स्वभाव शनिच्चर मसनूई तो औलाद बहुत ज्यादा और कायम होगी लेकिन जब जब मंगल बुध मुश्तरका मसनूई शनि राहु के मन्दे स्वभाव का होवे तो औलाद माता के पेट में ही बरबाद होती जावे। ऐसी हालत में अगर बृहस्पत चन्द्र या सूरज नेक या उमदा हो तो शनिच्चर की 36 साला उम्र से औलाद कायम होगी। लेकिन अगर ऐसी मदद न मिले तो केतु का जाती फैसला जन्म कुंडली के बैठ होवे के हिसाब से बहाल होगा। अगर केतु भी मन्दा हो तो शुक्र का आखिरी फैसला होगा। चन्द्र केतु नं 5 नर औलाद कम से कम 5 होगी। कायम राहु नं 11 लड़कियां 5 कायम बशर्ते कि शनिच्चर नीच मन्दा या नं 6 में न हो राहु नं 9, 21 सालउ उम्र से 42 तक सिर्फ एक लड़का कायम इसके बाद तीन ज्यादा से ज्यादा कम से कम दो लड़के कायम राहु नं 5 निहायत मन्दा ग्रह वास्ते औलाद अगर चन्द्र या सूरज साथ साथी या मुश्तरका दीवार के खानों नं 6, 4 में न हो। शनिच्चर नं 7 लड़के कम से कम बशर्ते कि राहु नं 11 में न हो या पर ग्रह मन्दे न हो।

वाल्दैन व औलाद का बाहमी ताल्लुक

(शनिच्चर नं 3 सूरज नं 5 औलाद से दुखिया होगी। 1, 2, 3, 4 हद बारह घरों तरतीब से अगर कुंडली।)

पहले घरों में	दरम्यान में	आखिर या बाद में होंगे	तो क्या असर होगा
दृष्टि बृहस्पत	"	बुध	पैदायश औलाद जरूरी होगी बुध के वक्त से वालिद
बुध	"	बृहस्पत	दुखिया बरबाद या खत्म ही होगा
बुध बृहस्पत	बिल्मुकाबिल	हो जावे	लड़कियां जरूर कायम लड़कों की शर्त नहीं
बुध मंगल	बृहस्पत	बुध	औलाद नर कायम
अकेले मंगल	बुध	बृहस्पत	औलाद नर कायम
अकेले बृहस्पत	मंगल	बुध	औलाद नर कायम
बृहस्पत	बुध	मंगल	औलाद मादा कायम
बुध	बृहस्पत	मंगल	औलाद मादा कायम
• •	मंगल	बृहस्पत	औलाद मादा कायम
मुश्तरका मंगल बृ	• •	बुध	मुश्तरका औलाद लड़के लड़कियां कायम
बृहस्पत	• •	मंगल बुध	लड़की कायम, वालिद दुखिया
मुश्तरका मंगल बुध	• •	बृहस्पत	" " " "
मंगल	• •	बुध बृहस्पत	" " " "
बुध	• •	मंगल बृहस्पत	औलाद व बाप दोनों दुखिया

जन्म कुंडली में अगर सूरज के साथ उसके दोस्त ग्रह बैठे हो तो वह शख्स अपने बाप से उम्दा हालत का होगा। लेकिन अगर सूरज के साथ दुश्मन ग्रह बैठे हो तो ऐसे शख्स की औलाद उससे मन्दी हालत की होगी।

औलाद का वाल्दैन का सुख

(1) बृहस्पत, चन्द्र (1)

माता पिता की मौत इकट्ठी - शत्रु मित्रा कोई साथी हो

पहले बैठे का बाद में लेती - बाद बैठा मौत पहले हो

बृहस्पत और चन्द्र अकेले अकेले बैठ होने के वक्त अगर टेवे में चन्द्र पहले हो तो माता की उम्र लम्बी होगी वरना पिता लम्बी उम्र भोगेगा गर्ज कि चन्द्र और बृहस्पत में से जिसके साथ दुश्मन ग्रहा होगा इसका मुतल्लका रिश्तेदार (चन्द्र माता, सास बृहस्पत पिता बाबा) औरत के टेवे में औरत का ससुर पहले मरे। जन्म कुंडली के खाना नं 1, 3, 5 के ग्रहों की अच्छी या मन्दी हालत से जाहिर हो जाएगा मुआवन रेखा अगर सही और दुरस्त हो तो औलाद का सुख कमीनी हो औरत के पेट और छाती पर बाल हो तो वह अपने पहले लड़के का सुख (पहली औलाद लड़का) जरूर भोगेगी और इन बालों भंवर (चक्कर गोल दायरा सा हो तो) पहली औलाद लड़का ही होगा। मर्द के दाएं पांव का अंगूठा अगर छोटा और उसी पांव की बर्जनी उंगली बड़ी हो तो वह शख्स अपने पहले लड़के का सुख न भोगेगा यह मतलब नहीं कि पहला लड़का मर ही जावेगा। सिर्फ बाहमी सुख दुख देने का मतलब है और अगर अंगूठा व तर्जनी या कनिष्ठका व अनामिका बराबर हो तो भी औलाद का सुख शक्की होगा। जन्म कुंडली के हिसाब से सूरज हो खाना नं 6 में और शनिच्चर हो खाना नं 12 में तो औरत पर औरत मरती जावे या मां बच्चों का ताल्लुक ही न देखे। या सुख से पहले चलती जावे। बुध मारता होवे बृहस्पत को या बुध बृहस्पत के घरों में या बृहस्पत के साथ हो तो बच्चे पिता पर भारी (दुखिया मौत का समय होगे)

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

साहिबे औलाद दर औलाद होगा

गुरु शुक्र बुध शनि रवि से - ऊंच कायम कोई उमदा हो
पांते पड़पांते पुश्तों बढ़ते - उच्च लक्ष्मी सब सुखि हो।
पांच पहले तीन ग्रह जब उमदा - औलाद सुखी सुख पाता हो। [1]
संहत दौलत धन आयु सब का - नेक भला और उमदा हो
धन आयु औलाद इकट्ठे - सुख और का पूरा हो

[1] नोट - जब तक बृहस्पत उमदा औलाद सुखिया होगी।

लावल्द कभी न होगा

दूजे छठे जब शुक्र जागे - मदद गुरु रवि पाता हो
मच्छ रेखा परिवार काबिले - औलाद दौलत सब उमदा हो
छठे रवि घर बारह होते - साथी मंगल बुध बनता हो
तीन राहु घर दोस्त बदले - लावल्द कभी न होता हो

कौन ग्रह	किस खाना में हो	और उसका दोस्त	किस खाना नं. में हो	ब्यौरा
बृहस्पत	3, 8	मंगल	2, 5, 9 12	
बृहस्पत	1, 5	सूरज	2, 5, 9, 12	
बृहस्पत	4	चन्द्र	2, 5, 9, 12	
सूरज	3, 8	मंगल	1, 5	तो लावल्द कभी न होगा
सूरज	6, 7	बुध	1, 5	
सूरज	4	चन्द्र	1, 5	
चन्द्र	3, 8	मंगल	4	
चन्द्र	4	मंगल	3, 8	
शुक्र	6, 7	बुध	2, 7	
शुक्र	8, 10	शनिच्चर	2, 7	
शुक्र	6	केतु	2, 7	
बुध	12	राहु	6, 7	
बुध	8, 10	शनिच्चर	6, 7	
शनिच्चर	12	राहु	8, 10	
राहु और दुश्मन	6	केतु	12	

Page by AstroStudents

लावल्द ही होगा

बुध मंगल जब राजा देवे - शुक्र मंगल बुध नष्टी हो [1]
शुक्र केतु चन्द्र
गुरु शुक्र घर सातवे बैठे - माता चन्द्र 8 बैठी हो
चन्द्र शुक्र हो मुकाबिल बैठे - शत्रु साथ या पापी हो
छठे कुर्स घर कायम होते - देवा शाक्की लावल्दी हो
शुक्र राहु घर पांचवा पाते - कन्या कायम इक होती हो
चन्द्र केतु हो 11 बैठे - निशानी लावल्दी होती हो

1. ऊपर के जबाड़े के सामने के तीन दांत खत्म हो गये हो तो बुध नष्ट हो चुका होगा

हिजड़ा मर्द

सात शनि हो चन्द्र पहले - 5 शुक्र रवि चौथे हो
चार ग्रह औलाद न फलते - हिजड़े मर्द न होते जो

बांझ औरत

शुक्र दूसरे छठे बैठा - बुध मंगल न साथी हो
शनि मिले न साथ गुरु का - आठ दृष्टि खाली दो
बांझ औरत वह सुसरा होगी - औलाद नरीना किती हो
बाकी सिफत सब उमदा उसकी - उत्तम लक्ष्मी होती हो

[1] ऊपर के जबड़े के सामने के तीन दांत खत्म हो गये हो तो बुध नष्ट हो चुका होगा।

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

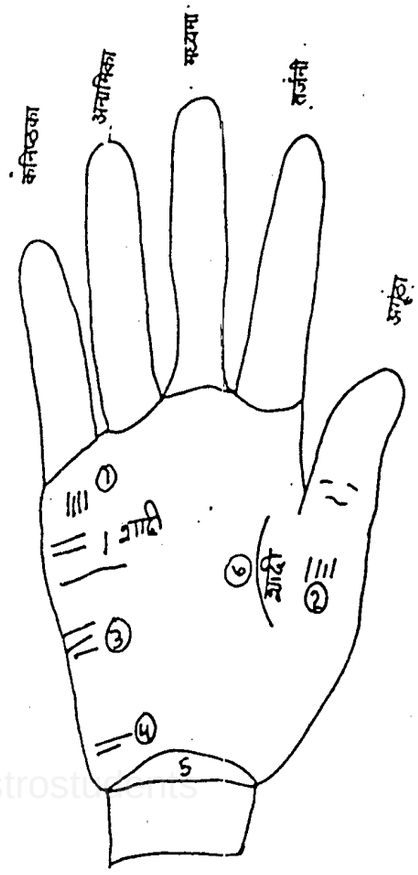

Free by Astrostudents

कुल औलाद

1. दायां अगूंठा मर्द की औलाद
2. बायां अगूंठा औरत की औलद
3. मददगार नेक औलाद
4. वक्त रहलत पास मौजूद होने वाली औलाद
5. औलाद के विघ्न
6. औलाद दर औलाद सब जिन्दा
(i) मोर के अण्डे मुर्गी के नीचे की तरह की औलाद
(ii) कोयल के अण्डे कौए के नीचे की तरह के औलाद

साहिबे औलाद

(बाल बच्चों व कबीले परिवार वाला होगा) कुंडली वाले के लिए

1. बृहस्पत सूरज शुक्र बुध शनिच्चर सब कायम या
2. सिर्फ बृहस्पत या सूरज कायम या दोनों ही कायम या
3. मंगल होवे शुक्र या बुध के पक्के घर या उनकी राशियों में और दृष्टि के साथ खाने वाली हो या
4 मंगल हर तरह से कायम और नेक होवे या
5. मंगल हो बुध शुक्र राहु के साथ उनके पक्के घर या उनकी राशियों में और शनिच्चर हो सूरज चन्द्र बृहस्पत के साथ उनके पक्के घर या उनकी राशियों में तो साहिबे औलाद होगा मगर जब
6. जब मंगल शनिच्चर मुरतरका हो तो सुद अपनी औलाद तो उमदा माकूल तादाद और नेक होवे अगर पोते देर बाद या कम हो पोतियें (लड़को की लड़कियां) की शर्त नहीं।

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

क्याफा : गृहस्थ रेखा अगर बहरी सालम समदार और शुक्र के बर्जु में अंगूठे की तरफ झुकी हुई तो वह शख्स बड़ा ही आकलदार, जायदाद हलकी मगर दौलतमन्द, साहिबे इज्जत और आसूदा हाल होगा। दुनिया, बच्ची और औलाद का सुख भोगेगा और अपर गृहस्थ रेखाऊपर की तरफ दिल रेखा को काटकर मध्यमा तक चली जावे तो अपनी औलाद के इलावाऔलाद की औलाद या पोते पड़ पोते वाला होगा। और बड़ा ही कबीले वाला (अपने तुख्मदर तुख्म से पैदाशुदा) और सुखी होगा। पांव की उंगलियां अगर बिल तरतीब एक से दूसरीबड़ती जावे तो साहिबे औलाद या ज्यादा औलाद वाला होगा। नर ग्रह मय चन्द्र औलाद की उम्र लम्बी या औलाद को कायम और आबाद करते हैं। खाना न 5 में पापी ग्रहों या केतु से औलाद बरबाद होगी लेकिन खाना नः 1 का ग्रह अपने दिन की औलाद को जरूर कायम रखेगा।

ख्वाह वह नः 5 वाले का दोस्त हो या दुश्मन। फर्जन खाना नः 5 में शनिच्चर और खाना नः 9 में मंगल हो तो मंगलवार के दिन वाली नर औलाद जरूर कायम रहेगी, राहु नः 9 और केतु नः 5 वीरवार पक्की शामवाली और औलाद कायम रहेगी। केतु नः 9 और राह नः 5 इतवार की सुबह सादिक वाली औलाद कायम रहेगी। शुक्र व बुध व दोनों मुश्तरका का खाना नः 5 में होने से, औलद पर कोई बुरा असर न होगा। लेकिन अगर दोनों या दोनो में कोई एक नः 9 में हो तो औलाद नर पर मन्दा असर जरूर होगा। अपने दुश्मन ग्रह (सूरज या चन्द्र या बृहस्पत मय राहु या केतु) जब नः 5 या नः 5 में हो तो औलाद बरबाद और नष्ट होगी।

शुक्र बुध मंगल तीनों खाना नः 3 दृष्टि का घर खाली हो खाना नः 11 या नः 2 शुक्र बुध मय राहु या केतु खाना नः 7 शादी और औलाद में गड़बड़ होगी। खाना नः 5 या नः 9 में या नः 3 में या नः 9 में बृहस्पत या सूरज के दुश्मन ग्रह हो तो या मंगल खाना नः 4 या पापी ग्रह नः 9 में या राहु बुध नः 1 या केतु शुक्र नः 1 या राहु अकेला खाना नः 9 औलाद के विघ्न (मौतें) करावां होगी। शुक्र केतु खाना नः 1 में मंगल खाना नः 4 में औलाद के विघ्न पापी ग्रह तीनों या कोई एक नः 5 या नः 9 में मंगल खाना नः 4 में औलाद के विघ्न।

सूरज हो खाना नः 6 में और मंगल और खाना नः 10 या 11 में तो लड़के पर लड़का मरता जावे। चन्द्र नष्ट या बरबाद हो तो औलाद जरूर नष्ट होगी।

(नर मादा बच्चों की तमीज नहीं) मगर लावल्द होने की शर्त न होगी। जिस टेवे में शनिच्चर या मसनूई शनिच्चर (मंगल बुध मुश्तरका राहु स्वभाव) हो औलाद जरूर बरबाद होगी। छोटी उम्र में सूरज नः 12 में हो या मंगल बुध साथी ग्रह ख्वाह खुद दोनों बाहम साथी ग्रह हो या दोनों ही एक दूसरे के दोस्तों के घर या राशि में बैठे जावे या दोनों बाहम मुश्तरका ही हो जावे मगर बिलमुकाबिल हो या सूरज नः 12 में हो तो कभी लावल्द न होगा। बृहस्पत शुक्र नः 7 चन्द्र मंगल नष्ट बहुत बड़ा बृहस्पत और नर्म हाथ का बृहस्पत शुक्र का काम देता है मगर बहुत बड़ा शुक्र औलाद से महरूम रखता है या लावल्द होगा। शुक्र केतु मुश्तरका खाना नः 1 में और बुध नष्ट हो (सामने के दांत खत्म) या चन्द्र शुक्र बाहम बिलमुकाबिल और पापी या दुश्मन घरों का साथ हो जावे या चन्द्र नः 8 और छोटे हुए कुर्ब का साथ हो लावल्द होगा। औरत की पुश्त (पीठ) पाए (पांव की पीठ) अगर बहुत ही बड़ी हो तो लावल्द या बांझ होगी। शुक्र हो खाना नः 2, 6 में दृष्टि या साथी वगैरा हो जाने के सब ही घर खाली हो यानि खाना नः 2 या 6 का शुक्र हर तरह से अकेला हो औरत बांझ या नाकाबिल औलाद होगी। चन्द्र हो खाना नः 1 शनिच्चर खाना नः 7 सूरज नः 4 शुक्र नः 5 नामर्द होगा।

महकमें

ग्रह	महकमा मुतल्लका	महावारी रु. पैसे
बृहस्पत	हवाई, उपदेश, कानून (चन्द्र) बृहस्पत	11.00
सूरज	सरकारी हिसाब किताब (कलम बुध)	10. 00
चन्द्र	तालीम, खजाना बहरी	9. 00
शुक्र	कृषि, पशुधन, गृहस्थी कारोबार	6. 00
मंगल	जंगी इंतजामिया, आम पब्लिक का वास्ता	7. 50
बुध	व्यापारी, दलाली, सट्टा, नस्वां (लड़कियां)	3.00
शनि	इमारतें, मशीनरी, डाक्टरी, रेलवे, लोहा लक्कड़	10. 50
राहु	बिजली, पुलिस (खुफिया) जेलखाने	8. 00
केतु	बयगान, मुसाफिरी, सलाहकारी (बच्चे)	5.00

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

अ. अरसा कमाई (जाती कमाई शुरू करने के दिन से) x कीमत ग्रह या
ब. उम्र गुजरान का साल जब (चन्द्र उमदा) x कीमत ग्रह
नोट : यह रकमें कोई ऐसी नहीं जो किसी खास कानून या हदबन्दी के नीचे रहें। यानि जरूरी नहीं कि हर एक शख्स की आमदन ग्रहों के सामने दी हुई रकमों के मुताबिक हो। हो मगर अमूमन यह औसत जवाब हुआ करते हैं। बात का पूरा फैसला किस्मत के ग्रह और बाकी मददगार ग्रहों की हैसियत और हालत हुआ करती है।

कलम की स्याही

PEN	FILLED WITH RED INK	FILLED WITH BLUE INK	FILLED GREEN INK
WITH GOLDEN COLOUR CAP WITH BARREL RED COLOUR	खुद मुकाबिला के लिए गैरत मन्द, शरारत का माकूल जवाब देने की हिम्मत का मालिक सूरज मंगल बुध	एक ही लाखों के मुकाबिल का मन्दे घरों का भी उमदा फल सूरज बुध शनिच्चर	———
Yellow Pen (GOLDEN)	मंगल बृहस्पत उत्तम शहाना नतीजे	साधारण, फकीराना नतीजे	———
Green PEN	मंगल बुध शेर के दांत शहद में रेत मुसीबत में मददगार, मगर खांड और जहर मुश्तरका	उमदा तो सफेद हाथी निहायत उत्तम फल करना जेलखाना या पागल खाना नसीब हो बुध राहु	उत्तम बुध विद्याता की तालीम
Red pen	उत्तम	साधारण मगर उत्तम	मनहूस
Black pen	मनहूस	उमदा	उमदा
दो रंगी कलम लाल रंग के साथ	उत्तम सुख बुध	बुध राहु झक्की	बुध उत्तम
दो रंगी लाल रंग का साथ न हो	मनहूस मंगल केतु	राहु केतु मनहूस	गरीबानी

Free by Astro Students

सफर का हुक्मनामा -

दरियाई सफर का मालिक चन्द्र, हवाई सफर का मालिक बृहस्पत और खुश्की का निगरान शुक्र मगर सब ही सफरों का हुक्म नाम जारी करने करवाने वाला गुरु केतु होगा। इसलिए हर एक किस्म के जुदा-जुदा सफर के लिए ग्रह मुश्तरका का भी ख्याल रहे।

चन्द्र की सफर रेखा

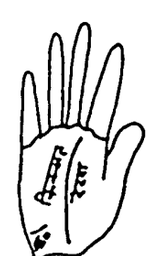

मामूली सफर क्याफा :

1. चन्द्रमा को सफेद रंग घोड़ा तसव्वुर किया है जो दरअसल दरियाई या समुन्दी कहलाता है और समुन्दर चांद की चांदनी की तरह दम के दम में फिराता है। मगर खुश्की या शुक्र के घर से दुश्मनी करता है और ठोकरें मारता है।

2. जब चन्द्र के बुर्ज पर शुक्र रेखा वाकया हो तो खुश्की या शुक्र के ताल्लुक के सफर अमूमन होंगे या चन्द्र के पांव को खुश्की का चक्कर लगा रहेगा। चन्द्र खुद हमेशा सफर में रहता है और शुक्र तो दुश्मनी नहीं करता मगर चन्द्र ही दुश्मनी करता है। इसलिए चन्द्र का सफर खुद अपने लिए कभी नुकसान न देगा। मगर सफर जरूर दरपेश रहेगा और अमूमन खुश्की का होगा।

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

3. जरूरी सफर जब चन्द्र के वर्जु पर सूरज रेखा या सीधा खत बृहस्पत का वाक्य होवे और उसक स्व सूरज की तरफ होवे तो ऐसा सफर समुन्द्र पार या निहायत जरूरी सफर होगा। जिसमें राजदरबार के निहायत जरूरी काम मुतल्लक होंगे अगर उस खत का स्व बुध की तरफ होवे तो तिजारती कारोबार में बेमवहा मुनाफा होगा (बुध से मिले हुए का जिक्र जुदा है) ऐसे खत से सफर का नेक असर उसी हालत में गिना है जब वह खत सिर्फ चन्द्र के वर्जु की हद के अंदर ही अंदर होवे और उपर सूरज या बुध न मिले वरना शादी व औलाद का असर उल्ट होगा।
चूंकि कि यह खत सिर्फ बुध और सूरज का ही स्व करता नेक गिना है। इसलिए उससे दूसरे कामों के सफर के नतीजे का ताल्लुक नहीं लेते। बाकी तरफ के स्व से बाकी वर्जों के ताल्लुक का असर होगा।

सौ दिन की मियाद तक का सफर कोई सफर नहीं गिना जाता ।

निम्नलिखित हालत में किया हुआ सफर मन्दे नतीजे देगा।

बरोज (दिन)	बतरफ दिशा से	खासकर वर्षफल के अनुसार जब ग्रह हो
मंगल वार, बुध वार	उत्तर →	नः 6 में केतु मंगल केतु या बुध केतु हो
शुक्र, इतवार	पश्चिम →	नः 10, 11 केतु सूरज या शुक्र केतु हो
सोमवार, शनिच्चर	पूर्व →	नः 1 5 केतु चन्द्र केतु या शनि केतु हो
वीरवार	दक्षिण	नः 3 केतु या बृहस्पत केतु हो

वर्षफल के अनुसार जब चन्द्र या केतु अच्छे घरों में हो या केतु पहले घरों में हो और चन्द्र होवे केतु के बाद वाले (साथी दीवार) घर में तो सफर कभी अपनी मर्जी के खिलाफ न होगा और न ही कोई मन्दा नतीजा देगा बशर्ते कि चन्द्र खुद रद्दी न हो रहा हो। सफर का फैसला अमूमन केतु के बैठा होने वाले घर (वर्षफल के अनुसार) के मुताबिक होगा। यानि जब केतु बैठा होवे -

केतु घर में हो:

1. अपने आप को सफर के लिए तैयार रखो और बिस्तर तक बांध लो। हुक्मनामा बेशक हो चुका मगर आखीर पर सफर न होगा। अगर हो भी जावे तो दोबारा वापिस आना पड़ेगा सौ दिन के अंदर तक। आरजी तौर पर बाहर रहने का सफर हो सकता है। खासकर जब खाना नः 7 खाली हो।
2. तरक्की पाकर आसूदा हाल में सफर होगा। होगी तो दोनों बातें होगी (तरक्की और सफर) वरना एक न होगी। जब तक नः 8 का मन्दा असर शमिल न हो।
3. भाईबन्दो से दूर परदेस की जिंदगी होगी। जब नः 3 सोया हुआ हो।
4. अव्वल तो सफर न होगा और अगर होगा तो माता बैठी होने वाले शहर या माता के चरणों तक होगा। फिर भी होगा तो न ही मुकाम की तब्दीली और न ही सफर कभी मन्दा होगा। जब तक खाना नः 10 मन्दा न हो।
5. मुकाम या शहर की तब्दीली तो कभी देखनी नहीं गई। मगर अन्दरुन मुहकमा या शहर घर कमरा की तब्दीली हो जावे तो बेशक बहरहाल नतीजा मन्दा न होगा जब तक बृहस्पत नेक हो।
6. सफर का हुक्मनामा हो या कर तब्दीली शहर का हुक्म एक दफा तो जरूर मन्सूख होगा जब केतु जागता हो।
7. जद्दी घर बार का सफर (तब्दीली तरक्की की शर्त नहीं) जरूर होगा। अगर वह (टेवे वाला) खुद ब खुद खुशी हो न जावे। तो बीमार वगैरा होकर उसकी लाश या बतौर लाश वह वहां जोव संक्षिप्त तब्दीली शहर या सफर जरूर होगा और नतीजा नेक होगा जब तक खाना नः 1 मंदा न हो और केतु जागता हो।
8. कोई खास खुशी का सफर न होगा। बल्कि अपनी मर्जी के बर्खलाफ और मन्दा ही सफर होगा जब तक नः 11 में केतु के दुश्मन चन्द्र या मंगल न हो। केतु की इस मन्दी हवा का असर केतु की मुतल्लक अशिआ (कान, रीढ़ की हड्डी, टांगों की बीमारियों दर्द जोड़ गठिया वगैरा या खुद केतु जानवर या तीन दुनियावी कुत्ते) लगातार 15 रोज तक मुतवातर दूध देना या खाना नः 2 को नेक कर देना या नः 2 का किल्ली और ग्रह से खुद ही नेक होना मददगार होगा।
9. मुबारिक हालत खुशी-खुशी अपने जद्दी इलाकों (घर बार) की तरफ जा और अपनी दिली मर्जी पर सफर होगा और नतीजा हमेशा नेक व उतम होगा। जब तक नः 3 का मन्दा असर शमिल न हो।
10. नेक्की हालत शनिच्चर उमदा तो दुगुना उमदा लेकिन अगर शनिच्चर मन्दा तो दो गुना, नुकसान देह और बेमौका सफर होगा। अगर खाना नः 8 मन्दा हो तो मन्दी हवा के मयूस होके जरूर साथ होंगे खाना नः 2 मददगार होगा। चन्द्र का उपाय बजरिए खाना नः 5 औलाद या खुद सूरज को चन्द्र की अशिआ, दूध पानी का अर्घ्यसूरज की तरफ मुंह करके पानी गिर देना कौरा मुबारिक फल देगा।
11. सफर का हुक्मनामा उपर के बड़े अफसरों से चलकर नीचे तक पहुंच ही न सकेगा। सफर का मालिक केतु दुनियावी दरवेश कुत्ता रास्ते में ही लेटा होगा। यानि असल मुकाम से वह पहले ही तब्दील होकर किसी दूसरी जगह सफर के रास्ते में ही बैठा होगा। जाहे से आगे सफर का सवाल दरपेश होगा। फर्जी हिलजुल होगी अगर सफल हो ही जाए तो ग्यारह गुना उमदा होगा। जब तक नः 3 से मन्दा असर शमिल न होवे।
12. अपने बाल बच्चों के पास रहने और ऐशोआराम करने का जमाना होगा। तरक्की जरूर मगर तब्दीली की शर्त न होगी। अगर सफर

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

हो तो नया ही होगा। केतु अपना उच्च फल देगा और नतीजा मुबारिक होगा। जब तक नः 6 उमदा और नः 2 नेक हो। और नः 12 को जहर न देवे।

मकान

टेवे बैठे एक ता नौवें - दाएं दक्खिया बोलते है

चलते 12 से घर नौ आवें - असर बाएं पर देते है

जन्म कुंडली के अनुसार जो ग्रह घर नः 1 से नौ तक बैठे हो वह अपना अपना प्रभाव घर में प्रवेश होते हुए दाएं हाथ की ओर प्रकट किया करते है। तथा घर नः 10 से 10 तक बैठे हुए मकान के बाएं तरफ अपना प्रभाव दिखाते है। उदाहरणतया शनि बैठा है खाना नः 4, 2 में सूरज बैठा हो तो उस मकान में प्रवेश करते समय दाएं हाथ की छतों के हिसाब से दूसरी कोठरी सूर्य की सम्बन्धित वसतुएं अर्थात अनाज गुड़ अथवा में धूप वगैरा होगी। अगर दाए हाथ से चौथे नः की सेफ, लोहा, पकड़ी या चचा की मौत यानि टेवे वाले का कोई चचा हो तो वह प्रायः मृत्यु के समय उसी कोठरी में मरेगा। या उस कोठरी की छत और दरवाजे पुराने जमाने की लकड़ी शीशम, कीकर फलाही आदि से निर्मित होंगे। अगर खाना नः 2 में सूर्य (राजदरबार स्वयं) सम्बन्धित किया फलाप हुए होंगे तो खाना नः 4 में साधरणतया खांसी से ग्रस्त रात को पानी मांगते ही समय काटते होंगे।

वर्षफल के अनुसार शनि जब राहु केतु के संबंध से नेक स्वभाव का सिद्ध हो और दृष्टि के अनुसार अथवा ऐसे ही राहु केतु के साथ ही बैठा हो तो मकान बनेंगे। लेकिन जब राहु केतु के साथ ही हो मगर बुरे असर का हो तो बने बनाए मकान सब नष्ट होंगे या बिकवा देगा। या यूं कहिए कि वर्षफल के अनुसार जिस वर्ष शनि राहु केतु के संबंध वाले नियमों से व्यक्ति गत स्वभाव में नेक प्रभाव का सिद्ध हो रहा हो या राहु केतु के साथ ही बैठा हो तो मकान बनेंगे। मगर जब राहु केतु के साथ हो तो मगर स्वभाव के हिसाब से बुरे प्रभाव का सिद्ध होवे तो बने बनाए मकान बिकवा देगा या गिरवा देगा और इस का मन्दा प्रभाव होगा। खाना नः 2 मकानों की अवस्था बताएगा और खाना नः 7 मकानों का सुख दुख बताता होगा। प्रारंभ से अंत तक कुल का कुल पुष्य नक्षत्र (पुराने ज्योतिष संबंधित है) में बनाया हुआ मकान अत्यन्त उत्तम व शुभ होगा। मकान पूर्ण हो जाने के पश्चात् उसकी प्रतिष्ठा पर दान करना अनिवार्य तथा शुभ होगा। (पुष्य नक्षत्र कर्क राशि में होता है.

शुभ लग्नों व नेक मुहूर्त से शुरु किए हुए मकान के लिए निम्नलिखित बातें अत्यन्त शुभ होगी।

1. मकान की नींवें रखने से पहले धरती के तह के चारों ओर पानी की रेखा डालकर उसके बीच (जमीन का तल जिस पर मकान बनाना है।) चन्द्र से सम्बन्धित वस्तुओं से भरा बर्तन 40-43 दिन धरती के अंदर दबाकर परिवारिक नेक व बुरे परिणाम देख लेना आवश्यक होगा। क्योंकि बर्तन के दबाने के दिन शुरु करके जन्म कुंडली में शनि बैठे होने के घर नम्बर के दिन तक शनि अपना बुरा या भला असर जो कि वह मकान बनने पर देगा स्पष्ट कर देगा। मन्दे प्रभाव (अचानक सख्त बीमारी मुकद्दमा झगड़ा या कोई दूसरी और लानत का खड़ा होना) स्पष्ट होते ही तुरन्त वह दबाया हुआ बर्तन धरती के अंदर से निकाल कर पानी में (चलते पानी नदी नाले में) अगर गिराया जा सके तो अच्छा होगा। वरना बहा दें। मन्दा असर रुक जाएगा। मगर इस तह पर मकान बनाना शुभ न होगा। क्योंकि अब इस धरती पर बना हुआ मकान उस खानदान की बर्बादी का बहाना होगा।

Free by Astrostudents

अनुमान : शून्य दुष का वृत शुक्र कीसमस्त धरती को घेरे हुए है और एक का अंक शनि की आंख को सीधी रेख से मिलाए हुए ऊर्ध्व रेखा कहलाती है। इस ऊर्ध्व रेखा दाईं दाई तरफ की शाखें शुभ प्रभाव और हाथ के बाएं तरफ शाखें नकी (हास) उतर देगी। अर्थात् ऊर्ध्व रेखा से दाएं को शाखा हो तो मकान वगैरा बनेंगे। दुनिया बढ़ेगी। बाएं को हो तोशनि का मकानो से सम्बन्धित प्रभव सूरज के भाग के नीचे हो जायेगा। अब क्योंकि सूरज और शनि परस्पर शत्रु है इसलिए सूर्य के प्रकाश पर कलिश पोतता जाएगा या भाग्य के लिखे को मिटाता जाएगा और मकान इत्यादि बनने बन्द। बल्कि बने हुए भाग पर शनि का बुरा प्रभाव भी कम होगा अर्थात् साधारण शनि की रेखाएं की जो शनि की ऊर्ध्व रेखा से निकलकर दाएं हाथ के दाएं भाग में जावे और हाथ के उपर के हिसस्से की दिशा की ओर अग्रसर हो तो नेक होगी। मकान इत्यादि बनेंगे। बाई तरफ हाथ के निचले हिस्से का स्व रखने वाली रेखा, मकान बनना बन्द या बने हुए गिराये या बुरा असर होगा। इसीलिए ही मंगल अशुभ (खाना नः 8) ने भी हाथ के बांए भाग में जगह ली है जो मृत्यु का स्थान है जन्म कुंडली में बैठे हुए शनि का मकान पर प्रभाव मकान की नींव डालने के दिन से या 18 साल की अवधि के पश्चात् हर मकान अपना अवश्य प्रभाव देगा।

जन्म कुंडली में शनि बैठा हो

किस खाना में हो

1. टेवे वाला अगर मकान बनावे तो काग रेखा। जब शनि मन्दा हो तो कौवे की खुराक तक तरसता हो, निर्धन सब तरफ बरबादी हो लेकिन जब शनि बढ़िया नः 7, 10 खाली हो तो उमदा फल देगा।
2. मकान जब और जैसा बने बनने देवे शुभ होगा।
3. केतु पालन तीन कुत्ते रखे तो मकान बनेगा। वरना गरीब का कुत्ता भौंकता रहेगा। (मन्दे अर्थों में)
4. अपने बनाए हुए नए मकान खाना नः 4 से सम्बन्धित रिश्तेदार (अपनी माता अपने बप की माता अपनी औरत की माता) मामू खान दान को जहर देगे या मकान की नींवें खोदते ही माता या खानदान (मामू औरत की माता या औरत की माता का खानदान का घर) बरबाद होने लग जाएगा।
5. स्वयं निर्मित मकान सन्तान की कुर्बानी लेगे मगर सन्तान के बनाएं हुए मकान टेवे वाले के लिए शुभ ही होगे अगर स्वयं बनाने पड़े तो शनि की ऊर्जित वस्तुएं (भैंसा इत्यादि) दान के रूप में देने या कुर्बानी के रूप में ऊर्जित छोड़ देने के पश्चात् मकान की नींव रखे तो शनि का प्रभाव सन्तान पर मन्दा न होगा। फिर भी अगर हो सके तो 48 साल उम्र के पश्चात् ही मकान बनावें तो बेहतर होगा।
6. शनि की अवधि (36 बल्कि 39) के पश्चात् मकान का बनाना शुभ होगा। अन्यथा अपनी लड़कियों के रिश्तेदारों को तबाह करेगा।
7. प्रथम तो बने बनाए मकान ही बहुत मिलेगे जो शुभ होगे अगर उल्टा बिकने हो लगे तो सबसे पुराने मकान की दहलीज का कायम

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

रखना सब कुछ वापिस दिलवा देगा।

8. मकान बनाना शुरू हो तो मौतें गूजने लगी। शनि अब राहु केतु की हालत पर अच्छा या बुरा असर देगा।

9 टेवे वाले की पत्नी या उसकी माता के पेट में बच्चे के समय टेवे वाले की अपनी कमाई से बनाया हुआ मकान पिता की दुर्दशा करेगा या जीवित न रहने देगा और जब टेवे वाले के पास तीन अलग अलग आवास योग्य मकान स्थापित हो जायेंगे तो उसकी अन्तिम समय (मृत्यु) पहुंच चुका होगा।

10. जब तक मकान न बनावे शनि मकान बनाने के लिए सामान इकट्ठा कराने की कीमत (नकद रुपया) देता जाएगा लेकिन जब मकान बन जावे शनि बिस्तरा तक भी उठाकर ले भागेगा। मगर ढूंढने पर भी निशान न मिलेगा और आमदन बरबाद बल्कि नेश्त (खत्म) होगी (मन्दे अर्थों में)

11. मकान साधारण तथा देरी से (55 साला उम्र के बाद बनेगा) दक्षिण के दरवाजे वाले मकान के साथ (आवास) बहुत लम्बा अरसा लेटना (गलसड़ कर मरना) होगा।

12. सांप (शनि) और बंदर (सूरज) भी जो कभी अपना बिल या घर नहीं बनाते अपना घर बनाना सीख लेंगे यानि मकान चाहे अनचाहे और खुद बखुद (स्वयंमेव) बनेगा जो शुभा होगे चाहे शनि के साथ सूर्य भी नं 12 ही में होवे टेवे वाले को चाहिए कि मकान बनने मकान को न रोके जैसा बने बन ही लेने देवे।

मकान के कोने (गोशे)

मकान बनाने से पहले समस्त धरती को एक ही गिन कर उसके कोने से दूसरा कोना देखा जाए चार कोणे वाला सबसे उत्तम होगा। जिसका हर एक कोना 90 अंश का हो निम्नलिखित कोने हरगिज नहीं जो जो अशुभ गिने हुए है।

अठ अठारह तेरह तीन
बीचों चूक बुझा बल हीन।
पांच कोण का मंदिर रचे
कहे विश्वकर्मा कैसे बचे।

अग्नि आयु हो आठ से मंदी, अठारह चन्द्र गुरु मरता हो
तेरह लगे घर आ उस फांसी तीन भाई बन्ध मन्दा हो
बीचों चूक से नस्ल हो घटती, काग रेखा फल होता हो
भुजा बिना शमशान हो अर्थी, मुर्दा शादी में जलता हो
पांच कोने औलाद हो मरती, वीरान ईलाका होता हो
मौत बीमारी अंत न देती, सांप छाती पे चलता हो
चार कोने पे कुल की उन्नति, सिंहासन बतीसी बनता हो
असर अंदर हर कमरा अपनी, पैमाईश जुदी पर चलता हो

अठ अठारह, तेरह तीन बीचों चूक (मछली की तरह) भुजा बल है (मुर्दे की तरह) पांच कोने का मन्दिर (बना दे) तो कहे विश्वकर्मा जी मकान कैसे बसेगा।

आठ कोना शनि खाना नं 8 का असर देगा अर्थात शोक की घटनायें या बीमारी आम होगी।

अठारह कोना बृहस्पति (सोना चांदी) का फल खराब होगा। तीन तेरह कोना मंगल बद का असर देगा यानि भाई बान्धवों की आफतों में तबाह होगा। मौत तथा अग्नि से बहुत हानि हो। फांसी की घटना भी हो सकती है। बीचों चूक (मध्य से मछली के पेट की तरह उठा हुआ) काग रेखा का असर देगा। खानदानी नस्ल घटती जावे अन्त समय खुद भी निस्तांन होगा। अर्थात अगर बाबे तीन भाई हो तो बाप दो भाई और आखिर पर खुद अकेला और आइन्दा निसन्तान होगा। मुर्दे की शक्ल का मकान मौते ही मौते दिखलायेगा।

भुजा बल हीन : बाजू के बगैर या बाजु कटे हुये मुर्दा की शक्ल की मौते ही मौतें। मुर्दे पर मुर्दा दिखलावे अगर कोई शादी भी इस मकान में होवे तो शादी वाला पुरुष या स्त्री जिसकी वहां शादी हुई हो विधुर अथवा विधवा होवे।

पांच कोनो : पांच कोण वाला संतान का दुख और उसकी बरबादी की कारवाईयां दिखलाये उपरोक्त कोण वाले मकान की दीवारे बनने से पहले ध्यान देने योग्य होगी।

धरती तल के कोने देखने के बाद मगर इस पर मकान बनने से पहले दीवारों का क्षेत्रफल या नींव छोड़कर प्रत्येक कमरा या भाग फर्श का क्षेत्रफल अलग अलग देखा जावे जो मकान के मालिक या स्वामी जिसने मकान की नींव रखी है और स्वंय उसमें रहना है के हाथों को पैमाईश में रखा देखा जावे यानि मापने के लिये स्वंय उसका अपना हाथ लेवे चाहे वह 18" का हो चाहे 19 या 17 का अर्थात पैमाने उसके अपने हाथों की लम्बाई के बराबर का होगा। हाथ की लम्बाई कहां से कहां तक होनी इसके लिये कुहनी (बाजू के सिरे की हड्डी) से लेकर अनामिका उंगली के आखिर तक या नं 2 कुहनी (बाजू के सिरे पर जो जोड़ है) के सिरे के इलावा दूसरी हड्डी होती है वहां से लेकर मध्यमा के आखिर तक यह नं 2 को हदबंदी (सीमा) दुरुस्त है।

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

नियम :-

लम्बाई + चौड़ाई गुणा तीन से घटाया गया / विभक्त किया 8 पर = जो बाकी बचा है वह असल होगा

उदाहरण : लम्बाई 15 हाथ चौड़ाई 7 हाथ हो तो 15 + 7=22 को 3 से गुणा दी तो 66 से कम किया गया = 65 जब हमने 65 को 8 पर भाग दिया तो बाकी जो अब एक रहा इसी तरह से अब एक दो तीन चार पांच छ सात हद 8 या शून्य हो सकता है।

उत्तर में अगर विषम अर्थात 1,3,5,7 हो तो नेक असर होगा और अगर उत्तर में सम अर्थात 2,4,6,8 या शून्य हो तो अशुभ प्रभाव होगा जिसके लिये संबधित ग्रहों में दिया हुआ उपाय सहायक होगा।

उदाहरण के रुप में

जब 2 बाकी बचते हों तो बृहस्पत शुक्र नः 6 केतु नः 6 में दिया हुआ उपाय करें

जब 4 बाकी बचते हों तो चन्द्र नः 4 में दिया हुआ उपाय

जब 6 बाकी बचते हो तो सूर्य शनि नः 6 में दिया हुआ उपाय

जब बाकी 8 बचते हों तो मंगल शनि नः 8 में दिया हुआ उपाय

मकान की हैसियत (सामर्थ्य)

उत्तर (जवाब) में बाकी एक बचता हो तो बृहस्पत सूरज होगा खाना 1 का जिसके अनुसार वह मकान, मकानों में राजा की भांति उत्तम और पूर्ण सामर्थ्य शाली होगा।

हर तरह का उत्तम फल होगा। शेष दो हो तो बृहस्पत शुक्र परस्पर खाना नः 6 में या केतु नः 6 कुत्ते की भांति गरीब निर्धन हो

तीन बाकी हो तो शेर मुख्य अगला हिस्सा चौड़ा पिछला हिस्सा तंग बृहस्पति मंगल खाना नः 3 में शेर के समान होगा। पुरुषों के लिये उत्तम तथा शुभ दीवानखाना (बैठक)

मंगल या बुध से संबधित काम या दुकान, कारोबार के लिये अत्यन्त शुभ होगा। मगर स्त्रियों और बच्चों के लिये अशुभ। ऐसे मकानों में पुरुषों की सदा बरकत होगी और सांसारिक सामरिक संबधित समस्त कार्य शुभ प्रभाव डालेंगे। अगर कोई स्त्री जिसके अभी बाल बच्चे पैदा न हुये हों या बच्चों से अलग ही ऐसे मकान में रहे या रात को सोती रहे तो कोई बुरा असर न होगा।

बाल बच्चों के लिये कोई ऐसा मकान लाभदायक नहीं होता क्योंकि मंगल नः 3 का केतु नः 3 से हमेशा ही शेर और कुत्ते के पारस्परिक मित्रता है इसलिये बालबच्चों से रहित या बालबच्चों के बिना अकेली जान और उसका पति इक्ट्ठा रहने में कोई बुरा असर न होगा।

अगर किसी कारण से ऐसे मकान में बाल बच्चों के साथ बच्चों वाली स्त्री को रहना या रात को सोना पड़े तो ऐसे मकान में बृहस्पत के पीले रंग के फूल स्थापित करे तो कोई बुरा असर न हो सकेगा। बेहतर तो यही होगा कि बाल बच्चों को ऐसे मकान से दूर रखा जावे और स्त्री की केवल सुख भोग के लिये बेशक आवास किया जाये मगर आम साधारण हालत में स्त्री का भी ऐसे मकान में रहना कोई विशेष लाभप्रद न होगा। कभी न कभी स्त्री के स्वंय अपने लिये हानिकारक हो सकता है।

चार बाकी हो तो शनि चन्द्र परस्पर खाना नः 4 में गधे के सामान होगें यानि निर्धन अशुभी रात दिन मजदूरी ही की मगर बदले में रात को खुराक के लिये वही मंदा भोजन मिला।

किसी ने गधे का ख्याल न किया । खुराक कई बार तो न ही मिली

पांच बाकी हो तो : गउघाट सूरज बृहस्पत खाना नः 5 भांति होगा जिससे स्त्री जाति, बालबच्चे वगैरा सुख व आराम पायेगें।

और शुक्र का पूरा और उत्तम फल होगा बल्कि मच्छ रेखा का उत्तम साथ व असर होगा मकान पीछे से चौड़ा और अगला हिस्सा तंग बैल की तरह हो तो भी गउघाट ही कहलाता है जिसका वही नेक असर है जो बाकी का ।

6 बाकी हो तो सूरज शनि परस्पर खाना नः 7 में हाथी जैसा होगा। हाथीखाना ,पशुधर बढ़िया तथा शुभ राहु सहायक

8 बाकी हो तो मंगल शनि परस्पर खाना नः 8 में चील , गिद्ध ,मुर्दा घाट ,मौत का घर शनि का मुख्यस्थल और सांसारिक संबध सब कुछ समाप्त मकान में आने जाने का सबसे बड़ा दरवाजा या आम रास्ते वाला अगर पूर्व दिशा हो तो सबसे उत्तम होगा हर समय व्यक्तियों की नेक आना जाना और समस्त सुख भाग्य में होंगे

पश्चिम की तरफ हो तो दूसरे दर्जे का उत्तम असर होगा।

उत्तर की ओर नेक है नेकी के लिये अर्थात लम्बे सफर, पूजा पाठ शुभ काम , लम्बे विषय नेकी के काम करने के लिये आने जाने का रास्ता होगा जिसका असर नेक होगा आध्यात्मिक और परलोक के विषय संबधी (नः 3 दक्षिण का दरवाजा)

सबसे अशुभ तथा अहितकारी शनि नः 3 के लिये विशेषकर अहितकारी है स्त्री जाति के लिये मृत्यु का कारण होगा। आदमी भी कोई सुख नहीं पाते अग्निकांड का जेल खाना जिसमें जलबुझ कर मरने के सिवा और कुछ प्राप्त करेगा। हड्डा तबेला विधुरों के लिये अफसोस की जगह या मौते मिलने का मकान होगा

दक्षिण के दरवाजे मकान के मालिक या रहने वाले को बेहतर होगा की वह अव्वल तो हर साल वरना कभी कभी तो जरुर ही बकरी का दान या बुध से संबधित वस्तुयें दान शुरु होने पर करता रहे। ताकि इस मकान में हर समय कोई न कोई बीमार पड़ा रहने या इधर उधर कोई न कोई हेड़खानी जिसमें धनहानि लगी रहने से बचाव होता रहेगा।

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

शहतीरों का रुख मकान में दाखिल होने वाले के साथ साथ (दौड़ती हुई एक ही तरफ में या बराबर दौड़ती हुई) मुबारिक होगी, यह शुक्र की कड़ियों वाले हर कमरे की छत के कड़ियों वालों की कुल तादाद हो अगर अलग अलग चार पर विभक्त करें और हर एक में उतर बाकी हो एक तो वह छत राजा इन्द्र के समान होगी उत्तम फल

बाकी दो हो तो छत यम के समान मौत के यमदूत की

बाकी तीन हो तो छत राजयोग के समान होगी

मकान के अंदर निम्नलिखित वस्तुएं शुभ प्रभाव देंगी

सिंहासन या बैठक पूर्व की दीवार के मध्य के हिस्से में आग की जगह दक्षिण पूर्व कोण में पानी की जगह पूजा पाठ उत्तर पूर्व कोने में चूल्हे का मुंह पश्चिम पानी रखने की जगह या पानी मकान से बाहर निकलने वक्त दायें हाथ पर आग बांये हाथ पर अगर पंक्ति की तरफ हो तो शुभ

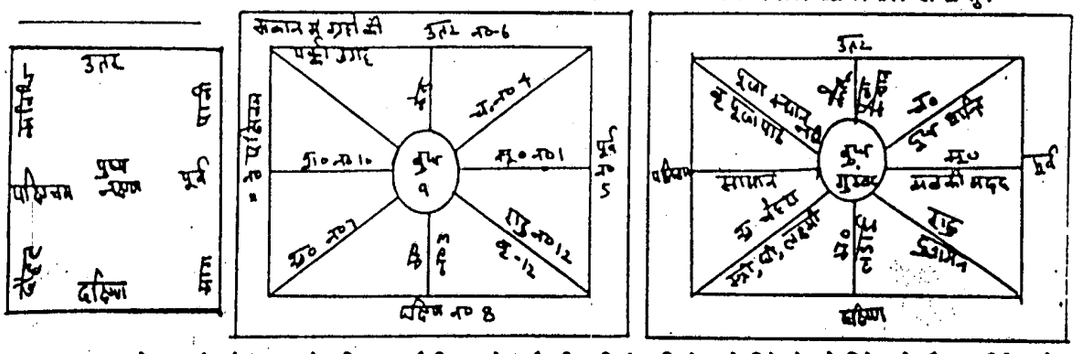

मकान में ऊपर दी हुई मुंह चाल से अभिप्राय यह है कि हर कोना और दिशा किसी न किसी ग्रह के लिये हमेशा के लिये पक्के तौर पर निश्चित है इस विद्या में हर ग्रह की संबंधित वस्तुये भी निश्चित है अभिप्राय यह हुआ कि मकान में संबंधित ग्रह की पक्की जगह पर उसके शत्रु ग्रह की वस्तुएं स्थापित करने से इस ग्रह की (जिसके लिये यह जगह मकान में पक्के तौर पर निश्चित है) चीजों से टेवे वाले को फायदा न होगा जैसा कि चंद्र के लिये खाना नं: 4 (उत्तर पूर्वी कोना) मकान में मुकर्रर है। अगर नं: 4 वाले के नाम लोहे का बड़ा संदूक रख छोड़े तो चंद्र का फल मंदा ही होता होगा या टेवे वाले को चंद्र की चीजों का कोई आराम नहीं मिलेगा।

चंद्र की केवल चीजों का जो मकान में हो या बैठ कर इस्तेमाल की जाये

मकान के समीप या मकान की सीमा के अंदर की (चारदीवारी) धरती तल में (मगर मकान की किसी दीवार में नहीं) अगर पीपल का वृक्ष हो तो उस वृक्ष की सेवा से बहुत नेक फल होगा अगर उसकी सेवा या उसकी जड़ों में पानी न डाला जायेगा तो जहां तक उसका साया जायेगा तबाही व बरबादी करता जायेगा यही हाल नजदीक के कुंये का है अगर इसमें कभी कभी शुद्ध भाव थोड़ा सा दूध या मीठा डाल दिया जाये तो नेक फल अगर गंदा किया जाये तो तबाही का हाल होगा। घर में कीकर का वृक्ष निःसंतान पुत्रहीन) किये बगैर न छोड़ेगा। इससे बचाव सूरज निकलने से पहले तारों की छांव में जबकि अभी अंधेरा ही हो पहले तो लगातार 40 दिन (हर शनिवार सप्ताह में केवल एक दिन) और इसके बाद कभी कभी पानी डालते रहना चाहिये।

कब्रिस्तान या शमशान की छत पर बनाया हुआ मकान साधारण रुप में पुत्रहीनता या पुत्र गोद लेने का बीज होगा जिसके मंदे असर से बचाव के लिये उत्तर पश्चिम मकान की छत पर बैठे हुये पूर्व की ओर मुंह करके चालीस या तैंतालीस कदम के अंदर कुंआ बनाना शुभ होगा। गली का आखिरी मकान जहां आकर आगे जाने का रास्ता बंद हो जावे या ऐसा मकान जिसमें बाहर से हवा किसी सीधे रास्ते या सर्वसाधारण के लिये रास्ते से सीधी ही आकर दाखिल होती हो तो ऐसा मकान बच्चे के लिये अत्यन्त अशुभ या बुरी हवा बुरी आत्मा का प्रवेश गिना जायेगा। बाल बच्चे और स्त्री सब बरबाद, राहू केतू के मंदे असर सुबह शाम होंगे ऐसा मकान जो हमेशा बुरा असर ही देगा कोई न कोई अचानक मुसीबत खड़ी होती होगी न स्त्री वहां रह सके न आंखों वाले आदमी यानि अंधा आदमी वह भी विधुर अपने जोड़ों के दर्द की मालिश करवाने के लिये रहता होगा स्वास्थ्य के नियमों पर दूसरी वस्तुओं के अतिरिक्त विचार आवश्यक है कि रात को सोते वक्त चारपाई का सिरहाना पूर्व में रहे तो मुबारिक असर होगा दिन को दिमाग ने काम किया सूरज ने मदद दी तो रात को आत्मा ने काम संभाला और चंद्रमा ने सहायता दी अपने पांव को सोते समय दक्षिण पूर्व में होना अशुभ माना गया है उत्तर का कोई विचार नहीं अर्थात नेकी या धर्म के काम चाहे पांव से करे चाहे सिर से, करे नेकी करना हर तरह से शुभ है इसमें पहले हाथ या पांव का सवाल उठता ही नहीं है चाहे सोते हुये सोच विचार आत्मा से हो चाहे जागते शरीर से हो रात को जो रास्ता (शनि का घंटु और देखने का मैदान) या ऐसी जगह जिसमें चारों तरफ से बंद कर हवा आने में चारपाई डाल कर सोना अमूमन अंधा कर देगा।

बीमारी

योग माया या योग दृष्टि बवक्त जहमत बीमारी : (विस्तार से योग दृष्टि में देखें)

सेहत, बीमारी, नफा, नुक्सान, फतह, शिकस्त हर दो पहलू के लिये यही असूल होंगे।

घर अपने से पांचवें दोस्त सातवें उल्टे होते है।
आठवें घर पर टक्कर खाते बुनियाद नौवें पर बनते है।
तीसरे घर के जुदा जुदा तो, युद्ध से वह आ मिलते है।

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

घर उसवें पर बाहम दुश्मन, धोका देने या चक्कर है।
वर्षफल के अनुसार खाना नः तीन की मंदी हालत उल्टे नतीजे का पेश खेमा होगी।
और अगर खाना नः 3 खाली हो तो खाना नः आठ की मंदी हालत उल्टे नतीजे का पेश खेमा होगी।
और अगर "" 8 भी हो """""" खाना नः 5 " " " " " " " " " " " " " " " " "
अगर पांच भी हो तो खाना नः 11 की " " " " " " " " " " " " " " " " " " "
" " 11 भी " " " " " नः 3 "
और जब सब के सब ही खाली हों तो खाना नः चार भेदी होगा।
बीमारी का आगाज खाना नः आठ से शुरु होगा। खाना नः 2,4 बहाना होंगे। खाना नः 10 इसमें लहर बढ़ा देगा खाना नः 5 रुपये पैसे का खर्चा और खाना नः 3 के ग्रह खाना नः 8 की मंदी हालत से बचाने वाले होंगे। बशर्ते कि खाना नः 11 के दुश्मन ग्रहों से वह मंदा न हो। आखिरी अपील सुनने का मालिक चंद्र होगा अगर चंद्र नः 4 में बैठा हो। और राहू केतू खाना नः 2,8 या 6,12 में बैठे हों तो उस के ताल्लुक में कोई मंदा असर न लेंगे चूंकि बीमारी का बहाना खाना नः 2 से शुरु होता है और लहरें खाना नः 10 पैदा करेगा इसलिये जब खाना नः दो में बाहम दुश्मन ग्रह बैठते हों या उनका असर खाना नः 8 में बैठे हुये दुश्मन ग्रहों के सबब से (जो कि नः दो वालों के दुश्मन हों) मंदा हो रहा हो तो ऐसी जहर का खाना नः दो की आशिआ कारोबार या रिश्तेदार मुतल्लका खाना नः दो पर तो कोई बुरा असर न होगा (क्योंकि खाना नः दो के ग्रहों का असर हमेशा अपनों अपना ही होता है बेशक वह बाहम दुश्मन हों) मगर अगर उसी वक्त जब कि नः दो में बाहम दुश्मन ग्रहों की जहर हो सकती हो या नः 8 ग्रह अपनी चटुशमनी से नः दो के बाहम दुश्मन ग्रहों का असर जहरीला कर सकते हों खाना नः 10 जो कि बीमारी की लहर को घटा बढ़ा सकता हो तो खाना नः दो में पैदाशुदा जहर बीमारी के बहाना और उसमें लहरों (कमी पेशी) की रफ्तार में जरूर दखल देगी लेकिन ख्याल रहे कि अगर खाना नः 10 खाली ही हो तो नः दो के बाहम दुश्मन ग्रहों का बीमारी के ताल्लुक में कोई असर न होगा।
मंदे ग्रह (नः 3 या किसी भी घर के) जिस दिन नः 3 या 9 में आवे बुरा वाकया होगा जिसकी बुनियाद पर राहू केतु की शरारत होगी। राहू की बुरी भली तासीर का पता बुध बतला देगा और केतु की नेकी बद नीयत का सुराग बृहस्पत बतला देगी जिसकी रोकथाम खाना नः आठ से यानि खाना नः आठ से मंदा असर पैदा करने वाले ग्रह (उपाय करने से) और मुकम्मल इलाज खाना नः 5 करेगा। लेकिन अगर खाना नः 5 अगर खाली ही हो तो उमदा सेहत होगी। और अगर बीमार हो भी जावे तो स्वंय तंदुरुस्त हो जावेगा। संक्षिप्त खाना नः 3 बीमारी के बहाना से अगर बरबादी कर देता हो खाना नः 5 मुर्दा जिस्म में रुह वापिस डाल देता है। उन दोनों घरों (खाना नः 3 और 5) की बुनियाद खाना नः 9 होगा। अगर 3 व 5 दोनों ही खाली हों तो 2,6,8,12 का मुश्तरका फैसला नतीजा देगा। जिसकी आखिरी अपील चंद्र पर होगी। बृहस्पत मंदा हो तो नः 5 पर बिजली पड़ा करती है (विस्तार से पक्का घर नः 6 देखें) क्याफा : शनिच्चर के बुर्ज का ज्यादा ऊंचा न होना या हाथ में शनिच्चर रेखा का न होना भी उमदा सेहत बताता है। मोटा जिस्म व सेहत दो जुदा बाते है मगर यह तमाम उसूल सिर्फ सेहत से मुतल्लका है।
हाथ की उंगलियों के नाखून असूल के तौर पर बरबादशुदा या कटा हुआ नाखून 9 महीने में पूरा हो जाता है इसलिये जब नाखून फटने लगें (किसी चोट वगैरा से नहीं वैसे ही) या फटे हुये नाखून ठीक होने लगें तो फटे हुये सेहत की दुरुस्ती खराबी व दीगर तब्दीलियों के पेशखेमा का नौ महीने पहले ही पता जाहिर कर देते है।

खाना नः 2 में बैठे ग्रह जहरीला हो जावे	क्याफा क्या हो	तो असर क्या होगा
बुध	हाथ की उंगलियों के नाखून गोल हो या उनका रंग सब्ज हो जावे	खुद हुन्नरी हुनर वाला शर्मसार हो मगर अन्दरूनी तबीयत से शरीफ और फसादी होगा। ऐसे प्राणी की खुद अपनी शरारत और खुद पैदा करता फसाद झगड़े के लिए दिमागी बीमारियों का बहाना होगा।
राहू A	नाखून चौड़े हो या उनका रंग नीला हो जावे (चोट लगकर नीला न हो) मगर वैसे ही अन्दरूनी खूनी की खराबी वजह से नीला रंग हो जावे या हो गया हो।	पट्ठों की बीमारी होवे (खून की कमी)
शुक्र	नाखून छोटे हो या उनका रंग सफेद हो जावे	खुद तंग दिल लालची, जल्दबाज, और संजीदा (खून की कमी बीमार)
बृहस्पत A	नाखून बहुत छोटे या उनका रंग पीला हो हो जावे	कम अक्ल जल्दबाज दिल की बीमारी हो
शनिच्चर	नाखून दरम्याना या उनका रंग स्याह हो जावे	कारोबार करने कराने के ताल्लुक में तो अच्छे या मुबारिक असर वाला मगर उम्र भर कम दौलत जो बीमारियों में जाती रहे
बृहस्पत B	नाखून लम्बे या उनका रंग सोने का हो जावे	फेफड़े और छाती की बीमारी जिस्मानी हालत कमजोर होवे
राहू A	नाखून पतले झुके हुए टेढ़े या उनका रंग सिक्के धातु जैसा होवे	नाजुक हालत (खराब)
केतु	लम्बे और बहुत तंग या उनका रंग	पुश्तैनी बीमारी हो

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

बीमारी

3-खाना नः 3,9 मंदे हों तो नः 5 मंदा होगा लेकिन अगर खाना नः 9 में सूरज या चंद्र हो तो नः 5 उमदा होगा। नः 10 के लिये नः 5,6 के ग्रह उछरी दुशमन होंगे। मंदी हालत की निशानी मंदे ग्रह की मुतल्लका चीजों से होगी।

4 -जन्म कुंडली के अनुसार य सूरज या चंद्र के साथ शुक्र बुध या कोई पानी बैठा हो तो जिस वक्त वह नः 1,6,7,8,10 में आवे संशय के मुतल्लका मंदा वक्त होगा।

किस घर को		कौन घर खराबी देगा		कौन घर मदद देगा
3 के लिए	अचानक चोट देगा	1	बाहमी मदद देगा	11
	धोखा देगा	6	बुनियादी मदद देगा	7
	मन्दा टकराव दो	8	मुश्तरका दीवार का काम	2
6 के लिए	अचानक चोट देगा	7	बाहमी मदद देगा	1
	धोखा देगा	8	बुनियादी मददगार होगा	1
	मन्दा टकराव देगा	10	मुश्तरका दीवार का काम	4

ग्रह व बीमारी का ताल्लुक : हर ग्रह की मशहूर बीमारियां नीचे दर्ज हैं। जिनका मतलब यह है कि जब कभी बिमारियां मजकूरा का मुतल्लका ग्रह खराब बरबाद या नीच होगा तो वह नीचे लिखी बीमारी हो सकती है।

दूसरे शब्दों में जब कभी नीचे लिखी हुई बीमारी तंग करे तो फौरन उसके मुतल्लका ग्रह का जो उसकी बीमारी के सामने ही दर्ज है उपाय करें तो मदद हो जायेगी। मुश्तरका ग्रहों की हालत में उस ग्रह का उपाय करें जिसके असर से दूसरा साथी मिला हुआ ग्रह भी बरबाद हो रहा है। मसलन बृहस्पत राहु मंदे वक्त राहु का दिया हुया उपाय मदद करेगा। अगर घर से बीमारी दूर ही न होती हो यानि एक के बाद दूसरा बीमार होता जावे तो ।

1- घर के तमाम सदस्य और आये मेहमानों (औसतन) की तादाद से चंद एक ज्यादा रखकर मीठी रोटियां (ख्वाह कितनी ही छोटी और ख्वाह कितना ही थोड़ा मीठा उनमें हो) पका कर हर महीने में (तीस दिन के फर्क पर ज्यादा से ज्यादा) एक दफा बाहर जानवरों कुत्तों कौवों को डाल दिया करें

2- हलवा कद्दू जो खूब पक चुका हो रंग में जर्द और अंदर से खोखला हो धर्मस्थान में सिर्फ एक दफा हर तीन माह या 6 माह बल्कि अगर ज्यादा दफा न हो सके तो हर साल में एक दफा ही धर्म स्थान में रख दिया करें।

3- अगर किसी तरह भी कोई मरीज शफा न पावे तो रात को उसके सिरहाने दो तांबे के पैसे रखकर सुबह किसी भंगी को 40 या 43 दिन देवें। यह पिछले जन्म के लेने देने का टैक्स कहलाता है।

4- अगर हो सके तो श्मशान या कब्रिस्तान में से जब कभी भी गुजरने का मौका मिले तो पैसा दो पैसा वहां गिरा दिया करें निहायत गैबी मदद मानते हैं।

नाम ग्रह	बीमारी मुतल्लका
बृहस्पत	सांस फेफड़े की अमराज (बीमारियां)
सूरज	दिल धड़कन सूरज कमजोर जब चंद्र की मदद न मिले, पागलपन मुंह से झाग निकलना , अंग की ताकत बेहिस्स हो जाना जब बुध नः 12 सूरज नः 6 तो Blood pressure की बीमारी होगी।
चंद्र	दिल की बीमारियां, दिल धड़कना आंख के हेल्ग की बीमारियां
शुक्र	जिल्द की बिमारियां, खुजली चन्दल वगैरा (नाक छेदन) बुध के उपाय से मदद होगी।
मंगल	नासूर पेट की बीमारियां, हैजा पित मैदा
मंगलवद	भगन्दर फोड़ा, नासूर
बुध	चेचक, दिमागी दांया की बीमारियां, खुशबु या बदबू का पता न लगना , नाड़ों जुबान या दांत की बीमारियां जब बुध नः 12 सूरज नः 6 तो blood pressure की बीमारी होगी।
शनिच्चर	कान 6 की बीमारियां ,खांसी हर किस्म की (ख्वाह नई ख्वाह पुरानी) दमा के योग सेजो बृहस्पत से मुतल्लका है। आंख की बीमारियां, दरिया में नारियल बहाना शनिच्चर के मंदे असर से बचायेगा।
राहु	बुखार ,दिमागी बिमारियां ,प्लेग, हादसा अचानक चोट
केतू	लिंग (हज)रीढ दर्द जोड़ आम फोड़े फुंसी, रसौली सूजाक , आतशक पेशाब की बीमारी बेहद एहतलाम कान की बीमारियां, रीढ की हड्डी , हार्निया, अण्डकोष का उतर जाना या भारी हो जाना

बृहस्पत,राहु -- - - - - दमा सांस की तकलीफ

बृहस्पत,बुध - - - - - दमा सांस की तकलीफ

राहू,केतू - - - बवासीर

चंद्र,राहु - - - - पागलपन निमोनिया

बृ० राहू - - - - - दमा,तपैदिक

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

मू० ए०
गु० शुक्र - - -] दमा, तपेदिक
युध वृ० - -]
मं शनि - - - कंड़ खून की बीमारियां जिस्म का फट जाना
शुक्र राहु - - - नामर्दी
शु केतु - - - - यरकान
चन्द्र, बुध या मंगल का टकराव हो (glands)
शु. के. - ऐहतलाम

उम्र इंसानी

इंसान गाफिल दुनिया कितनी मारे से मरता नहीं
वक्त हो जो आया अपना रोके से रुकता नहीं
बंद मुट्ठी का खजाना बाकी जब रहता नहीं
तदबीर अपनी खुद ही उल्टी राज बन आता नहीं

□ खाना नं 1, 4, 7, 10

मर्द औरत मां बाप, भाई बहन, बड़ा छोटा, दांया बांया, बाप बेटा, मां धी, रात दिन, जन्म मरण, गुरु आखिर, आकाश व हवा, नर ग्रह व स्त्री ग्रह, नेकी बदी, राय का गांठ लगाने वाला बच्चा और उसकी लगाई हुई गांठ ग्रह शक अदलो रहम से इसाफ, राहू केतू मुश्तरका शुक्र तमाम गृहस्थ की शादी कभी जन्म कुंडली व चंद्र कुंडली के दोनों जहानों के मालिक बृहस्पत की हवा के आने जाने के रास्ते बुध के खाली खाना के आकाश की अक्ल, सूरज की रोशनी, व शनिच्चर के अंधेरे की मुश्तरका जगह मौत निमानी या उम्र का आखिरी वक्त सब पहले देखा जावे। मगर ऐसे भेद का वक्त से पहले ही स्वंय अपनी मर्जी से अपने मुंह से बोल कर या इशारे से पोशीदा ढंग से जाहिर करना न सिर्फ तेरे खून को कोढ़ का सबूत देगा। बल्कि तेरे लिये एक बड़ी भारी गुनाहगारी होगी। अगर टेवे वाला या उसके जिम्मेदार मुतल्लकीन किसी नाजुक हालत में खुद ही उम्र का सवाल खड़ा कर दें तो भी उनको कागजी शहादत और पक्के सबूत से तसल्ली देना तेरी जिम्मेदारी होगी। हर दो हालतों में बचाव के लिये जो कुछ भी उपाय मुमकिन हों एलानिया तौर पर जाहिर कर देना (मगर ऐसे ढंग से कि किसी को शक न हो जावे) और तरीका यह हो कि किसी को गुमान न हो कि ऐसा उपाय क्यों बताया गया सबसे ज्यादा जिम्मेदारी होगी क्योंकि यह सब हिसाब किताब दुनियावी या इंसानी दिमाग का काम है और उस मालिक का भेद किसी को नहीं मिला हो सकता है कि कहीं गलती हो और नाहक वहम खड़ा हो और मायूसी से बेवक्त जहमत और नुकसान भी खड़ा हो जावे। यह भेद की ताकत असल ताकत होती है जो खाना नं 6 (पाताल रहम पेट) नं 8 (मौत अदल) और नं 12 (आसमान इंसाफ) का नतीजा होगी। संक्षिप्त यह तीनों खाने सबसे पहले पूरे देख लिये जांये वरना तमाम कहानी बेमयानी होगी। औलाद की उम्र खाना नं 11 माता की उम्र खाना नं 6 पिता की उम्र खाना नं 10 और जाति उम्र खाना नं आठ से जाहिर होगी। उम्र का मालिक चंद्र माना गया है लेकिन पितृ ऋण या मातृ ऋण वाले टेवे में उम्र का फैसला सूरज से होगा।

Free by AstroStudents

1	8	7	6	5	4	3	2	1	9	12	11
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12

मसलन जन्म कुंडली में जब अगर सूरज हो खाना नं 6 तो चंद्र बेशक किसी के घर में न हो नं चार का उत्तर या चंद्र कोन चार में लिखकर जो फैसला करेंगे मसलन

90	96	80	85	100	80	65	90	75	90
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10 11 12

चंद्र से शुक्र का ताल्लुक तो 85 नर ग्रह का तो 96 और पाप का राहू केतू तो तीन ससाल कम होगी शनिच्चर बृहस्पत मुश्तरका वाले टेवे की उम्र का फैसला खाना नं 11 के ग्रहों से होगा। लेकिन अगर खाना नं 11 खाली हो तो आम टेवों के उसूल पर चंद्र ही उम्र का मालिक गिना जायेगा।

	बाकी उम्र कितनी है
तबीयत बदल जावे यानि गर्म स्वभाव नरम और नरम स्वभाव सख्त तबीयत हो जावे	1 साल
उत्तर ध्रुव तारा रात को नजर न आवे	40 दिन
घी तेल या पानी में अपना अक्स नजर न आवे	7 दिन
आईना में अपना अक्स नजर न आवे	1 दिन
सांस लेते वक्त पेट न हिले या आंख पथराने लगे	चंद घंटे
सांप का काटा हुआ (मौत चार दिन शक्की जहर से मरा हुआ खून मुंह के रास्ते जारी या बदस्तूर जारी या बह रहा हो) गैस से सोया हुआ (जिस्म वैसे का वैसा ही) नरम हो और न अकड़े	शक्की हालत
हथेली को रोशनी की तरफ करके देखने पर हाथ में खून मालूम न हो या लाली ही नजर न आवे या जिस्म अकड़ जावे	यकीनी मुर्दा

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

उम्र होगी साल	
12 दिन	चन्द्र नः 6 सूरज नः 10 चन्द्र केतु नः 6
12 मास	सूरज शनि मुश्तरका बृहस्पत के घरों यानि 2, 5, 9, 12 में नर जब ग्रह (बृहस्पत मंगल) साथ साथी या मदद पर न हो।
15 साल	चन्द्र राहु नः 1 मौत पक्की दोपहर गोली से या अचानक होगी
20 साल	बृहस्पत राहु नः 2 या बुध बृहस्पत नः 6 लम्बी जहमत से मौत होगी
22 साल	सूरज राहु खाना नः 10 या 11 में जब खाना नः 8 में उम्र को रद्दी करने वाले ग्रह और साथ ही सूरज राहु मुश्तरका बैठे हों।
9 साल	सूरज चन्द्र मुश्तरका नः 11
10 साल	चन्द्र केतु नः 1 और उस वक्त खाना नः 4 खाली न हो
12 साल	चन्द्र नः 5 सूर्य नः 11 जब नर ग्रह साथ-साथी या मदद पर न हो अब इस वक्त शनिच्चर नः 5 में तो उम्र लम्बी होगी क्योंकि शनिच्चर और सूरज अब साथी ग्रह होंगे।
2 साल	गुरु 6, 8, 10, 11 शुक्र मंगल बुध नः 7 या बुध शुक्र मंगल नः 5
30 साल	बृहस्पत बुध नः 2 या बृहस्पत राहु नः 3 पिता को भी 16 या 19 या 21 तक खत्म कर लेवे। माली दौलत सिफर।
35 साल	चन्द्र राहु बुध किसी भी घर इकट्ठे सिवाय खाना नः 2, 5
40 साल	बृहस्पत राहु 9 या 12 क्याफाः माथे पर बहुत ज्यादा बाल अल्पायु किस्मत मन्दी वास्ते वाल्दैन
	1. खाना नः 10 में और शनिच्चर मय स्त्री ग्रह बैठे हों खाना नः 2 में 2. या खाना नः 11 में सूरज राहु हो और शनिच्चर खुद उम्र को रद्दी मन्दा या नष्ट बरबाद करने वाले घरों में हो या मन्दा हो रहा हो मगर नर ग्रह साथ या साथी या मददगार न हो वरना उम्र लम्बी होगी खासकर जब शनि 3, 5, 6 में हो।
25 साल	चन्द्र राहु नः 6 या मंगल बद, मंगल बुध नः 6 या भव शुक्र और केतु दोनों नष्ट बोलते वक्त दांतों का मांस नजर आवे या नाक और कान ऊपर की और चढ़े हुए हों या उंगलियों के जोड़ बहुत छोटे छोटे हों या पेट बहुत ही तंग होवे नर औलाद जरूर बाकी छोड़ कर मरेगा। लावल्द होने की शर्त न होगी।
56 साल	चन्द्र राहु बुध मुश्तरका नः 2 या 5
60 साल	चन्द्र बुध नः 2
70 साल	पीठ पर उर्ध्व रेखा
75 साल	नेक चन्द्र या चन्द्र राहु नः 9 अचानक मौत
80 साल	चन्द्र बृहस्पत नः 4 या चन्द्र नः 3, 6 - धन दौलत का सुख सागर छोड़ कर मरेगा।
45 साल	राहु गुरु नः 6 या बुध केतु नः 12
50 साल	चन्द राहु नः 5 या ग्रह व घर नः 2, 7 मन्दे क्याफाः पेशानी पर >
85 साल	चन्द्र कायम या चन्द्र मंगल नः 7 दूध शहद की जिन्दगी
90 साल	कायम चन्द्र 1, 8, 10, 11
96 साल	कायम चन्द्र नः 3, 4 या नर ग्रह साथ-साथी या मदद पर हो। बृहस्पत केतु नः 9 या शनिच्चर केतु नः 6 या चन्द्र शनिच्चर नः 7 चेहरे पर आंख के नीचे 2, 3 खत

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

अगर चंद्र राहु मुश्तरका हो कर किसी भी राशी में हो यानि जब उम्र शादी, बीमारी, वगैरा खास खास बातों के लिये मुकर्रर की हुई दृष्टि वाली सूची के अनुसार लिहाज से चंद्र और राहु किसी घर को मुश्तरका हालत में देख रहे हों या घर से देखे जा रहे हों तो दोनों मुश्तरका गिने जायेंगे बेशक वह दोनों कुंडली ख्वाह वर्षफल की में जुदा ही हो मसलन चंद्र नः 7 और राहु नः 7 में हो तो इस फरहिस्त के हिसाब से दो नो याहम आम हालत में देखते या मिले हुये होंगे। यही अमूल किसी भी और घर की हालत पर हो सकता है। तो हर खाना नः में चंद्र की दी हुई उम्र के सालों की तादाद निस्फ हो जायेगी। हर राशी के मुतल्लका मगर खुद उसके खून के रिश्तेदारों के लिये यानि उस ग्रह के मुतल्लका रिश्तेदार की उम्र पर मंदा असर होगा जो ग्रह कि उस घर में बैठा होवे जहां कि वह मुश्तरका देख रहे हों या उस घर के मुश्तरका रिश्तेदार जिनमें कि वह मुश्तरका बैठे हों मसलन खाना नः 9 खाली हो और वह खाना नः 9 को देख रहे हों नः 3,5 ले तो खाना नः 9 के मुतल्लका रिश्तेदार उसके बुजुर्ग बाप दादा वगैरा लेकिन अगर नः 9 में फर्जन मंगल तो उसका भाई उपने खून का हकीकी भाई मंदे असर में होगा। बशर्ते कि वह दोनों मुश्तरका हर तरह से अकेले दृष्टि से खाली हो अगर कुंडली के पहले घरों में हो तो मौत न होवे। मगर करीबुल मरग जरूर होगा जब चंद्र होवे खाना नः 1 में तो मौत का दिन होगा बुधवार, नः 2 में तो शुक्रवार वगैरा – – –

ग्रह की उम्र बवक्त चंद्र राहु मुश्तरका रेखा (उम्र व किस्मत रेखा) के मुताबिक उम्र के सालों का ताज्जुब वनूजब सफा नः 1165 भी देख लिया जावे बृहस्पत 75 साल, बुध या केतू 80 साल शनिच्चर या मंगल या राहू 90 साल शुक्र व चंद्र 85 साल, सूरज पूरी उम्र 100 साल तक नोट अगर [1] अगर नर ग्रह की मदद हो तो 96 साल तक ।

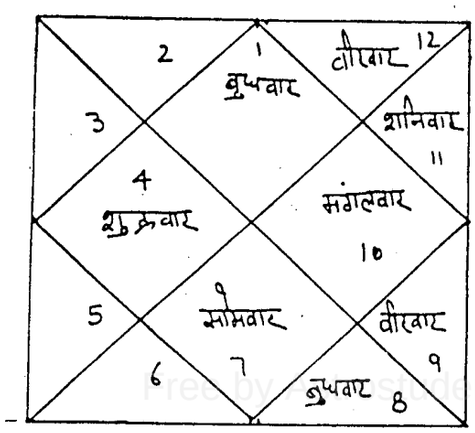

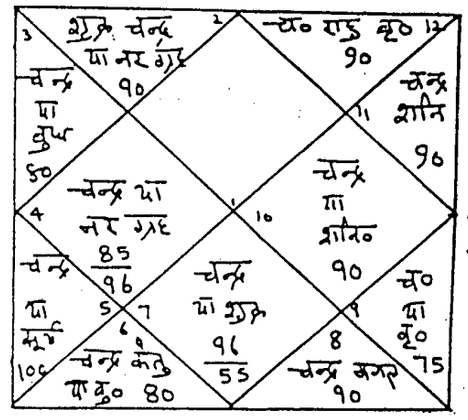

खाना नः की उम्र

खाना नः	खाने की उम्र
1	100
2	75
3	90
4	85
5	औलाद
6	80
7	85
8	मौत
9	बुजुर्ग
10	90
11	धर्मलिया
12	90

अल्पायु

8 X 8 = कुल 64 ज्यादा से ज्यादा आठ दिन महीने साल हर आठवां साल मंदा जहमत व खतरा जान, जानवरों से खतरा व मौत होगा।

1- बृहस्पत बहुत से दुशमनों से घिरा हुआ हो ।

2- खाना नः 9 में बुध,बृहस्पत,शुक्र ।

3-खाना नः 9 में बृहस्पत के बहुत से दुशमन बुध,शुक्र,राहू ।

4- चंद्र राहू नः 7 में या नः 8 में ।

5- बुध या नः 9

गुरु चंद्र या दोनों उत्तम,छटे तीन घर सातवें जो ।
उम्र 9वें बुध बेशक लंबी,हाल गृहस्थी मंदा हो ।

6-गुरु 6,8,10 ,11 शुक्र मंगल बुध नः 7 बुध शुक्र चंद्र नः 5/उम्र दो साल होगी

कम उम्र होगा

8-8 कुल

64 साल होगा माथे पर कौवे के पांव निशान या मर्द के दांये पांव की कनिष्ठका व अनामिका उंगली दाहम बराबर हो पेशानी के खत टूटे फूटे हों और उनका झुकाव भी नीचे नाक की तरफ हो तरफ हो या पेशानी पर दोनों भवों के ऐन दरम्यान में हो मगर तिलक की जगह छोड़ कर तिकोन (मंगल चंद) तुला या तराजु (शुक्र या बुध) मछली त्रिशूल (शनिच्चर) पदम पंख पक्षी अंकुश तलवार या परिन्द के निशानों में से कोई भी एक निशान होवे अल्पायु , वाला मंदांशियों के सुख से महरूम होगा। अल्पायु

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

वालों का उम्र के हर आठवें साल 8,16,32,40,48,56,64 तंगहाल और आम लोगों का उम्र के हर सातवें साल के बाद हालात की तब्दीली मानते हैं।

लंबी उम्र होगी — कान बड़े और बड़ी सी दीवार के या टूटी बड़ी और उभरी हुई बाहर की तरफ को या गर्दन पर सिर्फ एक बल या शिकन पड़ती हो या लंबा चेहरा आंख बड़ी। मुंह चौड़ा और रान मोटी मोटी कलाई में किस्मत रेखा की जड़ में चहार शाखा सख्त 100 साल: केतु बृहस्पत खाना नः 12 में और चन्द्र कायम या

ii चन्द्र बृहस्पत खाना नः 5,12 में चन्द्र व नर ग्रह कायम या

iii मंगल नः 1,2,7 और उसी वक्त सूरज पनः 4 या

iv नर ग्रह कायम या चन्द्र को मदद दे रहे हों या

v चन्द्र सूरज बृहस्पत कायम बुध चन्द्र शुक्र तीनों नः 4 या जिस्म के तमाम हिस्से मुनासिब मिक्दार पर हों

120 साल — चन्द्र बृहस्पत खाना नः 12 में

जन्म कुंडली का नीच मंदा ग्रह जिस साल वर्ष फल के हिसाब से अपनी नीच या मंदा होने वाले घरों में आ जाये तो नीच फल दिया करता है लेकिन वह जन्म कुंडली में नः 8 का था और दोबारा वर्षफल के हिसाब से नः 8 में आ जाये तो उसका ग्रह उसका दोस्त ग्रह उसका कुर्यानी का बकरा ग्रह और जन्मकुंडली के खाना नः 6 के मुतल्लका रिश्तेदार मार्ग स्थान में होगा। इसी तरह जब जन्मकुंडली के नः छः में हो आ जाये तो उसका दोस्त ग्रह उसका कुर्यानी का बकरा ग्रह और जन्मकुंडली के खाना नः 8 के मुतल्लका ग्रह का रिश्तेदार पतली हालत या मंदी दशा यल्कि कम उम्र होने का सबूत देगा।

	अपना कद	उम्र के साल	अपना कद	उम्र के साल
कद खुद अपने जिस्म के लिहाज से उम्र के साल जिसका पैमाना खुद अपनी उंगलियों का हो यानि आपकी ही उंगलियों से तीन अंगुल की एक गिरह 4 गिरह की एक बलिश्त 2 बलिश्त का एक हाथ दो हाथ का एक गज या 36 बराबर 48 अंगुल के	90 अंगुल	30	103	95
	91 अंगुल	35	104	100
	02 अंगुल	40	105	105
	93 अंगुल	45	106	110
	94 अंगुल	50	107	115
	95 अंगुल	55	108	120
	96 अंगुल	60	उम्र पांच साल होनी चाहिये	
	97 अंगुल	65		
	98 अंगुल	70		
	99 अंगुल	75		
	100 अंगुल	80		
	101 अंगुल	85		
	102 अंगुल	90		

Free by Astrostudents

पेशानी की रेखा

दुरुस्त व साफ रेखा

तादाद	मर्द	औरत
1 लकीर	20 साल	40 साल
2	30	60
3	60	70
4	80	80
5	100	100
6	120	80
7 या ज्यादा	50	
बगैर लकीर	100	

टूटी फूटी रेखा

तादाद	मर्द	औरत
1 लकीर	10 साल	20 साल
2"	30	40
3"	40	50
4"	40	-

अगर माथे पर सुर्ख रंग रंग रगांये का भी साथ हो तो 40 साल यकीनी हो

* दोनों कान तक दुरुस्त व सालम मर्द औरत रेखा 100 साल

** दोनों कान तक दुरुस्त व सालम मर्द औरत दो रेखा 70 साल

जब खाना नः 12 में कोई ग्रह न हो तो चन्द्र जिस राशि में होगा उसे हिसाब से मौत का दिन होगा। जन्म दिन और वक्त जन्म का एक ही ग्रह हो जावे मसलन मंगलवार का दिन मंगल की पक्की दोपहर के वक्त पैदाइश तो ऐसा ग्रह कुंडली वाले का कभी बुरा न करेगा और न ही कभी धोखा देगा। बल्कि मौत भी उसी दिन और उसी दिन के उसी वक्त न होगी। बिल्ला शक चन्द्र के हिसाब से मौत का दिन वह आवे बशर्ते कि कुंडली में भी वह ग्रह (वही मिसाल मंगल जो उपर कहा वगैरा) कायम होवे। (कायम की तारीफ जुदा जगह लिखी है) बाकी हालतों में जब कि जन्म दिन तो किसी ग्रह का हो और जन्म वक्त किसी और ग्रह का हो तो ऐसी हालत में जन्म दिन और जन्म वक्त के ग्रहों की राय हालतों ग्रह फल राशी

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

मौत का दिन	खाना नः	राशि में	घर का स्वामी	(आयु वर्षों में)
बुधवार	1	मेष	मंगल	90
शुक्रवार	2	वृष	शुक्र	96
बुधवार	3	मिथुन	बुध	80
शुक्रवार	4	कर्क	चन्द्र	85 or 96
मंगलवार	5	सिंह	सूरज	---Do---
रविवार	6	कन्या	बुध, केतु	---DO---
शुक्रवार	7	तुला	शुक्र	---DO---
बुधवार	8	वृश्चिक	मंगल	---DO---
वीरवार	9	धनु	बृहस्पत	---DO---
मंगलवार	10	मकर	शनि	90
शनिवार	11	कुम्भ	शनि	90
वीरवार	12	मीन	बृहस्पत राहु	90

दिल रेखा की लम्बाई कई खाने औरत	उम्र के साल
कनिष्ठका की होवे तो उम्र होगी	10. 15 साल
कनिष्ठका अनामिका के दरम्यान तक	25 साल
अनामिका तक	60 साल
अनामिका व मध्यमा व दरम्यान तक	75 साल
मध्यमा तक	90 साल
मध्यमा और तर्जनी के दरम्यान का	100 साल
तर्जनी तक	120 साल

जब खाना नः 12 में कोई ग्रह न हो तो चन्द्र जिस राशि में होगा उसके हिसाब से मौत का दिन होगा। जन्म दिन और वक्त जन्म का एक ही ग्रह हो जावे मसलन मंगल वार का दिन मंगल वार की फक्की दोपहर के वक्त की पैदाइश तो ऐसा ग्रह कुंडली वाले का कभी बुरा न करेगा और न ही कभी धोखा देगा। बल्कि मौत भी उसी दिन और उसी दिन के उसी वक्त न होगी। बिल्ला शक चन्द्र के हिसाब से मौत का वह दिन आवे बशर्ते कि कुंडली में भी वह ग्रह (वही मिसाल मंगल जो उपर कहा वगैरा) कायम होवे। (कायम की तारीफ जुदा जगह लिखी है) बाकी हालतों में जब कि जन्म दिन तो किसी ग्रह का हो और जन्म वक्त किसी और ग्रह का हो तो ऐसी हालत में जन्म दिन और जन्म वक्त के ग्रहों की सब हालतों ग्रह फल राशि फल बराबर के ग्रह या बाहमी दोस्ती दुश्मनी के नतीजे का असर होगा। मौत का दिन खाना नः 12 और 8 के ग्रहों के ताकत के मुकाबिल से गिना जाता है।

Free by AstroStudents

मौत का आखिरी साल व दिन

मुकाम चन्द्र मौत का आखिरी दिन और साल कुंडली में चन्द्र के मुकाम और खाना नः 8,12 की मुश्तरका असर से जाहिर हो जाता है। मतलब यह है कि चन्द्र का मुकाम तो कुंडली में मालूम ही होगा और खाना नः 8 में जो कोई भी ग्रह होगा वह नीच होगा इन नीचों के असर से जो भी पहला साल होगा वह खराब साल होगा। उस 8 वे खाने को 12 खाने के ग्रह 25 फीसदी अच्छा या बुरा करोगे यानि 12 वे घर वालों की अगर अच्छी नजर हो जाये तो जिस साल वह अच्छी नजर खत्म होगी मौत होगी और अगर बुरी नजर होवे तो जिस साल से वह बुरी नजर शुरु होगी वह आखिरी साल होगा

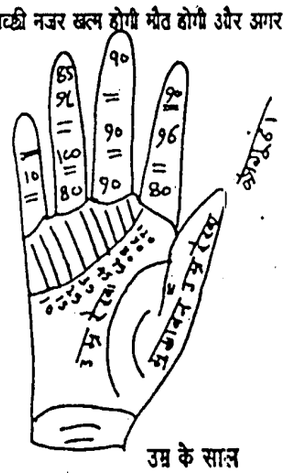

उम्र के साल

मुआयना उम्र रेखा यह रेखा उम्र रेखा की सब टूट फूट से बचाये रखती है हथेली के खाना नः में चांद की जगह फैसला करेगी। उंगलियों राशियों के हिसाब से चन्द्रमा और चन्द्रमा की दिल रेखा की लम्बाई से उम्र की हद बृहस्पत 75 साल बुध केतू 80 साल सूरज 100 साल शनिच्चर व राहु 90 साल मंगल 90 साल शुक्र 85 वरना 96 चन्द्र 85 वरना 96

नोटः चन्द्र व शुक्र दोनों स्त्री ग्रह है इसलिये जब अकेले हों उम्र 85 साल जब पर ग्रह का साथ साथ उम्र 96 साल जब मुखन्नस ग्रह उन दोनों के हो तो भी उम्र 85 साल होगी

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

उम्र रेखा

दिल रेखा (चन्द्र) हर उंगली की जड़ तक 25 साल
शनिव्वर की उम्र रेखा : सिर रेखा तक 35 साल
शनिव्वर की किस्मत रेखा दिल रेखा तक 65 साल
मध्यमा की जड़ = 70 साल
बुध अपने फक्के घर (खाना नः 7) में बैठा हुआ या नर ग्रहों सूरज मंगल बृहस्पत या शनिव्वर में से कोई भी बन्दा मुट्ठी के खानों खाना नः 1,4,7,10 में आया हुआ धर्म मन्दिर (खाना नः 2) या गुरुद्वार (खाना नः 11) के अंदर बैठा हुआ टेवे वाले की सेहत जिस्मानी और उम्र और आम मुकल्लका जानो ख्वाह इंसान हैवान की पर कभी बुरा असर मौत न देगा। बशर्ते कि इन घरों में बैठा होने के वक्त शनिव्वर के साथ स्त्री ग्रहों (चन्द्र या शुक्र) का ताल्लुक साथ न हो जावे

रेखा के असर का अय कौनसा साल है

उम्र किस्मत रेखा
सालों में 12 साल तक
जमाने की हवा में नहीं आया
70 साल के बाद दुनिया के लिये
सठरिया बहतरिया

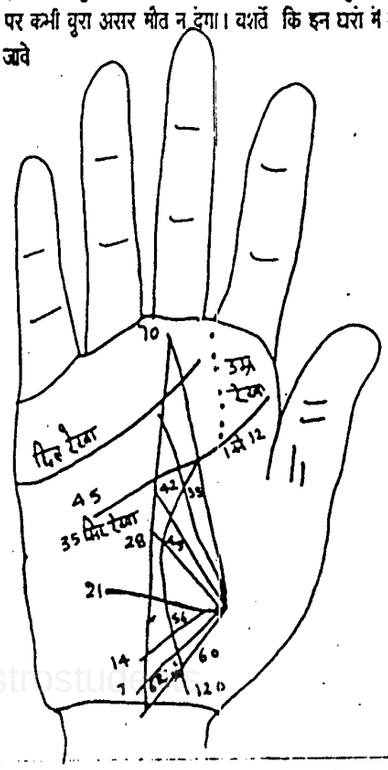

उम्र और किस्मत रेखा सालों में 12 साल तक जमाने की हवा में नहीं आया 70 साल के बाद दुनिया के लिये सठरिया बहतरिया हो गया।

उम्र होगी 10
साल का अरसा : कनक या जौ के बराबर के टुकड़े के पैमाने पर रेखा ख्वाह कोई भी रेखा टेवे असर होगा।
उम्र होगी 12
साल : अगर तर्जनी की जड़ के हाथ के किनारे के साथ साथ नीचे की तरफ उम्र रेखा को काटता हुआ खत खींचे तो उसका पहला मुकाम या रेखा की उस नुक्ता तक लम्बाई होगी।
90 साल : दूसरा मकान जब यहीं खत उम्र रेखा को आगे बढ़कर फिर दूसरी दफा काटे।
उम्र होगी 21 साल : जिस जगह किस्मत रेखा उम्र रेखा से मिले
उम्र होगी 65 साल : जिस जगह किस्मत रेखा सिर रेखा से मिले
56 साल जिस जगह किस्मत रेखा दिल रेखा से मिले
45 साल हथेली की चौड़ाई और दिल रेखा के निस्फ का निशान जहां दिल रेखा को काटे वह मुकाम
उम्र का आखिर : सेहत या तरक्की रेखा जिस जगह उम्र रेखा से मिले या जिस निशान पर दोनों बहन काट जावे।

रेखा पर निशान	ग्रह चाल होगी	बहाना मौत
मंगल बद नः 8 पर सूरज का सितारा हो या [illegible] सिर्फ [illegible] ही बन पड़े	चन्द्र शनिव्वर या मंगल या बुध शुक्र मंगल या शुक्र मंगल बद नः 5, 8 मंगल बद नः 2 मगर सूरज या चन्द्र का साथ न हो जावे	लड़ाई या मैदाने जंग
शनिव्वर के बुर्ज से [illegible] उम्र रेखा के आ काटे	शनिव्वर शुक्र नः 10 और सूरज नः 4	पुरदर्द मौत
सूरज के बुर्ज पर सूरज का सितारा होवे	सूरज नः 1 काम और अकेला	अचानक मौत

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

दिल व सिर रेखा का मिल जाना। दिल रेखा और	चन्द्र बुध नः 3, 6 या चन्द्र शनिच्चर नः 7 या चन्द्र व मंगल बद (मंगल बुध चन्द्र शनिच्चर)	सदमा से मौत
गृहस्थ रेखा का कनिष्टका या मध्यमा के पास मिल जाना सिर रेखा का दिल रेखा को काटकर शनिच्चर तक खत्म हो जाना दोनों की एक ही रेखा मालूम हो	नः 7, 10	
श्रेष्ठ रेखा का शनिच्चर की तरफ हुआ जाना	शनिच्चर नः 6 बुध नः 3, 10, 11 या शनिच्चर नः 6 बुध शुक्र नः 7	जानवरों से मौत का खतरा
अंगूठा छोटा और मध्यमा बहुत लम्बी दिल सिर और उम्र रेखा का मिल जाना सूरज रेखा का हाथ में बिल्कुल न होना सिर रेखा का चन्द्र में खत्म होना	चन्द्र बुध मुश्तरका सूरज बरबाद चन्द्र दुःखी नः 4	खुदकशी करेगा
पापी ग्रहों से बुध का साथ या पापी ग्रहों का मुश्तरका निशान	बुध भय पाप राहु केतु या पापी	बिजली या सांप से
सिर रेखा से ऊपर दिल रेखा तक ही शाख हो	बुध शनिच्चर नः 4 या बुध शनिच्चर राहु मुश्तरका व सूरज कायम	खूनी होगा
पितृ रेखा की शाख मातृ रेखा को काट कर अनामिका तक चली जावे	शनिच्चर नः 3 बुध नः 11 या सूरज शनिच्चर नः 10 बुध नः 8	कैद में मरे
उम्र रेखा से निकली हुई किस्मत रेखा	शुक्र नः 1 सूरज नः 7 दुश्मन या पापी किसी के	तपेदिक से मरे

सूरज में या सूरज तक चली जावे	साथ या सूरज शुक्र मुश्तरका नः 1, 3, 10	
पितृ रेखा के उपर त्रिशूल होवे	सूरज बुध नः 4	घोड़े से गिर कर मरे
पितृ रेखा के नीचे राहु होवे	चन्द्र राहु नः 4	कुएं से गिरकर या फांसी या घुटकर मरे
सिर रेखा पर त्रिशूल हो तो	सूरज शनिच्चर नः 7 या सूरज शनिच्चर बुध नः 7	सिर कटने से मौत
पितृ रेखा मातृ रेखा से अलहदा होकर कटी हुई या टेढ़ी हो चन्द्र की चीजों की आमद से चन्द्र नष्ट या या कब्जा (जोड़) से जुदा होकर टेढ़ी होवे	बुध बृहस्पत बाहम बिलमुकाबिल	अधरंग से मौत
	बुध बृहस्पत मुश्तरका खाना नः 3	सन्निपात से मरे

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

दिल व सिर रेखा का मिल जाना। दिल रेखा और	चन्द्र बुध नः 3, 6 या चन्द्र शनिच्चर नः 7 या चन्द्र व मंगल बद (मंगल बुध चन्द्र शनिच्चर)	सदमा से मौत
गृहस्थ रेखा का कनिष्टका या मध्यमा के पास मिल जाना सिर रेखा का दिल रेखा को काटकर शनिच्चर तक खत्म हो जाना दोनों की एक ही रेखा मालूम हो	नः 7, 10	
श्रेष्ठ रेखा का शनिच्चर की तरफ हुआ जाना	शनिच्चर नः 6 बुध नः 3, 10, 11 या शनिच्चर नः 6 बुध शुक्र नः 7	जानवरों से मौत का खतरा
अंगूठा छोटा और मध्यमा बहुत लम्बी दिल सिर और उम्र रेखा का मिल जाना सूरज रेखा का हाथ में बिल्कुल न होना सिर रेखा का चन्द्र में खत्म होना	चन्द्र बुध मुश्तरका सूरज बरबाद चन्द्र बुध नः 4	खुदकशी करेगा
पापी ग्रहों से बुध का साथ या पापी ग्रहों का मुश्तरका निशान	बुध भय पाप राहु केतु या पापी	बिजली या साँप से
सिर रेखा से ऊपर दिल रेखा तक ही शाख हो	बुध शनिच्चर नः 4 या बुध शनिच्चर राहु मुश्तरका व सूरज कायम	खूनी होगा
पितृ रेखा की शाख मातृ रेखा को काट कर अनामिका तक चली जावे	शनिच्चर नः 3 बुध नः 11 या सूरज शनिच्चर नः 10 बुध नः 8	कैद में मरे
उम्र रेखा से निकली हुई किस्मत रेखा	शुक्र नः 1 सूरज नः 7 दुश्मन या पापी किसी के	तपेदिक से मरे

सूरज में या सूरज तक चली जावे	साथ या सूरज शुक्र मुश्तरका नः 1, 3, 10	
पितृ रेखा के उपर त्रिशुल होवे	सूरज बुध नः 4	घोड़े से गिर कर मरे
पितृ रेखा के नीचे राहु होवे	चन्द्र राहु नः 4	कुएं से गिरकर या फांसी या घुटकर मरे
सिर रेखा पर त्रिशुल हो तो	सूरज शनिच्चर नः 7 या सूरज शनिच्चर बुध नः 7	सिर कटने से मौत
पितृ रेखा मातृ रेखा से अलहदा होकर कटी हुई या टेढ़ी हो चन्द्र की चीजों की आमद से चन्द्र नष्ट या या कब्जा (जोड़) से जुदा होकर टेढ़ी होवे	बुध बृहस्पत बाहम बिलमुकाबिल	अधरंग से मौत
	बुध बृहस्पत मुश्तरका खाना नः 3	सन्निपात से मरे

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

जब तक साथ लाये हुए दाना पानी का खजाना बाकी था सांस चलता रहा और मुट्ठी खुलती और बन्द होती रही। लेकिन ज्योंही आखिर साथ लाई हुई मुट्ठी अब जोर से बन्द करने पर भी बन्द न हो सके। दुनियावी गृहस्थी सब बैठे देख रहे है लेकिन किसी को अपने साथी नहीं बना सकता। बाकि बची हुई चीज की मुट्ठी भर अपने साथ नहीं ले जा सकता यानि कि सांस बन्द हुआ मगर किस्मत का लेखा चलता रहा यानि उनके तमाम सम्बन्धियों को उसकी बन्द मुट्ठी में साथ लाये हुये खजाने से बचे हुए हिस्से को खर्चने का बहाना होगा।

फरमान नः 18

आशीर्वाद

खुश रहो आबाद दुनिया, मालो जहान
बढ़ते रहो, मदद मालिक अपनी देगा
नेकी खुद करते रहो

परिवार व धन

इतिशुभम्

.....

Free by Astrostudents

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00

शुक्र पर सूरज का सितारा (उम्र रेखा पर हो)	चन्द्र शनिव्यर नः 4 या चन्द्र नः 10	दरिया नदी
	शनिव्यर नः 4 वक्त रात शनिव्यर	नाला
	नः 10 सूरज चन्द्र नः 4 वक्त दिन	पानी से
	सूरज चन्द्र नः 7 से वक्त न दिन न रात	मौत
	चन्द्र शनिव्यर नः 7 से अगर वस्ए दृष्टि प्रबल हो	मातृभूमि में
	चन्द्र	
	अगर वस्ए दृष्टि प्रबल हो शनि	परदेस में
	वृहस्पत नः 2 केतु नः 6 या दोनों मुश्तरका	पहले पता लग जावे
	चन्द्र नः 10 और नः 2 खाली	फेफड़े और छाती की बीमारियां

उम्र रेखा यकायक टूट जावे, मौत अपने की निशानी है।
जब बुध और राहु या केतु इकट्ठे हो जावें मौत आने की निशानी होगी।
राहु या केतु से बुध मुश्तरका जब भी किसी का दौरा आवे मौत गूंजने की निशानी होगी
चन्द्र शनिव्यर नः 4 परदेस में मरे। बाकी सब हालतों में चन्द्र शनिव्यर नः 7 मातृभूमि या अपने गृहस्थ में मरे। किस्मत रेखा की शुरु की दो शाखों की अंगूठे की तरफ की शाख अगर लम्बी हो यानि शुक्र की तरफ बड़ी हो तो परदेस में मौत होवे। उम्र रेखा जब खात्मा पर शुक्र के बुर्ज की उभ की गोलाई पर दो शाखा हो जावे और शुक्र की तरफ की शाख लम्बी हो तो मौत मातृभूमि मे होगी। अगर चांद की तरफ की बड़ी तो परदेस में मरेगा बृहस्पत नः 2 या केतु नः 6 अपनी मौत का उस शख्स का मरने से पहले पता लग जाएगा।

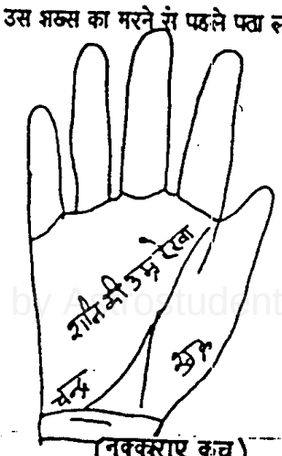

(नक्कराए कूच)
मौत का वक्त

मौत का वक्त पापी ग्रहों के मन्दे कामों का नतीजा है।

कर्म जब हो खत्म अपना – या खजाना लेख का
खुद बखुद ही आ बनेगा – सब बहाना मौत का
विनाश काल विपरीत बुद्धि – माल्ो जर न काम या
मौत हंके चोट लगती – चलना खासो आम या

मन्दी ग्रह चाल (वर्षफल के अनुसार)

1. शुक्र का वक्त पापी ग्रहों के मन्दे कामों का नतीजा है।
2. बुध राहु केतु किसी तरह भी इकट्ठे हो रहे हों
3. खाना नः 3 खाली या नः 3 में मन्दे ग्रह और नः 8, 6 में से एक कोई या दोनों मन्दे हो रहे हो
4. बन्द मुट्ठी के घर (1, 7, 4, 10) खाली या उसमें जन्म कुंडली के (1, 7, 4, 10) का कोई भी ग्रह न हो
5. चन्द्र खुद निकम्मा बैठे
6. नः 4 खाना नः 2 की मारफत नः 8 की जहर बढ़ाने का बहाना होगे।
7. बुध मन्दे घरों (3, 8, 9, 12) में बैठे
8. शनिव्यर अपने पाप (राहु सिर तो केतु पांव) की मारफत चन्द्र को जहर देवे। राहु नः 8 हो चन्द्र रहा में जब चन्द्र खुद ही मन्दा हो जावे।

This book is the copy of the 3 volume book of LalKitab 1952 whose photocopy is being sold in the Black market at Rs. 2100.00